THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 91 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ कृ.2 2083 गुरुवार, 2 जुलाई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ❋ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

नायरा का पेट्रोल 5 और डीजल 3रु सस्ता

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। देश की सबसे बड़ी प्राइवेट फ्यूल रिटेलर कंपनी नायरा एनर्जी ने पेट्रोल के दाम में 5 रुपए प्रति लीटर और डीजल में 3 रुपए प्रति लीटर की कमी की है। अब भोपाल में नायरा के पेट्रोल की कीमत 119.79 रुपए से घटकर 114.79 रुपए और डीजल 102.57 रुपए से घटकर 99.57 रुपए पर आ गया है। नायरा एनर्जी के देश भर में 7 हजार से ज्यादा पेट्रोल पंप हैं। बाकी कंपिनयों के एक लाख से ज्यादा हें। इस तरह बाजार में इसकी 7% हिस्सेदारी है। नायरा की नई दरें सभी जगह लागू हो गई हैं। हालांकि, अलग-अलग राज्यों में लोकल टैक्स और वैल्यू-एडेड टैक्स की दरें अलग होने की वजह से हर शहर में रिटेल प्राइस में थोड़ा अंतर देखने को मिल सकता है।

117 हस्तियों ने मोदी-शहबाज को पत्र लिखा

बोले- दुश्मनी खत्म करें, बातचीत और रिश्ते फिर शुरू हों

नई दिल्ली/इस्लामाबाद, 1 जुलाई (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान के रिश्तों को सुधारने के लिए दोनों देशों की 117 हस्तियों ने पीएम मोदी और पाक पीएम शहबाज शरीफ को चिट्ठी लिखी है। इसमें कहा गया है कि टकराव नहीं, बातचीत का रास्ता चुनिए, ताकि दक्षिण एशिया में शांति और विकास का माहौल बन सके।

इन 117 हस्तियों में पूर्व अधिकारी, सामाजिक और राजनीतिक हस्तियां शामिल हैं। भारत की ओर से जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती और आरजेडी सांसद मनोज झा समेत 61 लोगों और पाकिस्तान की ओर से पूर्व विदेश मंत्री खुर्शीद महमूद कसूरी समेत 56 लोगों ने चिट्ठी पर साइन किए हैं।

यह पहल ऐसे समय में की गई है जब हाल के महीनों में भारत और पाकिस्तान के संबंधों में तनाव बना हुआ है। इनका कहना है कि लगातार बढ़ती शत्रुता से दोनों देशों के विकास, क्षेत्रीय स्थिरता और आम नागरिकों के हित प्रभावित हो रहे हैं।

दोनों देशों के बीच संवाद दोबारा शुरू हो

अभी की स्थिति: 25 दिसंबर 2015 को पीएम नरेंद्र मोदी ने लाहौर जाकर नवाज शरीफ से मुलाकात की थी। इसके बाद 2 जनवरी 2016 के पठानकोट आतंकी हमले के बाद द्विपक्षीय वार्ता बंद है।

जम्मू-कश्मीर समेत सभी विवादित मुद्दों पर बातचीत हो

अभी की स्थिति: 5 अगस्त 2019 को भारत ने अनुच्छेद 370 हटाया। इसके बाद पाकिस्तान ने द्विपक्षीय बातचीत और कूटनीतिक रिश्तों को सीमित कर दिया।

सैन्य तनाव कम हो

अभी की स्थिति: 25 फरवरी 2021 को दोनों देशों ने एलओसी पर 2003 के सीजफायर समझौते का फिर से पालन करने पर सहमति जताई। इसके बावजूद हालिया आतंकी घटनाओं के बाद सीमाओं पर तनाव बना हुआ है।

लोगों के बीच संपर्क बढ़े

अभी की स्थिति: 22 अप्रैल 2025 के पहलगाम आतंकी हमले के बाद दोनों देशों ने नागरिकों की आवाजाही पर कड़े प्रतिबंध लगाए।

सांस्कृतिक और शैक्षणिक संबंध बेहतर हों

अभी की स्थिति: 18 सितंबर 2016 (उरी हमले) के बाद कलाकारों के आदान-प्रदान और अधिकांश सांस्कृतिक कार्यक्रम लगभग बंद हो गए।

>14

भारत-पाक रिश्तों में नई पहल की मांग

मनोज झा ने आरएसएस के बयानों को लेकर कही बड़ी बात

भारत-पाक संबंधों पर उठी बहस

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को लेकर 100 से अधिक प्रमुख नागरिकों ने दोनों प्रधानमंत्रियों से रिश्ते सामान्य करने की अपील की है। इस पहल पर प्रतिक्रिया देते हुए आरजेडी सांसद मनोज कुमार झा ने कहा कि सरकार को राज्य और नागरिकों के बीच स्पष्ट अंतर बनाए रखना चाहिए और अपनी प्राथमिकताओं को साफ तौर पर तय करना चाहिए।

मनोज झा ने कहा कि महात्मा गांधी हमेशा मानते थे कि राज्य और उसके नागरिकों के बीच अंतर किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जल विवाद और आतंकवाद जैसे मुद्दों पर सरकार की अपनी जिम्मेदारियां और चुनौतियां होती हैं, लेकिन लोगों के बीच रिश्तों और संवाद को भी पूरी तरह खत्म नहीं किया जाना चाहिए।

आरजेडी सांसद ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भी दुबई में क्रिकेट मुकाबले खेले जा रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि एक ओर कड़े प्रतिबंधों की बात की जाती है और दूसरी ओर खेल जारी रहते हैं, तो यह विरोधाभास क्यों है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थितियों से बचने के लिए सरकार को अपनी नीति स्पष्ट रखनी होगी।

मनोज झा ने कहा कि यदि पिछले तीन महीनों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शीर्ष नेतृत्व के बयानों का विश्लेषण किया जाए, तो यह काफी हद तक स्पष्ट हो जाता है कि मौजूदा घटनाक्रम किसके इशारे पर आगे बढ़ रहे हैं।

राममंदिर चोरी

अविनाश के घर मिला मंदिर का संदूक

अयोध्या, 1 जुलाई (एजेंसियां)। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में पुलिस ने बुधवार को आरोपी लवकुश मिश्रा और अनुकल्प मिश्रा के घर छापेमारी की है। दस्तावेजों को खंगाला जा रहा है।

इससे पहले जेल में बंद आरोपी अविनाश शुक्ला के अयोध्या स्थित योग केंद्र से पुलिस ने एक संदूक बरामद किया है। उस पर लाल रंग से 'रामराज्य कोष' लिखा था। पेटीएम का क्यूआर कोड लगा था। 28 जून को हुई पुलिस की छापेमारी का वीडियो बुधवार सुबह सामने आया। इस बीच, राम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास महाराज की तबीयत बिगड़ गई है। उन्हें लखनऊ मेदांता में भर्ती कराया गया है। हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. राकेश कपूर ने बताया- महंत को 29 जून यानी सोमवार को लाया गया था। उन्हें सांस लेने में तकलीफ और यूरिन इन्फेक्शन था।

मंगलवार को पुलिस ने फैजाबाद जेल में बंद सभी आठों आरोपियों से पूछताछ की। सबसे लंबी पूछताछ अविनाश से हुई। दो घंटे चली पूछताछ में 5 जून को अविनाश के घर से बरामद कैश और गहनों को लेकर सवाल-जवाब किए गए। अविनाश के घर से 14 लाख कैश मिला था। चढ़ावा चोरी मामले की जांच कर रही एसआईटी को सरकार ने 15 दिन का समय और दिया है। सूत्रों के मुताबिक, चढ़ावा चोरी की जांच का दायरा बढ़ाने के लिए ईडी को भी शामिल किया जा सकता है। अयोध्या पुलिस ने लखनऊ में ऑफिसर्स से इसका आग्रह किया है।

400 निजी सुरक्षाकर्मी भी जांच के घेरे में

राम मंदिर परिसर में तैनात 400 निजी सुरक्षाकर्मी भी जांच के घेरे में हैं। उनकी ड्यटी, रोस्टर, सीसीटीवी, एंट्री-एग्जिट रिकॉर्ड की पड़ताल की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, मंदिर की सुरक्षा का जिम्मा जिस निजी सुरक्षा कंपनी के पास था, वह बिहार के पूर्व सांसद की है। ट्रस्ट इस पर हर महीने 1 करोड़ खर्च करता था। यानी निजी सुरक्षा पर सालाना 12 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे थे।

सचिन अहीर निर्विरोध चुने गए उपाध्यक्ष

मुंबई, 1 जुलाई (एजेंसियां)। शिवसेना विधान परिषद सदस्य सचिन अहीर बुधवार को महाराष्ट्र विधान परिषद के उपाध्यक्ष पद के लिए निर्वाचित हुए। संसदीय कार्य मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने विपक्ष से अपना नामांकन वापस लेने का अनुरोध किया, जिसके बाद विपक्षी उम्मीदवार ने अपना नामांकन वापस ले लिया। इसके बाद सदन में एक प्रस्ताव पारित किया गया और सचिन अहीर को सर्वसम्मति से महाराष्ट्र विधान परिषद का उपाध्यक्ष चुना गया। महाराष्ट्र विधान परिषद में उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव आज दोपहर 1 बजे हुआ। महायुति शिवसेना (शिंदे गुट) के एमएलसी सचिन अहीर और महाविकास अघाड़ी (एमवीए) के एमएलसी जेएम अभ्यंकर (ठाकरे गुट) के खिलाफ चुनाव लड़ रही थी।

खामेनेई के जनाजे में बुलाए गए खरगे और नितिन नवीन

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के जनाजे को लेकर भारत को बड़ा कूटनीतिक निमंत्रण मिला है। सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों को साथ लेकर चलने की कोशिश के तहत ईरान ने बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को जनाजे में शामिल होने का न्योता भेजा है। इससे दोनों देशों के रिश्तों को लेकर नई चर्चा शुरू हो गई है।

सूत्रों के अनुसार, भारत सरकार की ओर से विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा और बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन तेहरान में होने वाले कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। दोनों 4 जुलाई को आयोजित शोक समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। हालांकि, भारत सरकार की ओर से अभी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी जनाजे में शामिल होने का निमंत्रण भेजा था। हालांकि, सरकारी स्तर पर यह माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री स्वयं इस कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे। भारत किस स्तर का प्रतिनिधिमंडल भेजेगा, इस पर अंतिम फैसला अभी बाकी है।

ईरान ने चीन, रूस, पाकिस्तान और कतर सहित कई देशों के शीर्ष नेताओं को भी आमंत्रित किया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि उनका देश आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल भेजेगा। ऐसे में यह कार्यक्रम वैश्विक कूटनीतिक उपस्थिति का बड़ा मंच बनने जा रहा है।

भारत-पाकिस्तान के बीच कैदियों की सूची का आदान-प्रदान

13 भारतीयों के लिए भारत ने मांगा तत्काल कांसुलर एक्सेस

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान ने राजनयिक संबंधों के जरिए एक-दूसरे की हिरासत में मौजूद नागरिकों और मछुआरों की लिस्ट का आदान-प्रदान किया किया। इस दौरान नई दिल्ली ने इस्लामाबाद के समक्ष पाकिस्तानी हिरासत में बंद 13 ऐसे नागरिकों को तत्काल कांसुलर एक्सेस देने की मांग की, जिन्हें भारतीय नागरिक माना जा रहा है। लेकिन पाकिस्तान ने अब तक उन्हें भारतीय अधिकारियों से मिलने की अनुमति नहीं दी है। भारत और पाकिस्तान के बीच 2008 में हुए 'कॉन्सुलर एक्सेस' समझौते के तहत, ऐसी सूचियों का आदान-प्रदान हर साल 1 जनवरी और 1 जुलाई को किया जाता है।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारत ने अपनी हिरासत में मौजूद 386 पाकिस्तानी या पाकिस्तानी माने जाने वाले नागरिक कैदियों और 53 मछुआरों की सूची पाकिस्तान को सौंपी। वहीं पाकिस्तान ने 52 भारतीय या भारतीय माने जाने वाले नागरिक कैदियों और 198 भारतीय मछुआरों की सूची भारत को सौंपी।

13 भारतीयों को तत्काल कांसुलर देने की मांग

भारत ने पाकिस्तान से उन 188 भारतीय मछुआरों और नागरिक कैदियों की जल्द से जल्द रिहाई और स्वदेश वापसी सुनिश्चित करने की मांग की है, जो अपनी सजा पूरी कर चुके हैं। इसके साथ ही नई दिल्ली ने पाकिस्तान की जेलों में बंद 13 भारतीय माने जाने वाले नागरिक कैदियों को तत्काल कांसुलर एक्सेस देने और सभी भारतीय कैदियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया गया है।

'जय' से 'विजय' तक...

नए सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने बताया भारतीय सेना का नया मंत्र

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। नए इंडियन आर्मी चीफ जनरल धीरज सेठ ने अपनी प्राथमिकताएं बताई और देशवासियों को भरोसा दिलाया कि भारतीय सेना देश की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए हर परिस्थिति में पूरी तरह तैयार है और हमेशा तैयार रहेगी।

भारतीय सेना के 31वें प्रमुख का पद संभालने के एक दिन बाद बुधवार को जनरल धीरज सेठ ने नेशनल वॉर मेमोरियल पहुंचकर देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों को श्रद्धांजलि दी। फिर साउथ ब्लॉक लॉन में गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया। उन्होंने भारतीय सेना के लिए अपनी प्राथमिकताओं का खाका पेश किया। उन्होंने 'ड्यूटी, ऑनर एंड नेशन फर्स्ट' के सिद्धांतों के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता दोहराई।

जनरल सेठ ने कहा कि बदलते सुरक्षा परिवेश को देखते हुए सेना के आधुनिकीकरण को नई ऊर्जा और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ाया जाएगा। उनका लक्ष्य तकनीक आधारित, भविष्य के लिए तैयार ऐसी सेना बनाना है जो विभिन्न क्षेत्रों में प्रभावी ढंग से अभियान चलाने में सक्षम हो।

जनरल धीरज सेठ ने भारतीय सेना की प्राथमिकताओं को 'विजय' के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि 'V' का अर्थ विजिलेंस यानी सतर्कता है। इसके तहत सीमाओं पर लगातार निगरानी, उभरते खतरों के प्रति सतर्कता और उच्च स्तर की ऑपरेशनल तैयारी बनाए रखने पर

जोर रहेगा। 'I' का मतलब इन्नोवेशन और ट्रांसफारमेशन यानी नवाचार और परिवर्तन है। इसके तहत युद्ध के बदलते स्वरूप के अनुरूप सैन्य सिद्धांतों, तकनीक और क्षमताओं में नवाचार और परिवर्तन को बढ़ावा दिया जाएगा। 'J' का अर्थ ज्वाइंटनेस एवं इंटीग्ररेशन यानी संयुक्तता और एकीकरण है।

गुंडे मुझ पर हमला कर रहे हैं और पुलिस देख रही है : महुआ मोइत्रा

कोलकाता, 1 जुलाई (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने अपने क्षेत्र में भीड़ द्वारा अंडे और पत्थरों से अटैक किए जाने का वीडियो साझा किया है। महुआ मोइत्रा ने आरोप लगाया है कि पुलिस मूकदर्शक बनी हुई है। राज्य के डीजीपी से लेकर वह सभी को कॉल कर चुकी हूं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। भीड़ के पथराव और अंडे फेंकने के कारण वह बाहर नहीं निकल सकती हैं। बंगाल में यह घटना ऐसे वक्त पर आई है जब कलकत्ता हाईकोर्ट ने एक दिन पहले ही अंडे फेंकने की घटनाओं पर राज्य सरकार से रिपोर्ट मांगी है। महुआ मोइत्रा ने लिखा है कि अभी बीजेपी के गुंडे मुझ पर हमला कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल यह सब देख रही है।

महुआ मोइत्रा ने एक्स पर साझा किए गए वीडियो में विपक्षी नेताओं को भी टैग किया है। महुआ मोइत्रा इस वीडियो में कह रही है कि देखिए कैसे भीड़ के द्वारा पथराव किया जा रहा है और पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। उन्होंने इस मुद्दे पर बीजेपी पर हमला बोला है। महुआ मोइत्रा अभी ममता बनर्जी के साथ हैं। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस पार्टी नहीं छोड़ी है। वह बंगाल के कृष्णानगर से सांसद हैं। महुआ मोइत्रा ऑफिस पर अंडे और सब्जियों से हमला करने का आरोप लगाया है। महुआ मोइत्रा टीएमसी की फायरब्रांड नेता हैं।

महुआ मोइत्रा वीडियो में कह रही है कि देखिए क्या हो रहा है। पुलिस के देखते हुए, यह बीजेपी की भीड़ है। मैं पिछले एक घंटे से यहां खड़ी हूं। मैंने डीजीपी और बाकी सभी को फोन किया है, लेकिन पुलिस बस बैठकर देख रही है। सीआरपीएफ भी देख रही है। उन्होंने आगे कहा कि यह मेरा इलाका है। मैं यहां की सांसद हूं। मैं अपने ऑफिस में हूं। मैं यहां से नहीं हटूंगी। कृपया इनके चेहरे देखिए। कल पश्चिम बंगाल सरकार इससे इनकार कर देगी। कोई पुलिस इस पर ध्यान नहीं देगी। कोई कोर्ट इस पर ध्यान नहीं देगा। सीआरपीएफ देख रही है। बंगाल में अंडे फेंक करने मारने पर जब मंगलवार को हाईकोर्ट ने कड़ा संज्ञान लिया था। उसके बाद जेपी के राज्य अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य ने कहा कि अंडे फेंकना बीजेपी की संस्कृति नहीं है। भट्टाचार्य ने अंडे फेंकने वाली राजनीति पर साफ बयान देते हुए कहा कि यह बीजेपी द्वारा अपनाया जाने वाला मॉडल नहीं है। इससे दूर रहना चाहिए।

व्हॉट्सएप के नए 'यूजरनेम' फीचर पर सरकार की नजर

सुरक्षा पहलुओं की हो रही समीक्षा

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। सरकार व्हॉट्सएप के प्रस्तावित 'यूजरनेम' फीचर पर नजर बनाए हुए है। इस फीचर के संभावित दुरुपयोग और अन्य सुरक्षा संबंधी चिंताओं को ध्यान में रखते हुए सरकार इसके विभिन्न पहलुओं की समीक्षा कर रही है।

मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि सरकार संभावित जोखिमों का आकलन करेगी। उन्होंने कहा कि इस फीचर से यूजर्स असली एजेंसियों और अन्य संस्थाओं जैसे यूजरनेम अपना सकते हैं, जिससे किसी और का रूप धरने और धोखाधड़ी की संभावना बढ़ सकती है। उन्होंने कहा कि इसके सार्वजनिक सुरक्षा और समाज पर बुरे असर पड़ सकते हैं।

सूत्रों ने आगे कहा कि सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा या सार्वजनिक सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगी। बता दें कि हाल ही में वॉट्सएप ने अपने करोड़ों यूजर्स के लिए यूजरनेम फीचर को रोलआउट करना शुरू कर दिया है। इस फीचर की मदद से अब यूजर्स अपना एक यूनिक यूजरनेम बना सकेंगे, जिससे बिना मोबाइल नंबर शेयर किए भी दूसरे लोग उनसे जुड़ सकेंगे।

व्हॉट्सएप ने एक ब्लॉग पोस्ट में कहा, इस हफ़्ते से, आप यूज़रनेम रिजर्व कर सकते हैं ताकि जब हम इस साल के आखिर में यह फ़ीचर लॉन्च करें, तो आप उसका इस्तेमाल कर सकें।

हाईकोर्ट बोला- मैरिज सर्टिफिकेट से शादी नहीं मानी जाएगी

हिंदू विवाह के लिए रस्में जरूरी, सात फेरे के बिना सिर्फ रजिस्ट्रेशन काफी नहीं

अहमदाबाद, 1 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात हाईकोर्ट ने कहा कि सिर्फ मैरिज सर्टिफिकेट बन जाने से हिंदू विवाह नहीं माना जा सकता। शादी उसी स्थिति में मानी जाएगी, जब हिंदू मैरिज एक्ट के तहत तय रीति-रिवाज पूरे किए गए हों। जिन समुदायों में सात फेरे की परंपरा है, वहां उनके बिना विवाह पूरा नहीं माना जाएगा।

जस्टिस इलेश जे. वोरा और जस्टिस आर.टी. वच्छानी की खंडपीठ ने कहा कि मैरिज सर्टिफिकेट केवल पहले से हुई शादी का रिकॉर्ड होता है। वह अपने आप किसी विवाह को मान्यता नहीं देता।

मामला ब्रिटेन में रहने वाले एक व्यक्ति की अपील से जुड़ा है। उसका आरोप है कि अहमदाबाद की एक महिला ने नौकरी दिलाने का झांसा देकर उससे डॉक्यूमेंट्स पर साइन लेकर फर्जी तरीके से मैरिज सर्टिफिकेट बना लिया। दोनों के बीच कभी शादी नहीं हुई। सुनवाई के दौरान महिला ने फैमिली कोर्ट में माना कि शादी की कोई रस्म नहीं हुई थी। उसने

यह भी स्वीकार किया कि दोनों कभी पति-पत्नी की तरह साथ नहीं रहे। इसके बावजूद फैमिली कोर्ट ने सिर्फ मैरिज सर्टिफिकेट के आधार पर व्यक्ति की अर्जी खारिज कर दी थी। हाईकोर्ट ने यह आदेश रद्द करते हुए कहा कि जब शादी की जरूरी रस्में ही नहीं हुईं, तो सिर्फ रजिस्ट्रेशन के आधार पर उसे हिंदू विवाह नहीं माना जा सकता।

हाईकोर्ट ने हिंदू मैरिज एक्ट की धारा-7 का हवाला देते हुए कहा कि हिंदू विवाह तभी माना जाएगा, जब कानून और संबंधित समुदाय की परंपरा के मुताबिक जरूरी रस्में पूरी की गई हों। औपचारिकता नहीं, बल्कि एक संस्कार है। यह दो लोगों के साथ एक नए परिवार की शुरुआत का आधार भी है। इसलिए विवाह के महत्व और उसकी जिम्मेदारियों को समझकर ही इस रिश्ते में प्रवेश करना चाहिए।

आज कडपा गांव में वीबी-जीरामजी स्कीम लॉन्च होगी

पवन कल्याण मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू मंत्री शिवराज सिंह चौहान

कडपा, 1 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार का नया ग्रामीण रोजगार प्रोग्राम, 'विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण)' (वीबी-जीरामजी), महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (एमजीएनआरईजीएस) की जगह लेगा। इस स्कीम को 2 जुलाई को पुराने कडपा जिले के रेलवे कोडूर निर्वाचन क्षेत्र के ओबुलावारिपल्ले मंडल के मुक्कावारिपल्ले गांव में लॉन्च किया जाएगा। इस मौके पर केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू और उपमुख्यमंत्री के. पवन कल्याण मौजूद रहेंगे। दिलचस्प बात यह है कि आंध्र प्रदेश एक बार फिर एक अहम ग्रामीण रोजगार प्रोग्राम की लॉन्चिंग की मेज़बानी कर रहा है।

एमजीएनआरईजीएस का उद्घाटन 2 फरवरी, 2006 को अनंतपुर जिले के बांडलापल्ली गांव में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, यूपीए चेयरपर्सन सोनिया गांधी, केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री रघुवंश प्रसाद सिंह और दिवंगत मुख्यमंत्री वाई.एस. राजशेखर रेड्डी ने किया था। हालांकि अब केंद्र और राज्य में अलग-अलग राजनीतिक पार्टियां सत्ता में हैं, फिर भी आंध्र प्रदेश को एक बार फिर नए ग्रामीण रोजगार प्रोग्राम को लॉन्च करने के लिए चुना गया है। एमजीएनआरईजीएस स्कीम की जगह लेने वाली नई वीबी-जीरामजी स्कीम को गांवों में ही रोजगार के अवसर पैदा करके ग्रामीण आजीविका को मजबूत करने और मजबूरी में होने वाले पलायन को रोकने के मकसद से शुरू किया गया है।

एमजीएनआरईजीएस में हर परिवार को सालाना 100 दिन के वेतन वाले रोजगार की गारंटी मिलती थी, लेकिन नए कानून में इस सीमा को बढ़ाकर 125 दिन कर दिया गया है, जिससे ग्रामीण परिवारों को 25 दिन का अतिरिक्त पक्का रोजगार मिलेगा। इस स्कीम के तहत वेतन का भुगतान हर हफ्ते किया जाएगा और काम मांगने वाले मजदूर को 15 दिनों के अंदर रोजगार देना ज़रूरी होगा। अगर तय समय में रोजगार नहीं दिया जाता है, तो पात्र मज़दूरों को बेरोज़गारी भत्ता मिलेगा। इस स्कीम में वेतन भुगतान में पारदर्शिता ज़रूरी है।

अनियमितताओं को रोकने के लिए एमजीएनआरईजीएस के तहत पहले से लागू मोबाइल एप्लिकेशन के ज़रिए चेहरा पहचानकर हाजिरी लगाने की व्यवस्था नए प्रोग्राम में भी जारी रहेगी। यह पक्का करने के लिए कि खेती के मुख्य मौसम में मज़दूरों की कमी से खेती के कामों पर असर न पड़े, रोजगार कार्यक्रम जुलाई और मार्च के बीच 60 दिनों की 'क्रॉप हॉलिडे' (खेती-बाड़ी से छुट्टी) रखेगा। यह समय बुवाई और कटाई जैसे खेती के ज़रूरी कामों का होता है। ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम ने पूरे ज़िले में लंबे समय तक चलने वाली सामुदायिक संपत्ति बनाने में बड़ी भूमिका निभाई है। हालांकि, नई योजना के तहत फ़ंडिंग के तरीके में काफ़ी बदलाव आया है।

जहाँ एमजीएनआरईजीएस को 90 प्रतिशत केंद्रीय मदद और 10 प्रतिशत राज्य के योगदान से फ़ंड मिलता था, वहीं एमजीएनआरईजीएस की जगह लेने वाली वीबी-जीरामजी योजना को अब 60:40 के अनुपात में फ़ंड दिया जाएगा। इसमें केंद्र 60 प्रतिशत योगदान देगा और राज्य 40 प्रतिशत खर्च उठाएगा, जिससे राज्य सरकार पर वित्तीय बोझ बढ़ जाएगा।

गृह मंत्री अनीता ने लोगों को पेंशन बांटी

अनाकापल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। ज़िला, पूरे राज्य में एनटीआर भरोसा पेंशन बांटने का काम चल रहा है। मंत्री और अधिकारी अलग-अलग इलाकों में लाभार्थियों को पेंशन बांट रहे हैं। इसी क्रम में, अनाकापल्ली ज़िले के पायकाराओपेट इलाके के पुराने पेडिरेड्डी गाँव की गली में मंत्री ने लोगों को पेंशन बांटी। बारिश के बावजूद, वह लोगों के घरों तक गईं और उन्हें पेंशन सौंपी। उन्होंने लोगों से बात की और उनका हाल-चाल पूछा। पायकाराओपेट वार्डों में पर्यटकों का आना-जाना नहीं है; अधिकारियों को आस-पास की जगह साफ़-सुथरी रखने के निर्देश दिए गए हैं। गृह मंत्री ने एक माँ से प्यार से बात की। फिर वहाँ से फल खरीदे। सड़क पर टिफ़िन की दुकान चलाने वाले की पत्नी भी मौजूद थीं। वहाँ स्थानीय नेताओं के साथ अनीता ने 'गारेलु' एक तरह का वड़ा भी बनाए। बाद में, गृह मंत्री अनीता ने पायकाराओपेट पीएचसी की नई इमारत का उद्घाटन किया।

साईं कृष्णा केस में मुझे फंसाने के लिए झूठे बयान इस्तेमाल कर रहे हैं: नागराजू

विजयवाड़ा, 1 जुलाई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश में सनसनी फैलाने वाले साईं कृष्णा रेप और मौत के मामले में अहम घटनाक्रम सामने आया है। सस्पेंड किए गए सीआई नागराजू ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के ज़रिए जज के सामने अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि उन पर केस कबूल करने और बिना किसी वजह के इस मामले में शामिल होने के लिए दबाव डाला जा रहा है। उन पर आरोप है कि उन्हें इस मामले में आरोपी के तौर पर पेश करने की कोशिश की जा रही है।

उन्होंने कहा कि स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) की पिछली जांच में उन्होंने पूरा सहयोग किया था और अधिकारियों को सारी जानकारी पहले ही दे दी है। नागराजू ने कहा कि फ़िलहाल उनके पास देने के लिए कोई और जानकारी नहीं है। इसके अलावा, नागराजू ने जज को यह भी बताया कि कस्टडी में उनकी जान को खतरा है। जज ने इस मामले, नागराजू के आरोपों और आपत्तियों पर गंभीरता से विचार किया और पुलिस को लिखित में जवाब देने का आदेश दिया। दूसरी ओर, शहर के अधिकारियों ने साईं कृष्णा लॉकडाउन मौत मामले में जांच तेज कर दी है। उन्होंने पहले ही कोर्ट से नागराजू की 12 दिन की कस्टडी की मांग की है। इस माहौल में, कस्टडी की अर्जी पर कोर्ट के फैसले का सभी को इंतजार है।

विज़ाग डेटा सेंटर के लिए मंदिर की ज़मीन देने के खिलाफ़ आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट में पीआईएल

विशाखापत्तनम, 1 जुलाई (एजेंसियां)। विशाखापत्तनम के पास एक प्रस्तावित डेटा सेंटर प्रोजेक्ट के लिए 'एम/एस विज़ाग हाइपरस्केल डेटा सेंटर पार्क लिमिटेड' को राज्य सरकार द्वारा 160 एकड़ एंडोमेंट (धार्मिक संस्था की) ज़मीन देने को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की गई है। पर्यावरण कार्यकर्ता और 'जल बिरादरी' के राष्ट्रीय संयोजक बोलिसेट्टी सत्यनारायण द्वारा दायर याचिका में कहा गया है कि अदालिवरम के सर्वे नंबर 275 और मुडासरलोवा के सर्वे नंबर 26 में फैली यह ज़मीन सिंहाचलम देवस्थानम की है और इसे कमर्शियल कामों के लिए ट्रांसफर नहीं किया जाना चाहिए था। याचिकाकर्ता का आरोप है कि यह आवंटन पर्यावरण नियमों का उल्लंघन करता है, जिसमें कंबलाकोंडा इको-सेंसिटिव ज़ोन और एनवायरनमेंटल इम्पैक्ट असेसमेंट (ईआईए) नोटिफिकेशन, 2006 से जुड़े प्रावधान शामिल हैं।

इसमें प्रोजेक्ट के मुडासरलोवा जलाशय के कैचमेंट एरिया के पास होने पर भी चिंता जताई गई है और दावा किया गया है कि इस डेवलपमेंट से इकोलॉजिकल और पर्यावरणीय नुकसान हो सकते हैं। पीआईएल में ज़मीन के आवंटन और प्रोजेक्ट को मिली पर्यावरणीय मंजूरी को रद्द करने की मांग की गई है। इसमें कोर्ट से यह भी अनुरोध किया गया है कि अधिकारियों को ज़मीन सिंहाचलम देवस्थानम को वापस करने का निर्देश दिया जाए, और जब तक व्यापक एनवायरनमेंटल इम्पैक्ट असेसमेंट नहीं हो जाता, तब तक किसी भी निर्माण कार्य पर रोक लगाई जाए। यह मामला अभी हाई कोर्ट में सुनवाई के लिए मंज़ूरी का इंतज़ार कर रहा है।

रेत कारोबारी पर 15लाख के नकली नोट देने का आरोप: महिला ने एसपी से लगाई गुहार, गड्डी में ऊपर असली अंदर थे नकली नोट

जबलपुर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। जबलपुर में एक महिला ने रेत कारोबारी पर उधार के रुपए लौटाने के नाम पर 15 लाख रुपए के नकली नोट देने का आरोप लगाया है। महिला का कहना है कि जब उसने कारोबारी को नकली नोटों की जानकारी दी तो रुपए वापस करने के बजाय उसे धमकाया गया। परेशान होकर बुधवार को महिला एसपी कार्यालय पहुंची और शिकायत दर्ज कराई। मामले में डीएसपी ने बेलखेड़ा थाना प्रभारी को जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। बेलखेड़ा निवासी गायत्री लोधी ने शिकायत में बताया कि उसका आनंद सिंह नाम के व्यक्ति से लंबे समय से लेनदेन चल रहा था। महिला के अनुसार आनंद पहले भी उससे रुपए लेता था और समय पर वापस कर देता था, इसलिए इस बार भी उसने भरोसा कर लिया।

गायत्री ने बताया कि करीब दो माह पहले आनंद ने फोन कर कहा था कि क्राइम ब्रांच में उसके खिलाफ जांच चल रही है, इसलिए इस नंबर पर कॉल न करें। इसके बाद नया नंबर मिलने की बात कही थी। महिला के अनुसार 27 जून को आनंद ने फोन कर बताया कि उसके 15 लाख रुपए दो लड़के लेकर आ रहे हैं, जो घर के पास मिलेंगे। कुछ देर बाद आर्यन और अनुज नाम के दो युवक पहुंचे। अनुज घर के अंदर आया और उसने कहा कि ये 15 लाख रुपए आनंद ने भेजे हैं। गायत्री ने बताया कि आनंद पर पहले भी उसका 8 से 10 लाख रुपए का लेनदेन रहा है और वह रुपए लौटाता रहा है। इसी भरोसे पर उसने रकम रख ली। महिला के अनुसार अगले दिन 28 जून को जब वह रुपए जमा कराने पोस्ट ऑफिस पहुंची तो वहां पोस्ट मास्टर ने नोटों की जांच की। जांच में सामने आया कि गड्डी के ऊपर और नीचे कुछ असली नोट थे, जबकि बीच के नोट नकली थे। इसके बाद महिला ने पूरी रकम की जांच की तो कई नोट नकली मिले।

इन लोगों को मंत्री पद कैसे मिल गया? टीडीपी विधायक की चौंकाने वाली टिप्पणी

अमरावती, 1 जुलाई (एजेंसियां)। टीडीपी विधायक बोंडा उमामहेश्वर राव ने मंत्री पद के मुद्दे पर चौंकाने वाली टिप्पणी की। टीडीपी नेताओं ने 2019 से 2024 तक बहुत अच्छा काम किया है। सब जानते हैं कि कौन-कौन है। उन पर पलनाडु जिले के माचेरला में हमला हुआ था। कृष्णा जिले के गुडिवाडा में भी उन पर हमला हुआ था। मैंने बिना किसी हिचकिचाहट के काम किया है। लेकिन वाईएसआरसीपी से टीडीपी में आए पार्थसारथी को मंत्री पद मिल गया। बोंडा उमामहेश्वर राव ने असंतोष जताया। विजयवाड़ा में गठबंधन सरकार के दो साल पूरे होने पर आयोजित समारोह में बोंडा उमामहेश्वर राव ने ये टिप्पणियां कीं। कोंडापल्ली श्रीनिवास, वासमशेट्टी सुभाष, सविताल्लू - ये सब कहाँ से आए। टीडीपी में ऐसे 15 लोग आए और अपने नाम बताए। लेकिन उन्होंने इशारों-इशारों में कहा कि पार्टी में हमेशा कड़ी मेहनत करने के बावजूद उन्हें मंत्री पद नहीं मिला। बोंडा उमामहेश्वर राव ने मंत्री पद न मिलने पर खुलकर असंतोष जताया। यह चर्चा का विषय बन गया है। सोशल मीडिया पर बोंडा उमामहेश्वर राव का वीडियो वायरल हो रहा है। बोंडा उमामहेश्वर राव को 2014-2019 के बीच टीडीपी सरकार के कार्यकाल के दौरान भी मंत्री पद मिलने की उम्मीद थी। उन्हें 2017 में दूसरे चरण के विस्तार में पद मिलने की उम्मीद थी। लेकिन उन्हें मौका नहीं मिला। उस समय भी बोंडा ने गहरी नाराजगी जताई थी। असल में, उस समय ऐसी चर्चा थी कि उन्हें मंत्री पद मिलेगा। लेकिन समीकरण बदलने के कारण उन्हें मंत्री पद नहीं मिला। 2024 के चुनावों के बाद बोंडा ने अपने मंत्री पद के बारे में कुछ नहीं कहा था। दो साल बाद ऐसी टिप्पणी करना दिलचस्प रहा। सरकार के सत्ता में आए दो साल हो चुके हैं।

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने आंध्र प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था की तारीफ़ की

विजयनगरम, 1 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने विजयनगरम जिले के भोगपुरम में पीएम श्री एपी मॉडल स्कूल का दौरा किया। उनके साथ एचआरडी मंत्री नारा लोकेश और एमएलएमई व एसईआरपी मंत्री कोंडापल्ली श्रीनिवास भी मौजूद थे। केंद्रीय मंत्री ने स्कूल की सुविधाओं का बारीकी से निरीक्षण किया, जिनमें डिजिटल क्लासरूम, लाइब्रेरी, अटल टिंकरिंग लैब (एटीएल), आरओ (रिवर्स ऑस्मोसिस) प्लांट और किचन शामिल थे। इस मौके पर, मंत्री नारा लोकेश ने केंद्रीय मंत्री प्रधान को स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए छात्रों के प्रोग्रेस कार्ड और असेसमेंट बुकलेट के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने उपदेशक चगंती कोटेश्वर राव द्वारा मूल्य-आधारित शिक्षा के लिए तैयार की गई किताबों के बारे में भी बताया। प्रधान ने राज्य सरकार की 'सर्वपल्ली राधाकृष्णन विद्यार्थी मित्र किट' (एसआरवीएम) के साथ-साथ पाठ्य-पुस्तकें, नोटबुक, वर्कबुक, यूनिफ़ॉर्म, स्कूल बैग, जूते, बेल्ट और मोज़े भी देखे। बाद में, केंद्रीय मंत्री ने सीधे छात्रों से बातचीत की और उनसे कई सवाल पूछे। जब छात्रों ने उनके सवालों के जवाब तुरंत और आत्मविश्वास के साथ दिए, तो उन्होंने बहुत खुशी और तारीफ़ ज़ाहिर की। उन्होंने स्कूल के शैक्षणिक मानकों, पढ़ाने के तरीकों और बुनियादी ढांचे की भी तारीफ़ की। इस मौके पर बोलते हुए, धर्मेंद्र प्रधान ने सार्वजनिक शिक्षा व्यवस्था को मज़बूत करने के लिए आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की तारीफ़ की। उन्होंने सरकारी स्कूलों को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने और अच्छी गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने के राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना की। इस मौके पर बोलते हुए, एचआरडी मंत्री नारा लोकेश ने कहा कि राज्य भर के स्कूलों में किचन के प्रबंधन के लिए एक समान नीति लागू करने के लिए एक विशेष कार्य योजना तैयार की जा रही है।

चोरी के शक में 8 साल की आदिवासी बच्ची को बनाया बंधक

अल्लूरी, 1 जुलाई (एजेंसियां)। सीताराम राजू जिले के जी. मदुगुला मंडल अंतर्गत धारकोंडा गांव से मानवता को शर्मसार करने वाली एक बेहद अमानवीय घटना सामने आई है। यहां चोरी के महज एक मामूली शक में 8 साल की मासूम आदिवासी बच्ची को बंधक बनाकर खौफनाक तरीके से प्रताड़ित किया गया। इस घटना की जानकारी मिलते ही पूरे इलाके में स्थानीय लोगों और आदिवासी समाज में भारी आक्रोश फैल गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, धारकोंडा गांव के रहने वाले पादरी जयराज और उसकी पत्नी ने इस 8 वर्षीय नाबालिग आदिवासी बच्ची को अपने घर में नौकरानी के तौर पर रखा हुआ था।

हाल ही में पादरी के घर से 10,000 रुपये गायब हो गए थे। पादरी दंपति को पूरा शक था कि यह पैसे मासूम बच्ची ने ही चुराए हैं। बस इसी शक के आधार पर पादरी दंपति ने मासूमियत को ताक पर रख दिया और बच्ची को घर के भीतर ही कैद कर दिया। आरोपियों के रसूख और खौफ के कारण इस भयावह घटना को दबाने की कोशिश की गई, लेकिन आखिरकार यह दर्दनाक सच सामने आ ही गया। डरे-सहमे पीड़ित बच्ची के माता-पिता ने हिम्मत जुटाकर स्थानीय पुलिस से संपर्क किया और आरोपियों के खिलाफ नामजद शिकायत दर्ज कराई।

जीतू पटवारी होंगे गिरफ्तार

कोर्ट ने पुलिस को फटकारा- अब तक क्यों नहीं ढूंढ पाए?

ग्वालियर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के खिलाफ ग्वालियर की एमपी/एमएलए कोर्ट ने जमानती वारंट जारी किया है। मामला साल 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान हुई एफआईआर से जुड़ा है, जिसमें बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) के प्रत्याशी देवाशीष जरारिया ने जीतू पटवारी पर आरोप लगाए थे। एफआईआर के मुताबिक, जीतू पटवारी ने देवाशीष जरारिया पर सार्वजनिक आरोप लगाया था कि उनकी बीजेपी से साठगांठ रही है, जिसके बाद उनपर मानहानि का केस हुआ। इसी मामले में कोर्ट ने जीतू पटवारी को 16 जनवरी 2026 को पेश होने का नोटिस जारी किया था, लेकिन वह उपस्थित नहीं हुए। इसके बाद से कोर्ट ने उनके खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी किया। इसी के साथ कोर्ट ने एमपी पुलिस को फटकार भी लगाई और सवाल किया कि अब तक जीतू पटवारी को गिरफ्तार क्यों नहीं किया जा सका है? कोर्ट ने भिंड एसपी को जीतू पटवारी की जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिए।

मामले में अगली सुनवाई 27 जुलाई को होगी और एसपी को निर्देश दिया गया है कि जीतू पटवारी की मौजूदगी हर हाल में सुनिश्चित की जाए। इतना ही नहीं, सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सख्त नाराजगी जताई। अदालत ने कहा कि जब जीतू पटवारी के बयान और राजनीतिक गतिविधियां हर जगह दिखाई दे रही हैं, तो पुलिस उन्हें ढूंढ क्यों नहीं पा रही? दो साल पहले भिंड के उमरी थाने में जीतू पटवारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। एफआईआर में आरोप लगाए गए हैं कि चुनावी सभा में जीतू पटवारी ने कहा था कि देवाशीष बीजेपी से माल लेकर आए हैं। इसका वीडियो सबूत भी बसपा नेता ने पुलिस को सौंपा था।

शादी के कार्ड को लेकर विवाद के कारण युवक ने की आत्महत्या

नंद्याल जिला, 1 जुलाई (एजेंसियां)। नंद्याल जिले में एक दुखद घटना हुई। कोथापल्ली मंडल के पेद्दा गुम्मादपुरम गाँव में शादी के कार्ड (निमंत्रण पत्र) को लेकर विवाद हुआ। इसी वजह से मानसिक रूप से परेशान एक युवक ने आत्महत्या कर ली। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान संजपोगु कल्याण (20) के रूप में हुई है। परिवार के सदस्यों और पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, कल्याण ने अपने चाचा के शादी के कार्ड पर छपी चांदी की तस्वीर देखी थी और उसे छापने पर आपत्ति जताई थी।

हिंदू देवी-देवताओं की पूजा करने वाले कल्याण ने अपने पिता कुरुमैया के साथ शादी के कार्ड की डिज़ाइनिंग का काम किया था। इस दौरान उनकी बहस भी हुई थी। परिवार में इस मामले पर चर्चा हुई, लेकिन पिता ने कहा कि जो कार्ड पहले ही छप चुके हैं, उन्हें बदलना संभव नहीं है। इससे कल्याण बहुत परेशान हो गया और उसने घर पर ही ढूककर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने इसकी पुष्टि की है। घटना की सूचना मिलते ही कोथापल्ली पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

तमिलनाडु में गोवध पर पूर्ण प्रतिबंध का मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट, आखिर क्या है विवाद?

चेन्नई, 1 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु सरकार ने मद्रास हाई कोर्ट के उस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है, जिसमें राज्य में गोवध पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया गया था। राज्य सरकार का तर्क है कि हाई कोर्ट ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर यह फैसला सुनाया है और यह आदेश राज्य के मौजूदा कानून के खिलाफ है। ऐसे में आइए समझते हैं कि यह पूरा कानूनी विवाद क्या है? तमिलनाडु में गोवध को लेकर तमिलनाडु पशु संरक्षण अधिनियम, 1958 लागू है। इस कानून की धारा 4 के तहत राज्य में गोवध पर पूरी तरह प्रतिबंध नहीं है। इसमें प्रावधान है कि केवल उसी गाय के वध की अनुमति दी जा सकती है यह मामला हिंदू मक्कल कक्षी के नेता सूर्या की एक याचिका पर शुरू हुआ था, जिसमें सार्वजनिक स्थानों पर अवैध गोवध रोकने की मांग की गई थी। इस पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति जी.आर. स्वामीनाथन और न्यायमूर्ति वी. लक्ष्मण की खंडपीठ ने निर्देश दिया था कि बकरीद या किसी भी अन्य दिन किसी भी गाय या बछड़े का वध न किया जाए। पशु वध केवल सरकार द्वारा निर्धारित बूचड़खानों में ही हो सकता है, वह भी बिना वैध प्रमाण पत्र के नहीं। अदालत ने इसके लिए संविधान के अनुच्छेद 48 (जो दुधारू पशुओं के संरक्षण की बात करता है) का हवाला दिया और कहा कि गोवध पर प्रतिबंध ग्रामीण अर्थव्यवस्था और दूध उत्पादन को बढ़ाने के लिए ज़रूरी है।

कोर्ट ने यह भी टिप्पणी की कि बकरीद पर गाय की कुर्बानी देना इस्लाम का अनिवार्य हिस्सा नहीं है। तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर हाई कोर्ट के आदेश को विरोधाभासी बताया है। सरकार का कहना है कि जब 1958 का अधिनियम कुछ शर्तों के साथ गोवध की अनुमति देता है, तो हाई कोर्ट पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने का निर्देश कैसे दे सकता है? हाई कोर्ट एक तरफ तो 1958 के अधिनियम की धारा 4 (शर्तों के साथ अनुमति) का पालन करने को कह रहा है और दूसरी तरफ बकरीद या किसी भी दिन गोवध पर पूरी तरह रोक लगा रहा है।

नीट-पीजी 2026 परीक्षा में शामिल होने की मांग खारिज, दो सेना डॉक्टरों को दिल्ली एचसी से झटका

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। नीट-पीजी-2026 परीक्षा के लिए आवेदन करने और उसमें शामिल होने की अनुमति देने की मांग को लेकर दो डॉक्टरों की याचिका पर अंतरिम राहत देने से दिल्ली हाई कोर्ट ने इंकार कर दिया है। न्यायमूर्ति मिनी पुष्करणा व न्यायमूर्ति विनोद कुमार की पीठ ने अंतरिम आदेश पारित करने से इंकार करते हुए एफएटी के आदेशों को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया। पीठ ने कहा कि सिर्फ इसलिए, कि याचिकाकर्ताओं ने 2025 के नियमों की वैधता पर सवाल उठाए हैं, उन्हें अंतरिम उपाय के तौर पर परीक्षा में शामिल होने की अनुमति देने का कोई आधार नहीं बनता।

पीठ ने यह भी कहा कि ऐसी राहत देने का मतलब होगा 2025 के नियमों के अमल को रोकना, जबकि उनकी वैधता पर अभी अंतिम फैसला होना बाकी है। याचिकाकर्ता डॉक्टरों मेजर जयंती चंद्रा व मेजर ईशान सेगन ने आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल सर्विसेज के मेडिकल/नॉन-टेक्निकल अधिकारियों के लिए ट्रेनिंग और प्रोफेशनल प्रोग्रेशन नियम- 2025 के तहत बदली हुई योग्यता शर्तों को चुनौती दी है और यह मामला अभी आर्म्ड फोर्सेज ट्रिब्यूनल (एएफटी) में लंबित है।

जाति प्रमाण पत्र मामले में मंत्री प्रतिमा बागरी को नोटिस, 6 जुलाई को होना होगा पेश

भोपाल, 1 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की नगरीय विकास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी के अनुसूचित जाति (एससी) प्रमाण-पत्र से जुड़े मामले में अब एक नया घटनाक्रम सामने आया है। अनुसूचित जाति विकास विभाग की राज्य स्तरीय छानबीन समिति ने उन्हें नोटिस जारी कर 6 जुलाई को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिए। वहीं शिकायतकर्ता प्रदीप अहिरवार को भी होने के निर्देश दिए हैं। जानकारी के मुताबिक समिति की तरफ से प्रतिमा बागरी को जारी नोटिस में कहा गया है कि वो अपने जाति संबंधी सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर अपना पक्ष रखें। समिति ने उन्हें अपने दावों के समर्थन में सभी जरूरी और प्रासंगिक मूल दस्तावेज साथ लाने के निर्देश दिए हैं। कमेटी ने इस मामले में सभी पक्षों की बात सुनने के बाद आगे का फैसला करेगी।

यह मामला कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार की शिकायत से जुड़ा है। पूरा विवाद प्रतिमा बागरी के जाति प्रमाण पत्र को लेकर है। उन्होंने अनुसूचित जाति के प्रमाण-पत्र के आधार पर सतना जिले की आरक्षित रैगांव विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था और जीत दर्ज की थी। इसके बाद उन्हें राज्य सरकार में नगरीय विकास राज्यमंत्री बनाया गया। इस मामले को कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार ने चुनौती दी है। उन्होंने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर दावा किया है कि प्रतिमा बागरी जिस बागरी समुदाय से आती हैं, वह सतना जिले में अनुसूचित जाति की लिस्ट में शामिल नहीं है। याचिका में यह भी कहा गया है कि उनका संबंध राजपूत या ठाकुर समुदाय से है। इसलिए, एससी सर्टिफिकेट के आधार पर चुनाव लड़ना और आरक्षित सीट से जीत हासिल करना नियमों के अनुरूप नहीं है। अहिरवार ने अप्रैल 2025 में उच्च स्तरीय छानबीन समिति के समक्ष शिकायत दर्ज कर आरोप लगाया था कि प्रतिमा बागरी का जाति प्रमाण पत्र कथित रूप से गलत तरीके से जारी किया गया है। उन्होंने प्रमाण पत्र की वैधता की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की थी। शिकायत पर लंबे समय तक कार्रवाई नहीं होने के बाद प्रदीप अहिरवार ने जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की थी।

याचिका पर सुनवाई के दौरान न्यायालय ने संबंधित प्राधिकरण को निर्धारित समय-सीमा में मामले का निराकरण करने के निर्देश दिए थे। हालांकि तय अवधि में अंतिम निर्णय नहीं हो सका। अब उच्च स्तरीय छानबीन समिति ने 6 जुलाई को दोनों पक्षों को तलब कर सुनवाई की प्रक्रिया आगे बढ़ाई है। शिकायतकर्ता प्रदीप अहिरवार ने दावा किया कि उन्हें निष्पक्ष जांच की उम्मीद है। उनका कहना है कि प्रतिमा बागरी का जाति प्रमाण पत्र निरस्त किया जाना चाहिए। वहीं, मामले में अंतिम निर्णय उच्च स्तरीय छानबीन समिति की जांच और सुनवाई के बाद ही होगा।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 2 जुलाई, 2026

सुविचार: "चुपचाप मेहनत करो और अपनी सफलता को अपनी आवाज़ बनने दो।"

ट्रैफिक सिग्नल सिस्टम एकीकृत कर एआई आधारित प्रणाली लागू की जाए : सीएम

तकनीकी निवेश और स्मार्ट सिटी विकास पर उच्च स्तरीय बैठक

बैठक में भाग लेते हुए सीएम रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री भट्टी विर्कमार्क, मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी, जूपल्ली कृष्णा राव ,सीईओ एलेक्स किपमैन तथा प्रबंध निदेशक पी. कृष्णा रेड्डी शामिल थे।

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की अध्यक्षता में एमसीआर एचआरडी संस्थान के बोद्धि पैविलियन में एक महत्वपूर्ण उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें शहरी विकास, तकनीकी नवाचार और स्मार्ट सिटी परियोजनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। इस बैठक में एनालॉग के संस्थापक एवं सीईओ एलेक्स किपमैन तथा मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक पी. कृष्णा रेड्डी शामिल हुए। बैठक में उपमुख्यमंत्री भट्टी विर्कमार्क, मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी, जूपल्ली कृष्णा राव , मुख्य सचिव संजय जाजू, मुख्यमंत्री सलाहकार के. रामकृष्ण राव, इन्वेस्ट सीईओ तथा हैदराबाद मेट्रो रेल अतिरिक्त एमडी बी. अजित रेड्डी सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में एनालॉग और मेगा कंपनी के संयुक्त सहयोग से चल रही परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही नेक्स्ट जनरेशन इंटेलिजेंट इंफ्रास्ट्रक्चर और फिजिकल इंटेलिजेंस आधारित समाधानों पर प्रस्तुति दी गई। हैदराबाद ट्रैफिक पायलट प्रोजेक्ट पर विशेष चर्चा हुई, जिसमें एआई, सेंसर और रोबोटिक्स तकनीक के माध्यम से स्मार्ट और कनेक्टेड सिटी मॉडल विकसित करने पर जोर दिया गया। इन तकनीकों से ट्रैफिक प्रबंधन, सिग्नल ऑटोमेशन, जल लीकेज की पहचान, बिजली उपयोग नियंत्रण और आपातकालीन सेवाओं के लिए तेज़ मार्ग उपलब्ध कराने जैसे समाधान प्रस्तावित किए गए। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सुझाव दिया कि शहर के ट्रैफिक सिग्नल सिस्टम को एकीकृत कर एआई आधारित नियंत्रण प्रणाली

राजधानी बैंक ने खोले अग्रवाल समाज तेलंगाना के खाते

रजिस्ट्रार के आदेश का हवाला देने के बाद हटी रोक

अग्रसेन बैंक से भी सकारात्मक पहल की उम्मीद

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राजधानी को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक ने अग्रवाल समाज तेलंगाना के खातों पर लगी रोक हटा दी है। बैंक के इस फैसले के बाद समाज में खुशी का माहौल है। समाज के कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र गोयल ने इसे न्याय और नियमों की जीत बताते हुए बैंक के निर्णय का स्वागत किया। नरेंद्र गोयल ने बताया कि अग्रसेन बैंक द्वारा समाज के खाते फ्रीज किए जाने के बाद, जब एक दिन के लिए खातों के संचालन की अनुमति मिली थी, तब समाज ने अपनी जमा राशि का एक हिस्सा राजधानी को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक में स्थानांतरित कर दिया था। बाद में विरोधी गुट द्वारा किए गए दावों के आधार पर राजधानी बैंक ने भी खातों के संचालन पर रोक लगा दी थी।

उन्होंने बताया कि 30 जून 2026 को समाज की ओर से अधिवक्ता के माध्यम से बैंक को विधिक नोटिस भेजा गया, जिसमें रजिस्ट्रार ऑफ सोसाइटीज के आदेश का हवाला देते हुए खातों का संचालन बहाल करने की मांग की गई।

इसके बाद बैंक ने खातों से रोक हटाते हुए उनके संचालन की अनुमति दे दी।गोयल ने उम्मीद जताई कि अग्रसेन बैंक भी कानून और नियामक संस्थाओं के निर्देशों का सम्मान करते हुए समाज के खातों का संचालन शीघ्र बहाल करेगा। उनका कहना था कि आईसीआईसीआई बैंक ने विरोधी गुट के प्रयासों के बावजूद समाज के खातों पर किसी प्रकार की रोक नहीं लगाई, जबकि अग्रसेन बैंक अब भी खातों का संचालन शुरू नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा कि समाज अपने वैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए कानूनी प्रक्रिया के तहत आगे भी प्रयास जारी रखेगा।

डॉ. आर.एस. प्रवीण कुमार के आरोपों से राजनीतिक हलचल तेज

गुरुकुल टेंडरों में 2000 करोड़ के कथित घोटाले का दावा

साक्ष्यों सहित मामले को सार्वजनिक करेंगें आज

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुकुल संस्थानों के टेंडरों को लेकर राजनीतिक विवाद गहरा गया है। डॉ. आर.एस. प्रवीण कुमार ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस सरकार गुरुकुल टेंडरों में करीब 2000 करोड़ रुपये के कथित घोटाले में शामिल है। डॉ. प्रवीण कुमार ने घोषणा की है कि वे गुरुवार सुबह 11 बजे सोमाजीगुडा प्रेस क्लब में साक्ष्यों सहित इस मामले को सार्वजनिक करेंगे।

उन्होंने कांग्रेस मंत्रियों को भी चुनौती दी है कि वे भी अपने पक्ष में सबूत लेकर प्रेस क्लब आएं और जनता के सामने स्थिति स्पष्ट करें। अपने आरोपों में उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा जारी जीओ नंबर 17 को लेकर विवाद है और उच्च न्यायालय द्वारा संशोधन के संकेत के बावजूद इसे लागू किया जा रहा है। उन्होंने टेंडर प्रक्रिया में केंद्रीकृत प्रणाली अपनाए जाने पर भी सवाल उठाए हैं और आरोप

लगाया है कि स्थानीय तेलंगाना निवासियों को अवसर न देकर बाहरी कंपनियों को लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने विभिन्न ठेकेदारों और कंपनियों के चयन पर भी प्रश्न उठाए हैं, जिसमें यूनिफॉर्म, कंबल, तौलिये, जूते और अन्य सामग्री की आपूर्ति से जुड़े टेंडर शामिल हैं। उन्होंने यह भी पूछा कि कुछ विशेष कंपनियों को किस आधार पर अनुबंध दिए गए और स्थानीय कारीगरों तथा पारंपरिक व्यवसायों को क्यों बाहर रखा गया। डॉ. प्रवीण कुमार ने नॉटबुक और शैक्षिक सामग्री से जुड़े नियमों, वाटरमार्क प्रावधानों, तथा टेंडर मॉनिटरिंग यूनिट की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। साथ ही उन्होंने आरक्षण नीति और ईएमडी छूट में बदलाव को लेकर भी सरकार की नीतियों पर आपत्ति जताई है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि नए नियमों के माध्यम से शिक्षा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं की संभावना बन रही है और इसके लिए सरकार को जवाब देना चाहिए। डॉ. प्रवीण कुमार ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और अन्य वरिष्ठ मंत्रियों को भी चुनौती दी है कि वे गुरुवार को प्रेस क्लब में आकर जनता के सामने अपना पक्ष रखें। उन्होंने कहा कि यदि उनके आरोप गलत हैं तो सरकार को तथ्यों के साथ इसका खंडन करना चाहिए। इस पूरे मुद्दे को लेकर राज्य की राजनीति में तनाव बढ़ गया है।

खरीफ खरीद प्रक्रिया के लिए ' मिशन के-100' की शुरुआत

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना नागरिक आपूर्ति विभाग ने बुधवार को मिशन के-100 नामक 100 दिवसीय कार्य योजना शुरू की, जिसका उद्देश्य अनाज भंडारण, रसद और वित्तीय प्रबंधन को मजबूत करके खरीफ 2026-27 सीजन के लिए सुचारू खरीद संचालन सुनिश्चित करना है। नागरिक आपूर्ति आयुक्त एम स्टीफन रवींद्र ने नागरिक आपूर्ति भवन में एफसीआई के महाप्रबंधक जीएन राजू के साथ एक उच्च स्तरीय समन्वय बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें उन्होंने भारतीय खाद्य निगम से लंबित अनाज भंडार को शीघ्र निकालने के लिए अतिरिक्त भंडारण स्थान आवंटित करने और लंबे समय से लंबित वित्तीय बकाया राशि जारी करने का आग्रह किया। मिशन के -100 पांच प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित है - एफसीआई को कस्टम मिल्ड राइस (सीएमआर) की डिलीवरी में तेजी लाना, तरलता में सुधार के लिए चरणबद्ध धान की नीलामी, लंबित केंद्रीय निधियों की वसूली, मशीनीकरण के माध्यम से धान खरीद केंद्रों का आधुनिकीकरण और विस्तारित वाहन बेड़े और एक वास्तविक समय वाहन स्थान ट्रैकिंग प्रणाली (वीएलटीएस) के साथ परिवहन को मजबूत करना। नई फसल के आने से पहले महत्वपूर्ण तैयारियों को पूरा करने के उद्देश्य से, जिला प्रबंधकों (डीएम) और जिला नागरिक आपूर्ति अधिकारियों (डीसीएसओ) की उपस्थिति में एक वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कार्य योजना को औपचारिक रूप से शुरू किया गया।

जग्गा रेड्डी का राम मंदिर विवाद पर केंद्र सरकार पर निशाना

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गांधी भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान तेलंगाना कांग्रेस नेता टी. जग्गा रेड्डी ने अयोध्या राम मंदिर में कथित चोरी की घटना को लेकर केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए।

गांधी भवन में बोलते हुए टी. जग्गा रेड्डी ने कहा कि अयोध्या में हुई इस घटना के बाद श्रद्धालुओं की आस्था प्रभावित हुई है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की ओर से इस पर कोई ठोस प्रतिक्रिया नहीं आई। उन्होंने यह भी दावा किया कि विपक्ष नेता राहुल गांधी ने तत्काल प्रतिक्रिया देते हुए सांसदों की समिति बनाकर अयोध्या का दौरा कराया। गांधी भवन में दिए गए बयान में जग्गा रेड्डी ने कहा कि मंदिर की सुरक्षा और व्यवस्था की जिम्मेदारी सरकार की है और इस पर जवाबदेही तय होनी चाहिए।

उन्होंने भाजपा तेलंगाना अध्यक्ष आर. रामचंदर राव के बयान का उल्लेख करते हुए कहा कि इस घटना को हल्के में नहीं लिया जा सकता। इस बयान के बाद राजनीतिक माहौल एक बार फिर

गरमा गया है और पक्ष-विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत नलगोंडा रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास जारी

यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं देने की दिशा में तेज़ी से चल रहे काम

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे की महत्वाकांक्षी अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत सिकंदराबाद मंडल के अंतर्गत स्थित नलगोंडा रेलवे स्टेशन का व्यापक पुनर्विकास कार्य तेजी से प्रगति पर है। इस परियोजना का उद्देश्य यात्रियों को आधुनिक, सुरक्षित और विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराना है। भारतीय रेलवे देशभर में स्टेशनों के पुनर्विकास के माध्यम से बड़े स्तर पर परिवर्तन ला रहा है। इस योजना के अंतर्गत तेलंगाना में लगभग 40 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है, जिस पर 2000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्ष 2023 और 2024 के बीच इन परियोजनाओं का शिलान्यास किए जाने के बाद कार्यों में तेजी आई है। नलगोंडा रेलवे स्टेशन, जो दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद मंडल के अंतर्गत आता है, को नॉन सबर्बन ग्रेड-4 स्टेशन के रूप में वर्गीकृत किया गया है। यह स्टेशन नडिकुडी—बीबीनगर सेक्शन में स्थित है और प्रतिदिन लगभग 3000 यात्रियों को सेवा प्रदान करता है। यहां लगभग 44 रेल सेवाएं प्रतिदिन संचालित होती हैं, जिनमें डेमू और मेमू सेवाएं भी शामिल हैं। यह स्टेशन हैदराबाद, विशेषकर सिकंदराबाद, काचीगुड़ा और लिंगमपल्ली जैसे प्रमुख केंद्रों से यात्रियों के आवागमन का महत्वपूर्ण माध्यम है। करीब 17.01 करोड़ रुपये की लागत से चल रहे इस पुनर्विकास कार्य में यात्रियों की सुविधा को प्राथमिकता दी गई है। परियोजना के अंतर्गत 12 मीटर चौड़े फुट ओवर ब्रिज का निर्माण, 3309 वर्ग मीटर क्षेत्र में प्लेटफॉर्म शेड का विस्तार, स्टेशन परिसर का सौंदर्यीकरण और 9657 वर्ग मीटर प्लेटफॉर्म सतह का सुधार शामिल है। इसके अलावा कॉनकोर्स क्षेत्र का नवीनीकरण, वीआईपी लाउंज, प्रतीक्षालय, शौचालयों का विकास, आधुनिक फर्नीचर की व्यवस्था और स्टेशन के बाहरी स्वरूप (फसाड) का उन्नयन भी किया जा रहा है। दिव्यांग यात्रियों के लिए विशेष सुविधाएं, नए संकेतक बोर्ड और बेहतर पहुंच व्यवस्था भी इस योजना का हिस्सा हैं। परियोजना के तहत कई महत्वपूर्ण कार्य जैसे प्लेटफॉर्म शेड, लिफ्ट, प्लेटफॉर्म सतह सुधार, पार्किंग सुविधा, एप्रोच रोड विकास और प्रतीक्षालयों का नवीनीकरण पहले ही पूरा किया जा चुका है। वहीं फुट ओवर ब्रिज और दिव्यांग अनुकूल सुविधाओं सहित अन्य कार्य तेजी से प्रगति पर हैं। यह पुनर्विकास परियोजना न केवल स्टेशन की संरचना को आधुनिक बना रही है, बल्कि यात्रियों के समग्र यात्रा अनुभव को भी बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भारतीय रेलवे का लक्ष्य इन स्टेशनों को केवल परिवहन केंद्र नहीं, बल्कि सुविधाजनक और जीवंत सार्वजनिक स्थानों के रूप में विकसित करना है।

भाजपा के बढ़ते प्रभाव से सीएम रेवंत रेड्डी की नींद उड़ी : रामचंद्र राव

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन रामचंद्र राव ने बुधवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की तेलंगाना यात्रा के बाद वह हताश और सत्ता खोने से भयभीत थे। राज्य भाजपा अध्यक्ष के रूप में एक वर्ष पूरा होने के अवसर पर मीडिया से बातचीत करते हुए राव ने कहा कि भाजपा द्वारा कथित आरआर टैक्स , राज्य निधि को दिल्ली दरबार में स्थानांतरित करने और मूसी नदी तट परियोजना को लेकर लगाए गए आरोपों से रेवंत रेड्डी घबराए हुए हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि जनता कांग्रेस सरकार को उसी तरह नकार देगी जैसे उसने पिछली बीआरएस सरकार को सत्ता से बेदखल किया था। भाजपा के नारे, जितना कीचड़ उछालोगे, उतना कमल खिलेगा (जितना कीचड़ उछालोगे, उतना कमल खिलेगा) का हवाला देते हुए राव ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को संगठन को मजबूत करने के लिए धन्यवाद दिया और विश्वास जताया कि भाजपा तेलंगाना में अगली सरकार बनाएगी। उन्होंने पार्टी सदस्यों से कहा कि आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा को सत्ता में लाने के लिए अथक परिश्रम करने की आवश्यकता है।

CLASSIFIEDS

नाम में बदलाव

मैं कुमारी आरती कानूनी रूप से पिता डी/ओ/जीएस न. 188628x Rank डीवीआर/एमटी -1 नाम आदमाने बालाजी गंगाधर, वर्तमान मे भोकर, तहसील -भोकर, जिला नांदेड, राज्य महाराष्ट्र मे रेहती हूं, मैने अपना नाम कुमारी आरती से बदलकर आरती बालाजी आदमाने कर लिया है |कंधारे नोटरी दि. 15/6/2026

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

एक्सपायर्ड दवाइयों की अवैध बिक्री का भंडाफोड़, दो आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। खुफिया सूचना के आधार पर कमिश्नर टास्क फोर्स, खैरताबाद ज़ोन की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक्सपायर्ड दवाइयों की अवैध बिक्री का पर्दाफाश किया है। टीम ने एमएस मकथा, खैरताबाद क्षेत्र में स्थित दो मेडिकल दुकानों पर छापेमारी कर बड़ी मात्रा में एक्सपायर्ड दवाइयाँ, सप्लीमेंट्स और अन्य प्रतिबंधित उत्पाद बरामद किए। यह कार्रवाई हैदराबाद कमिश्नर की टास्क फ़ोर्स की खैरताबाद ज़ोन टीम द्वारा की गई।

छापेमारी के दौरान अल जमजम केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट और अल शिफा मेडिकल एंड जनरल स्टोर में भारी मात्रा में एक्सपायर्ड दवाइयाँ पाई गईं। आरोप है कि दवाइयों के पैकेट से मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपायरी डेट हटाकर उन्हें अवैध रूप से बेचा जा रहा था।

इस मामले में मोहम्मद अज़हरुद्दीन (दुकान मालिक) और सैयद सोहेल (कर्मचारी) दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जांच में यह भी सामने आया कि दुकानों में एक्सपायर्ड प्रोटीन पाउडर, एनर्जी सप्लीमेंट्स और अन्य स्वास्थ्य उत्पाद भी बिक्री के लिए रखे गए थे, जो मानव स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकते हैं। बरामद सामग्री को आगे की कार्रवाई के लिए ड्रग इंस्पेक्टर, खैरताबाद ज़ोन को सौंप दिया गया है। इस कार्रवाई का नेतृत्व पुलिस निरीक्षक पी. राघवेंद्र और टास्क फोर्स एसआई जी. श्रीकांत ने किया। टास्क फोर्स के डीसीपी वैभव गायकवाड़ रघुनाथ ने कहा कि नागरिकों को दवाइयाँ खरीदते समय एक्सपायरी डेट और लेबल की सावधानीपूर्वक जांच करनी चाहिए तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना पुलिस को देनी चाहिए।

तेलंगाना में 'रेहाई' पहल शुरू, महिला कैदियों को बनाएगी फैशन आर्टिज़न

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जेल एवं सुधार सेवा विभाग ने महिला कैदियों के पुनर्वास और सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 'रेहाई' (महिला कैदियों के पुनर्वास और सशक्तिकरण पहल) कार्यक्रम की शुरुआत की है। यह पहल हैदराबाद स्थित विशेष महिला जेल में बुधवार को लॉन्च की गई।

यह कार्यक्रम जेल एवं सुधार सेवा महानिदेशक सौम्या मिश्रा के नेतृत्व में, हर राइट्स फाउंडेशन के सहयोग से शुरू किया गया। फाउंडेशन की ओर से दिव्या रेड्डी और बॉबी कंधारी ने इस पहल में सहभागिता की। 'रेहाई' का उद्देश्य महिला कैदियों के टेलरिंग और एम्ब्रॉयडरी कौशल को उन्नत फैशन डिजाइन, उत्पाद विकास, ब्रांडिंग और बाजार से जोड़कर उन्हें पेशेवर फैशन आर्टिज़न के रूप में तैयार करना है। इस कार्यक्रम के माध्यम से महिलाएं उच्च गुणवत्ता वाले हस्तनिर्मित परिधान और फैशन उत्पाद तैयार कर सकेंगी। यह पहल पहले से चल रहे 100 दिवसीय कौशल विकास कार्यक्रम पर आधारित है, जिसे जेल विभाग ने एनएसी के सहयोग से संचालित किया था।

'रेहाई' के अंतर्गत तैयार उत्पादों को तेलंगाना जेल विभाग के 'अपस्केल' और उच्च वर्गीय बाजार प्लेटफॉर्म के माध्यम से बेचा जाएगा। आगे चलकर इसे दक्षिण भारत, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक विस्तारित करने की योजना है। फैशन विशेषज्ञ दिव्या रेड्डी, जिन्होंने लैक्मे फैशन वीक सहित कई प्रतिष्ठित मंचों पर कार्य किया है, महिला कैदियों को आधुनिक फैशन, गुणवत्ता मानकों और उत्पाद फिनिशिंग का प्रशिक्षण देंगी, ताकि उनके उत्पाद प्रीमियम बाजार की आवश्यकताओं पर खरे उतर सकें।

दीर्घकालिक योजना के तहत विभाग और हर राइट्स फाउंडेशन मिलकर लंदन में एक फैशन शो आयोजित करने की भी तैयारी कर रहे हैं, जिसमें महिला कैदियों द्वारा तैयार विशेष कलेक्शन अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान जेल विभाग की महानिदेशक सौम्या मिश्रा ने कहा कि पुनर्वास केवल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इसमें स्थायी आजीविका के अवसर, पेशेवर मार्गदर्शन और बाजार तक पहुंच शामिल होनी चाहिए, ताकि महिलाएं सम्मान और आर्थिक स्वतंत्रता के साथ नया जीवन शुरू कर सकें। इस अवसर पर डीआईजी जेल डी. श्रीनिवास, केंद्रीय जेल हैदराबाद के अधीक्षक एन. शिव कुमार गौड़, विशेष महिला जेल अधीक्षक टी. वेंकट लक्ष्मी श्रीनाथ, डीएसपी (जेल) बी. अमरावती सहित जेल विभाग के अधिकारी, कर्मचारी तथा महिला कैदी उपस्थित रहे।

राजेंद्रनगर में स्कूल बसों की सुरक्षा पर कड़ी निगरानी

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। डीसीपी ट्रैफिक-III राहुल हेगड़े के निर्देशों के तहत राजेंद्रनगर ट्रैफिक पुलिस ने निजी स्कूल परिवहन का व्यापक सुरक्षा निरीक्षण किया। राजेंद्रनगर यातायात पुलिस स्टेशन के एसएचओ सी.एच. राजू ने प्रतिनियुक्त सब-इंस्पेक्टरों (एसआई) और सहायक सब-इंस्पेक्टरों (एएसआई) की एक टीम के साथ मिलकर निरीक्षण किया। इस पहल का उद्देश्य स्कूली बच्चों की दैनिक यात्रा के दौरान सुरक्षा के उच्चतम मानकों को सुनिश्चित करना और शैक्षणिक संस्थानों के आसपास यातायात प्रबंधन को सुव्यवस्थित करना है। व्यापक अभियान के दौरान, टीम ने स्कूल बस चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस के साथ-साथ वाहन से संबंधित आवश्यक दस्तावेजों, जैसे फिटनेस सर्टिफिकेट (एफसी), रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट (आरसी), बीमा और प्रदूषण प्रमाण पत्र की जाँच की। टीम ने पार्किंग सुविधाओं, चढ़ने-उतरने के स्थानों का भी निरीक्षण किया, सड़क सुरक्षा समितियों के कामकाज की समीक्षा की और व्यस्त समय के दौरान स्कूल कर्मचारियों द्वारा यातायात प्रबंधन की निगरानी की। स्कूल प्रबंधन को निर्देश दिया गया कि वे कमियों को तुरंत दूर करें और परिवहन सुरक्षा मानदंडों का सख्ती से पालन करें।

आईआईआईटीएच और बिल्डआईक्यू टेक्नोलॉजीज के बीच समझौता

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। स्मार्ट सिटी रिसर्च सेंटर (एससीआरसी), अंतरराष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद ने बिल्डआईक्यू टेक्नोलॉजीज एलएलपी के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी का उद्देश्य स्मार्ट, टिकाऊ और तकनीक-आधारित शहरी समाधान विकसित करना है। इस सहयोग के तहत दोनों संस्थान स्मार्ट सिटी, स्मार्ट कैंपस, स्मार्ट बिल्डिंग्स, एकीकृत भवन प्रबंधन प्रणाली (आईबीएमएस) और सतत अवसंरचना जैसे क्षेत्रों में संयुक्त रूप से शोध, तकनीकी विकास, व्यावसायीकरण और कौशल विकास पर कार्य करेंगे। समझौते के अनुसार यह साझेदारी शोध को वास्तविक उपयोगी समाधानों में बदलने पर केंद्रित होगी। इसके तहत इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) आधारित सिस्टम, नेट-जीरो तकनीक और ऊर्जा-कुशल शहरी ढांचे के विकास को बढ़ावा दिया जाएगा। साथ ही 'सिटी आईओटी ऑपरेटिंग प्लेटफॉर्म (सीटीओपी)' के व्यावसायीकरण पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। यह एमओयू आधुनिक शहरी अवसंरचना की दक्षता, स्थिरता और मजबूती बढ़ाने के लिए संयुक्त रूप से डिजिटल समाधान विकसित करने का मजबूत ढांचा प्रदान करता है। इसका उद्देश्य नवाचार को बढ़ावा देना, तकनीक के व्यावहारिक उपयोग को तेज करना और भविष्य के स्मार्ट एवं हरित शहरों के निर्माण में योगदान देना है। दोनों संस्थानों ने कहा कि यह दीर्घकालिक साझेदारी अनुसंधान को उद्योग से जोड़ते हुए ऐसे समाधान विकसित करेगी, जो आने वाले समय में स्मार्ट शहरों और कनेक्टेड समुदायों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

NOTICE FOR REGISTRATION OF NEW POLITICAL PARTY

(Published as per the directions of Telangana State Election Commission)

Notice is hereby given to the General public that **Sri. Chepuri Raju** TG State President intends to register a political party without reserved symbol with the State Election Commission, Telangana, under the name and style of **"AMBEDKAR NATIONAL CONGRESS"** with location of its Head Office R/o. H.No.7-276/1, Plot No.36, 2nd Floor, Shakti Nagar, Jillalaguda, Rangareddy District -500097, Telangana State, under the Registration of Political Parties and Allotment of Symbols Order, 2018. The main office bearers of the party are, **1) Sri. Chepuri Raju**-President, **2) Sri. Talari Ratnaiah**-Vice President **3) Sri. Chepuri Shankaraiah**-Gen Secretary. Objections, if any, for such registration from the general public, shall be sent to the Secretary, State Election Commission, Telangana, 1st Floor, DTCP Building, Opp: PTI Building, A.C.Guards, Hyd-500 004, within 15 days from the date of publication of this notice. If no objections are received within the time stipulated, the Commission will process to register **"AMBEDKAR NATIONAL CONGRESS"** as a Political Party to contest Elections to Local Bodies (Sthanika Samsthalu) held on party basis in Telangana State.

Sri. Chepuri Raju-Telangana State President,
AMBEDKAR NATIONAL CONGRESS.

Date : 01.07.2026

फर्जी दरोगा गिरफ्तार

वर्दी पहनकर लोगों को दिखाता था रौब जांच में जुटी पुलिस

वाराणसी, 1 जुलाई (एजेंसियां)। वाराणसी कमिश्नरेट के चोलापुर थाना क्षेत्र में पुलिस की वर्दी पहनकर घूम रहे एक व्यक्ति को सूचना के आधार पर पुलिस ने हिरासत में ले लिया। वह वर्दी पहनकर लोगों पर रौब झाड़ रहा था। इसे लेकर फोन के माध्यम से फर्जी दरोगा के घूमने की सूचना पुलिस को मिली थी, जिसके बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की। चोलापुर थाना प्रभारी के अनुसार, हिरासत में लिए गए व्यक्ति से पूछताछ की जा रही है। उसके पहचान पत्र, नियुक्ति संबंधी दस्तावेज और अन्य अभिलेखों की जांच की जा रही है। साथ ही यह भी सत्यापित किया जा रहा है कि वह वास्तव में पुलिसकर्मी है या फर्जी तरीके से वर्दी पहनकर घूम रहा था। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी है। मामले की पुष्टि और जांच पूरी होने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

चढ़ावा चोरी मामले की जांच के लिए ईडी को पत्र लिखेगी पुलिस

अयोध्या पुलिस लिखेगी चिट्ठी, चौंकाने वाला खुलासा

अयोध्या, 1 जुलाई (एजेंसियां)। राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। सूत्रों के मुताबिक, अयोध्या पुलिस की जांच में ये बात सामने आई है कि महाकुंभ के दौरान राम मंदिर में सबसे ज्यादा चोरी हुई। अयोध्या पुलिस इस मामले की जांच के लिए ईडी को भी पत्र लिखेगी। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए 8 आरोपियों में से कुछ आरोपी कुंभ से पहले भी छोटी-मोटी चोरी करते थे। मगर कुंभ के दौरान मंदिर में चढ़ावे और दान की रकम में भारी बढ़ोतरी हुई, जिसका आरोपियों ने फायदा उठाया और मिलकर बड़ी चोरी को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार चोरी की पूरी साजिश सभी 8 आरोपियों ने मिलकर रची थी। जांच में पता चला है कि जीजा-साले की जोड़ी लवकुश मिश्रा और अनुकल्प मिश्रा ने सबसे ज्यादा रकम की चोरी की।

जांच में दोनों से जुड़ी करीब आधा दर्जन से ज्यादा संपत्तियों की जानकारी पुलिस को मिली है। आरोपियों के वित्तीय लेन-देन और संपत्तियों की पूरी पड़ताल के लिए अयोध्या पुलिस आयकर विभाग की भी मदद ले रही है। जांच के दौरान एसबीआई के कुछ कर्मचारियों की भूमिका भी पुलिस के शक के दायरे में आई है। उधर, अयोध्या पुलिस ने उन सात बैंकों से पिछले पांच साल के बैंकिंग रिकॉर्ड मांगे हैं, जहां गिरफ्तार किए गए आठों आरोपियों और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अकाउंट हैं। पुलिस के मुताबिक, जांच एजेंसियों ने बैंक स्टेटमेंट, केवाईसी डॉक्यूमेंट, जमा रिकॉर्ड और अन्य बैंकिंग डिटेल मांगी है, जिससे वित्तीय लेन-देन की पूरी कड़ी को दोबारा तैयार किया जा सके और श्रद्धालुओं के चढ़ावे में कथित हेरफेर की जानकारी पता लगाई जा सके।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी केस

चढ़ावा चोरी मामले में कथित चोरी, गबन और हिसाब-किताब में हेराफेरी के आरोप के बाद प्रशासन ने जांच शुरू कराई। जांच के दौरान कई लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई और कुछ आरोपितों को गिरफ्तार भी किया गया है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि कथित अनियमितता किस स्तर पर हुई, इसमें कितनी धनराशि प्रभावित हुई और किन-किन लोगों की भूमिका रही।

विपक्षी दलों ने इसे लेकर सरकार और मंदिर प्रबंधन पर सवाल उठाए हैं, जबकि सरकार का कहना है कि कानून अपना काम कर रहा है और दोषी पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

स्पा और हज यात्रा के नाम पर करोड़ों की ठगी, पुलिस ने हसीना सहित जिस गिरोह को दबोचा उनके काले कारनामे उड़ा देंगे होश

मेरठ, 1 जुलाई (एजेंसियां)। जिले में साइबर प्रकोष्ठ और नौचंदी थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने स्पा और टूर-ट्रैवल कंपनी के नाम पर लोगों से करोड़ों रुपए की ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया और एक महिला समेत 2 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए आरोपियों के कब्जे से 4.16 लाख रुपए, 8 मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, 9 डेबिट एवं क्रेडिट कार्ड, 11 चेकबुक, पासपोर्ट, आधार और पैन कार्ड, विभिन्न कंपनियों के लेटरहेड, मुहरें तथा एक कार बरामद की गई है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि आरोपियों की पहचान नौचंदी क्षेत्र के करीमनगर निवासी यूनुस और लोहियानगर निवासी लीजा के रूप में हुई है। दोनों के खिलाफ नौचंदी थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के आरोपों से घिरे चंपत राय बोले

कलंक लेकर अयोध्या से नहीं जाऊंगा, टिन्नू से ऐसी उम्मीद नहीं थी

अयोध्या, 1 जुलाई (एजेंसियां)। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले के बीच तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने अपने करीबियों से कहा है कि वह कलंक लेकर अयोध्या से नहीं जाएंगे। चढ़ावा चोरी के मामले में लगातार उठ रहे सवालों पर अपने बेहद क़रीबियों से बातचीत में चंपत राय ने कहा कि अयोध्या में मेरी सेवा हो चुकी है , मंदिर बन गया है । लेकिन कलंक लेकर अयोध्या से नहीं जाऊंगा। चंपत राय इस वक़्त एकांतवास पर हैं। एसआईटी की फाइनल रिपोर्ट का इंतज़ार कर रहे है।

माना जा रहा है इसके बाद वो अपना पक्ष रख सकते हैं। अपने बेहद करीबी लोगों से बातचीत में चंपत राय ने कहा कि टिन्नू यादव ने धोखा दे दिया, मुझे ऐसी उम्मीद उससे बिल्कुल नहीं थी। चंपत राय तीर्थ क्षेत्र पुरम में जिस कमरे में रहते हैं वो बेहद साधारण सा कमरा है। 80 साल के चंपत राय के कमरे में बिस्तर के पास भगवान राम की एक मूर्ति रखी है। जो लोग उनके साथ बैठे थे और आरोपों के बाद चंपत राय के स्वास्थ्य को

अनिल मिश्रा चंपत राय

लेकर चिंतित थे ,तो चंपत राय ने राम जी की मूर्ति की ओर इशारा करके कहा मुझे किस बात की चिंता, ये आरोप लगवाये हैं तो यही हटायेंगे। उधर, आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा है कि कुछ दिन पहले किसी ने मुझे श्री राम मंदिर से संबंधित कोई जानकारी दी।

मुझे पहले यकीन नहीं हुआ। पिछले कुछ दिनों में उस जानकारी की पुष्टि की और वो सही है। आज वो जानकारी आप सबके साथ साझा करूंगा।

इन सबके बीच राम मंदिर में चढ़ावा चोरी पर प्रोफेसर रामगोपाल यादव ने कहा मंदिर चढ़ावे में अकेले चंपत राय शामिल नहीं है इसमें बड़े-बड़े लोग शामिल हैं। आंदोलन के दौरान नेताजी मुलायम सिंह यादव मुख्यमंत्री थे आंदोलन के दौरान ईंटे पूजा गई थी हम आंदोलन के पक्ष में नहीं थे लेकिन मेरे घर भी लोग चंदा मांगने आए थे हम लोगों ने भी उसे समय चंदा दिया था। उसका कोई हिसाब किताब नहीं है।

पश्चिम चंपारण के पिंटू यादव हत्याकांड में मां और दो बेटों को उम्रकैद, एक लाख का जुर्माना

पश्चिम चंपारण, 1 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम चंपारण के रामनगर थाना क्षेत्र के चर्चित पिंटू यादव हत्याकांड में अदालत ने दोषी ठहराए गए तीनों आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश-चतुर्थ मानवेंद्र मिश्रा की अदालत ने बुधवार को सजा के बिंदु पर सुनवाई पूरी करने के बाद मां और उसके दो बेटों को उम्रकैद की सजा सुनाई। अदालत ने तीनों दोषियों पर एक लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। इससे पहले 24 जून को अदालत ने मामले की सुनवाई के दौरान तीनों आरोपियों को हत्या का दोषी करार दिया था। दोष सिद्ध होने के बाद जमानत पर चल रहे सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। सजा पर फैसला सुरक्षित रखते हुए अदालत ने एक जुलाई की तिथि निर्धारित की थी, जिस पर बुधवार को अंतिम निर्णय सुनाया गया। अभियोजन के अनुसार, रामनगर थाना क्षेत्र के मुड़िला गांव में 26 दिसंबर 2024 की सुबह करीब साढ़े आठ बजे नाली के विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच कहासुनी हुई थी।

बस और कार की टक्कर में पांच लोगों की मौत

उन्नाव, 1 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर एक बड़ा हादसा हुआ है। बुधवार सुबह करीब पांच बजे एक तेज रफ्तार बस अनियंत्रित होकर कार से टकरा गई। टक्कर के बाद बस डिवाइडर की ग्रिल तोड़ते हुए खंती में पलट गई, जिससे पांच लोगों की जान चली गई। यह दुर्घटना बांगरमऊ कोतवाली इलाके के 230.800 माइल स्टोन के पास हुई। संतकबीरनगर के रजिस्ट्रेशन नंबर वाली कार में कुल 8 लोग सवार थे। इनमें से 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में दिव्या (13), अमृता (5), अंजू (40), धुनमुन (60) और कार चालक विनोद (45) शामिल हैं। कार में सवार तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उन्हें बांगरमऊ सीएचसी से लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है। बस में कुल 85 यात्री सवार थे।

बस के पलटने से 17 से अधिक यात्री भी चोटिल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस-प्रशासन के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और राहत बचाव कार्य शुरू किया। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर देवखरी गांव के पास यह हादसा हुआ। तेज रफ्तार स्लीपर बस ने पहले कार को टक्कर मारी।

इसके बाद बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर की ग्रिल तोड़ते हुए खंती में जा गिरी। बस खंती में पलटने से उसमें सवार यात्री भी चोटिल हो गए। पुलिस ने घटनास्थल से क्षतिग्रस्त कार को हटवाया। सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए सीएचसी पहुंचाया गया।

स्टेशन पर घूम रही थीं 2 बच्चियां

जीआरपी ने पूछा- कौन हो? सुन रोने लगीं दोनों फिर खुला आजमगढ़ टू दिल्ली वाला कनेक्शन

कानपुर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कानपुर से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां के रेलवे स्टेशन पर दो नाबालिग लड़कियां इधर से उधर घूम रही थीं। जब जीआरपी को भनक लगी तो टीम अलर्ट हो गई। बच्चियों के पास पहुंची और थाने ले आई। यहां उनसे पूछा कि कौन हो तो दोनों रोने लगीं। बाद में बड़ा खुलासा हुआ। बच्चियां मां-बाप की डांट से गुस्सा होकर आजमगढ़ से दिल्ली के लिए निकली थीं। इस मामले से एक सवाल उठता है कि आजकल के माता-पिताओं के लिए बच्चों को पालना कितना ही मुश्किल हो गया है। पहले के पैरेंट्स थोड़ी आंख भी दिखा देते थे तो बच्चे चुपचाप मां-बाप की मान लेते थे।

मगर, आज अगर गुस्सा कर दिया तो घर से ही बाहर निकल जाते हैं। ये भी नहीं सोचते कि बाहर अगर कोई किडनैप करके ले जाए तो। अब कानपुर से आया मामला ही हैरान कर देता है। आजमगढ़ में रहने वाली आठवीं और नवमी में पढ़ने वाली दो छात्राओं को किसी बात पर उनके माता-पिता ने डांट दिया। इससे दोनों बहनें गुस्सा गई और घर छोड़कर जाने का प्लान बना लिया। उन्होंने फैसला लिया कि वह दिल्ली चली जाएंगी। घर से दिल्ली जाने के लिए ट्रेन में बैठ गईं।

जब ट्रेन कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर पहुंची तो प्लेटफॉर्म पर उतर कर घूमने लगी। जब जीआरपी को दो बच्चियों के प्लेटफॉर्म पर घूमने के बारे में पता चला तो टीम अलर्ट हो गई। महिला पुलिसकर्मी बच्चियों को जीआरपी थाने ले आई। यहां उनसे पूछताछ की गई तो वो रोने लगीं। बाद में बताया कि मम्मी पापा ने डांट दिया था इसलिए वह घर छोड़कर भाग आईं। बाद में पुलिस ने बच्चियों के परिजनों को सूचना दी।

सहमति से बने शारीरिक संबंध के बाद शादी से इनकार करने पर दुष्कर्म का केस नहीं: इलाहाबाद हाई कोर्ट

प्रयागराज, 1 जुलाई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने सहमति से बने शारीरिक संबंधों के बाद शादी से इन्कार किए जाने पर दर्ज दुष्कर्म मामले की एफआइआर रद करते हुए अहम टिप्पणी की है। कहा है कि लंबे समय तक सहमति से चले संबंधों के खराब होने पर उन्हें आपराधिक रंग देना चलन बन गया है। न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह ने अमरेंद्र उर्फ दीपक गुप्ता की याचिका स्वीकार करते हुए पूरी कार्यवाही, चार्जशीट व संज्ञान आदेश रद कर दिया है। याची के खिलाफ गोरखपुर के तिवारीपुर थाने में विभिन्न धाराओं में केस दर्ज था।

पीड़िता ने प्राथमिकी में आरोप लगाया कि 2022 में पढ़ाई के दौरान उसका याची से संपर्क हुआ। सात मई 2022 को याची ने शादी का वादा कर होटल में शारीरिक संबंध बनाए और अश्लील वीडियो बना लिया। दोनों ने मंदिर में शादी कर ली और पति-पत्नी की तरह रहने लगे। बाद में याची दूसरी लड़की के संपर्क में आ गया। कोर्ट ने कहा, हर शादी का वादा गलतफहमी नहीं माना जा सकता, जब तक यह साबित न हो कि शुरुआत से ही वादा झूठा था। पीड़िता ने यह आरोप नहीं लगाया कि याची की शादी की नीयत शुरू से नहीं थी। वह 24 साल की एमए प्रथम वर्ष की छात्रा थी। बालिग है। शादी के वादे पर बने संबंधों के जोखिम को समझती है। शादी और शादी के वादे में फर्क होता है। दोनों मंदिर में शादी कर पति-पत्नी की तरह साथ रहे। रिश्ता पूरी तरह सहमति का था। प्राथमिकी तब दर्ज हुई जब शादी नहीं हो पाई। विवेचना में न अश्लील वीडियो मिला, न गर्भपात का सबूत। चार्जशीट भी नहीं दाखिल हुई। कोर्ट ने माना कि प्राथमिकी याची के खिलाफ शादी का दबाव बनाने के लिए दर्ज कराई गई। इसलिए दुष्कर्म का अपराध नहीं बनता।

राम मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास की तबीयत बिगड़ी, मेदांता में भर्ती

लखनऊ, 1 जुलाई (एजेंसियां)। अयोध्या के राम मंदिर के ट्रस्ट श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास की तबीयत बिगड़ गई है। उन्हें लखनऊ मेदांता अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। महंत नृत्य गोपाल की तबीयत इसके पहले जनवरी के महीने में भी बिगड़ गई थी तब लखनऊ के मेदांता अस्पताल में उनका इलाज चला था। हालांकि, वो ठीक हो गए थे। अस्पताल में उनके भर्ती होने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उनसे मिलने गए थे और डॉक्टरों से उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली थी। बता दें कि महंत नृत्य गोपाल दास राम मंदिर आंदोलन के प्रमुख संतों में से एक हैं। वे राम मंदिर आंदोलन से शुरुआती दिनों से ही जुड़े रहे और अपना पूरा जीवन राम मंदिर निर्माण के लिए समर्पित कर दिया।

वह 1986 में राम जन्मभूमि मुक्ति यज्ञ समिति के उपाध्यक्ष बने। 1992 के बाद राम जन्मभूमि न्यास (वीएचपी द्वारा गठित) के प्रमुख बने और 2006 में बने। महंत नृत्य गोपाल दास श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के वे वर्तमान अध्यक्ष हैं। राम मंदिर आंदोलन

के दौरान कोर्ट-कचहरी, सड़क आंदोलन और संत-समाज को एकजुट करने में उनकी अग्रणी भूमिका रही।

उन्होंने मणिराम दास छावनी के महंत के रूप में सैकड़ों साधुओं को संगठित किया। उन्होंने भूमि पूजन, राम मंदिर निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में मौजूद रहकर प्रमुख योगदान दिया। वह 88 वर्ष के हैं और पहले भी कई बार उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया जा चुका है।

'माता-पिता की पेंशन या संपत्ति पत्नी की आय नहीं, पति दे गुजारा भत्ता', हाई कोर्ट का फैसला

प्रयागराज, 1 जुलाई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक प्रकरण में स्पष्ट किया है कि पत्नी का शिक्षित अथवा रोजगार योग्य होना उसे सीआरपीसी की धारा 125 के तहत गुजारा भत्ता पाने से वंचित नहीं करता, जब तक यह साबित न हो कि वह वास्तव में पर्याप्त आय अर्जित कर रही है। कोर्ट ने कहा, माता-पिता की पेंशन या संपत्ति को पत्नी की स्वतंत्र आय नहीं माना जा सकता और इससे पति का कानूनी दायित्व समाप्त नहीं होता।

न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की एकलपीठ ने इन टिप्पणियों के साथ मैनपुरी के आलोक तिवारी की आपराधिक पुनरीक्षण याचिका खारिज करते हुए परिवार न्यायालय के उस आदेश को

बरकरार रखा है जिसमें 20 हजार रुपये मासिक गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया गया है। पति का तर्क था कि पत्नी शिक्षित, रोजगार योग्य और आर्थिक रूप से स्वतंत्र महिला है। वह ट्यूशन और कोचिंग से कमाती है और उसकी मां की पेंशन, संपत्तियों से भी उसे मदद मिलती है। याची के अनुसार वह खुद नियमित नौकरी में नहीं है, फ्रीलांस चार्टर्ड अकाउंटेंट है और वृद्ध माता-पिता की जिम्मेदारी भी उस पर है इसलिए भत्ता अधिक है। उसने दावा किया कि पत्नी की मां सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य हैं और परिवार की संपत्तियां बेची गई हैं। पत्नी की तरफ से कहा गया कि उसे क्रूरता, उत्पीड़न और उपेक्षा के कारण अलग रहने को मजबूर होना पड़ा। पति योग्य चार्टर्ड अकाउंटेंट है, विभिन्न जगहों पर काम कर चुका है और कंसल्टेंसी भी करता है।

पति ने पत्नी की स्वतंत्र आय का कोई विश्वसनीय सबूत नहीं दिया। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद कहा कि केवल यह तथ्य कि पत्नी शिक्षित है, उसे भत्ते से वंचित नहीं कर सकता। माता-पिता की आय पत्नी की नहीं है। मां की पेंशन अथवा उनकी संपत्तियों को पत्नी की स्वतंत्र आय नहीं माना जा सकता। कोर्ट का यह भी कहना था कि चार्टर्ड अकाउंटेंट होने के बावजूद पति ने आयकर रिटर्न, बैंक स्टेटमेंट या अन्य वित्तीय दस्तावेज पेश नहीं किए।

सीआरपीसी की धारा 125 का उद्देश्य केवल गरीबी रोकना नहीं, बल्कि पत्नी को पति की हैसियत के अनुरूप सम्मान से जीने देना है। याचिका में आलोक तिवारी ने प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय मैनपुरी के दिए गए फैसले व आदेश को चुनौती दी थी। 20 हजार रुपये प्रति माह की दर से गुजारा-भत्ता दे।

30 हजार भूमिहीनों को कितनी मिलेगी जमीन और क्या होगी प्रक्रिया? मंत्री दिलीप जायसवाल ने खुद सब बताया

पटना, 1 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के 30 हजार भूमिहीन परिवारों को राज्य सरकार जमीन देगी। राज्य में 'अभियान बसेरा-2' के तहत 15 अगस्त को पात्र भूमिहीन परिवारों को वासभूमि का बंदोबस्ती प्रमाण-पत्र दिया जाएगा। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग मंत्री दिलीप जायसवाल ने इसे लेकर पूरी जानकारी दी। मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा, आजादी के बाद से आज भी ऐसे लोग हैं, जिनके पास जमीन नहीं है।

उनके पास रैन बसेरा नहीं है। ऐसे में सम्राट सरकार ने फैसला लिया है कि स्पेशल ड्राइव चलाकर बिहार के वैसे भूमिहीन जो आज भी रोड पर रहने के लिए मजबूर हैं, उन्हें जमीन दी जाएगी। एकसाथ 30 हजार भूमिहीनों को 15 अगस्त को जमीन दी जायेंगी। मंत्री दिलीप जायसवाल ने यह भी बताया कि भूमिहीन परिवारों को सरकारी नियम के तहत ही जमीन उपलब्ध कराई जायेगी। अंचलाधिकारी अपने-अपने इलाके के पात्र परिवारों की एक लिस्ट बनायेंगे। इसके बाद उनका नाम अभियान बसेरा पोर्टल पर दर्ज किया जाएगा।

सपा की अंतर्कलह आई बाहर! कमाल अख्तर और रुचि वीरा में क्यों छिड़ी जंग? इतनी पुरानी है दोनों की अदावत

अखिलेश यादव- रुचि वीरा -कमाल अख्तर

मुरादाबाद, 1 जुलाई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के यूपी विधानसभा में मुख्य सचेतक कमाल अख्तर के अचानक इस्तीफा देने से सियासी हलचल तेज हो गई है। इससे कई सवाल भी खड़े हो रहे हैं कि क्या समाजवादी पार्टी के अंदर सब कुछ सही है? क्या मुरादाबाद से सांसद रुचि वीरा से अनबन की वजह से उनके खिलाफ कार्रवाई की गई? दरअसल, हाल ही में मुरादाबाद में आयोजित पीडीए पंचायत के बाद पार्टी के भीतर की गुटबाजी खुलकर सामने आ गई थी। मुरादाबाद से समाजवादी पार्टी सांसद रुचि वीरा उस कार्यक्रम में शामिल नहीं हुई थीं। जानकारी के मुताबिक, पीडीए चौपाल कार्यक्रम के पोस्टर-बैनर में भी रुचि वीरा की तस्वीर नहीं थी, जिसके बाद उन्होंने सार्वजनिक तौर पर कमाल अख्तर के खिलाफ नाराजगी जाहिर की थी। रुचि वीरा ने आरोप लगाया था कि कमाल अख्तर उन्हें अपमानित करते हैं और पार्टी के कार्यक्रमों में उन्हें नहीं बुलाया जाता है।

सांसद रुचि वीरा ने इसकी शिकायत अखिलेश यादव से भी की थी। इसके बाद, 25 जून को अखिलेश यादव ने कमाल अख्तर और रुचि वीरा को लखनऊ बुलाया लेकिन सूत्रों के मुताबिक, अखिलेश यादव के सामने भी दोनों आपस में भिड़ गए।

अब कमाल अख्तर के इस्तीफे से रुचि वीरा खुश नजर आ रही हैं। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव ने अनुशासन और पार्टी की एकता के लिए ये कदम उठाया। उधर, कमाल अख्तर ने अनबन को लेकर कोई टिप्पणी नहीं की। उन्होंने बस इतना कहा कि अखिलेश यादव के कहने पर इस्तीफा दिया है। अब आगे

आइएमएस बीएचयू की जूनियर रेजिडेंट ने 105 दिनों से आइसीयू में वेंटिलेटर सपोर्ट पर रहने के बाद तोड़ा दम

वाराणसी, 1 जुलाई (एजेंसियां)। आइएमएस बीएचयू के जनरल सर्जरी विभाग की 25 वर्षीय जूनियर रेजिडेंट डाक्टर साईं सत्या ने उपचार के दौरान रविवार को दम तोड़ दिया। वह पिछले 105 दिनों से सुपर स्पेशियलिटी ब्लाक के आइसीयू में वेंटिलेटर सपोर्ट पर थीं। डाक्टरों की टीम के तमाम प्रयासों के बावजूद उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। डाक्टर साईं सत्या, जो मूल रूप से समस्तीपुर, बिहार की निवासी थीं, सामने घाट क्षेत्र में एक किराये के मकान में रह रही थीं। उनकी तबीयत 13 मार्च को इंसुलिन के ओवरडोज के कारण गंभीर हो गई थी। इसके बाद उन्हें बीएचयू अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कराया गया।

स्थिति में सुधार न होने पर उन्हें आइसीयू में शिफ्ट कर दिया गया, जहां विशेषज्ञ डाक्टरों की निगरानी में उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, लंबे समय तक चले इलाज के बावजूद डाक्टर साईं की सेहत में अपेक्षित सुधार नहीं हो सका और अंततः कार्डियक अरेस्ट के कारण उनका निधन हो गया।

इस घटना से तीन-चार दिन पहले, डाक्टर साईं सत्या की विभाग के दो सीनियर रेजिडेंट डाक्टरों के साथ किसी विषय को लेकर तीखी कहासुनी हुई थी। डाक्टर सत्या ने सीनियर रेजिडेंटों पर उत्पीड़न का आरोप भी लगाया था। इस प्रकरण की जांच बैठाई गई थी, लेकिन रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं हो सकी। इस घटना ने यह भी स्पष्ट किया है कि चिकित्सा क्षेत्र में मानसिक स्वास्थ्य और कार्यस्थल की परिस्थितियों पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

पूर्व पीएम के बेटे से हुई थी 7.68 करोड़ की ठगी, 2 हफ्ते बाद भी क्यों खाली हाथ दिल्ली पुलिस?

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री आइके गुजराल के बेटे मशहूर उद्योगपति नरेश गुजराल की कंपनी से 7.68 करोड़ की ठगी के मामले में आईएफएसओ पहले लेयर के चार म्यूल खाता धारकों की पहचान तो कर ली है, लेकिन दो सप्ताह बाद भी कोई पकड़ में नहीं आ रहा है। पुलिस अधिकारी का कहना है कि पहले लेयर में चार खातों में पैसे गए थे, जो आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और मुंबई के खाते हैं।

इनमें किसी रह राज्य में दो बैंक खाते हैं। दूसरे लेयर में करीब 40 खातों में पैसे ट्रांसफर किए गए थे उनमें केवल एक को ही पुलिस अब तक पकड़ पाई है। उसके खाते में केवल पांच लाख ही आए थे। पुलिस सबसे पहले फर्स्ट लेयर वाले को पकड़ने की कोशिश कर रही है। बैंकों में जमा 4.28 करोड़ रुपए पुलिस ने फ्रीज करा दिए हैं। इस मामले में 16 जून को पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी।

'हत्या से भी जघन्य अपराध है नाबालिगों से रेप'

तीन बच्चियों से दरिंदगी मामले में मद्रास एचसी की सख्त टिप्पणी

चेन्नई, 1 जुलाई (एजेंसियां)। मद्रास हाई कोर्ट ने 6 से 8 वर्ष की तीन मासूम बच्चियों के साथ बार-बार यौन उत्पीड़न करने वाले दोषी की मौत की सजा को बरकरार रखा है। कोर्ट ने कहा कि बच्चों के खिलाफ होने वाले ऐसे अपराधों को 'हत्या से भी अधिक जघन्य' अपराध है। दरअसल, तीन बच्चियों से रेप मामले में दोषी की अपील को खारिज करते हुए मद्रास हाई कोर्ट ने कहा कि यह अपराध हत्या से भी अधिक जघन्य अपराध है।

मर्डर के मामले में जीवन खत्म हो जाता है, लेकिन बाल यौन शोषण के मामलों में पीड़ित का शरीर तो जीवित रहता है, मगर उसकी आत्मा पूरी तरह नष्ट हो जाती है। दोषी की अपील खारिज करते हुए डिवीजन बेंच ने कहा कि तीनों बाल पीड़ितों की गवाही में कुछ मामूली बदलावों के बावजूद सुसंगत, स्वाभाविक और विश्वसनीय थी। अदालत ने पॉक्सो अधिनियम और भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत दोषसिद्धि की पुष्टि की, जिनमें गंभीर यौन

उत्पीड़न, आपराधिक धमकी, घर में जबरन घुसपैठ और अवैध कारावास शामिल हैं। अभियोजन पक्ष के अनुसार, आरोपी लगभग एक वर्ष तक हर शनिवार को बच्चों को बार-बार घर में बुलाता, उन्हें चाकू से धमकाता और उनका यौन उत्पीड़न करता था। आरोपी के इस घिनौने करतूत का खुलासा तब हुआ जब एक बच्ची की मां ने अपनी बेटी को दूसरी बच्ची से इन घटनाओं के बारे में बात करते हुए सुन लिया, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया। आरोपी हर शनिवार बच्चों को बहला-फुसलाकर अपने घर ले जाता था और चाकू की नोंक पर उनके साथ दरिंदगी करता था। आरोपी के वकील ने दलील दी थी कि बच्चों ने मजिस्ट्रेट के सामने जो कहा और बाद में कोर्ट में जो गवाही दी, उसमें थोड़ी विसंगतियां है। इस पर कोर्ट ने कहा कि छोटी-मोटी बातों या मामूली अंतर को छोड़कर अदालतों को मुख्य आरोपों पर ध्यान देना चाहिए।

बच्चों की गवाही का आकलन करते समय कोर्ट का काम सही और गलत में फर्क करना होता है। कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि बाल यौन शोषण के मामलों में अगर शिकायत दर्ज कराने में देरी होती है, तो इससे केस कमजोर नहीं होता। कोर्ट ने कहा कि यौन अपराधों के मामले में और खासकर जब मामला किसी बच्चे से संबंधित हो, तो शिकायत दर्ज करने में देरी कभी भी बचाव का आधार नहीं हो सकता, क्योंकि अक्सर परिवार वाले समाज में बदनामी के डर और कानूनी प्रक्रियाओं के मानसिक तनाव के चलते तुरंत शिकायत करने से हिचकिचाते हैं।

पत्नी ने प्रेमी संग मिलकर पति की हत्या की, फिर घर में दफना दिया; दोनों को उम्रकैद

चित्रकूट, 1 जुलाई (एजेंसियां)। अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम/स्पेशल एनडीपीएस एक्ट की अदालत ने वर्ष 2018 के चर्चित शिवलोचन हत्याकांड में पत्नी और उसके कथित प्रेमी को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने हत्या और साक्ष्य मिटाने के अपराध में दोनों पर कुल 14-14 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया। न्यायालय ने इसे जघन्य अपराध माना, हालांकि इसे रेयर आफ रेयरेस्ट की श्रेणी में न मानते हुए मृत्युदंड देने से इन्कार कर दिया। अपर जिला शासकीय अधिवक्ता अजय कुमार सिंह ने बताया कि आठ वर्ष पुराने बहुचर्चित शिवलोचन विश्वकर्मा हत्याकांड में मंगलवार को फैसला सुनाते हुए अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम/स्पेशल एनडीपीएस एक्ट राहुल मिश्रा की अदालत ने लोहदा गांव निवासी माया देवी और टुल्लू लोध को दोषी ठहराया।

सीमा पार हथियार तस्करी नेटवर्क पर वार

सात अत्याधुनिक पिस्तौल के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

अमृतसर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। अमृतसर जिला शहरी पुलिस ने सीमा पार अवैध हथियार तस्करी से जुड़े एक नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से सात अत्याधुनिक पिस्तौल और 40 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी सोशल मीडिया ऐप के माध्यम से विदेश में बैठे तस्करों के संपर्क में थे।

उनके जरिए सीमा पार के रास्तों से अवैध हथियारों की खेप मंगाई जाती थी, जिसे आगे आपराधिक तत्वों तक पहुंचाया जाना था। इस संबंध में थाना सुल्तानविंड में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अब नेटवर्क के बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंक की जांच कर रही है ताकि हथियारों की आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े अन्य लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जा सके।

'पीएम मोदी के पास सुनहरा मौका: महबूबा मुफ्ती

आरएसएस भी भारत-पाकिस्तान के बीच बातचीत की हिमायती

जम्मू, 1 जुलाई (एजेंसियां)। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत शुरू करने की जरूरत पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि उन्हें खुशी है कि दत्तात्रेय होसबोले और मोहन भागवत समेत आरएसएस के कई वरिष्ठ नेताओं ने भी पाकिस्तान के साथ बातचीत की जरूरत बताई है। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास इस समय एक सुनहरा अवसर है।

उनके अनुसार, अगर भारत और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री आपस में बातचीत शुरू करें तो कई पुराने मुद्दों का समाधान निकल सकता है। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि जम्मू-कश्मीर का मुद्दा लंबे समय से दोनों देशों के बीच तनाव की बड़ी वजह बना हुआ है। अगर बातचीत का रास्ता खुलता है तो इस समस्या के समाधान की दिशा में भी आगे बढ़ा जा सकता है। महबूबा मुफ्ती ने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान के साथ बातचीत होनी चाहिए और दोनों देशों के बीच बंद पड़े बॉर्डर भी खुलने चाहिए।

उनका मानना है कि लोगों के बीच संपर्क बढ़ने और बातचीत से रिश्तों में सुधार आ सकता है। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच लोगों का आना-जाना, बातचीत और विचारों का आदान-प्रदान होना चाहिए। उनके मुताबिक, अच्छे पड़ोसी संबंध क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए बेहद जरूरी हैं। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के बयान का जिक्र करते हुए कहा कि वाजपेयी जी ने कहा था कि दोस्त बदले जा सकते हैं, लेकिन पड़ोसी नहीं। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि आज यह बात फिर से सही साबित होती दिख रही है। उन्होंने बताया कि उनकी पार्टी ने भारत और पाकिस्तान दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों को पत्र लिखा है। इस पत्र में बातचीत के जरिए तनाव कम करने और विवादित मुद्दों का समाधान निकालने की अपील की गई है। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि किसी भी प्रधानमंत्री की पहचान सिर्फ उसकी ताकत से नहीं होती, बल्कि इस बात से तय होती है कि उसने अपने कार्यकाल में कितने बड़े विवादों को सुलझाया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास जम्मू-कश्मीर विवाद को लेकर एक बड़ा और अहम मौका है। उनका कहना है कि जम्मू-कश्मीर का मुद्दा लंबे समय से भारत-पाकिस्तान रिश्तों पर असर डालता रहा है। इसी वजह से दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय सहयोग भी प्रभावित हुआ है। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि सार्क जैसे बड़े क्षेत्रीय संगठन की रफ्तार भी भारत-पाकिस्तान तनाव और कश्मीर मुद्दे के कारण धीमी पड़ गई। उनके मुताबिक, सार्क ऐसा मंच था, जिसे भारत मजबूती से आगे बढ़ा सकता था, लेकिन लगातार तनाव की वजह से इसकी संभावनाएं कमजोर पड़ गईं।

राघव चड्ढा को दिल्ली एचसी से नहीं मिली राहत

कहा- पहले दे चुके हैं अंतरिम आदेश, अब और नहीं

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को पर्सनैलिटी राइट्स मामले में दिल्ली हाई कोर्ट से राहत नहीं मिली है। दिल्ली हाई कोर्ट ने राघव चड्ढा के मामले में फिलहाल कोई अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया है। सुनवाई के दौरान जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद ने कहा कि अदालत पहले ही 5 ऐसे पोस्ट और दस्तावेज हटाने का आदेश दे चुकी है जिन्हें पहली नजर में मान हानिकारक माना गया था। कोर्ट ने साफ कहा कि बाकी कंटेंट मानहानिकारक नहीं है, इसलिए उस पर कोई अंतरिम आदेश नहीं दिया जाएगा।

इस मामले में राघव चड्ढा ने सोशल मीडिया पर उनके नाम और तस्वीरों के कथित दुरुपयोग तथा आपत्तिजनक पोस्ट हटाने की मांग करते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया था। अदालत ने पहले भी टिप्पणी की थी कि राजनीतिक नेताओं की आलोचना और अभिव्यक्ति की आजादी के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी है।

40वें दिन भी जारी 'ऑपरेशन शेरुवाली': राजोरी में आतंकियों की तलाश जारी, घने जंगलों में डटे सुरक्षाबल

राजोरी, 1 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के राजोरी जिले में आतंकियों के खिलाफ चलाया जा रहा 'ऑपरेशन शेरुवाली' बुधवार को 40वें दिन में प्रवेश कर गया। सुरक्षाबल डोरीमल और गंभीर मुगला क्षेत्र के घने जंगलों में लगातार सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं। माना जा रहा है कि इलाके में कुछ आतंकी छिपे हुए हैं, जिनकी तलाश के लिए व्यापक अभियान जारी है। सुरक्षा एजेंसियां आधुनिक उपकरणों और आपसी समन्वय के साथ जंगलों में तलाशी और निगरानी अभियान चला रही हैं। यह अभियान मई के अंतिम सप्ताह में शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य दुर्गम पहाड़ी और वन क्षेत्रों में छिपे आतंकियों का पता लगाकर उन्हें निष्क्रिय करना है। अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र पूरी तरह सुरक्षित होने और अभियान के सभी लक्ष्य पूरे होने तक ऑपरेशन जारी रहेगा। सुरक्षाबल पूरे क्षेत्र में लगातार निगरानी बनाए हुए हैं ताकि किसी भी तरह की आतंकी गतिविधि को रोका जा सके।

'वेस्ट-भीम' डॉग स्क्वॉड, लेडी कमांडो की तैनाती

अमरनाथ यात्रा में इस बार सुरक्षा के क्या हैं खास इंतजाम?

अमरनाथ, 1 जुलाई (एजेंसियां)। यात्रा की शुरुआत 3 जुलाई से हो रही है। यात्रा से पहले जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने की तैयारी तेज हो गई है। बालटाल रूट पर पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने सुरक्षा मॉक ड्रिल की, जबकि यात्रियों की सुरक्षा तय करने के लिए सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर आरपीएफ ने डॉग स्क्वॉड भी तैनात कर दिया है। पहलगाम में तैनात सीआरपीएफ की 116वीं बटालियन के असिस्टेंट कमांडेंट मनीष यादव ने बताया कि सुरक्षा अभियान में दो ट्रेंड बेल्जियन शेफर्ड नस्ल के स्काउट डॉग अहम भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हमारे पास दो स्काउट डॉग हैं। दोनों बेल्जियन शेफर्ड नस्ल के हैं। इनकी भूमिका इन्फैंट्री पेट्रोलिंग (आईपी) और इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) का पता लगाने की है। पहले वाहन पहुंचते हैं, फिर हम डीएसएमडी का इस्तेमाल करते हैं। इसके बाद डॉग पूरे इलाके को सूंघकर किसी भी संदिग्ध वस्तु का तुरंत पता लगा लेते हैं।'

मनीष यादव ने बताया, 'इन दोनों डॉग्स के नाम वेस्ट और भीम हैं। वेस्ट 7 साल का है और भीम 8 साल का। दोनों इतने ही समय से सीआरपीएफ के साथ जुड़े हुए हैं। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित इलाके में तैनाती के दौरान वेस्ट ने एक आईईडी का पता लगाया था और भीम ने भी विस्फोटक खोजने में सफलता हासिल की थी। दोनों ने कई महत्वपूर्ण ऑपरेशन सफल बनाए हैं।' अमरनाथ यात्रा के दौरान आईईडी खतरे, घुसपैठ और आतंकी गतिविधियों की आशंका को देखते हुए ऐसे प्रशिक्षित डॉग स्क्वॉड सुरक्षा की सबसे अहम कड़ी माने जा रहे हैं।

सुरक्षा एजेंसियों के पास श्रद्धालुओं की यात्रा सुरक्षित, शांतिपूर्ण और बिना किसी व्यवधान के पूरी कराने की जिम्मेदारी है। अनंतनाग के पहलगाम में नुनवान बेस कैंप पर सीआरपीएफ की ऑल-वुमेन बटालियन तैनात की गई है, जो महिला श्रद्धालुओं की तलाशी, कतार प्रबंधन और हर जरूरी मदद की जिम्मेदारी संभाल रही है। सीआरपीएफ की 240वीं महिला बटालियन की सब-इंस्पेक्टर मुस्कान त्यागी ने कहा, 'हमारी ड्यूटी महिला श्रद्धालुओं की फ्रिस्किंग, जांच और उनकी कतारों का प्रबंधन करना है, ताकि यात्रा में कोई बाधा न पड़े और श्रद्धालु आरामसे दर्शन कर सकें। यही हमारी मुख्य जिम्मेदारी है।

अंकिता हत्याकांड की अगली सुनवाई 20 जुलाई को

पिथौरागढ़, 1 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने चर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड के मुख्य आरोपी पुलकित आर्या व सौरभ भास्कर को निचली अदालत से आजीवन कारावास की सजा दिए जाने के मामले पर सुनवाई के बाद मामले की अगली सुनवाई के लिए 20 जुलाई की तिथि नियत की है। सुनवाई पर आरोपियों की ओर से कहा गया कि मृतक ने खुदकुशी की है, उनका इसमें कोई हाथ नहीं है, इसलिए उन्हें जमानत पर रिहा किया जाए। वहीं मृतक के परिवार व सरकार की तरफ से कहा गया कि घटना घटित होने के बाद होटल के कमरे को तोड़ दिया गया। आगजनी करके सारे सबूत मिटा दिए गए, व्हाट्सअप चैट भी इनके खिलाफ हैं अगर इनका कोई हाथ नहीं था तो सारे सबूत क्यों मिटा दिए गए।

इसलिए इनकी अपील को खारिज किया जाए। न्यायमूर्ति रवींद्र मैठाणी एवं न्यायमूर्ति सिद्धार्थ साह की खंडपीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई। मामले के अनुसार पुलकित आर्या व सौरभ भास्कर ने हाईकोर्ट में अपील दायर कर कोटद्वार कोर्ट द्वारा उन्हें आजीवन कारावास की सजा दिए जाने के आदेश को चुनौती दी थी।

अपीलकर्ताओं की ओर से अपील में जमानत प्रार्थना पत्र दायर कर उन्हें जमानत पर रिहा करने की प्रार्थना की थी। अपीलकर्ताओं को कोटद्वार की अदालत ने 30 मई 2025 को आदेश पारित कर दोनों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। अपीलकर्ताओं की ओर से कहा गया कि मामले में कोई प्रत्यक्षदर्शी गवाह पेश नहीं किया गया। मृतक का शव कैनाल से बरामद हुआ था। अभियोजन पक्ष की तरफ से कहा गया कि आरोपी व उसके दो अन्य साथियों की लोकेशन घटना स्थल पर पाई गई थी फोरेंसिक जांच में भी इनकी लोकेशन वहां पाई गई।

तीन करोड़ की रिश्वत ने पहुंचाया जेल

आईपीएस अफसर को सीबीआई ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 3 करोड़ रुपये की कथित रिश्वतखोरी के मामले में आईपीएस अधिकारी दीपक गहलावत को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि यह मामला नकली दवा बनाने वाले रैकेट की जांच से जुड़ा हुआ है। अधिकारियों के मुताबिक, कथित घटना के समय दीपक गहलावत नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) में क्षेत्रीय निदेशक के पद पर तैनात थे। उन पर आरोप है कि उन्होंने रिश्वत के बदले अपने कथित प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए एजेंसी के अधिकारियों पर दबाव बनाने और पुडुचेरी के एक कारोबारी को सीबीआई की जांच में मनचाहा परिणाम दिलाने का भरोसा दिया था। यह मामला जून में सीबीआई द्वारा चलाए गए एक ट्रैप ऑपरेशन से सामने आया था। इस कार्रवाई के दौरान दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच के इंस्पेक्टर प्रदीप सिंह और कथित बिचौलिये राजकुमार को गिरफ्तार किया गया था। सीबीआई ने इस मामले में इंस्पेक्टर प्रदीप सिंह, कथित बिचौलिये राजकुमार और पुडुचेरी के कारोबारी एन. राजा के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। एजेंसी अब पूरे रिश्वत नेटवर्क और इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

दिल्ली में 650 करोड़ के स्वास्थ्य घोटाले में एक्शन, डाटा असिस्टेंट सुमित सिंह बर्खास्त दो जूनियर असिस्टेंट सस्पेंड

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। 650 करोड़ रुपये के स्वास्थ्य घोटाले की जांच के बीच स्वास्थ्य विभाग में एक और बड़ी कार्रवाई की गई है। महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं (डीजीएचएस) डॉ. सुषमा जैन ने डाटा असिस्टेंट सुमित सिंह की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी। इसके साथ ही डीजीएचएस कार्यालय में तैनात दो जूनियर असिस्टेंट को भी निलंबित कर दिया गया है। विभागीय सूत्रों के अनुसार यह कार्रवाई केंद्रीय खरीद एजेंसी (सीपीए) से जुड़े मामलों और निजी दवा सप्लायरों से नजदीकी के आरोपों की जांच के बीच की गई है। आदेश के अनुसार सुमित सिंह को सभी सरकारी फाइलें, दस्तावेज, लैपटॉप, पहचान पत्र और अन्य विभागीय सामग्री तत्काल जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं।

सूत्रों का कहना है कि सुमित सिंह लंबे समय से खरीद और सप्लाई से जुड़े कार्यों में तैनात थे। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि दवा और चिकित्सा सामग्री की खरीद से जुड़े कुछ सप्लायरों के साथ उनके संबंधों की प्रकृति क्या थी और खरीद प्रक्रिया में उनकी क्या भूमिका रही। इसी मामले में दो जूनियर असिस्टेंट को भी निलंबित किया गया है। हालांकि विभाग ने जांच में उनकी भूमिका को देखते हुए उनके नाम सार्वजनिक नहीं किए हैं। माना जा रहा है कि खरीद प्रक्रिया से जुड़े दस्तावेजों, रेकार्ड और फाइल मूवमेंट की जांच के बाद यह कार्रवाई की गई है।

महाराष्ट्र सरकार ने श्री हजूर साहिब से जुड़ा विधेयक टाला

चंडीगढ़, 1 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार ने श्री हजूर साहिब से जुड़ा विधेयक टाल दिया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब, नांदेड़ के एडमिनिस्ट्रेटिव बोर्ड को ट्रांसफर करने के लिए महाराष्ट्र सरकार के प्रस्तावित बिल को टाल दिया है। सिख समुदाय की भावनाओं का सम्मान करते हुए इस विषय पर पूरी चर्चा का रास्ता खोल दिया। राज्यसभा सांसद तरुण चुघ ने कहा कि तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब दुनिया भर के करोड़ों सिखों की अटूट आस्था और भक्ति का केंद्र है। सिख समुदाय के इस महान तख्त साहिब से जुड़ा हर फैसला हर सिख और नानक नाम लेवा संगत की भावनाओं, सिख परंपराओं और आपसी सहमति को सबसे ऊपर रखकर लिया जाना चाहिए। महाराष्ट्र सरकार का बातचीत, सलाह-मशविरा और आम सहमति के रास्ते को प्राथमिकता देना डेमोक्रेटिक परंपराओं और सिख भावनाओं के प्रति संवेदनशीलता का प्रतीक है। चुघ ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि सभी स्टेकहोल्डर्स के साथ अच्छी बातचीत के बाद, ऐसा फैसला लिया जाएगा जो सिख समुदाय और नानक नाम लेवा गुरुमुखों की उम्मीदों और तख्त साहिब की गरिमा के मुताबिक होगा।

जम्मू-कश्मीर में बादल फटा, अरुणाचल में बाढ़

एमपी-बिहार में बिजली गिरने से 8 की मौत; जुलाई में सामान्य से कम बारिश का अनुमान

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना जम्मू, 1 जुलाई (एजेंसियां)। कश्मीर को डोडा में बुधवार सुबह 2 बार बादल फटा। भलेसा के कलालीगसर इलाके में बादल फटने से बाढ़ आ गई। ढेर सारा मलबा पहाड़ी से बहकर सड़क पर आ गया। इससे रास्ते ब्लॉक हो गए। वहीं, अरुणाचल प्रदेश में बाढ़ और लैंडस्लाइड का कहर है। अब तक 4 लोगों की मौत हो चुकी है। अंजॉ जिले के सारती गांव में लैंडस्लाइड में एक व्यक्ति की मौत हुई। इससे पहले कीयी पन्योर में बाढ़ में 3 लोग बह गए थे। अधिकारियों के मुताबिक 2 लोग लापता हैं। 28 जिलों के 90 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। इधर, मध्य प्रदेश के हरदा-खरगोन में बिजली गिरने से 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि बैतूल में एक ही परिवार के चार लोग झुलस गए। वहीं, चंपा नदी के उफान में बाइक समेत दो युवक बह गए। बिहार में भी बिजली गिरने से 5 लोगों की मौत हो गई।

यूपी के सोनभद्र में मंगलवार शाम 4 बजे पिकनिक मनाने गए 3 लोग बरसाती नाले के तेज बहाव में बह गए। एक की मौत हुई। उत्तराखंड में बारिश से देहरादून में रिस्पना नदी उफान पर है। गंगा के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए ऋषिकेश में मंगलवार शाम से राफ्टिंग पर 31 अगस्त तक रोक लगा दी गई है।

राम मंदिर से चीन तक सामना में शिवसेना-यूबीटी ने भाजपा पर साधा निशाना, क्या विपक्ष तोड़ना ही राष्ट्र सेवा?

मुंबई, 1 जुलाई (एजेंसियां)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि उसकी देशभक्ति और हिंदुत्व केवल एक 'दिखावा' है। पार्टी ने आरोप लगाया कि भाजपा का आचरण 'रावण के वंशजों' जैसा है। पार्टी ने कहा, 'भले ही भाजपा रावण को बुरा मानती हो, लेकिन हिंदू समाज को यह याद रखना चाहिए कि रावण पाखंडी नहीं था। उसने भाजपा की तरह राम मंदिरों के दान-पात्रों से चोरी नहीं की थी।'

सामना के संपादकीय में कहा गया कि यदि भगवान राम के नाम पर हो रही कथित लूट, देश की जमीन पर कब्जा, लोकतंत्र और संविधान को कमजोर किए जाने जैसी

घटनाओं पर किसी को दुख या शर्म महसूस नहीं होती और लोग इसे ही राजनीति मान बैठे हैं, तो 'विष्णु का 13वां अवतार भी इस देश को नहीं बचा पाएगा। संपादकीय में इसे कलयुग की चरम स्थिति बताते हुए कहा गया कि स्वार्थ, अनैतिकता और भ्रष्टाचार सामान्य बात बन चुके हैं। अपने आरोपों के समर्थन में ठाकरे गुट ने कहा कि एक ओर अयोध्या में राम मंदिर के दान और सोने की कथित चोरी की चर्चा देश-दुनिया में हो रही है, वहीं दूसरी ओर अरुणाचल प्रदेश से चिंताजनक खबरें सामने आई हैं, जहां चीन द्वारा कथित रूप से कई गांवों पर कब्जा किए जाने की बातें कही जा रही हैं। संपादकीय में आरोप लगाया गया कि हिंदुओं की आस्था का राजनीतिक लाभ उठाया जा रहा है। पार्टी ने कहा कि 'चोरों ने भगवान राम को भी नहीं छोड़ा और उन्हें बीजेपी का संरक्षण प्राप्त है।

शिवसेना (यूबीटी) ने आरोप लगाया कि राम मंदिर से सोना और दान चोरी होने के बावजूद पुलिस मुख्य संदिग्धों को छोड़कर अन्य लोगों की जांच में लगी हुई है।

स्पा में मसाज नहीं, देह व्यापार: नकली ग्राहक बनाकर भेजा, पुलिस की रेड में हुआ बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के पहाड़गंज थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए स्पा सेंटर की आड़ में चल रहे देह व्यापार के रैकेट का पर्दाफाश किया है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई में पुलिस ने रैकेट के संचालक को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है, जबकि मौके से चार महिलाओं को रेस्क्यू किया गया है। पुलिस ने घटनास्थल से नकदी और आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की है।

पुलिस को 30 जून 2026 को एक गुप्त सूचना मिली थी, जिसमें बताया गया था कि पंचकुइयां रोड स्थित प्रॉपर्टी नंबर-15 की दूसरी मंजिल पर संचालित एक स्पा सेंटर में स्पा सेवाओं की आड़ में अनैतिक देह व्यापार का धंधा चल रहा है। इस सूचना की सत्यता की पुष्टि करने और कार्रवाई के लिए पुलिस ने तुरंत एक विशेष टीम का गठन किया। टीम ने अपनी योजना के तहत, एक पुलिसकर्मी को नकली ग्राहक बनाकर उस स्पा सेंटर में भेजा। आरोप है कि स्पा संचालक ने नकली ग्राहक से पैसे लिए और वहां मौजूद एक महिला को उसके साथ कमरे में भेज दिया। जैसे ही तय संकेत मिला, पुलिस टीम ने तुरंत स्पा सेंटर पर छापा मारा और मौके से संचालक को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान अजय मल्होत्रा (39) के रूप में हुई है, जो मुल्तानी ढांडा, नबी करीम, दिल्ली का निवासी बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, अजय मल्होत्रा ही इस स्पा सेंटर का मालिक और प्रबंधक है और वह स्पा की आड़ में अवैध धंधा चला रहा था। पुलिस ने इस कार्रवाई में मौके से चार महिलाओं को भी रेस्क्यू किया है।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने बर्थराइट पर निभाया 150 साल पुराना वादा

भारतीयों के लिए बड़ी राहत

वॉशिंगटन, 1 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के बाद अमेरिका में अस्थायी वीजा पर रह रहे हजारों भारतीय परिवारों ने राहत की सांस ली है। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकारी आदेश को खारिज कर दिया है, जिसमें वे जन्म के आधार पर मिलने वाली नागरिकता पर रोक लगाना चाहते थे। ट्रंप प्रशासन ने कहा था कि जो लोग अस्थायी रूप से अमेरिका में रह रहे हैं, उनके पैदा होने वाले बच्चों को नागरिकता नहीं मिलेगी। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने आदेश को खारिज करते हुए 150 साल से ज्यादा समय से चली आ रही संवैधानिक सुरक्षा को बरकरार रखा।

सुप्रीम कोर्ट ने 6-3 के फैसले में कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप का कार्यकारी आदेश 14वें संशोधन के नागरिकता नियम का उल्लंघन करता है। सुप्रीम कोर्ट ने 150 साल पहले 14वें संविधान संशोधन के वादे का जिक्र किया और कहा कि हम आज भी उस वादे को निभा रहे हैं।

इस फैसले ने अब यह पक्का कर दिया है कि अमेरिका में पैदा होने वाले बच्चों को अपने आप अमेरिकी नागरिकता मिलती रहेगी, चाहे उनके माता-पिता अस्थायी वीजा पर रह रहे हों या स्टूडेंट वीजा पर।

यह फैसला एच-1बी वर्क वीजा, एल-1 इंट्रा कंपनी ट्रांसफर वीजा, स्टूडेंट वीजा और दूसरे अस्थायी इमिग्रेशन श्रेणी वाले भारतीयों के लिए बहुत अहम है। इनमें से कई लोग ग्रीन कार्ड का इंतजार करते हुए सालों और कई बार दशकों तक बिता देते हैं। इस दौरान उनके परिवार कानूनी अनिश्चितता में बने रहते हैं।

इस फैसले ने हजारों भारतीय प्रोफेशनल्स के लिए ट्रंप की इमिग्रेशन नीतियों के चलते पैदा हुई एक प्रमुख अनिश्चितता खत्म कर दी है। एच-1बी वीजा धारकों में भारतीयों की संख्या सबसे ज्यादा है। भारतीय प्रोफेशनल्स अमेरिका के टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, हेल्थकेयर और फाइनेंस सेक्टर के वर्कफोर्स का बड़ा हिस्सा हैं। अमेरिका में ग्रीन कार्ड के लिए हर साल देश के हिसाब से तय सीमा है। इसकी वजह से कई भारतीय वर्कर को दशकों तक ग्रीन कार्ड का इंतजार करना पड़ता है। इस दौरान वे अपने परिवार के साथ अस्थायी वीजा पर ही गुजारा करते हैं। इस फैसले से अमेरिका में पैदा होने वाले उनके बच्चों को नागरिकता हासिल हो सकेगी, जो पीढ़ियों से चली आ रही है।

चीफ जस्टिस जॉन रॉबर्ट्स ने 6-3 के बहुमत वाले फैसले में ट्रंप प्रशासन की उस दलील को खारिज कर दिया कि अस्थायी वीजा पर रहने वालों के बच्चों को जन्म से नागरिकता का अधिकार नहीं मिलना चाहिए।

कोर्ट ने अमेरिका बनाम वोंग किम आर्क मामले में 1898 के ऐतिहासिक फैसले को सही ठहराया। इस फैसले ने तय किया था कि अमेरिकी धरती पर पैदा होने वाले हर व्यक्ति को अमेरिका की नागरिकता पाने का है, सिवाय कुछ खास हालात के- जैसे विदेशी राजनयिकों या कब्जा करने वाली दुश्मन सेनाओं के बच्चे।

नशे के खिलाफ ब्लॉग बनाने वाला गांजा के साथ पकड़ाया

दुर्ग-भिलाई, 1 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में नशे के खिलाफ ब्लॉग बनाने वाले एक युवक 4 किलो गांजे के साथ पकड़ा गया है। जब्त गांजे की कीमत करीब 2 लाख रुपए है। हरिशंकर यादव उर्फ जुगनू (24) भिलाई का रहने वाला है, वह इंस्टाग्राम पर नशे के खिलाफ वीडियो बनाकर पुलिस से कार्रवाई की मांग करता था। 29 जून को दुर्ग पुलिस को सूचना मिली कि वह गांजा बेचने की फिराक में बिहारी मोहल्ला पहुंचा है। जहां उसे घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। मामला खुर्सीपार थाना क्षेत्र का है। इधर आरोपी की मां ने गिरफ्तारी को गलत बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बेटे के पास कोई गांजा नहीं मिला है, इसलिए उसे कोर्ट में पेश नहीं किया गया बल्कि 3 दिनों से थाने में रखा गया है। वहीं पुलिस का कहना है कि आरोपी अपराधी प्रवृत्ति का है। उस पर हत्या के प्रयास जैसे कई मामले दर्ज हैं।

जैन मुनि को खामेनेई के अंतिम संस्कार का न्योता

ईरान ने लिखा- आपका आना आपसी सम्मान का प्रतीक, 2 करोड़ लोगों के पहुंचने का अनुमान

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन, 1 जुलाई (एजेंसियां)। जैन संत और अहिंसा विश्व भारती के संस्थापक आचार्य लोकेश मुनि को ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के राजकीय अंतिम संस्कार में शामिल होने का औपचारिक निमंत्रण मिला है। यह कार्यक्रम 4 और 5 जुलाई को तेहरान में होगा।

ईरान के सर्वोच्च नेता के कार्यालय की ओर से भेजे गए निमंत्रण पत्र में कहा गया है कि भारत और ईरान के ऐतिहासिक रिश्तों को देखते हुए आचार्य लोकेश मुनि की मौजूदगी दोनों देशों के बीच गहरे सम्मान और मित्रता का प्रतीक होगी।

ईरानी मीडिया के मुताबिक, अंतिम संस्कार में 1.2 करोड़ से 2 करोड़ लोगों के शामिल होने का अनुमान है। इसी वजह से पूरे तेहरान में सुरक्षा, परिवहन, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य व्यवस्थाओं के विशेष इंतजाम

किए गए हैं। शहर में कई मार्गों पर वाहनों की आवाजाही भी सीमित रहेगी।

भारत सरकार की ओर से बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैय्यद अता हसनैन और विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा भी अंतिम संस्कार में शामिल होंगे।

होर्मुज में फिर बढ़ी जहाजों की आवाजाही: समुद्री निगरानी करने वाली कंपनी केप्लर के आंकड़ों के अनुसार, सोमवार को होर्मुज से कुल 40 जहाज गुजरे। इनमें से 16 जहाजों ने ईरान के समुद्री मार्ग का इस्तेमाल किया।

ईरान की शर्त- पहले फंसे 6 अरब डॉलर दो: ईरान चाहता है कि विदेशों में फंसी उसकी करीब 6 अरब डॉलर (करीब 57 हजार करोड़ रुपए) की संपत्ति पहले जारी की जाए। इसके बाद ही वह शांति समझौते के अगले चरण पर आगे बढ़ेगा।

पजशकियान बोले- समझौता सुप्रीम लीडर की मंजूरी से हुआ: ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने कहा कि अमेरिका के साथ हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) ईरान के सुप्रीम लीडर की मंजूरी से हुआ है।

खामेनेई के अंतिम संस्कार के लिए सबसे बड़ा सुरक्षा इंतजाम: ईरान अपने सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के अंतिम संस्कार के लिए अब तक की सबसे कड़ी सुरक्षा व्यवस्था कर रहा है।

भारत ने किया तालिबान का समर्थन तो भड़का पाकिस्तान

डूरंड लाइन विवाद में एंट्री से क्यों बौखलाया?

इस्लामाबाद, 1 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान विदेश मंत्रालय ने अफगानिस्तान पर पाकिस्तानी वायुसेना के हमलों को लेकर दिए गये बयान को खारिज कर दिया है। पाकिस्तानी विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने बुधवार को अफगान सीमा के पास आतंकवादियों और उनके ठिकानों पर पाकिस्तान की हालिया कार्रवाई के बारे में भारत के बयान पर प्रतिक्रिया दी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में ताहिर अंद्राबी ने कहा कि अफगानिस्तान में आतंकवादी ढांचे के खिलाफ पाकिस्तान की कार्रवाई 'वैध, लक्षित और उचित' थी।

पाकिस्तान के प्रवक्ता ने कहा 'यह बेतुका बयान एक ऐसे देश ने दिया है जिसने ऐतिहासिक रूप से संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन करते हुए अपने पड़ोसी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता में हस्तक्षेप किया है और उसे कमजोर किया है और जो भारत के जम्मू-कश्मीर में कश्मीरियों के आत्मनिर्णय के अधिकार का दमन करना जारी रखे हुए है जो संयुक्त राष्ट्र के संबंधित प्रस्तावों का उल्लंघन है।' ताहिर अंद्राबी ने कहा 'भारत, यूएन सुरक्षा परिषद के प्रतिबंधों के नियमों का उल्लंघन करते हुए अफगानिस्तान की जमीन से पाकिस्तान के खिलाफ काम करने वाले आतंकवादी समूहों की सक्रिय रूप से मदद और उन्हें बढ़ावा देता रहा है और इलाके में शांति बिगाड़ने का काम करता रहा है।' उन्होंने आगे कहा 'पाकिस्तान के खिलाफ उसके बेबुनियाद आरोपों और भड़काऊ बयानों पर कोई ध्यान नहीं दिया जाना चाहिए।'

आपको बता दें कि रविवार रात पाकिस्तान ने दावा किया कि उसके सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर खुफिया जानकारी के आधार पर जमीनी कार्रवाई की और उसके बाद आतंकवादियों के ठिकानों और सुरक्षित पनाहगाहों पर सटीक हमले किए जिसमें 25 आतंकवादी मारे गए। जबकि अफगानिस्तान ने तस्वीरें और वीडियो जारी करते हुए कहा कि पाकिस्तानी सेना ने आम लोगों और बच्चों पर बमबारी की है जिसमें कई मासूम बच्चे मारे गये हैं। भारत के विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान की इन कार्रवाइयों की निंदा की थी। भारतीय विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तानी हमले को 'खुली आक्रामकता' और क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए 'सीधा खतरा' बताया।

ब्रेक फेल होने से ट्रेलर ने 7 गाड़ियों को रौंदा

रामगढ़ घाटी में हुआ हादसा कई वाहन क्षतिग्रस्त, कुछ लोग मामूली रूप से घायल

रामगढ़, 1 जुलाई (एजेंसियां)। रामगढ़ थाना क्षेत्र की घाटी में एक ट्रेलर का ब्रेक फेल होने से बड़ा हादसा हो गया। ट्रेलर ने पीछे से सात वाहनों को टक्कर मार दी, जिसमें पांच कार और दो मोटरसाइकिल शामिल हैं। हादसे में किसी के गंभीर रूप से हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन कुछ लोगों को मामूली चोटें आई हैं। कई वाहनों को मामूली क्षति पहुंची है। टक्कर के बाद वाहनों के एक-दूसरे से टकराने के कारण मौके पर अफरातफरी का माहौल बन गया। बताया गया है कि कुछ लोगों को मामूली चोटें आई हैं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के लिए सदर अस्पताल भेजा गया। घायल स्वयं ही घटनास्थल से निकल गए थे। टक्कर मारने वाले ट्रेलर का नंबर एनएल 01 एडी 7009 है, जिसमें लोहे के चक्के लदे हुए थे।

हथियारों में घोटाला और गद्दारी का डर?

चीनी सेना को लेकर राष्ट्रपति जिनपिंग ने खाई कसम

बीजिंग, 1 जुलाई (एजेंसियां)। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बुधवार को देश की सेना को मजबूत और आधुनिक बनाने की कसम खाई है। उन्होंने सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी की 105वीं स्थापना वर्षगांठ के मौके पर राजनीतिक और सैन्य नेताओं को संबोधित करते हुए भ्रष्टाचार के खिलाफ कम्युनिस्ट पार्टी के अभियान को और तेज करने का संकल्प लिया है। 'ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल' में बोलते हुए शी जिनपिंग ने वरिष्ठ राजनीतिक नेताओं, सैन्य अधिकारियों और कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्यों से कहा कि एक मजबूत सेना का निर्माण देश की प्राथमिकता बनी हुई है।

चीन के राष्ट्रपति ने कहा कि चीन को सेना के आधुनिकीकरण की गति को तेज करते हुए सेना पर 'पार्टी के पूर्ण नेतृत्व' को बनाए रखना होगा। इसके अलावा शी जिनपिंग ने कम्युनिस्ट पार्टी के भीतर भ्रष्टाचार को खत्म करने के अपने संकल्प को भी दोहराया और इसे एक लंबी अवधि की चुनौती बताया। उन्होंने कहा कि

शी जिनपिंग ने चीन की सेना का आधुनिकीकरण करने और भ्रष्टाचार खत्म करने की कसम खाई

सीसीपी को भ्रष्टाचार के खिलाफ 'निर्णायक, लंबी और व्यापक लड़ाई' मजबूती से लड़नी होगी।

चीनी सेना (पीएलए) के भीतर चीनी सेना दुनिया की सबसे बड़ी सेनाओं में से एक है लेकिन यह अंदर से भ्रष्टाचार से खोखली हो रही है। हाल ही में चीन के रॉकेट फोर्स के टॉप जनरलों और रक्षा मंती ली शांगफू को भ्रष्टाचार के आरोप में हटा दिया गया है। रिपोर्टों के मुताबिक मिसाइलों में ईंधन की जगह पानी भरे होने और साइलो के ढक्कन ठीक से काम न करने जैसे बड़े घोटाले सामने आए हैं। इसी वजह से जिनपिंग को यह कड़ा रुख अपनाना पड़ा है। पिछले तीन वर्षों में चीन में दो रक्षा मंत्रियों को हटाया गया है और चीन की सर्वोच्च सैन्य संस्था 'सेंट्रल मिलिट्री कमीशन' के सदस्यों की संख्या जो कभी सात हुआ करती थी उसे घटकर सिर्फ 2 कर दिया गया है जिनमें एक खुद राष्ट्रपति शी जिनरिंग हैं और दूसरा एक जनरल है।

राष्ट्रपति शी जिनपिंग 'भ्रष्टाचार विरोधी अभियान' का इस्तेमाल चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) और सेना के भीतर अपने विरोधियों को ठिकाने लगाने के लिए करने के गंभीर आरोप लगते रहे हैं। जो भी जनरल उनकी युद्ध नीतियों जैसे ताइवान पर हमला करने की योजना पर सवाल उठाता है उसे भ्रष्टाचार के नाम पर जेल भेज दिया जाता है।

शी जिनपिंग ने चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के सबसे ताकतवर नेताओं जैसे झोउ योंगकांग और बो जिलाई को निपटा दिया है जो उनके प्रतिद्वंद्वी थे। रक्षा मंत्री ली शांगफू को ताइवान नीति पर असहमति की वजह से गायब कर दिया गया। भारत के डिफेंस एक्सपर्ट जेएस सोढ़ी जो भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल रह चुके हैं उन्होंने नवभारत टाइम्स से कहा कि जब जिनपिंग सेना को 'मजबूत और साफ-सुथरा' बनाने की बात करते हैं तो उनका सीधा मकसद चीनी सेना की लड़ाकू क्षमता को बढ़ाना होता है।

एलएसी पर भारत के साथ जारी गतिरोध और ताइवान जलडमरूमध्य में बढ़ते तनाव के बीच चीनी सेना का यह आंतरिक शुद्धिकरण सीधे तौर पर क्षेत्रीय सुरक्षा को प्रभावित करेगा।

अमेरिका-सऊदी अरब अब दोस्त नहीं?

ईरान को लेकर विवाद, ट्रंप प्रशासन की रियाद को धमकी

वॉशिंगटन, 1 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका और सऊदी अरब के संबंध तनावपूर्ण दौर से गुजर रहे हैं। इसकी पुष्टि खुद अमेरिकी अधिकारियों ने की है। उन्होंने द वॉल स्ट्रीट जर्नल को बताया है कि अमेरिका और सऊदी अरब के बीच ऑपरेशन प्रोजेक्ट फ्रीडम को लेकर टकराव हुआ था। इस कारण ट्रंप प्रशासन को होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरने वाले जहाजों को सुरक्षा देने का मिशन रोकना पड़ा।

रिपोर्ट में यह भी बताया है कि सऊदी अरब के इस फैसले से अमेरिका इतना बौखलाया कि उसने रियाद को अंजाम भुगतने की धमकी तक दी थी। अमेरिका ने सऊदी अरब को मिसाइल इंटरसेप्टर और ड्रोन की बिक्री रोरने की धमकी दी थी।

द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, सऊदी अरब ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के महत्वकांक्षी ऑपरेशन प्रोजेक्ट फ्रीडम मिशन के लिए अमेरिका को अपने बेस और एयरस्पेस का इस्तेमाल करने की इजाजत देने से इनकार कर दिया था। इसके जवाब में, ट्रंप प्रशासन ने सऊदी अरब को ईरानी मिसाइलों और ड्रोन को रोकने के लिए जरूरी इंटरसेप्शन सिस्टम न देने की धमकी दी, जिससे रियाद को पीछे हटना पड़ा। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि इस घटना के बाद, अमेरिका सऊदी अरब में अपनी कुछ सैन्य मौजूदगी कम करने पर विचार कर रहा है और इसके बजाय उन देशों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है जिन्होंने युद्ध के दौरान ज्यादा मदद की थी। सऊदी अरब ने शुरू से ही ईरान के बंदरगाहों की नाकेबंदी को लेकर अमेरिका पर दबाव डाल रहा था।

बेल्जियम के एंटवर्प में भीषण अग्निकांड

10 मंजिला रिहायशी इमारत में लगी आग, कई लोगों की मौत

ब्रुसेल्स, 1 जुलाई (एजेंसियां)। बेल्जियम के एंटवर्प शहर में एक बहुमंजिला आवासीय इमारत में लगी भीषण आग से बड़ा हादसा हो गया। घटना के बाद दमकल और बचाव दल ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पूरी इमारत को खाली कराया और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। अधिकारियों के अनुसार, हादसे में कई लोगों की जान गई है तथा अनेक लोग घायल हुए हैं। हालांकि मृतकों की अंतिम संख्या अभी सार्वजनिक नहीं की गई है।

उत्तरी बेल्जियम के एंटवर्प शहर में बुधवार को एक 10 मंजिला रिहायशी इमारत में भीषण आग लगने से कई लोगों की मौत हो गई। स्थानीय पुलिस ने घटना की पुष्टि की है। एंटवर्प अग्निशमन विभाग ने बताया कि आग लगने की सूचना मिलते ही बड़े पैमाने पर आपातकालीन प्रतिक्रिया शुरू की गई। अग्निशमन दल को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया, जहां उन्होंने बचाव और आग बुझाने के कार्य शुरू किए।

पुलिस की ओर दी गई जानकारी के मुताबिक, 10 मंजिला इस इमारत में करीब 200 लोग रहते हैं। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है और न ही हताहतों की सटीक संख्या का खुलासा किया गया है। बचाव अभियान जारी है और अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं। इस दुखद घटना से स्थानीय समुदाय में शोक की लहर दौड़ गई है।

अधिकारियों के अनुसार, स्थानीय समयानुसार सुबह 9:53 बजे फायर ब्रिगेड को एंटवर्प के लिंकेरोएवर इलाके में स्थित एक रिहायशी इमारत की आठवीं मंजिल पर भीषण आग लगने की सूचना मिली। इसके बाद शहर के अलग-अलग इलाकों से कई दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने के साथ-साथ लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने का अभियान शुरू किया।

पुलिस के मुताबिक, 200 से

अधिक लोगों के रहने वाली इस इमारत को पूरी तरह खाली करा लिया गया। दमकलकर्मी आग बुझाने में जुटे रहे। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में कई लोगों की मौत हुई है। कई अन्य लोग घायल भी हुए हैं।

प्रशासन ने आसपास रहने वाले लोगों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए धुएं के कारण घरों की खिड़कियां और दरवाजे बंद रखने की अपील की है। पुलिस ने बयान में कहा, धुएं से प्रभावित स्थानीय निवासी अपनी खिड़कियां और दरवाजे बंद रखें और आवश्यकता पड़ने पर वेंटिलेशन सिस्टम भी बंद कर दें।

बाल दुष्कर्म मामलों में दोषी पाकिस्तानी मूल का शबीर रिहा होगा

ब्रिटिश नागरिकता रद्द होने के बावजूद नहीं होगा निर्वासित

लंदन, 1 जुलाई (एजेंसियां)। ब्रिटेन के चर्चित रोचडेल ग्रूमिंग गैंग का दोषी शबीर अहमद गुरुवार को 14 साल जेल में बिताने के बाद रिहा होने वाला है। ब्रिटिश मीडिया के अनुसार उसकी नागरिकता रद्द की जा चुकी है, लेकिन मौजूदा इमिग्रेशन कानून के तहत उसे पाकिस्तान निर्वासित नहीं किया जा सकता।

73 वर्षीय अहमद को 2012 में नाबालिग से दुष्कर्म, यौन शोषण के लिए मानव तस्करी और अन्य अपराधों में दोषी ठहराते हुए 19 साल की सजा सुनाई गई थी। बाद में उसी वर्ष उसे बाल दुष्कर्म के 30 अतिरिक्त मामलों में 22 साल की सजा मिली। दोनों सजाएं साथ-साथ चलने के कारण वह अब रिहा हो रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार रिहाई के बाद उसे 24 घंटे निगरानी वाले आवास में रखा जाएगा। उस पर कर्फ्यू, कुछ क्षेत्रों में जाने पर प्रतिबंध और अन्य निगरानी संबंधी शर्तें लागू रहेंगी। रोचडेल ग्रूमिंग गैंग का मामला ब्रिटेन में उन प्रमुख मामलों में शामिल है, जिनमें पुलिस और स्थानीय प्रशासन पर पीड़ितों की शिकायतों के बावजूद समय पर कार्रवाई नहीं करने के आरोप लगे थे।

इंग्लैंड के केंट तट पर स्थित मार्गेट और रैम्सगेट शहरों में बढ़ती हिंसा और असामाजिक गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए स्थानीय प्रशासन ने सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने पर तीन साल का प्रतिबंध लगा दिया है। यह आदेश बुधवार से लागू होगा। इसके तहत पुलिस सार्वजनिक स्थानों पर शराब जब्त कर सकेगी और आदेश का पालन नहीं करने वालों पर 1,000 पाउंड (करीब 1.3 लाख रुपए) तक जुर्माना लगाया जा सकता है।

इंग्लैंड और वेल्स के अधिकांश हिस्सों में सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीना कानूनी है, लेकिन स्थानीय परिषदें पब्लिक स्पेसेज प्रोटेक्शन ऑर्डर (पीएसपीओ) के तहत संवेदनशील इलाकों में ऐसे प्रतिबंध लागू कर सकती हैं।

स्थानीय प्रशासन के अनुसार मार्गेट शहर में दर्ज होने वाली करीब 70% से अधिक कानून-व्यवस्था संबंधी घटनाएं शराब के नशे से जुड़ी असामाजिक गतिविधियों से संबंधित हैं। इनमें सड़क पर मारपीट, सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाना और उपद्रव शामिल हैं। केंट पुलिस के मुताबिक हाल के समय में बड़ी संख्या में बाहरी इलाकों से आए युवाओं के कारण समुद्र तटों पर सामूहिक झगड़े और रेलवे स्टेशन पर हमले जैसी घटनाएं हुईं।

चीन ने कबाड़ प्लेन बेचकर नेपाल को लगाया अरबों का चूना

काठमांडू, 1 जुलाई (एजेंसियां)। नेपाल को कबाड़ पैसेंजर प्लेन बेचकर अरबों रुपये का चूना लगाने वाले चीन की अब पोल खुलने जा रही है।

नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने बालेन शाह सरकार से जवाब मांगा है कि क्यों चीनी विमानों के विवादित खरीद की कभी जांच नहीं की गई। नेपाल एयरलाइंस ने करीब 13 साल पहले इन चीनी विमानों को खरीदा था लेकिन ये कबाड़ निकले और उड़ ही नहीं पा रहे हैं। चीन से इन विमानों को खरीदने पर अरबों रुपये खर्च किया गया था। इन विमानों के बेकार नकिल जाने की वजह से नेपाल एयरलाइंस को भारी घाटा हुआ है और जनता का पैसा बेकार चला गया।

काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक 26 जून को एक याचिका के जवाब में दिए अपने आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने जांच को लेकर जवाब मांगा है। इसके साथ ही नेपाल के सबसे विवादित विमान समझौते को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

नेपाल ने कुल 6 चीनी प्लेन खरीदे थे और उसे उम्मीद थी कि इससे उसके वमिानन क्षेत्र की सूरत बदल जाएगी। खासतौर पर पहाड़ी इलाके में उड़ान सेवा को मजबूत करने का प्लान था। ये विमान नेपाल की सरकारी एयरलाइन को फायदा पहुंचाने की बजाए उसके लिए सफेद हाथी साबित हुए। रिपोर्ट के मुताबिक नेपाल ने चार 17 सीटों वाला और दो वमिान 56 सीटों वाला खरीदा था। ये विमान हवा की बजाय जमीन पर ज्यादा समय तक खड़े रहे।

कोविड लॉकडाउन के दौरान बड़े पैमाने पर काटे गए थे पेड़

रांची, 1 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड में कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान विभिन्न जिलों में बड़े पैमाने पर पेड़ों की कथित अवैध कटाई से जुड़े मामले में झारखंड हाईकोर्ट ने जांच की धीमी प्रगति पर एक बार फिर कड़ी नाराजगी जताई है। अदालत ने राज्य सरकार से पूछा कि चार वर्ष बीत जाने के बावजूद जांच अब तक पूरी क्यों नहीं हो सकी और सीआईडी को सौंपी गई जांच आखिर किस चरण में है। न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद और न्यायमूर्ति संजय प्रसाद की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई के दौरान यह भी सवाल उठाया कि सीआईडी की जांच फिलहाल केवल पलामू जिले के पांकी क्षेत्र तक ही सीमित क्यों दिखाई दे रही है।

झारखंड लोकभवन में नए सूचना आयुक्तों ने ली शपथ

5 साल बाद सक्रिय हुआ आयोग, राज्यपाल संतोष गंगवार ने दिलाई शपथ

रांची, 1 जुलाई (एजेंसियां)। राज्य के नवनियुक्त चारों सूचना आयुक्तों ने आज लोक भवन में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने सभी नव चयनीत आयुक्तों को लोक भवन के दरबार हॉल में आयोजित समारोह में शपथ दिलाई। इसी के साथ करीब पांच साल बाद झारखंड राज्य सूचना आयोग पूरी तरह कार्यशील (फंक्शनल) हो जाएगा।

राज्य सरकार ने 10 जून को राज्यपाल की सशर्त स्वीकृति के बाद वरिष्ठ पत्रकार अनुज सिन्हा, झामुमो के पूर्व प्रवक्ता तनुज खत्री, भाजपा के पूर्व मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक और कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव अमूल नीरज खलखो को सूचना आयुक्त नियुक्त करने की अधिसूचना जारी की थी।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में 25 मार्च को हुई चयन समिति की बैठक में इन नामों पर फैसला हुआ था। फाइल लोकभवन भेजी गई। लेकिन राज्यपाल ने एक अप्रैल को फाइल सरकार को लौटा दी।

इसपर कुछ उम्मीदवारों की राजनीतिक पृष्ठभूमि, उनकी निष्पक्षता और चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता से जुड़े सवाल उठाए थे। राज्यपाल ने सरकार से पूछा था कि सूचना आयोग जैसी अर्ध न्यायिक संस्था में नियुक्ति के लिए उम्मीदवारों की योग्यता और स्वतंत्रता का किस तरह परीक्षण किया गया। इसका जवाब देते हुए सरकार ने कहा था कि चयन समिति ने आरटीआई अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप प्रक्रिया अपनाई है। जिन नामों की अनुशंसा की गई है, वे विधिसम्मत हैं। लेकिन लोकभवन ने फिर कुछ बिंदुओं पर आपत्ति जताते हुए फाइल दूसरी बार भी लौटा दी। सरकार ने फिर तीसरी बाद उन्हीं नामों की फाइल भेजी, जिसे अंततः मंजूरी दे दी गई।

मुख्य सूचना आयुक्त का कार्यकाल नवंबर 2019 में खत्म हो गया था।

अफगानिस्तान का दावा- पाकिस्तान में आईएसआईएस के ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की

काबुल, 1 जुलाई (एजेंसियां)। अफगानिस्तान ने दावा किया है कि उसकी वायुसेना ने पाकिस्तान के बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में आईएसआईएस के ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। अफगान रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इन ठिकानों का इस्तेमाल अफगानिस्तान में हमलों की योजना बनाने और आतंकवादी गतिविधियों के लिए किया जा रहा था। मंत्रालय ने चेतावनी दी, "हम अपनी सुरक्षा के लिए खतरा बनने वाली हर जगह को निशाना बनाएंगे।" बलूचिस्तान के पिशिन जिले के सरानान, खैबर पख्तूनख्वा के कंबर खेल और चित्राल की शाह सलीम घाटी में कार्रवाई की गई।

अफगानिस्तान का दावा है कि इन हमलों में कई आतंकवादी मारे गए। यह भी कहा गया कि सरानान इलाके के एक स्कूल का इस्तेमाल आईएसआईएस के अड्डे के रूप में किया जा रहा था। अफगानिस्तान ने कहा कि यह कार्रवाई हाल में पाकिस्तान की ओर से सीमा पार किए गए हवाई हमलों के बाद की गई है, जिनमें संयुक्त राष्ट्र के अनुसार कई आम नागरिक मारे गए थे। भारत ने भी पहले पाकिस्तान के अफगानिस्तान में किए गए हवाई हमलों की आलोचना करते हुए उन्हें अफगानिस्तान की संप्रभुता पर हमला और क्षेत्रीय शांति के लिए खतरा बताया था।

कृष्णपिंगल संकष्टी चतुर्थी कलः क्या करें क्या न करें?

कृष्णपिंगल संकष्टी चतुर्थी भगवान गणेश की आराधना के लिए बेहद शुभ मानी जाती है। हिंदू धर्म में संकष्टी चतुर्थी का विशेष महत्व है, और जब बात आषाढ़ मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी की हो, तो इसे कृष्णपिंगल संकष्टी चतुर्थी के नाम से जाना जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान गणेश के कृष्णपिंगल स्वरूप की पूजा करने से जीवन के सभी बड़े से बड़े संकट दूर हो जाते हैं और बिगड़े काम बनने लगते हैं। इस साल 2026 में यह व्रत 3 जुलाई को रखा जाएगा। अगर आप भी इस दिन व्रत रखने जा रहे हैं, तो पूजा शुरू करने से पहले इसके कुछ बेहद जरूरी नियम, और क्या करना चाहिए व क्या नहीं, इसके बारे में विस्तार से जान लें।

कृष्णपिंगल संकष्टी चतुर्थी 2026 की तिथि

द्रिक पंचांग के अनुसार, आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि की शुरुआत 3 जुलाई 2026 को सुबह 11 बजकर 20 मिनट पर होगी। वहीं इस तिथि का समापन 4 जुलाई 2026 को दोपहर 12 बजकर 39 मिनट पर होगा। उदया तिथि के अनुसार कृष्णपिंगल संकष्टी चतुर्थी का व्रत 3 जुलाई 2026 को रखा जाएगा।

कृष्णपिंगल संकष्टी चतुर्थी के दिन क्या करें?

इस दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और साफ या नए वस्त्र पहनकर भगवान गणेश का ध्यान करें। पूजा स्थान को अच्छी तरह साफ करके गणेश जी की प्रतिमा या तस्वीर स्थापित करें। उन्हें दूर्वा, लाल फूल, सिंदूर, मोदक, लड्डू और फल अर्पित करें। गणेश चालीसा या ॐ गं गणपतये नमः मंत्र का श्रद्धापूर्वक जाप करना शुभ माना जाता है। यदि आपने व्रत रखा है तो पूरे दिन संयम और सात्विकता का पालन करें। शाम के समय दोबारा भगवान गणेश की पूजा करें और चंद्रमा के दर्शन के बाद उन्हें अर्घ्य देकर व्रत का पारण करें। जरूरतमंद लोगों को अपनी क्षमता के अनुसार अन्न, कपड़े या धन का दान करना भी शुभ माना जाता है।

कृष्णपिंगल संकष्टी चतुर्थी के दिन क्या न करें?

इस दिन किसी भी प्रकार के तामसिक भोजन जैसे मांस, मछली, शराब या लहसुन-प्याज का सेवन नहीं करना चाहिए। व्रत के दौरान क्रोध, झूठ, अपशब्द और किसी का अपमान करने से भी बचना चाहिए। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान गणेश की पूजा में तुलसी दल अर्पित नहीं किया जाता, इसलिए इस बात का विशेष ध्यान रखें। घर में अनावश्यक विवाद या कलह से बचें और नकारात्मक विचारों को मन में स्थान न दें।

आषाढ़ मास में करें दान तो कभी नहीं होगी धन-दौलत की कमी!

हिंदू धर्म में आषाढ़ मास को दान, पुण्य, जप-तप और भगवान की भक्ति का विशेष महीना माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस पूरे महीने दान करने से व्यक्ति को शुभ फल मिलता है। आइए जानते हैं आषाढ़ मास में किन चीजों का दान महादान माना गया है।

हिंदू धर्म में आषाढ़ मास को दान, पुण्य, जप-तप और भगवान की भक्ति का विशेष महीना माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस पूरे महीने श्रद्धा के अनुसार दान करने से व्यक्ति को शुभ फल मिलता है। माना जाता है कि आषाढ़ मास में किया गया दान कई गुना फल देता है और जीवन में सुख-समृद्धि, धन-धान्य तथा सकारात्मकता का संचार करता है। द्रिक पंचांग के अनुसार, साल 2026 में आषाढ़ मास की शुरुआत 30 जून से हो रही है, जबकि इसका समापन 29 जुलाई 2026 को होगा। आइए जानते हैं कि आषाढ़ मास में किन चीजों का दान करना शुभ माना जाता है।

आषाढ़ मास में करें इन चीजों का दान

अन्न का दान

धार्मिक ग्रंथों में अन्नदान को सबसे श्रेष्ठ दान बताया गया है। आषाढ़ मास में गरीब और जरूरतमंद लोगों को चावल, गेहूं, दाल या अन्य खाद्य सामग्री का दान करना बेहद पुण्यदायी माना जाता है। मान्यता है कि अन्नदान करने से घर में कभी अन्न की कमी नहीं होती और मां अन्नपूर्णा की कृपा बनी रहती है।

जल से जुड़ी वस्तुओं का दान

आषाढ़ का महीना वर्षा ऋतु की शुरुआत का समय होता है। इस दौरान प्यासे लोगों को पानी पिलाना, मिट्टी का घड़ा, सुराही या पानी रखने के बर्तन का दान करना भी शुभ माना गया है। धार्मिक मान्यता है कि इससे पुण्य की मिलता है और जीवन में सुख-शांति बनी रहती है।

कपड़ों का दान

आषाढ़ मास में जरूरतमंद लोगों को नए या साफ-सुथरे उपयोगी कपड़ों दान करना भी शुभ माना जाता है। यह दान न केवल पुण्य देता है, बल्कि दूसरों के जीवन में खुशियां लाने का माध्यम भी बनता है।

छाता और चप्पल का दान

बारिश के मौसम की शुरुआत होने के कारण आषाढ़ मास में छाता और चप्पल का दान भी विशेष महत्व रखता है। मान्यता है कि जरूरतमंद व्यक्ति को ये उपयोगी वस्तुएं दान करने से शुभ फल मिलता है और भगवान की कृपा मिलती है।

गुड़ और तिल का दान

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, गुड़ और तिल का दान भी शुभ माना जाता है। माना जाता है कि इससे ग्रहों की शुभता बढ़ती है और जीवन में आने वाली कई परेशानियां दूर होने लगती हैं।

गौ सेवा और पशु-पक्षियों को भोजन

आषाढ़ मास में गाय को हरा चारा, रोटी या गुड़ खिलाना पुण्यदायी माना गया है। इसके अलावा पक्षियों के लिए दाना और पानी की व्यवस्था करना तथा अन्य जीवों की सेवा करना भी धार्मिक दृष्टि से शुभ माना जाता है।

भगवान विष्णु की पूजा के साथ करें दान

आषाढ़ मास भगवान विष्णु की आराधना का भी विशेष समय माना जाता है। इस महीने भगवान विष्णु की पूजा करने के बाद अपनी क्षमता के अनुसार दान करने से शुभ फल मिलने की मान्यता है।

आषाढ़ मास का महत्व

आषाढ़ मास आध्यात्मिक साधना, भक्ति और सेवा का महीना माना जाता है। इस दौरान किए गए जप, तप, पूजा-पाठ और दान-पुण्य का विशेष महत्व बताया गया है। धार्मिक मान्यता है कि इस महीने किए गए शुभ कार्यों से व्यक्ति के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का आगमन होता है।

नमक के डिब्बे में रखें ये एक विशेष चीज घर में बरसने लगेगा पैसा!

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर की नकारात्मक ऊर्जा, मानसिक तनाव और आर्थिक परेशानियों को दूर करने के लिए नमक और लौंग का अचूक उपाय करें। नमक के डिब्बे में 5 साबुत लौंग रखने से घर में सकारात्मकता आती है, धन की रुकावटें दूर होती हैं और परिवार में सुख-समृद्धि व शांति बनी रहती है। यह सरल उपाय जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकता है।

नमक हमारे खाने का एक सबसे जरूरी भाग माना जाता है, क्योंकि इसके बिना भोजन में स्वाद ही नहीं आ सकता। वास्तु शास्त्र में भी नमक को बहुत महत्व दिया गया है। वास्तु के जानकार नमक को घर की उर्जा की शुद्धता से जोड़ते हैं। कई बार घर में सबकुछ अच्छा चल रहा होता है, लेकिन फिर भी परिवार के सदस्यों को मानसिक तनाव, आर्थिक उतार-चढ़ाव या काम में रुकावटें आती हैं।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, इसके पीछे की वजह घर में मौजूद नकारात्मक उर्जा हो सकती है। अगर आप भी इन परेशानियों का सामना कर रहे हैं, तो नमक का एक सरल और अचूक उपाय जरूर करें। इससे आपके जीवन में सकारात्मक बदलाव हो सकते हैं।

नमक के डिब्बे में रखें पांच लौंग

वास्तु और ज्योतिष शास्त्र दोनों में ही बताया गया है कि नमक और लौंग में नकारात्मकता को सोख लेने की ताकत होती है। साथ ही ये दोनों चीजें घर में सकारात्मकता को आकर्षित करती हैं। नमक और लौंग का उपाय घर में सुख-समृद्धि लाने के लिए बहुत कारगर माना जाता है। अपने रसोई घर में इस्तेमाल होने वाले नमक के डिब्बे में 5 साबुत लौंग डालें। इस बात का खास ध्यान रखें कि लौंग टूटी न हो।

धन की रुकावटें होती हैं दूर

मान्याता है कि इस एक उपाय को करने से नकारात्मक उर्जा का नाश होता है और सकारात्मक उर्जा का प्रवाह बढ़ता है। माना जाता है कि इस उपाय को करने से धन के आगम में रुकावटें आ रही होती हैं, वो भी इस उपाय को करने से दूर हो जाती हैं। नमक और लौंग एक साथ एक डिब्बे में रहकर घर के वास्तु दोष को दूर करती है। कलह-क्लेश खत्म होने लगता है। घर में सुख-समृद्धि बढ़ती है।

इन बातों का रखें खास ध्यान

हालांकि, इस उपाय को करते समय कुछ विशेष बातों का ध्यान रखने की सलाह दी जाती है। नमक का डिब्बा हमेशा साफ और ढक्कन वाला ही रखें। इसे रसोई के उस स्थान पर रखें, जहां बार-बार हाथ न लगे। हर महीने या 45 दिनों में डिब्बे में रखी लौंग को हटा दें और नई लौंग डाल दें। पुरानी लौंग को आप किसी गमले में या जल में प्रवाहित करें।

ऐसी मूर्खता न करें, जिससे भगवान से भरोसा उठ जाए

भगवान की कृपा सबके लिए समान रूप से बरसती है। हमें दो कारणों से लाभ नहीं मिल पाता- भरोसे की कमी और मूर्खता की अधिकता। ईश्वर भरोसे का दूसरा नाम है, लेकिन हमारी मूर्खता हमें भरोसे से दूर कर देती है। गरुड़ जी को काकभुशुंडि जी ने कहा- राम कृपा आपनि जड़ताई, कहउं खगेस सुनहु मन लाई। गरुड़ जी, राम जी की कृपा और अपनी मूर्खता की बात कहता हूं, मन लगाकर सुनिए।

परमात्मा संबंधी जो भी क्रिया हो, उसमें मन लगना चाहिए। एकाग्रचित्त होना चाहिए। अगर हम परमात्मा के प्रति भरोसा रखें तो परमात्मा ने अपनी कृपा करने के लिए एक से एक तरीके निकाले हैं। हम पानी किसी बर्तन में पीते हैं। ईश्वर ने इतने महत्वपूर्ण पात्र को कलश बना दिया, जिसकी हम पूजा करते हैं और कलश में हम परमात्मा का वास मानते हैं।

यह परमात्मा की कृपा का अक्षय पात्र बन जाता है। इसीलिए आज शोभा यात्राओं में लोग सिर पर कलश लेकर निकलते हैं। इसलिए कोई भी ऐसी मूर्खता न करें, जिससे हमारा भरोसा भगवान से उठ जाए।

भगवान जगन्नाथ की रसोई का अनोखा रहस्य...
एक के ऊपर एक रखे 7 बर्तनों में कैसे पकता है महाप्रसाद?

ओडिशा के पुरी स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर को भारत के सबसे पवित्र तीर्थस्थलों में गिना जाता है। यहां सिर्फ भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा के दर्शन ही नहीं, बल्कि मंदिर की विशाल रसोई भी दुनिया भर के श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र है। ऐसे में आइए जानते हैं भगवान जगन्नाथ की रसोई और महाप्रसाद से जुड़े इस अनोखे रहस्य के बारे में।

ओडिशा के पुरी स्थित पावन जगन्नाथ मंदिर सहित देश भर के जगन्नाथ मंदिरों में हाल ही में 29 जून को देवस्नान पूर्णिमा का पावन पर्व बेहद धूमधाम से मनाया गया है। इस भव्य शुरुआत के बाद अब सभी भक्तों को साल के सबसे बड़े उत्सव का इंतजार है। साल 2026 में, भगवान जगन्नाथ की विश्व प्रसिद्ध रथ यात्रा 16 जुलाई, गुरुवार से शुरू होने जा रही है, जिसका समापन 24 जुलाई को होगा। उड़ीसा का यह पवित्र पुरी धाम वही स्थान है जहां महाप्रभु जगन्नाथ, बडे.भाई बलभद्र और लाडली बहन सुभद्रा के साथ रत्न सिंहासन पर विराजमान हैं। रथ यात्रा के दौरान यहां लाखों श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। लेकिन इस धाम की सबसे अनोखी बात यहां की विशाल रसोई में तैयार होने वाला महाप्रसाद माना जाता है, जिसके आगे विज्ञान के नियम भी घुटने टेक देते हैं। आइए जानते हैं भगवान जगन्नाथ की रसोई के उस अनोखे रहस्य के बारे में, जहां एक के ऊपर एक रखे 7 मिट्टी के बर्तनों में चमत्कारी रूप से भोजन पकता है।

दुनिया की सबसे बड़ी मंदिर रसोई में होती है महाप्रसाद की तैयारी

पुरी के जगन्नाथ मंदिर की रसोई को दुनिया की सबसे बड़ी मंदिर रसोई में से एक माना जाता है। यहां रोजाना हजारों नहीं, बल्कि लाखों श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद तैयार किया जाता है। सबसे खास बात यह है कि यहां भोजन पूरी तरह पारंपरिक तरीके से लकड़ी के चूल्हों पर मिट्टी के बर्तनों में बनाया जाता है। रसोई में सैकड़ों रसोइये और उनके सहयोगी मिलकर भगवान के भोग की तैयारी करते हैं। भोजन बनाने के दौरान शुद्धता और परंपराओं का विशेष ध्यान रखा जाता है।

7 बर्तनों का अनोखा रहस्य

जगन्नाथ मंदिर की रसोई की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि रसोई के सभी लगभग 240 चूल्हों में से हर चूल्हे पर मिट्टी के 7 बर्तनों को एक के ऊपर एक यानी पिरामिड की तरह रखा जाता है। नीचे लकड़ी की आग जलती रहती है और उसी भाप तथा गर्मी से सभी बर्तनों में भोजन पकता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस व्यवस्था में सबसे ऊपर रखा बर्तन सबसे पहले पक जाता है, उसके बाद नीचे के बर्तनों का भोजन तैयार होता है। विज्ञान के अनुसार, यह प्रक्रिया असामान्य लग सकती है,

लेकिन मंदिर की यह परंपरा सदियों से चली आ रही है और श्रद्धालु इसे भगवान जगन्नाथ का चमत्कार और दिव्य कृपा मानते हैं।

कभी कम नहीं पड़ता महाप्रसाद

जगन्नाथ मंदिर की रसोई से जुड़ी एक और खास बात यह है कि यहां रोज बड़ी संख्या में श्रद्धालु महाप्रसाद ग्रहण करते हैं, लेकिन मान्यता है कि महाप्रसाद कभी कम नहीं पड़ता और न ही बेकार बचता है। कहा जाता है कि मंदिर के सेवादार और रसोइये श्रद्धालुओं की संख्या का अनुमान लगाकर भोजन तैयार करते हैं। सालों के अनुभव और परंपरा के कारण यहां भोजन की मात्रा का संतुलन इस तरह रखा जाता है कि जरूरत के अनुसार महाप्रसाद मिल जाता है।

महाप्रसाद क्यों माना जाता है इतना पवित्र?

जगन्नाथ मंदिर में तैयार भोजन पहले भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा को अर्पित किया जाता है। इसके बाद यह प्रसाद माता विमला को समर्पित किया जाता है। तभी यह भोजन महाप्रसाद कहलाता है। धार्मिक मान्यता है कि महाप्रसाद ग्रहण करने से व्यक्ति को आध्यात्मिक शांति, पुण्य और भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद प्राप्त होता है। यही कारण है कि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु महाप्रसाद ग्रहण करना शुभ मानते हैं।

पूरी तरह पारंपरिक है रसोई की व्यवस्था

आज आधुनिक तकनीक का दौर है, लेकिन जगन्नाथ मंदिर की रसोई में आज भी सदियों पुरानी परंपराओं का पालन किया जाता है। भोजन मिट्टी के बर्तनों में बनाया जाता है, लकड़ी के चूल्हों का उपयोग होता है और पूरी प्रक्रिया पारंपरिक नियमों के अनुसार पूरी होती है।

रथ यात्रा से पहले बढ़ जाता है महत्व

भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के दौरान पुरी में लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। इस समय महाप्रसाद की मांग भी काफी बढ़ जाती है। इसके बावजूद मंदिर की रसोई अपनी परंपरा के अनुसार रोजाना महाप्रसाद तैयार करती रहती है और श्रद्धालुओं तक भगवान का प्रसाद पहुंचता है।

ये 4 आदतें बनती हैं तरक्की की सबसे बड़ी दुश्मन, चाणक्य नीति में है इसका समाधान

जीवन में सफलता और तरक्की पाने की चाह हर इंसान की होती है। इसके लिए लोग दिन-रात कड़ी मेहनत भी करते हैं, लेकिन कई बार लगातार प्रयासों के बावजूद मनमुताबिक परिणाम हासिल नहीं हो पाते। ऐसे में हम अपनी किस्मत या परिस्थितियों को दोष देने लगते हैं। लेकिन आचार्य चाणक्य का मानना था कि इंसान की असफलता के पीछे अक्सर बाहरी परिस्थितियां नहीं, बल्कि उसकी खुद की कुछ बुरी आदतें होती हैं। आइए जानते हैं चाणक्य नीति के अनुसार वे कौन-सी चार आदतें हैं, जो व्यक्ति की सफलता में सबसे बड़ी बाधा बन सकती हैं।

आलस सफलता का सबसे बड़ा दुश्मन

आचार्य चाणक्य के अनुसार, आलसी व्यक्ति कभी अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकता। जो लोग काम को टालते रहते हैं या मेहनत करने से बचते हैं, वे अच्छे अवसर भी खो देते हैं। समय पर किया गया काम ही सफलता की नींव रखता है। इसलिए आलस्य छोड़कर अनुशासन और नियमित मेहनत की आदत विकसित करनी चाहिए।

जरूरत से ज्यादा अहंकार

चाणक्य का कहना था कि अहंकार व्यक्ति की सबसे बड़ी कमजोरी बन सकता है। जब इंसान अपनी सफलता पर घमंड करने लगता है, तो वह दूसरों की सलाह और अनुभव को महत्व देना बंद कर देता है। यही गलती आगे चलकर उसके पतन का कारण बन सकती है। विनम्रता और सीखने की इच्छा हमेशा व्यक्ति को आगे बढ़ाती है।

गुस्से में लिया गया फैसला

बार-बार गुस्सा करना और क्रोध में निर्णय लेना भी चाणक्य नीति के अनुसार नुकसानदायक माना गया है। क्रोध के समय व्यक्ति सही और गलत का अंतर नहीं समझ पाता, जिससे रिश्ते भी खराब होते हैं और करियर पर भी नकारात्मक असर पड़ सकता है। इसलिए किसी भी महत्वपूर्ण फैसले से पहले मन को शांत रखना जरूरी है।

गलत संगति

चाणक्य नीति में संगति का विशेष महत्व बताया गया है। यदि व्यक्ति ऐसे लोगों के साथ रहता है जो नकारात्मक सोच रखते हैं, गलत आदतों में पड़ चुके लोग हमेशा दूसरों का नुकसान करने की सोचते हैं, तो धीरे-धीरे उसका स्वभाव भी वैसा ही होने लगता है। अच्छी संगति व्यक्ति के विचारों को सकारात्मक बनाती है और उसे सफलता की ओर ले जाती है।

चाणक्य के अनुसार सफलता का मंत्र

आचार्य चाणक्य का मानना था कि जो व्यक्ति मेहनती, अनुशासित, विनम्र और धैर्यवान होता है, वही जीवन में बड़ी उपलब्धियां हासिल करता है। सफलता केवल प्रतिभा से नहीं मिलती, बल्कि सही सोच, सही आदतों और लगातार प्रयास से मिलती है।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 2 जुलाई - 2026

कोई पात्र मतदाता वंचित न रहे

देश में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तीसरे चरण की शुरुआत दिल्ली, झारखंड, मेघालय और कर्नाटक से हो चुकी है। इससे पहले 13 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में यह प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, जबकि 19 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूची के व्यापक सत्यापन का कार्य जारी है। चुनाव आयोग का उद्देश्य मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाना, फर्जी, मृत अथवा स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाना तथा केवल पात्र नागरिकों को मतदान का अधिकार सुनिश्चित करना है। यह लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक कदम है, लेकिन इसकी सफलता का वास्तविक पैमाना हटाए गए नामों की संख्या नहीं, बल्कि यह होगा कि एक भी पात्र मतदाता का नाम त्रुटिवश मतदाता सूची से बाहर न रह जाए। भारत का लोकतंत्र दुनिया का सबसे बड़ा है और इसकी सबसे बड़ी शक्ति प्रत्येक नागरिक का मताधिकार है। मतदान के अधिकार को समानता और जनभागीदारी की आधारशिला माना गया है। वर्षों की जागरूकता, सरकारी प्रयासों और चुनाव आयोग की मेहनत से मतदान प्रतिशत बढ़ा है तथा करोड़ों नए मतदाता लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जुड़े हैं। ऐसे में यदि पुनरीक्षण के दौरान किसी पात्र नागरिक का नाम सूची से हट जाता है, तो यह केवल चूक नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विश्वास पर भी गंभीर हमला है। इसलिए मतदाता सूची की शुद्धता के साथ-साथ नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। पश्चिम बंगाल का अनुभव गंभीर चेतावनी है। वहां एसआईआर के दौरान बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम सूची से हटने का विवाद अब न्यायालय तक पहुंच चुका है। लाखों मतदाताओं ने स्वयं को मतदान के अधिकार से वंचित पाया और समय पर समाधान भी नहीं हो सका। यदि ऐसी स्थिति दोहराई जाती है तो चुनाव की निष्पक्षता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर अनावश्यक प्रश्नचिह्न लगेंगे। इसलिए चुनाव आयोग को केवल तकनीकी प्रक्रिया तक सीमित न रहकर प्रत्येक शिकायत का त्वरित, पारदर्शी और संवेदनशील समाधान सुनिश्चित करना होगा। ऐसे में राज्य सरकारों और स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। बीएलओ को घर-घर जाकर सत्यापन के दौरान पूरी सावधानी और निष्पक्षता बरतनी होगी। साथ ही, मतदाता सूची के पुनरीक्षण को किसी भी सरकारी सुविधा से जोड़ने जैसी भ्रांतियों से बचना आवश्यक है। यह अभियान केवल मतदाता सूची की शुद्धता और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा तक सीमित रहना चाहिए। इसका सबसे अधिक प्रभाव गरीब, प्रवासी, बुजुर्ग और दूरदराज़ के नागरिकों पर पड़ सकता है। लोकतंत्र का दायित्व उन्हें जोड़ने का है, भय या भ्रम पैदा करने का नहीं। इस बार चुनाव आयोग ने प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित और विवादमुक्त बनाने का प्रयास किया है। फिर भी अंतिम सफलता तभी मानी जाएगी, जब अंतिम प्रकाशित मतदाता सूची पर किसी भी पात्र नागरिक के साथ अन्याय का आरोप न लगे। मतदाता सूची की शुद्धता जितनी आवश्यक है, उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण जनता का लोकतांत्रिक व्यवस्था पर अटूट विश्वास है। लोकतंत्र की असली जीत तब होगी, जब मतदाता सूची की शुद्धता और प्रत्येक पात्र नागरिक के मताधिकार- दोनों की समान रूप से रक्षा होगी।

योगी की सच से झूठ अलग करने की कोशिश

संजय सक्सेना

अयोध्या के रामलला मंदिर में चढ़ावे और दान की राशि में कथित गड़बड़ी का मामला अब केवल आस्था और आपराधिक जांच का विषय नहीं रह गया, बल्कि यह अगले साल होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले सबसे बड़े राजनीतिक हथियार के रूप में उभरता दिख जरूर रहा है, लेकिन ऐसा हो पायेगा, यह समय बतायेगा। 07 जून को समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस मामले को सार्वजनिक करते हुए योगी सरकार पर सीधा हमला बोला था। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा था कि अयोध्या में मंदिर के चढ़ावे को लेकर जो जानकारी सामने आई है, वह गंभीर चिंता का विषय है। इसके साथ ही यह मामला राष्ट्रीय सुर्खियों में आ गया और सत्ता पक्ष व विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तेजी दिखाते हुए 13 जून को राम मंदिर ट्रस्ट की सिफारिश पर तीन सदस्यों वाली एसआईटी का गठन कर दिया। जांच टीम ने मंदिर परिसर पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज, बैंक रिकॉर्ड और दान गिनने वाले कर्मचारियों से पूछताछ शुरू की। शुरुआती जांच में ही चौंकाने वाले खुलासे सामने आए। करीब 2 करोड़ रुपये नकद, एक कार और तीन आईफोन बरामद होने का दावा किया गया, जबकि कुछ कर्मचारियों से पूछताछ जारी रही। बाद में एसआईटी की 20 पन्नों की रिपोर्ट में और भी गंभीर तथ्य सामने आए। रिपोर्ट के मुताबिक, सीसीटीवी फुटेज में चढ़ावा चोरी की 70 घटनाएं दर्ज हुईं और यह कथित रैकेट पिछले दो से तीन वर्षों से सक्रिय था। जांच में यह भी सामने आया कि मुख्य आरोपी टिन्नू यादव के पास बिना किसी आदेश के हुंडियों की चाबियां मौजूद थीं, और पूछताछ में कुछ सरकारी बैंक कर्मचारियों की संलिप्तता के संकेत भी मिले। रिपोर्ट आने के बाद योगी सरकार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 26 जून को मामले में एफआईआर दर्ज कर आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इस घटनाक्रम के दबाव में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्ट सदस्य अनिल मिश्रा ने अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। मुख्यमंत्री योगी ने इस पूरे प्रकरण पर सख्त लहजे में कहा, एसआईटी रिपोर्ट आते ही कार्रवाई शुरू हो गई। हम सच्चाई और झूठ को अलग-अलग कर देंगे। सनातन धर्म के विश्वास के साथ छेड़छाड़ करने वालों को परिणाम भुगतना पड़ेगा। किसी को भी छूट नहीं दी जाएगी।

कई सार्वजनिक मंचों से उन्होंने बार-बार यही संदेश दोहराया कि एसआईटी की रिपोर्ट आते ही कार्रवाई शुरू हो गई है और जन आस्था के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, दूध का दूध और पानी का पानी होगा। लेकिन सियासी पिच पर यह मामला अब सिर्फ प्रशासनिक कार्रवाई तक सीमित नहीं रहा। अखिलेश यादव के आरोपों के बाद योगी और भाजपा ने भी पलटवार में देर नहीं की। सीएम योगी ने याद दिलाया कि सपा सरकार के दौरान ही थानों और जेलों में जन्माष्टमी मनाने पर रोक लगाई गई थी और कांवड़ यात्रा प्रतिबंधित थी। साथ ही कारसेवकों पर गोली चलाने के अतीत को दोहराकर बीजेपी ने सपा को बैकफुट पर धकेलने की कोशिश की। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, यह त्वरित और कठोर कार्रवाई अखिलेश के उस आरोप की धार कुंद करने की रणनीति है कि सरकार भ्रष्टाचार को संरक्षण दे रही है। देवरिया की एक सभा में सीएम योगी ने और तीखा रुख अपनाते हुए कहा, अयोध्या पर आक्षेप मत करो, प्रभु श्रीराम की मर्यादा का पालन करना सीखो। इस पूरे विवाद में कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और असदुद्दीन ओवैसी सहित लगभग सभी विपक्षी दल सक्रिय हो गए हैं।

आधुनिकता का यह कैसा आक्रोश ?

अशोक भाटिया

आज हमारा समाज एक अत्यंत संवेदनशील, जटिल और अभूर्व सा मा जि क - म नो वै ज्ञा नि क बदलाव के चौराहे पर खड़ा है। पिछले कुछ समय में देश के विभिन्न हिस्सों से महिलाओं द्वारा किए जाने वाले हिंसक अपराधों, घरेलू विवादों में आक्रामकता और गंभीर वारदातों में उनकी संलिप्तता की घटनाओं में अप्रत्याशित बढ़ोतरी देखने को मिली है। यह बदलाव उस पारंपरिक भारतीय समाज के लिए एक बड़ा वैचारिक झटका है, जिसने सदियों से महिलाओं को सहज रूप से सहनशीलता, करुणा, त्याग और धैर्य के सर्वोच्च प्रतीक के रूप में देखा और परिभाषित किया है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि ममता और संवेदनशीलता की प्रतिमूर्ति मानी जाने वाली आधी आबादी का एक हिस्सा आज इतनी हिंसक और आक्रामक प्रवृत्तियों की ओर क्यों बढ़ रहा है? क्या यह आधुनिकता का कोई विकृत रूप है, या फिर हमारे बीमार होते सामाजिक ढांचे की कोई गहरी गूंज? इस आक्रामकता के मूल कारणों की पड़ताल करें, तो इसका सबसे पहला और मुख्य सिरा आधुनिक जीवनशैली के अत्यधिक मानसिक तनाव और 'वर्क-लाइफ' के असंतुलन से जुड़ता है। आज की महिला एक ऐतिहासिक संक्रमण काल से गुजर रही है। वह आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होने के लिए कार्यस्थल पर पुरुषों के साथ कठिन प्रतिस्पर्धा कर रही है और करियर की ऊंचाइयों को छू रही है। लेकिन विडंबना यह है कि बाहर की इस आधुनिकता के बावजूद, घर के भीतर का सामाजिक ढांचा आज भी काफी हद तक पारंपरिक ही है। कामकाजी होने के बाद भी समाज यह उम्मीद करता है कि वह घर के चूल्हे-चौके, बच्चों की परवरिश और बुजुर्गों की देखभाल की जिम्मेदारी भी उतनी ही परफेक्शन के साथ निभाए। हर मोर्चे पर खुद को सर्वश्रेष्ठ साबित करने और 'सुपरवुमन' बनने का यह निरंतर सामाजिक व पारिवारिक दबाव महिलाओं को भीतर ही भीतर खोखला कर रहा है। समय की कमी, भरपूर नींद न आना और लगातार थकान मिलकर एक ऐसा मानसिक फ्रस्ट्रेशन (कुंठा) पैदा करते हैं, जो उचित 'एंगर मैनेजमेंट' (क्रोध प्रबंधन) न होने पर अचानक तीव्र गुस्से और हिंसक व्यवहार के रूप में फूट पड़ता है।

हाल ही में पुणे (पूना) के लोहागढ़ किले में मंगेतर केतन अग्रवाल की गहरी खाई में धकेलकर की गई जघन्य हत्या के मामले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस हाई-प्रोफाइल मामले में मंगेतर (जिसकी पहचान मीडिया व सामाजिक विमर्शों में केतन अग्रवाल हत्याकांड के रूप में चर्चित है) ने अपने प्रेमी चेतन चौधरी के साथ मिलकर, सामाजिक-पारिवारिक दबाव और शादी से पीछे न हट पाने के चलते, ठंडे दिमाग से हत्या की साजिश रची और उसे दुर्घटना का रूप देने की कोशिश की। ठीक इसी तरह, भोपाल के हाई-प्रोफाइल ससुराल में प्रताड़ना के बाद एक नवविवाहिता की संदिग्ध मौत की घटना, और भोपाल में ही दो सगी बहनों द्वारा अन्य लड़कियों को ब्लैकमेलिंग व शोषण के आपराधिक जाल में धकेलने का मामला भी सामने आया है। महाराष्ट्र (बीड): नशे की लत से परेशान होकर नसरीन नामक महिला ने अपने पति शरीफ पठान की तार से गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने इसे स्वाभाविक मौत बताने के लिए हार्ट अटैक की झूठी कहानी गढ़ी, जिसे पुलिस ने पूछताछ में उजागर कर दिया। तेलंगाना (महबूबनगर): एक महिला (कविता) ने अपने 38 वर्षीय पति नागेश की सोते समय चाकू से बेरहमी से हत्या कर दी। चीखें सुनकर दौड़े पड़ोसियों और बेटे की आंखों के सामने हुए इस मर्डर के कारणों की पुलिस जांच कर रही है। मध्य प्रदेश (इंदौर/धार): एक पत्नी (प्रियंका) ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति देवकृष्ण की हत्या की खौफनाक साजिश रची। पहले इसे लूटपाट का रूप दिया गया, लेकिन जांच में खुलासा हुआ कि पत्नी ने प्रेमी के माध्यम से हत्यारों को 1 लाख रुपये की सुपारी दी थी। उत्तर प्रदेश (बागपत): एक महिला ने अपने कथित प्रेमी के साथ मिलकर पति को नींद की गोलियां दीं और फिर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। इलाज के दौरान पति की मौत के बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। ये घटनाएं यह साबित करती हैं कि जब नैतिक व्यवस्था बिखरती है, तो अपराध और आक्रामकता का कोई जेंडर नहीं रह जाता। जहाँ एक तरफ महिलाएं आज भी बर्बर घरेलू हिंसा का शिकार हो रही हैं, वहीं दूसरी तरफ कुछ महिलाओं द्वारा विवादों से निकलने या अपनी राह का रोड़ा हटाने के लिए कत्ल और साजिश जैसे जघन्य रास्तों को चुनना यह दिखाता है कि समाज में सहिष्णुता और संवाद की जगह अब खतरनाक आक्रामकता ले रही है।

इस सामाजिक बदलाव की पुष्टि केवल धारणाओं से नहीं, बल्कि देश के आधिकारिक आंकड़ों से भी होती है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट पर नजर डालें, तो भारत की जेलों में बंद महिला कैदियों (विचाराधीन और दोषी दोनों) की संख्या में पिछले दो दशकों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। वर्ष 2000 में जहाँ जेलों में महिला कैदियों की संख्या 9,089 थी, वहीं यह संख्या अब बढ़कर 23,700 से अधिक हो चुकी है। यानी इस अवधि में महिला कैदियों की संख्या में करीब 162% की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जबकि इसी दौरान देश की कुल आबादी महज 30% के आसपास बढ़ी है। हालांकि कुल अपराधियों में महिलाओं की संख्या अब भी पुरुषों की तुलना में बेहद कम (करीब 4 से 6 प्रतिशत) है, लेकिन अपराध के ग्राफ में उनकी संख्या बढ़ने की यह रफ्तार बेहद डराने वाली है। इतना ही नहीं, समाजशास्त्रियों के लिए सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि अपराधों की प्रकृति भी बदल रही है। पहले जहाँ महिलाएं ज़्यादातर छोटे-मोटे घरेलू विवादों या विवशतावश किए गए छोटे अपराधों में संलिप्त पाई जाती थीं, वहीं अब गंभीर चोट पहुँचाने , हत्या और धोखाधड़ी जैसे गंभीर व हिंसक अपराधों के तहत महिलाओं की गिरफ्तारियां बढ़ी हैं। यह इस बात का सीधा प्रमाण है कि महिलाओं के भीतर का अवसाद और तनाव अब कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वाले गंभीर आक्रोश में तब्दील हो रहा है। एक अन्य सामाजिक कारण संयुक्त परिवारों का तेजी से टूटना और एकल परिवारों का बढ़ना है। आज के एकल परिवारों में महिलाएं पूरी तरह अकेली हो चुकी हैं। उनके पास अपनी भावनाएं, अपनी असुरक्षाएं और अपना रोना रोने के लिए कोई भरोसेमंद कंधा या सामाजिक 'वेंटिलेशन' (निकासी का रास्ता) नहीं है। पड़ोसियों से संवाद खत्म हो चुका है। यह अंतहीन अकेलापन और अपनी बात न कह पाने की लाचारी धीरे-धीरे गहरे अवसाद (डिप्रेशन) और एंग्जायटी में बदल जाती है। जब इंसान के भीतर की नकारात्मक भावनाएं बाहर निकलने का रास्ता नहीं पातीं, तो वे अंततः ज्वालामुखी की तरह आक्रामक व्यवहार के रूप में फटती हैं।

अब बृजेश की बारी? पूर्वांचल की सियासत में नई बिसात

सुरेश गांधी

राजनीति कभी-कभी शोर से नहीं, एक वाक्य से करवट लेती है। एक घोषणा कई बार सैकड़ों भाषणों पर भारी पड़ जाती है। पूर्वांचल की राजनीति में इन दिनों कुछ ऐसा ही हुआ है। पूर्व एमएलसी बृजेश सिंह ने जब यह कहा कि मैं चुनाव लड़ूंगा, तो मानो सियासत के शांत तालाब में किसी ने बड़ा पत्थर फेंक दिया। लहरें उठीं, किनारे तक पहुंचीं और अब हर राजनीतिक दल उन लहरों की दिशा पढ़ने में जुटा है। लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं होती। असल कहानी तो उस चुप्पी में छिपी है, जो उन्होंने अगले सवाल पर ओढ़ ली। कहां से चुनाव लड़ेंगे? किस दल के टिकट पर मैदान में उतरेंगे? इन दोनों सवालों पर उनका जवाब सिर्फ इतना था-समय आने दीजिए। बस... इसी ₹समय₹ ने पूरे पूर्वांचल की राजनीति को प्रतीक्षा में खड़ा कर दिया है। सियासत की अपनी एक भाषा होती है। वहां कई बार शब्दों से ज्यादा खामोशी बोलती है। अधूरी घोषणाएं ही सबसे बड़ी सुर्खियां बन जाती हैं। बृजेश सिंह का बयान भी कुछ ऐसा ही है-न पूरा खुलासा, न पूरा इनकार; बस इतना कि राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म रहे।

पिछले कुछ समय से उनकी धार्मिक और सामाजिक आयोजनों में सक्रिय उपस्थिति भी चर्चा का विषय रही है। मंदिरों के कार्यक्रम हों या सामाजिक आयोजन, उनकी मौजूदगी लगातार दर्ज की गई है। इसे लेकर राजनीतिक विश्लेषक अपने-अपने निष्कर्ष निकाल रहे हैं। कुछ इसे सामाजिक सक्रियता का विस्तार मानते हैं, तो कुछ इसे सार्वजनिक जीवन में बढ़ती भागीदारी के रूप में देखते हैं। हालांकि इन गतिविधियों और चुनाव लड़ने के निर्णय के बीच किसी प्रत्यक्ष संबंध की पुष्टि नहीं हुई है। पूर्वांचल की राजनीति केवल दलों के झंडों से नहीं चलती। यहां चेहरे भी चुनाव जिताते हैं और स्थानीय प्रभाव भी। यही कारण है कि बृजेश सिंह के चुनाव लड़ने की घोषणा के बाद राजनीतिक दलों ने भी अपने-अपने स्तर पर संभावित समीकरणों का आकलन शुरू कर दिया है। सबसे बड़ी पहेली आज भी वही है- सीट कौन-सी होगी? क्या वाराणसी की कोई सीट? क्या चंदौली? क्या गाजीपुर? या फिर पूर्वांचल का कोई ऐसा चुनावी मैदान, जिसकी कल्पना अभी किसी ने नहीं की? सवाल बहुत हैं, जवाब किसी के पास नहीं। दूसरी पहेली उससे भी बड़ी है-दल कौन-सा होगा? राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं हैं, अटकलें हैं, कयास हैं, लेकिन आधिकारिक तौर पर कोई पत्ता नहीं खुला है। यही रहस्य इस पूरे घटनाक्रम को और रोचक बना रहा है।

2027 का चुनाव अभी दूर है, लेकिन राजनीतिक दलों ने अपनी बिसात बिछानी शुरू कर दी है। ऐसे समय में यदि कोई प्रभावशाली चेहरा चुनावी मैदान में उतरने का संकेत देता है, तो उसका असर केवल एक सीट तक सीमित नहीं रहता। उसकी गूंज कई जिलों तक सुनाई देती है। राजनीति शतरंज का वह खेल है, जहां कभी-कभी एक मोहरे की चाल पूरी बाजी का स्वरूप बदल देती है। इसलिए बृजेश सिंह का अगला कदम केवल उनका राजनीतिक भविष्य तय नहीं करेगा, बल्कि पूर्वांचल के कई नेताओं की रणनीति भी बदल सकता है। फिलहाल पूर्वांचल की राजनीति एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां घोषणा हो चुकी है, लेकिन गंतव्य अभी अनजान है। रास्ता दिखाई दे रहा है, मगर मंजिल पर अभी धुंध छाई हुई है। अब निगाहें उस दिन पर टिकी हैं, जब केवल यह नहीं बताया जाएगा कि चुनाव लड़ना है, बल्कि यह भी कि किस दल का झंडा होगा और किस विधानसभा की धरती चुनावी रणभूमि बनेगी। तब तक पूर्वांचल की सियासत में एक ही चर्चा है-बृजेश सिंह की अगली चाल क्या होगी? क्योंकि चुनाव केवल वोटों से नहीं जीते जाते, कई बार वे प्रतीक्षा, संकेत और सही समय पर खोले गए पत्तों से भी जीते जाते हैं। और फिलहाल, पूर्वांचल की राजनीति उसी अगले पत्ते के खुलने का इंतजार कर रही है।

1990 का दशक पूर्वांचल की राजनीति, ठेकेदारी और आपराधिक वर्चस्व की लड़ाई का दौर माना जाता है। इसी दौर में दो नाम सबसे अधिक चर्चा में आए-बृजेश सिंह और दिवंगत मुख्तार अंसारी। सार्वजनिक रिकॉर्ड और मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, दोनों गुटों के बीच वर्चस्व की यह लड़ाई केवल व्यक्तिगत प्रतिद्वंद्विता नहीं रही, बल्कि इसका असर वाराणसी, गाजीपुर, चंदौली, जौनपुर और आसपास के इलाकों की राजनीति और कानून-व्यवस्था तक महसूस किया गया।

विश्लेषकों के अनुसार, सरकारी ठेकों, स्थानीय प्रभाव और राजनीतिक विस्तार को लेकर दोनों पक्षों के बीच तनाव वर्षों तक बना रहा। समय के साथ यह प्रतिद्वंद्विता पूर्वांचल की सबसे चर्चित दुश्मनियों में गिनी जाने लगी। कई हिंसक घटनाओं और मुकदमों के बाद यह संघर्ष लंबे समय तक न्यायालयों और जांच एजेंसियों के रिकॉर्ड का हिस्सा बना रहा। विभिन्न मामलों में न्यायिक प्रक्रियाएं चलीं और अलग-अलग मामलों में अलग-अलग फैसले आए। 2002 में लखनऊ के कैंट क्षेत्र में हुई चर्चित फायरिंग की घटना भी इसी प्रतिद्वंद्विता से जुड़ी प्रमुख घटनाओं में रही। इस मामले में दोनों पक्षों की ओर से मुकदमे दर्ज हुए। मार्च 2026 में लखनऊ की एमपी-एमएलए अदालत ने साक्ष्यों के अभाव में बृजेश सिंह और अन्य आरोपितों को बरी कर दिया। पूर्वांचल के राजनीतिक इतिहास को समझने वाले जानकार मानते हैं कि इसी लंबे संघर्ष ने दोनों नामों को क्षेत्रीय राजनीति के केंद्र में ला खड़ा किया। हालांकि समय के साथ परिस्थितियां बदलीं और दोनों ने अलग-अलग दौर में राजनीतिक सक्रियता भी दिखाई।

एचडीएफसी बैंक अब राजीव कुमार के हाथों में

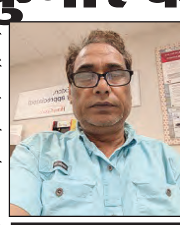

राजकुमार अग्रवाल

शायरी के शौकीन और 1984 बैच के पूर्व आईएएस अधिकारी राजीव कुमार, जो देश के 25वें मुख्य चुनाव आयुक्त रह चुके हैं, अब निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंकों में से एक, एचडीएफसी बैंक के चेयरमैन पद की कमान संभालने जा रहे हैं। सरकारी सेवा और संवैधानिक संस्थाओं के गलियारों से निकलकर कॉरपोरेट जगत के शीर्ष पायदान पर पहुंचने की यह यात्रा जितनी चमकदार दिखती है, उतनी ही यह देश की आम जनता, आर्थिक विश्लेषकों और लोकतांत्रिक विचारकों के मन में गंभीर विमर्श भी खड़े करती है।

जब देश की सबसे बड़ी चुनावी नियामक संस्था का मुखिया सीधे एक विशाल वित्तीय साम्राज्य के शीर्ष पर बैठता है तो सार्वजनिक चर्चा होना स्वाभाविक है। आम खाताधारकों और राजनीतिक विश्लेषकों के मन में यह सवाल उठने लगा है कि जिस तरह चुनाव आयोग के कार्यकाल के दौरान निष्पक्षता और स्वतंत्रता को लेकर तीखी बहसें हुई थीं, क्या उसी तरह देश के आम खाताधारकों की गाढ़ी कमाई और बैंकिंग गवर्नेंस पर भी इसका कोई प्रभाव पड़ेगा? आइए, इस पूरे घटनाक्रम, पूर्व सीईसी के रूप में राजीव कुमार के कार्यकाल, और देश के वित्तीय परिदृश्य पर इसके संभावित प्रभावों का एक संतुलित, तथ्यात्मक और निष्पक्ष विश्लेषण करते हैं।

राजीव कुमार का मुख्य चुनाव आयुक्त के रूप में कार्यकाल (2022-2025) देश के इतिहास में सबसे अधिक चर्चा और बहस का केंद्र रहा। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत चुनाव आयोग को एक स्वतंत्र और निष्पक्ष संस्था का दर्जा दिया गया है, जिसका काम बिना किसी बाहरी दबाव के चुनाव संपन्न कराना है। उनके समर्थकों का मानना है कि उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव और जम्मू-कश्मीर सहित 31 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में पूर्ण चुनाव चक्र को न्यूनतम हिंसा और प्रशासनिक कुशलता के साथ पूरा कराया करा दिया था। इसके विपरीत, विपक्ष (कांग्रेस, टीएमसी, आप आदि) और राजनीतिक आलोचकों ने उनके कार्यकाल पर पक्षपात के गंभीर आरोप लगाए। आलोचकों का तर्क था कि आदर्श आचार संहिता के कथित उल्लंघनों पर सत्तापक्ष के प्रति नरमी बरती गई जबकि विपक्षी नेताओं पर त्वरित कार्रवाई हुई। टर्नआउट डेटा में देरी, ईवीएम-वीवीपीएटी मिलान की अपारदर्शिता और असम डेलिमिटेशन (परिसीमन) को लेकर भी तीखे सवाल उठे। हालांकि, चुनाव आयोग ने हमेशा इन आरोपों का लिखित खंडन किया और सुप्रीम कोर्ट ने भी चुनावी प्रक्रियाओं को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं को खारिज कर आयोग की प्रशासनिक व्यवस्था पर मुहर लगाई।

जब भी भारतीय चुनाव आयोग की बात होती है, तो पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टी.एन. शेषन का नाम स्वतः ही जेहन में आ जाता है, जिन्होंने आयोग को एक अत्यंत शक्तिशाली और स्वायत्त संस्था के रूप में स्थापित किया था। आलोचकों का कहना है कि वर्तमान दौर में संस्थागत स्वतंत्रता और कार्यकारी नियंत्रण के बीच की खाई बढ़ी है, जिससे 'ट्रस्ट डेफिसिट' (विश्वास की कमी) की स्थिति पैदा हुई है। लोकनीति-सीएसडीएस के सर्वेक्षणों में भी संस्थाओं के प्रति जनता के विश्वास में उतार-चढ़ाव की बात सामने आई है, जो लोकतांत्रिक स्वास्थ्य के लिए एक महत्वपूर्ण विचारणीय बिंदु है।

एचडीएफसी बैंक के चेयरमैन पद पर नियुक्तिः कॉरपोरेट गवर्नेंस की कसौटी

अब बात करते हैं उस नए मोड़ की, जिसने देश के करोड़ों खाताधारकों को सोचने पर मजबूर कर दिया है। एचडीएफसी बैंक केवल एक बैंक नहीं है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी माना जाता है। इसमें देश के मध्यम वर्ग, नौकरीपेशा लोगों और छोटे व्यापारियों की जीवनभर की जमा पूंजी सुरक्षित है। पूर्व वित्त सचिव के रूप में राजीव कुमार के पास बैंकिंग सुधारों, विलय और वित्तीय नियामक ढांचे का एक लंबा और ठोस अनुभव है, जो बैंक प्रबंधन के लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकता है।

सरकारी सेवा से सेवानिवृत्ति के बाद कॉरपोरेट सेक्टर में जाना एक सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया है, लेकिन हितों के टकराव को लेकर उठने वाले नैतिक सवाल भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। आम जनता में यह चिंता रहती है कि क्या बैंकिंग नीतियों और बड़े कॉरपोरेट ऋणों के आवंटन में किसी भी प्रकार का राजनीतिक प्रभाव काम कर सकता है?हालांकि, यहाँ यह समझना बेहद आवश्यक है कि भारतीय बैंकिंग प्रणाली पूरी तरह रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया के कड़े नियमों, प्रायोरिटी सेक्टर लेंडिंग और एनपीए मानदंडों के अधीन काम करती है। बैंक का बोर्ड, ऑडिटर्स, शेयरहोल्डर्स और केंद्रीय एजेंसियां प्रत्येक बड़े वित्तीय लेनदेन पर पैनी नजर रखते हैं। इसलिए, किसी भी संस्थान को सीधे तौर पर राजनीतिक प्रभाव में बताना अतिशयोक्ति होगी, लेकिन क्रोनिविज्म (सांठगांठ की पूंजीवाद) के आरोपों के प्रति सजग रहना बैंकिंग साख के लिए अनिवार्य है।देश की राजनीतिक बहस में अक्सर यह दावा किया जाता है कि 2014 से देश सुरक्षित हाथों में है।

राजनीतिक मोर्चे पर जनता किसे चुनती है, यह उसका लोकतांत्रिक अधिकार है। लेकिन जब बात आर्थिक सुरक्षा और जीवनभर की जमा पूंजी की आती है, तो सजगता और जागरूकता ही सबसे बड़ा हथियार बनती है। नागरिकों को केवल राजनीतिक वादों या अफवाहों के भरोसे रहने के बजाय अपने वित्तीय संस्थानों की गतिविधियों, बैंक की बैलेंस शीट और नियामक बदलावों पर बारीक नजर रखनी चाहिए।

कुछ भी मुफ्त नहीं मिलता ?

डॉ टी महादेव राव

आदमी से अधिक महत्वपूर्ण होता है उसका अहम। कहीं कहीं पहचान भी अधिक असर करती है। भाव देना जैसे वाक्यांश को देखें अगर, अपनी पार्टी में किसी को भाव नहीं दिया जा रहा है, उसके महत्व को पहचान नहीं रहे हैं, तो सहज है उसके अहम को चोट लगेगी। अहम को मैं स्वाभिमान से अलग मानता हूं। स्वाभिमान से दो कदम आगे अहम या अहंकार होता है, जो वाई फ़ाई की तरह चारों ओर फैला होता है। कुछ पा लेने की लालच, कहीं कुर्सी हथियाने की दुराशा, पुरानी पार्टी से निराशा, नई पार्टी में स्वयं की पहचान के लिए हटता कुहासा - सारा कुछ पार्टी बदलने या कहें कूद फांद करने को विवश करते हैं। नेता अपनी गणना या हिसाब करके उसके अनुसार एक पार्टी त्याग कर दूसरी पार्टी में जा रहे हैं। मन लगा तो रह गए वहां। अगर नहीं तो फिर लौट के घर आ रहे हैं बुद्धू की तरह।

अब देखिए जहां जिसकी उम्मीद होती है . वहां वह नहीं होता तो खीज कर खंभा नोचने वाले नेताओं की कमी नहीं है, लेकिन इतने बुजुर्ग या कुछ युवा भी इस बात को क्यों नहीं मानते कि "कभी किसी को मुकम्मल जहां नहीं मिलता"। अगर ऐसी मुकम्मल पहचान मिल गई तो क्या बात है? पौ बारह। पांचों उंगलियां घी में और सर कड़ाही में। यह अलग बात है कि ऐसे मौके कहां मिलते हैं? अगर पांचों उंगलियां घी में हैं तो सिर कहीं गिरवी रखा होता है। कुर्सी, पद, सत्ता, पहचान, महत्ता और शॉर्टकट में सब कुछ पा जाने की महत्वाकांक्षा आदमी को अलग करती है और यही कारण है कि दल बदल हो रहे हैं आजकल कुछ अधिक संख्या में।

एक नए नए दल बदले नेता से हमने पूछा "भाई जी आप तो अच्छे खासे थे उस पार्टी में। आपको बढ़िया कर्ताधर्ता बना कर रखा था। आप उस दल रूपी जहाज से कैसे इस जहाज पर कूद पड़े? मतलब पार्टी बदल कर इस दल में आ गए।"

सुकरात सा चेहरा बनाकर अपने अंदाज में उन्होंने कहा "वह डूबता जहाज लग रहा है मुझे, मेरे पिता उस दल में थे। मैं भी था, लेकिन मुझे लगा इस डूबते जहाज में मैं सुरक्षित नहीं हूं इसलिए वहां से इस दल में आ गया।मैंने उन्हें खींचा –"कहा तो यह जाता है कि जब जहाज डूबने लगता है तो सबसे पहले चूहे उस जहाज को छोड़कर भाग खड़े होते हैं। तो हम क्या आपको गणेश जी का वाहन मूषक मानें?"

"न। न हम मूषक हैं और न कूद फांद वाले मंडूक हैं। हम तो शेर हैं" कॉलर उठाते हुए कहा उन्होंने। "हां ज़ू वाला शेर कभी इस चिड़ियाघर में तो कभी उस चिड़ियाघर में है न?" "आपको तो कुछ समझता ही नहीं है। आप राजनीति क्या जानें? कैसे-कैसे पापड़ बेलने पड़ते हैं, कैसे-कैसे तिकड़म लगाना होता है। कैसे-कैसे चक्कर करने होते हैं। सारा दिमाग का खेल है राजनीति आसान नहीं है।" "लोग कहते हैं कि राजनीति में हम इसलिए आए हैं कि जनता की और समाज की सेवा करें, लेकिन आपकी बातों में कहीं भी जनता का या जनकल्याण का जिक्र ही नहीं है। जब तक पद नहीं पाएंगे, कल्याण नहीं करेंगे ऐसा क्या? राजनीति में पापड़ बेलना, दिमाग लगाना मुझे तो दिखता नहीं और तो और जो चीज नहीं है, उसे कैसे लगाएंगे?"

"महाशय आप नहीं समझोगे। कागज काले करना, किसी की टांग खींचना आसान है। हम जनता की भलाई के लिए ही तो दल बदल रहे हैं।" काफी देर बाद उन्होंने कहा "मुझे एक जरूरी काम याद आ गया। मैं चलता हूं।" कहते हुए बड़े बड़े कदम लेते हुए वाकआउट करते विपक्ष की तरह भाग खड़े हुए। जीवन में गणना या हिसाब का अपना महत्व है। हर आदमी की नीयत किसी साहूकार जैसी हो रही है। इसमें फायदा है या नहीं, उसमें तो शायद नुकसान ही होगा। यही सोच तीन पाँच करते हुए जी रहा है आदमी।

हेयर डाई मत लगाना नहीं तो बाल हमेशा के लिए सफेद हो जाएंगे, इस बात में कितना सच और कितना झूठ

सालों से आपको यही लगता रहा होगा कि एक बार अगर हेयर कलर कर लिया तो बाल हमेशा के लिए ग्रे हो जाएंगे। लेकिन क्या वाकई ऐसा होता है? डर्मेटोलॉजिस्ट की मानें तो यह एक अफवाह है।

बालों को कलर कराया न तो सारे बाल सफेद हो जाएंगे, फिर हर महीने करवाते रहो रूट टचअप। ये वाली बात आपने भी सुनी होगी। सवाल यह है कि क्या वाकई हेयर कलर हमारे बालों का दुश्मन है या असल मुजरिम कोई और ही है। डर्मेटोलॉजिस्ट की राय इससे अलग है। कलर सीधे तौर पर बालों के सफेद होने का कारण नहीं बनता। कलर स्कैल्प के ऊपर के हिस्से के बालों पर काम करता है लेकिन बाल स्कैल्प के नीचे से सफेद होना शुरू होते हैं। दोनों की प्रक्रिया पूरी तरह अलग है।

बहुत से लोग कलर लगाने के बाद देखते हैं कि कलर उतरते समय उनके बाल सफेद नजर आने लगे हैं। ऐसे में उन्हें लगता है कि ऐसा कलर लगाने की वजह से हुए है लेकिन असल में तो यह प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी थी। हां, यह जरूर संभव है कि बार बार हेयर कलर का इस्तेमाल और खराब डाई का इस्तेमाल आपके स्कैल्प को परेशानी में डाल दे या बालों को दूसरी तरह से नुकसान पहुंचाए, लेकिन कलर की वजह से बालों का सफेद होना संभव नहीं, फिर चाहें आप उसे पहली बार लगाएं या बार बार।

इसलिए हेयर कलर से नहीं होते बाल सफेद

हेयर कलर आप उन बालों पर लगाते हैं जो स्कैल्प के ऊपर होते हैं, कलर इन्हीं बालों के भीतर जाता है। बाल का जो हिस्सा स्कैल्प के नीचे होता है उससे बालों का कोई लेना देना नहीं होता। हर हेयर फॉलिकल में मेलेनोसाइट होता है जो मेलेनिन बनाता है और इसी से बालों में रंग बना रहता है। जब तक मेलेनिन सही से बन रहा है, तब तक बाल काले बने रहते हैं और नए बाल भी अपने असल रंग में ही उगते हैं फिर चाहें आप कलर लगाएं या नहीं। लेकिन अगर मेलेनिन सही से नहीं बन रहता तो बाल सफेद रंग के उगने लगते हैं और यह प्रक्रिया स्कैल्प के नीचे से शुरू होती है।

आप तब हेयर कलर शुरू करते हैं जब बाल सफेद होना शुरू हो चुके होते हैं

आपको गलतफहमी क्यों हुई

असल में लोग ज्यादातर तब कलर करवाना शुरू करते हैं जब बाल सफेद होना शुरू हो चुके होते हैं। कलर लगाने से कुछ वक्त तक बाल ढके रहते हैं लेकिन बाल सफेद होने की प्रक्रिया प्राकृतिक रूप से निरंतर चल रही होती है। जब कलर हटना शुरू होता है तब असल सफेद बाल नजर आने लगते हैं और लोगों को लगता है कि कलर के कारण बाल सफेद हो गए हैं।

बाल सफेद होने के प्रमुख कारण

एजिंग : उम्र बढ़ना एक सबसे बड़ा कारण है। उम्र के साथ सेल की मेलेनिन बनाने की क्षमता कम हो जाती है और बाल सफेद होने लगते हैं।

जेनेटिक्स : आपके बालों के समय से पहले सफेद होने के पीछे आपके जेनेटिक्स भी जिम्मेदार होते हैं।

क्रोनिक स्ट्रेस : अगर आप लंबे समय से तनाव में हैं या क्षमता से ज्यादा बौद्धिक या शारीरिक काम करते हैं तो बाल जल्दी सफेद होना शुरू हो सकते हैं। तनाव का सीधा असर हेयर फॉलिकल्स पर पड़ता है और इससे मेलेनिन बनना कम हो सकता है।

पोषण में कमी : स्वस्थय बालों के लिए पोषण अच्छा होना बेहद जरूरी है। अगर शरीर में विटामिन डी, बायोटीन, विटामिन बी12, या आयरन की कमी है तो बाल सफेद होना शुरू हो सकते हैं।

ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस : फ्री रेडिकल्स बालों के सेल को नुकसान पहुंचाने लगते हैं। खाराब खानपान या पोषण की कमी के कारण फ्री रेडिकल बढ़ते हैं और बालों को ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस देते हैं जिससे बाल सफेद होने लगते हैं। धूम्रपान, तेज धूप, शरीर में लंबे समय से इंफ्लेमेशन, प्रदूषित हवा जैसे कारणों से बालों का ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस बढ़ता है।

हेयर कलर इस तरह करता है काम

कलर कई तरह के होते हैं जिसके हिसाब से ये बालों पर काम करते हैं। लेकिन यह केवल बालों के उतने हिस्से में ही काम करते हैं जितने में इन्हें लगाया गया हो। बालों का जो हिस्सा स्कैल्प के भीतर है उसेस इनका कोई लेना देना नहीं। न ही ये हेयर फॉलिकल्स के डीएनए में बदलाव करते हैं। मेलेनोसाइट स्कैल्प के भीतरी हिस्से में हेयर फॉलिकल्स में होता है इसलिए ये मेलेनिन के बनने को प्रभावित नहीं करते।

टेंपरेरी हेयर कलर बालों पर एक परत बनाते हैं। कुछ शैंपू के बाद ये परत हट जाती है और बाल अपने असली रंग में वापस नजर आने लगते हैं।

सेमी परमानेंट हेयर कलर बालों के भीतर प्रवेश करके बालों को रंग देते हैं। समय के साथ ये भी धीरे धीरे हटना शुरू हो जाते हैं।

पर्मानेंट हेयर कलर केमिकल के इस्तेमाल से क्यूटिकल्स को खोलता है और कलर मॉलीक्यूल बालों के भीरत गहराई से प्रवेश करके लंबे समय तक बालों को रंगने का काम करते हैं।

हेयर डाई से बालों को नुकसान

हेयर डाई या कलर से बाल सफेद नहीं होते लेकिन इसका मतलब यह भी नहीं कि इसेस बाल पूरी तरह सुरक्षित हैं। बालों को खराब गुणवत्ता वाले रंगों से अन्य कई नुकसान हो सकते हैं। पर्मानेंट हेयर कलर में हायड्रोजन परऑक्साइड, अमोनिया और पीडीपी होता है। ये बालों की सेहत के लिए अच्छे नहीं माने जाते।

हायड्रोजन परऑक्साइड बालों के प्राकृतिक पिग्मेंट को हल्का कर देता है जिससे बालों में डाला गया नया रंग अच्छी तरह नजर आए। इसमें ऑसिडाइजिंग एजेंट भी होते हैं। इसलिए बार बार बालों पर पर्मानेंट हेयर कलर के इस्तेमाल से ये बालों को ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस देने लगते हैं।

अमोनिया हेयर क्यूटिकल को खोलने का काम करता है। बार बार इसका इस्तेमाल बालों को रूखा बेजान बनाता है और बालों के टूटने का कारण बनता है।

पीडीपी ज्यादातर गहरे रंग वाले हेयर कलर में होता है। इससे स्कैल्प में ऐलर्जी की समस्या हो सकती है। सेंसेटिव स्किन वाले लोगों को इससे स्कैल्प में खुजली और इंफ्लेमेशन की शिकायत संभव है।

प्लांट बेस्ड हेयर कलर हैं बेहतर विकल्प

यूं चुनें अपना हेयर कलर

अमोनिया फ्री, पीडीपी फ्री वाले लेबल चुनें।

कम पर ऑक्साइड वाले कलर चुनें।

सेमी पर्मानेंट हेयर कलर चुनें।

प्लांट बेस्ड हेयर कलर या अच्छी हीना चुनें।

कलर के इस्तेमाल से पहले पैच टेस्ज जरूरी है।

अगर स्कैल्प सेंसेटिव है तो बहुत ज्यादा हेयर कलर लगाने से बचें।

अगर आप चाहते हैं कि आपके बाल लंबे समय तक काले बने रहें तो आपको तनाव, जीवनशैली और पोषण पर ध्यान देना होगा। आपके बाल सफेद होने के यह प्रमुख कारण हैं। अगर हेयर कलर का इस्तेमाल आपके स्कैल्प या बालों को परेशानी में डाल रहा है जैसे बाल पतले होना, टूटना, झड़ना या स्कैल्प में खुजली और जलन तो आपको डर्मेटोलॉजिस्ट से संपर्क करने की जरूरत है।

क्या सिगरेट की तरह चीनी खाने से भी हो सकता है कैंसर, क्या है दोनों का कनेक्शन ?

कई दशकों तक तंबाकू को पब्लिक हेल्थ के लिए सबसे बड़ा विलेन माना जाता रहा है। सिगरेट के पैकेट पर चेतावनी वाले लेबल लगाए गए और जागरूकता अभियानों में धूम्रपान के खतरनाक नतीजों के बारे में बताया गया। सिगरेट के उलट, चीनी उन चीज़ों में पाई जाती है जिन्हें लोग रोज खाते-पीते हैं। यह ब्रेकफ़ास्ट सीरियल, पैक्ड जूस, बिस्कुट, फ़्लेवर्ड योगर्ट, सॉस, एनर्जी ड्रिंक और यहां तक कि ₹हेल्दी₹ बताकर बेचे जाने वाले प्रोडक्ट्स में भी शामिल होती है। इसके आम होने की वजह से, बहुत से लोग शायद ही कभी इस बारे में सोचते हैं कि वे कितनी चीनी खा रहे हैं।

तंबाकू से क्यों हो रही है चीनी की तुलना?

डॉक्टर यह नहीं कह रहे हैं कि एक चम्मच चीनी खाना सिगरेट पीने के बराबर है। बात यह है कि ज़्यादा मात्रा में सेवन करने से सालों तक सेहत पर धीरे-धीरे असर पड़ सकता है, और अक्सर तब तक कोई साफ चेतावनी वाले संकेत नहीं मिलते जब तक कि काफ़ी नुकसान न हो चुका हो। दुनिया भर में मोटापा, टाइप 2 डायबिटीज़, फैटी लिवर की बीमारी और दिल से जुड़ी बीमारियों के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। विशेषज्ञों द्वारा चीनी की तुलना तंबाकू से करने के सबसे अहम कारणों में से एक कारण हमारे दिमाग से जुड़ा है। जब भी कोई व्यक्ति रिफाइंड चीनी खाता है, तो उसका दिमाग डोपामाइन रिलीज़ करता है। यह एक ऐसा केमिकल है जो खुशी, प्रेरणा और इनाम (रिवॉर्ड) से जुड़ा होता है।

बार- बार मीठा खाने का नुकसान

चीनी और तंबाकू के बीच सबसे बड़ी समानता यह है कि ये दोनों ही दिमाग के रिवॉर्ड सिस्टम पर असर डालते हैं। दोनों ही डोपामाइन के रिलीज को बढ़ावा देते हैं, जो खुशी, इनाम और प्रेरणा से जुड़ा केमिकल है। समस्या तब शुरू होती है जब यह चक्र रोज-रोज दोहराया जाता है। ज़्यादा चीनी वाले खाने की चीजों के बार-बार सेवन से डोपामाइन के प्रति दिमाग की संवेदनशीलता धीरे-धीरे कम हो सकती है। आसान शब्दों में कहें तो, संतुष्टि का वही अहसास पाने के लिए दिमाग ज़्यादा मिठास की मांग करने लगता है। यही एक वजह है कि कई लोगों को डेज़र्ट, मीठे ड्रिंक्स या प्रोसेस्ड स्नैक्स की ज़बरदस्त तलब होती है, भले ही उन्हें शारीरिक रूप से भूख न लगी हो।

क्या कहता है विश्व स्वास्थ्य संगठन?

सालों तक, चीनी को अक्सर खाली कैलोरी का स्त्रोत मानकर नजरअंदाज किया जाता रहा। बहुत ज़्यादा चीनी खाने से शरीर के मेटाबोलिक सिस्टम पर कई तरह से असर पड़ता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, जीवन भर फ्री शुगर का सेवन कम करने से मोटापे और दांतों की बीमारियों का खतरा कम हो सकता है। यह साबित हो चुका है कि स्मोकिंग से कैंसर होता है। चीनी को उस तरह से नहीं देखा जाता, और डॉक्टर इन दोनों की सीधे तौर पर तुलना करने से बचते हैं। हालांकि, रिसर्चर इस बात की जांच कर रहे हैं कि ज़्यादा चीनी वाली डाइट कैसे शरीर में ऐसी स्थितियां पैदा कर सकती है जो कैंसर को बढ़ावा देती हैं। ज़्यादा चीनी खाने से शरीर में 'एडवांस्ड ग्लाइकेशन एंड-प्रोडक्ट्स' और सूजन पैदा करने वाले केमिकल बढ़ते हैं।

हेल्थ एक्सपर्ट्स ने किया अलर्ट

लंबे समय से यह माना जाता रहा है कि पुरानी सूजन कई बीमारियों, जिनमें कैंसर भी शामिल है, की एक वजह हो सकती है। कैंसर कोशिकाएं भी बढ़ने और फैलने के लिए ग्लूकोज़ का इस्तेमाल ऊर्जा के मुख्य स्त्रोत के तौर पर करती हैं इस प्रक्रिया को 'वारबर्ग इफ़ेक्ट' कहा जाता है। अहम बात यह है कि इसका मतलब यह नहीं है कि चीनी से सीधे कैंसर होता है। इंसानी शरीर की बनावट इससे कहीं ज़्यादा जटिल है। हालांकि, रिफ़ाइंड चीनी वाली डाइट से मोटापा और इंसुलिन का स्तर बढ़ सकता है, और इन दोनों का संबंध कई तरह के कैंसर जैसे कोलोरेक्टल, ब्रेस्ट और पैंक्रियाटिक कैंसर के ज़्यादा जोखिम से जोड़ा गया है।

स्क्रीन की वजह से बीमार हो रही हैं आंखें

धुंधली नजर को लेकर बिल्कुल ना करें ये गलती

आजकल आंखों में होने वाली परेशानी को आम बात मान लिया गया है, लोग या तो इसे सह लेते हैं या सोचते हैं कि यह अपने-आप ठीक हो जाएगी। काम के दौरान घंटों लैपटॉप के सामने बैठने या देर रात अंधेरे में स्क्रीन स्क्रॉल करने के बाद, थकी और तनावग्रस्त आंखों को नजरअंदाज कर दिया जाता है और सोचा जाता है कि अच्छी नींद से सब ठीक हो जाएगा।हालांकि हमारी यही सबसे बड़ी गलती है। एक्सपर्ट ने आंखों से जुड़ी कुछ ऐसी बातें बताई है जिसके बारे में लगभग हर कोई अनजान है।

क्या है डिजिटल आई स्ट्रेन

'डिजिटल आई स्ट्रेन' (स्क्रीन देखने से आंखों पर पड़ने वाला तनाव) की समस्या आम है। यह आमतौर पर लंबे समय तक स्क्रीन देखने और आंखों की फोकस करने वाली मांसपेशियों पर लगातार दबाव पड़ने के कारण होती है। डॉक्टर ने बताया कि मरीज़ अक्सर आंखों में सूखापन, खुजली, हल्का धुंधलापन, जलन, पलकों में भारीपन और भौंहों के आसपास हल्का दर्द जैसे लक्षण बताते हैं जो की आमतौर पर आराम करने से ठीक हो जाते हैं। इसका मतलब है कि काम पर स्क्रीन के सामने लंबा समय बिताने के बाद, घर लौटने और अच्छी नींद लेने से परेशानी कम हो जाती है।

आंखों की इन समस्याओं का रखें ध्यान

आंखों की कुछ गंभीर समस्याओं के बारे में बात करते हुए, डॉक्टर ने ऐसे लक्षणों का ज़िक्र किया जो आपकी नजर पर बुरा असर डालते हैं, न कि सिर्फ़ थकान या भारीपन पैदा करते हैं। धुंधली नजर, अलग-अलग दूरी पर रखी चीज़ों पर फ़ोकस न कर पाना या दोहरी नजर आना आंखों की समस्याओं के लक्षण हो सकते हैं। आंखों की समस्या का एक और अहम लक्षण असंतुलन है। जहां आंखों की थकान दोनों आंखों को एक जैसा प्रभावित करती है, वहीं धुंधली नजर, परछाई दिखना या एक आंख में नजर कमज़ोर होना आंखों की क्लिनिकल समस्याओं का संकेत हो सकता है।

आंखों पर पड़ने वाले तनाव को कैसे कम करें?

साथ ही नजर से जुड़ी गड़बड़ियों का भी ध्यान रखें, जो रेटिना की दिक्कतों का संकेत हो सकती हैं, जैसे अचानक रोशनी की चमक दिखना, काले तैरते धब्बों (फ़्लोटर्स) का साफ तौर पर बढ़ना, या नजर के दायरे में टेढ़ी-मेढ़ी या धुंधली लाइनें दिखना। भले ही आंखों की कोई गंभीर समस्या न हो, फिर भी लगातार तनाव से आंखों में बेचैनी हो सकती है।

20-20-20 नियम का पालन करें

हर 20 मिनट में, कम से कम 20 फ़ीट दूर किसी चीज़ को 20 सेकंड तक देखें। ज़रूरत पड़ने पर कंप्यूटर ग्लास का इस्तेमाल करें। ब्लू लाइट को फ़िल्टर करने वाले चश्मे, ज़्यादा देर तक स्क्रीन देखने से होने वाली परेशानी को कम करने में मदद कर सकते हैं। अपने काम करने की जगह (वर्कस्पेस) को सही ढंग से व्यवस्थित करें।

स्क्रीन को अपनी आंखों से लगभग 20-28 इंच दूर रखें। तनाव कम करने के लिए स्क्रीन को आंखों के लेवल से थोड़ा नीचे रखें। बहुत अंधेरे कमरे में या बहुत तेज़ रोशनी में स्क्रीन का इस्तेमाल करने से बचें, क्योंकि दोनों ही स्थितियों में आंखों की थकान बढ़ सकती है।

हेल्दी लाइफस्टाइल के बावजूद बढ़ रहा बैड कोलेस्ट्रॉल?

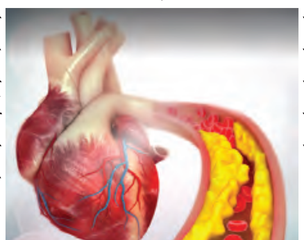

आज के समय में बदलती जीवनशैली और गलत खानपान के कारण कोलेस्ट्रॉल की समस्या तेजी से बढ़ रही है। अक्सर लोग मानते हैं कि केवल हेल्दी खाना खाने से शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से रोक सकता है, लेकिन यह पूरी तरह सच नहीं है। कई बार संतुलित आहार लेने के बावजूद भी एलडीएल यानी खराब कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ जाता है, जिसके पीछे कई छिपे कारण होते हैं। इसके अलावा कुछ हेल्दी दिखने वाले फूड्स भी अधिक मात्रा में लेने पर नुकसान पहुंचा सकते हैं।

जेनेटिक (आनुवंशिक) कारण

कई लोगों में कोलेस्ट्रॉल बढ़ने की समस्या उनकी लाइफस्टाइल की वजह से नहीं बल्कि उनके जीन की वजह से होती है। इसे फैमिलियल हाइपरकोलेस्ट्रोलेमिया कहा जाता है। इसमें शरीर LDL को तोड़ने या उसे ब्लड से हटाने में सक्षम नहीं होता। ऐसे लोगों में चाहे वे कितना भी हेल्दी खाना खाएं, उनका कोलेस्ट्रॉल लेवल सामान्य नहीं होता। कई बार बचपन से ही LDL हाई रहने लगता है, इसलिए नियमित ब्लड टेस्ट और डॉक्टर की सलाह बहुत जरूरी होती है।

फिजिकल एक्टिविटी की कमी

आजकल की बैठकर काम करने वाली लाइफस्टाइल में लोग घंटों एक ही जगह बैठे रहते हैं। इससे शरीर की कैलोरी बर्निंग कम हो जाती है और फैट जमा होने लगता है। एक्सरसाइज की कमी से HDL (अच्छा कोलेस्ट्रॉल) कम हो जाता है, जो शरीर से खराब कोलेस्ट्रॉल को बाहर निकालने में मदद करता है। नतीजतन LDL बढ़ता जाता है। रोजाना कम से कम 30–45 मिनट की वॉक या योग इस समस्या को काफी हद तक कम कर सकता है।

गलत फैट का ज्यादा सेवन

बहुत से लोग सोचते हैं कि घी, ड्राई फ्रूट्स या हेल्दी ऑयल पूरी तरह सुरक्षित हैं, लेकिन इनका ज्यादा सेवन शरीर में फैट बैलेंस बिगाड़ सकता है। खासकर ट्रांस फैट और सैचुरेटेड फैट LDL को तेजी से बढ़ाते हैं। फास्ट फूड, बेकरी आइटम, फ्राइड स्नैक्स और रिफाइंड ऑयल लंबे समय में दिल की धमनियों में ब्लॉकेज का कारण बन सकते हैं। इसलिए मात्रा और संतुलन बेहद जरूरी है।

4. तनाव और नींद की कमी

लगातार मानसिक तनाव शरीर में कॉर्टिसोल हार्मोन को बढ़ाता है, जो फैट मेटाबॉलिज्म को प्रभावित करता है। इससे शरीर में फैट जमा होने की प्रक्रिया तेज हो जाती है। वहीं, 6 घंटे से कम नींद लेने से लिवर और शरीर का रिपेयर सिस्टम सही तरीके से काम नहीं करता। इसका सीधा असर कोलेस्ट्रॉल बैलेंस पर पड़ता है और LDL बढ़ने लगता है। अच्छी नींद और मेडिटेशन इस समस्या को काफी हद तक नियंत्रित कर सकते हैं।

छिपी हुई शुगर और प्रोसेस्ड फूड

आजकल बाजार में मिलने वाले कई "हेल्दी" पैकेज्ड फूड में छिपी हुई शुगर, प्रिज़र्वेटिव और एडिटिव्स होते हैं। ये चीजें लिवर पर दबाव डालती हैं और ट्राइग्लिसराइड्स के साथ-साथ LDL को भी बढ़ाती हैं। फ्रूट जूस, एनर्जी ड्रिंक्स, प्रोटीन बार और इंस्टेंट स्नैक्स अक्सर हेल्दी दिखते हैं लेकिन लंबे समय में नुकसान पहुंचाते हैं। असली हेल्दी डाइट वही है जो कम प्रोसेस्ड और प्राकृतिक हो।

बरसात में वायरल और संक्रमण से बचने के टिप्स

मानसून के दिनों में वायरल संक्रमण, सर्दी-जुकाम, डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड और पेट से जुड़ी समस्याएं तेजी से फैलने लगती हैं। ऐसे में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी को अपनी सेहत का विशेष ध्यान रखने की जरूरत होती है।

बारिश के मौसम में खानपान, साफ-सफाई और रोजमर्रा की कुछ आदतों में बदलाव करके कई बीमारियों से बचा जा सकता है। समय रहते अपनाई गई सावधानियां आपको और आपके परिवार को स्वस्थ रखने में मदद करती हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ भी मानसून के दौरान स्वच्छता बनाए रखने, सुरक्षित भोजन करने और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत रखने की सलाह देते हैं। आइए इस लेख में जानते हैं बारिश के मौसम में स्वस्थ रहने के आसान हेल्थ टिप्स और किन बातों का ध्यान रखकर आप मौसमी बीमारियों से खुद को सुरक्षित रख सकते हैं।

हमेशा साफ और उबला हुआ पानी पिएं

बारिश के मौसम में पानी दूषित होने का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए उबला हुआ या फिल्टर किया हुआ पानी ही पिएं, ताकि पेट से जुड़ी बीमारियों से बचाव हो सके।

बाहर का खुला और कटा हुआ खाना न खाएं

स्ट्रीट फूड, कटे फल और लंबे समय से खुले में रखे खाद्य पदार्थ संक्रमण का कारण बन सकते हैं। घर का ताजा और गर्म भोजन सबसे सुरक्षित होता है।

हाथों की साफ-सफाई का रखें विशेष ध्यान

खाना खाने से पहले, टॉयलेट के बाद और बाहर से घर आने पर साबुन से कम से कम 20 सेकंड तक हाथ जरूर धोएं।

मच्छरों से बचाव करें

घर के आसपास पानी जमा न होने दें। मच्छरदानी, मच्छर भगाने वाली क्रीम या स्प्रे का इस्तेमाल करें और पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े

पहनें।

इम्यूनिटी बढ़ाने वाले खाद्य पदार्थ खाएं

मौसमी फल, हरी सब्जियां, दालें, दही (यदि स्वास्थ्य के अनुसार उपयुक्त हो) और विटामिन-सी से भरपूर चीजों को अपनी डाइट में शामिल करें।

बारिश में भीगने के बाद तुरंत कपड़े बदलें

गीले कपड़े लंबे समय तक पहनने से सर्दी-जुकाम, फंगल इंफेक्शन और त्वचा संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। घर पहुंचते ही सूखे कपड़े पहनें।

घर और आसपास सफाई बनाए रखें

नमी के कारण बैक्टीरिया और फंगस तेजी से बढ़ते हैं। घर को साफ और सूखा रखें तथा कूड़ा-कचरा जमा न होने दें।

पर्याप्त नींद लें और नियमित व्यायाम करें

रोजाना 7-8 घंटे की नींद और हल्का व्यायाम शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने में मदद करता है।

गीले जूते और मोजे पहनने से बचें

लंबे समय तक गीले जूते या मोजे पहनने से पैरों में फंगल इंफेक्शन और बदबू की समस्या हो सकती है। हमेशा सूखे और साफ फुटवियर पहनें।

बीमारी के लक्षण दिखें तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें

अगर तेज बुखार, लगातार खांसी, उल्टी, दस्त, शरीर में तेज दर्द या कमजोरी महसूस हो तो खुद दवा लेने के बजाय डॉक्टर की सलाह लें। समय पर इलाज गंभीर समस्याओं से बचा सकता है।

पीरियड्स के दौरान सही खानपान क्यों है जरूरी?

मासिक धर्म (पीरियड्स) महिलाओं के जीवन का एक सामान्य लेकिन संवेदनशील हिस्सा है। इस दौरान शरीर में हार्मोनल बदलाव तेजी से होते हैं, जिससे पेट दर्द, थकान, कमजोरी, मूड स्विंग्स और ब्लोटिंग जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे समय में सही खानपान न केवल इन परेशानियों को कम करने में मदद करता है, बल्कि शरीर को जरूरी पोषण भी देता है।

कई महिलाएं पीरियड्स के दौरान अपनी डाइट पर ध्यान नहीं देतीं और जंक फूड या ज्यादा मीठी चीजों का सेवन कर लेती हैं, जिससे समस्या और बढ़ सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस दौरान आयरन, कैल्शियम, प्रोटीन, फाइबर और पर्याप्त पानी का सेवन बेहद जरूरी होता है।

संतुलित और पौष्टिक आहार शरीर में ऊर्जा बनाए रखने, खून की कमी से बचाने और हार्मोन को संतुलित रखने में मदद करता है। आइए जानते हैं कि पीरियड्स के दौरान महिलाओं की डाइट कैसी होनी चाहिए और किन चीजों को खाना या खाने से बचना बेहतर माना जाता है।

आयरन से भरपूर चीजें खाएं

पीरियड्स के दौरान ब्लीडिंग होने से शरीर में आयरन की कमी होने का खतरा बढ़ जाता है।

यदि इस कमी को समय रहते पूरा नहीं किया जाए, तो थकान, चक्कर आना, कमजोरी और हीमोग्लोबिन कम होने जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

डाइट में पालक, मेथी, सरसों का साग, चुकंदर, अनार, किशमिश, खजूर, गुड़, राजमा, चना और मसूर की दाल जैसी आयरन युक्त चीजों को शामिल करें।

आयरन का अवशोषण बेहतर बनाने के लिए इन खाद्य पदार्थों के साथ विटामिन-सी से भरपूर चीजें, जैसे संतरा, आंवला या नींबू का सेवन भी करें।

प्रोटीन को डाइट में शामिल करें

पीरियड्स के दौरान शरीर को अतिरिक्त ऊर्जा और पोषण की जरूरत होती है।

प्रोटीन मांसपेशियों की मरम्मत, हार्मोन संतुलन और शरीर की रिकवरी में अहम भूमिका निभाता है।

अंडा, पनीर, दही, दूध, दालें, सोयाबीन, टोफू, चिकन और मछली जैसे प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ लंबे समय तक पेट भरा रखते हैं।

इससे थकान कम महसूस होती है और शरीर पूरे दिन अधिक सक्रिय रहता है।

पर्याप्त पानी और तरल पदार्थ लें

पीरियड्स के दौरान शरीर में पानी की कमी, ब्लोटिंग और सिरदर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से शरीर हाइड्रेट रहता है और पेट फूलने की समस्या भी कम हो सकती है।

दिनभर में कम से कम 2.5 से 3 लीटर पानी पीने की कोशिश करें।

नारियल पानी, छाछ, नींबू पानी, सूप और हर्बल टी जैसे हेल्दी ड्रिंक्स शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन बनाए रखने में मदद करते हैं।

कैफीन और अधिक चीनी वाले पेय पदार्थों का सेवन सीमित रखें।

फल और फाइबर वाली चीजें खाएं

पीरियड्स के दौरान हार्मोनल बदलाव की वजह से कई महिलाओं को कब्ज, गैस और पाचन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

ऐसे में फाइबर से भरपूर खाद्य पदार्थ पाचन को बेहतर बनाए रखते हैं। केला, सेब, संतरा, पपीता, बेरीज और मौसमी फल शरीर को विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट प्रदान करते हैं।

ओट्स, ब्राउन राइस, साबुत अनाज और हरी पत्तेदार सब्जियां फाइबर का अच्छा स्त्रोत हैं।

ये शरीर को ऊर्जा देने के साथ-साथ पेट को लंबे समय तक भरा हुआ भी महसूस कराते हैं।

इन चीजों से दूरी बनाएं

पीरियड्स के दौरान कुछ खाद्य पदार्थ आपकी परेशानी बढ़ा सकते हैं। ज्यादा नमक खाने से शरीर में पानी रुकने लगता है, जिससे ब्लोटिंग बढ़ सकती है।

तली-भुनी चीजें, फास्ट फूड और पैकेज्ड स्नैक्स में मौजूद ट्रांस फैट सूजन और पेट दर्द को बढ़ा सकते हैं।

अधिक चीनी वाली मिठाइयां और कोल्ड ड्रिंक्स ब्लड शुगर को तेजी से बढ़ाकर मूड स्विंग्स और थकान की समस्या पैदा कर सकती हैं।

बहुत ज्यादा चाय, कॉफी या अन्य कैफीन युक्त पेय लेने से बेचैनी और ऐंठन बढ़ सकती है।

क्या कृति सेनन का कबीर बहिया से हो गया ब्रेकअप?

एक तस्वीर से एक्ट्रेस ने कर दी अफवाहें फैलाने वालों की बोलती बंद

बॉलीवुड की ग्लैमरस एक्ट्रेस कृति सेनन इन दिनों अपनी फिल्म 'कॉकटेल' को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म में उनका अंदाज और ड्रेसिंग स्टाइल काफी पसंद किया, लेकिन अब एक्ट्रेस अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में आ गई हैं। हाल ही में चर्चाएं शुरू हुई थीं कि एक्ट्रेस का ब्रेकअप हो गया है। बिजनेसमैन कबीर बहिया संग उनके रिश्ते को लेकर पिछले काफी समय से कयास लगाए जा रहे हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर कबीर की एक दूसरी महिला के साथ तस्वीर वायरल होने के बाद दोनों के ब्रेकअप की अफवाहें उड़ने लगी थीं। हालांकि कृति ने इन सभी अटकलों को सिरे से खारिज करते हुए कबीर के साथ एक बेहद करीबी और रोमांटिक तस्वीर साझा की है। इसके साथ ही एक हालिया इंटरव्यू में उन्होंने अपने इस चर्चित रिश्ते पर पहली बार खुलकर बात भी की। एक्ट्रेस ने साफ कर दिया कि अफवाहें उड़ाने वाले सिर्फ कयास लगाते रहेंगे, लेकिन इससे उनके रिश्ते पर कोई असर नहीं पड़ रहा है।

'हाफ इयरली डंप' में दिखी कबीर संग नजदीकी

कृति सैनन ने इंस्टाग्राम पर पिछले छह महीनों की अपनी कुछ अनदेखी यादों का एक हाफ इयरली डंप शेयर किया। इस पोस्ट में उनकी जिंदगी के कई खूबसूरत पल कैद थे, जैसे उनकी पेट डॉग के साथ यात्राएं, 'कॉकटेल 2' की सह-कलाकार रश्मिका मंदाना के साथ गले मिलने की तस्वीर और बहन नुपुर सैनन के साथ बर्फबारी का लुत्फ उठाना। इन सबमें जिस तस्वीर ने सबसे ज्यादा ध्यान खींचा, उसमें कृति और कबीर बहिया एक लाइव परफॉर्मेंस का आनंद लेते हुए एक-दूसरे को बाहों में थामे नजर आ रहे हैं। जहां कबीर आइवरी कढ़ाईदार शेरवानी में सजे हैं, वहीं कृति ने काले रंग की हुडी पहनी हुई है, जिस पर लिखा है कि इमोशनली इनवेस्टेड, फाइनेंशियली ब्रोक। कृति ने इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'हाफ इयरली डंप! कुछ पल जो कभी इंस्टाग्राम पर नहीं आ सके.. और कुछ कभी आएंगे भी नहीं..।'

कबीर बहिया की किसी दूसरी महिला के साथ फोटो सामने आई थी, जिसके बाद इंटरनेट पर यह चर्चा शुरू हो गई कि कृति और कबीर का ब्रेकअप हो गया है। मगर कृति ने अपनी ताजा पोस्ट से इन दावों पर पानी फेर दिया। इस बीच कबीर के करीबी एक सूत्र ने 'द टाइम्स ऑफ इंडिया' को बताया कि वायरल तस्वीर को पूरी तरह से गलत समझा गया है। सूत्र के मुताबिक, 'इंटरनेट पर कबीर के साथ दिख रही लड़की उनकी पारिवारिक मित्र है, जिसे वह अपनी बहन की तरह मानते हैं। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि लोग कितनी जल्दी बिना सोचे-समझे किसी भी बात पर निष्कर्ष निकाल लेते हैं और झूठी कहानियां फैलाने लगते हैं।'

कबीर संग रिश्ते पर क्या बोलीं कृति?

एक इंटरव्यू के दौरान कृति से उनके कथित रिलेशनशिप और बहन नुपुर सैनन की गायक स्टेबिन बेन के साथ हुई शादी में कबीर की मौजूदगी को लेकर सवाल किया गया। कृति ने अपनी पर्सनल लाइफ पर कोई भी सीधा जवाब न देते हुए साफ किया कि वह अपनी निजी जिंदगी को निजी ही रखना पसंद करती हैं। अभिनेत्री ने कहा, 'जब तक मेरी शादी नहीं हो जाती, मैं अपनी निजी जिंदगी के बारे में कोई बात नहीं करना चाहूंगी। जिस दिन मेरी शादी होगी, मैं खुद इस पर बात करूंगी। कुछ चीजें सिर्फ मेरे, मेरे करीबी लोगों और हमारे बीच के लिए ही होती हैं।' जब इंटरव्यूअर ने शादी में नजर आए उस खास दोस्त का दोबारा जिक्र किया तो कृति ने मुस्कुराते हुए कहा, 'मैं किसी भी बात को न तो स्वीकार करूंगी और न ही इससे इनकार करूंगी।'

बॉक्स ऑफिस पर 'कॉकटेल 2' का धमाल

वर्क फ्रंट की बात करें तो कृति सैनन की हालिया रिलीज फिल्म 'कॉकटेल 2' इस समय सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन कर रही है। फिल्म ने अब तक भारत में 103.50 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन और 86.80 करोड़ का नेट कलेक्शन कर लिया है। क्रिटिक्स की मिली-जुली प्रतिक्रिया के बावजूद होमी अदजानिया के निर्देशन में बनी यह फिल्म साल 2026 की पांचवीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बन चुकी है। इस फिल्म में कृति के साथ शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

'मैं उर्फी जावेद हूं, रीता भारद्वाज नहीं'

मुस्लिम से हिंदू ब्राह्मण बनने पर टीवी एक्ट्रेस का दो टूक जवाब- सारी अफवाहें बकवास!

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे उन दावों पर अभिनेत्री और सोशल मीडिया स्टार उर्फी जावेद ने प्रतिक्रिया दी है, जिनमें कहा जा रहा था कि उन्होंने हिंदू धर्म अपना लिया है और अपना नाम बदलकर 'रीता भारद्वाज' रख लिया है.

उर्फी जावेद ने क्या सच में धर्म परिवर्तन किया है?

टीवी एक्ट्रेस और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर उर्फी जावेद को लेकर पिछले कुछ दिनों से कई तरह के दावे वायरल हो रहे थे जिसमें कहा गया कि उर्फी ने इस्लाम धर्म छोड़कर मुस्लिम धर्म अपना लिया है. अब उनका नया नाम 'रीता भारद्वाज' है. इस तरह की खबरें फैलने के बाद अब खुद उर्फी ने सामने आकर इन अफवाहों का खंडन किया है.

'ये पूरी तरह फर्जी खबर है'

उर्फी जावेद ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए साफ किया कि उन्होंने न तो अपना धर्म बदला है और न ही अपना नाम. उन्होंने वायरल पोस्ट्स का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए लिखा कि यह पूरी तरह फर्जी खबर है और लोग बिना किसी सच्चाई के ऐसी बातें फैला रहे हैं. उर्फी ने लोगों से अपील की कि किसी भी खबर पर भरोसा करने से पहले उसकी पुष्टि जरूर करें.

सोशल मीडिया पर तेजी से फैली थी अफवाह

दरअसल, सोशल मीडिया के कई प्लेटफॉर्म्स पर ऐसे पोस्ट वायरल हुए, जिनमें दावा किया गया कि उर्फी ने हिंदू धर्म अपनाकर अपना नाम रीता भारद्वाज रख लिया है. हालांकि इन दावों को लेकर कोई आधिकारिक दस्तावेज सामने नहीं आए. बाद में एक्ट्रेस के इस बयान ने इन अफवाहों के निराधार साबित कर दिया.

उर्फी जावेद अपने अनोखे फैशन सेंस और बेबाक बयानों की वजह से अक्सर सुर्खियों में रहती हैं. सोशल मीडिया पर उनकी अच्छी-खासी फैन फॉलोइंग है और उनसे जुड़ी खबरें तेजी से वायरल हो जाती हैं. हालांकि, कई बार उनके नाम पर फर्जी दावे और एडिटेड पोस्ट्स भी वायरल होते रहते हैं, जिनका उन्हें खुद सामने आकर जवाब देना पड़ता है. उर्फी के बयान के बाद कई फैंस ने उनका समर्थन किया और फर्जी खबरें फैलाने वालों की आलोचना की. वहीं कुछ यूजर्स ने सोशल मीडिया पर बिना पुष्टि के वायरल होने वाली खबरों पर चिंता भी जताई।

मशहूर थिएटर और फिल्म निर्देशक विजया मेहता का निधन

पीएम मोदी बोले- सिनेमा की महान हस्तियों में हमेशा याद की जाएंगी

भारतीय रंगमंच और सिनेमा की दिग्गज हस्ती विजया मेहता के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी , केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार सहित कई नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके योगदान को याद किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शोक व्यक्त करते हुए लिखा कि विजया मेहता भारतीय संस्कृति और सिनेमा की सबसे महान हस्तियों में हमेशा याद की जाएंगी। आधुनिक मराठी रंगमंच की अग्रणी हस्ती के रूप में विजया मेहता अपनी रचनात्मकता और कला के प्रति समर्पण के लिए जानी जाती थीं। उनके काम ने कई पीढ़ियों के कलाकारों, निर्देशकों

और रंगमंच प्रेमियों को प्रेरित किया। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, प्रशंसकों और पूरे कला जगत के साथ हैं।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भी उनके निधन पर गहरा दुख जताया। उन्होंने 'एक्स' पोस्ट के जरिए कहा कि विजया मेहता ने अपने नाटकों और फिल्मों के माध्यम से मराठी रंगमंच और सिनेमा को अमूल्य योगदान दिया। उनके नाटकों ने मराठी थिएटर में एक नई क्रांति लाई और अनेक महान कलाकारों को आगे बढ़ने का अवसर दिया। उनका निधन मराठी रंगमंच और फिल्म जगत के लिए अपूरणीय क्षति है।

फडणवीस ने जताया शोक

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 'एक्स' पोस्ट के जरिए कहा कि विजया मेहता के निधन की खबर बेहद दुखद है। उन्होंने अभिनय से अपनी पहचान बनाई और बाद में कई यादगार नाटकों का निर्देशन किया।

उन्होंने अनेक प्रतिभाशाली रंगकर्मियों को तैयार किया और फिल्मों में निभाए गए उनके किरदार भी हमेशा याद किए जाएंगे। उनके निधन के साथ एक पूरा कलात्मक दौर इतिहास के पर्दे के पीछे चला गया। वहीं, डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार ने 'एक्स' पोस्ट में कहा कि विजया मेहता को दी श्रद्धांजलि।

सच में रिलीज होते ही फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' कमाने लगी मुनाफा

'वेलकम टू द जंगल' को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 6 दिन हो गए हैं। फिल्म दर्शकों को पसंद आ रही है, यही वजह है कि एक हफ्ते के भीतर ही फिल्म ने 100 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर ली है। अब सवाल आता है कि फिल्म का असल बजट क्या है, क्या फिल्म मुनाफा कमा रही है, जानने के लिए नीचे स्क्रोल करें।

अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ और दिशा पाटनी जैसे 30 से अधिक दिग्गज कलाकारों से सजी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' इन दिनों सिनेमाघरों में धमाल मचा रही है। फिल्म को लेकर बाजार में कई तरह की अफवाहें थीं, जिनमें सबसे बड़ी चर्चा इसके भारी-भरकम बजट को लेकर थी। कयास लगाए जा रहे थे कि इस मल्टीस्टारर फिल्म का बजट 300 करोड़ रुपये के आसपास है। IMDb पर भी 200-300 करोड़ के बीच बजट दर्ज किया गया, लेकिन अब फिल्म के निर्देशक अहमद खान ने खुद सामने आकर इस बजट का असली सच उजागर कर दिया है, जो बेहद चौंकाने वाला है। उन्होंने साफ किया कि फिल्म का बजट किए जा रहे दावों के आधे से भी कम है।

300 करोड़ नहीं, महज इतने बजट में बनी फिल्म

निर्देशक अहमद खान ने टाइम्स नाओ के दिए एक हालिया इंटरव्यू में बजट की तमाम अफवाहों पर विराम लगाते हुए बताया कि फिल्म का बजट उतना बड़ा नहीं है जितना लोग सोच रहे हैं। अहमद खान के मुताबिक, 'पूरी स्टारकास्ट, एक्शन सीक्वेंस, गानों और यहां तक कि ब्याज के पैसों को भी जोड़ लिया जाए तो 'वेलकम टू द जंगल' का कुल बजट 115 करोड़ से 125 करोड़ के बीच ही रहा है।' फिल्म की मेकिंग को लेकर उन्होंने एक और दिलचस्प खुलासा किया। अहमद ने बताया कि इस पूरी फिल्म की शूटिंग महज 75 शिफ्ट्स में पूरी कर ली गई थी। हर शिफ्ट सिर्फ 8 घंटे की होती थी, जिसमें से

लंच और अन्य ब्रेक हटाकर वे रोजाना केवल 6 से 6.5 घंटे ही शूटिंग करते थे। इतने कम समय में इतनी बड़ी फिल्म को समेटना वाकई तारीफ के काबिल है।

अक्षय कुमार की इस खास डील ने बचाए करोड़ों रुपये

इस फिल्म के बजट को इतना नियंत्रित रखने के पीछे सबसे बड़ा हाथ खिलाड़ी कुमार यानी अक्षय कुमार का है। अमूमन फिल्मों के लिए भारी-भरकम फीस लेने वाले अक्षय ने इस फिल्म के लिए अपनी रणनीति बदल दी। रिपोर्ट्स के मुताबिक अक्षय कुमार ने फिल्म के लिए शुरुआत में एक भी रुपया फीस नहीं ली। इसके बजाय उन्होंने मेकर्स के साथ प्रॉफिट-शेयरिंग मॉडल पर काम किया। वहीं फिल्म की रिलीज से पहले हुए इवेंट में अक्षय कुमार से सवाल किया गया था कि क्या उन्होंने 1.7 करोड़ रुपये इस फिल्म के लिए फीस ली है, जिसके जवाब ने अक्षय कुमार ने साफ कहा कि उनकी कमाई इससे भी कम थी। उन्होंने फिल्म के लिए बहुत कम पैसे लिए हैं। अक्षय ने कहा, 'जो आपने कहा मैंने उतना भी नहीं है, मैंने बहुत कम चार्ज किया है। इस फिल्म की कहानी नीरज वोहरा ने लिखी है, मैंने नीरज वोहरा, प्रियदर्शन और नीरज वोहरा से बहुत कुछ सीखा है, ये कहानी मेरे दिल के बहुत करीब थी। नीरज से मैंने बहुत कुछ सीखा है, ये कहानी उसकी ही थी, साथ में फिरजो नाडियडवाला है, जिसे मैं 36 सालों से जानता हूं, मैं उसके पास स्ट्रगलिंग करता था।'

क्या रहा प्रोडक्शन का कुल खर्चा?

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार अक्षय के इस कदम से फिल्म की शुरुआती लागत बहुत कम हो गई। अगर फिल्म के बजट के बंटवारे को समझें तो शूटिंग और प्रोडक्शन लागत लगभग 60 करोड़ रही। बाकी स्टारकास्ट की फीस 35 करोड़ में निपट गई। निर्देशक और टेक्निकल टीम का खर्च सिर्फ 15 करोड़ के आसपास रहा। प्रिंट और पब्लिसिटी, यानी प्रमोशन का खर्च 15 करोड़ बताया गया। इस तरह पूरी फिल्म का गणित 125 करोड़ पर आकर रुक गया। अक्षय अब फिल्म की पूरी लागत वसूल होने के बाद होने वाले शुद्ध मुनाफे में से अपना हिस्सा लेंगे।

रिलीज होते ही कैसे मुनाफे में आ गई फिल्म?

ट्रेड ट्रैकर के आंकड़ों के अनुसार फिल्म ने रिलीज के कुछ ही दिनों के भीतर दुनिया भर में 120 करोड़ ग्रॉस कलेक्शन का आंकड़ा पार कर लिया है और यह तेजी से आगे बढ़ रही है, लेकिन फिल्म के मुनाफे की कहानी सिर्फ बॉक्स ऑफिस तक सीमित नहीं है। अहमद खान ने खुलासा किया कि फिल्म की रिलीज से पहले ही इसके डिजिटल राइट्स, सैटेलाइट राइट्स और म्यूजिक राइट्स को करीब 120 करोड़ में बेच दिया गया था। इसका सीधा मतलब यह है कि मेकर्स अपनी लागत का एक बहुत बड़ा हिस्सा रिलीज से पहले ही सुरक्षित कर चुके थे। अब बॉक्स ऑफिस से होने वाली हर कमाई सीधे मेकर्स की जेब में जा रही है और फिल्म पूरी तरह से मुनाफे के ट्रैक पर दौड़ रही है।

कोर्ट पहुंचा 'काला हिरण' का विवाद

सलमान खान की याचिका पर टली सुनवाई

सलमान खान और फिल्म 'काला हिरण' के बीच जारी विवाद अब कोर्ट तक खिंच गया है। इस मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने फिलहाल सुनवाई को सोमवार तक के लिए टाल दिया है। जानिए केस को लेकर क्या है नया अपडेट।

मेकर्स ने दिया आश्वासन

शुक्रवार को हुई सुनवाई के दौरान फिल्म के मेकर्स ने कोर्ट को भरोसा दिलाया कि सोमवार तक न तो फिल्म रिलीज की जाएगी और न ही इसका ट्रेलर लॉन्च किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वे तब तक फिल्म को सेंसर बोर्ड के पास सर्टिफिकेशन के लिए भी नहीं भेजेंगे। मेकर्स के वकील ने कोर्ट को बताया कि अभी तक फिल्म का सिर्फ टीजर रिलीज हुआ है और फिल्म अभी रिलीज नहीं हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि सलमान खान की याचिका पर वे जल्द ही अपना पूरा जवाब दाखिल करेंगे।

सोमवार को होगी अगली सुनवाई

जस्टिस ज्योति सिंह ने कहा कि अगर मेकर्स को पूरा भरोसा है कि फिल्म अभी रिलीज नहीं होगी, तो उन्हें इसे आधिकारिक रूप से रिकॉर्ड पर रखना चाहिए। इसके बाद मेकर्स ने साफ तौर पर कोर्ट को आश्वासन दिया कि सोमवार तक फिल्म को CBFC के पास नहीं भेजा जाएगा। कोर्ट ने इस बयान को रिकॉर्ड में दर्ज कर लिया और अगली सुनवाई सोमवार के लिए तय कर दी।

सलमान के वकील का बयान

इससे पहले सलमान खान के वकील ने दलील दी थी कि मेकर्स को साफ तौर पर यह कहना चाहिए कि फिल्म रिलीज नहीं होगी। उन्होंने कहा कि यह मामला सलमान खान के 'पर्सनैलिटी राइट्स' के उल्लंघन से जुड़ा है और इसके लिए अंतरिम राहत की मांग की गई है। फिलहाल कोर्ट ने मेकर्स के आश्वासन को स्वीकार कर लिया है। अब इस मामले में अगली सुनवाई सोमवार को होगी, जहां विवाद से जुड़ी और जानकारी सामने आ सकती है।

'अल्फा' की रिलीज से पहले आलिया भट्ट ने शेयर किया वर्कआउट वीडियो, सेलेब्स ने किए कमेंट

आलिया भट्ट की अदाकारी वाली फिल्म 'अल्फा' जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इससे पहले आलिया भट्ट ने सोशल मीडिया पर अपना एक वीडियो शेयर किया है, जो फैंस का ध्यान खींच रहा है। वीडियो में आलिया भट्ट फैंस को उस ट्रेनिंग की झलक दिखा रही हैं जिसने उन्हें अपने करियर के सबसे मुश्किल रोल में ढलने में मदद की। आलिया भट्ट ने इंस्टाग्राम पर अपने जबरदस्त मॉर्निंग वर्कआउट का एक वीडियो शेयर किया है। इसमें देखा जा सकता है कि उन्होंने काले रंग का ड्रेस पहना है। इस पर अल्फा लिखा है। आलिया भट्ट कई तरह के वर्कआउट कर रही हैं। उन्होंने वीडियो के कैप्शन में लिखा 'अल्फा के दौरान सुबह का रूटीन। जोश और गुस्से के साथ।'

आलिया भट्ट का वर्क आउट फैंस को बहुत पसंद आया है। उन्होंने आलिया भट्ट की काफी तारीफ की है। अभिनेत्री नेहा मलिक ने लिखा 'फेवरेट'। विनीत कुमार सिंह ने कमेंट बॉक्स में दिल और फायर वाला इमोजी बनाया है। एक और यूजर ने लिखा 'अल्फा को रिलीज होने में 2 दिन बचे हैं।' एक और यूजर ने लिखा 'वह अपने काम को लेकर बहुत गंभीर' हैं।

ख्याल रहे कि फिल्म 'अल्फा' 3 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में आलिया के अलावा शरवरी वाघ, अनिल कपूर और बॉबी देओल अहम किरदारों में हैं। 'अल्फा' यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की अगली फिल्म है।

विधायक की कंपनी पर स्टाम्प ड्यूटी चोरी का आरोप

यश लॉजिस्टिक्स ने जमीनों की वास्तविक स्थिति छिपाकर किया नुकसान, लगेगा ब्याज और जुर्माना

कटनी, 1 जुलाई (एजेंसियां)। कटनी के कलेक्टर ऑफ स्टाम्प ने विधायक संजय सत्येंद्र पाठक की पारिवारिक कंपनी यश लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड और पांच भू-स्वामियों से करोड़ों रुपए की स्टाम्प ड्यूटी और पंजीयन शुल्क वसूलने के आदेश दिए हैं।

कोर्ट ने यह फैसला जमीनों की रजिस्ट्री के दौरान उनकी वास्तविक स्थिति छिपाकर राजस्व को नुकसान पहुंचाने के मामले में सुनाया है। इसके तहत पेनल्टी और 1 प्रतिशत मासिक ब्याज के साथ वसूली की जाएगी।

एनएच-7 से लगी जमीनों को अंदरूनी दिखाया

कलेक्टर ऑफ स्टाम्प के पीठासीन अधिकारी पंकज कोरी ने 29 जून 2026 को यह आदेश पारित किया। जांच में सामने आया कि एनएच-7 (मिर्जापुर रोड) और मुख्य मार्गों से लगी करोड़ों रुपए की जमीनों को दस्तावेजों में अंदरूनी क्षेत्र का दर्शाया गया था। इस हेराफेरी के जरिए सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाया गया।

विधायक संजय सत्येंद्र पाठक

इस गड़बड़ी का खुलासा कटनी के एमआईजी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी नाजिम खान की शिकायत के बाद हुआ। उन्होंने भारतीय स्टाम्प अधिनियम की धारा 48-ख के तहत न्यायालय में शिकायत दर्ज कराई थी।

शिकायत के मुताबिक, क्रेता कंपनी के अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता हर्ष कपूर ने भू-स्वामियों के साथ मिलकर वर्ष 2018 और 2019 की रजिस्ट्री दस्तावेजों में जानबूझकर हेराफेरी की थी।

सुनवाई के दौरान न्यायालय ने क्रेता पक्ष के हर्ष कपूर को स्पीड पोस्ट से नोटिस भेजे थे, लेकिन उन्होंने जानबूझकर इन्हें लेने से इनकार कर दिया। इसके बाद अदालत ने मामले में एकपक्षीय कार्यवाही शुरू की। संयुक्त उप पंजीयक द्वारा किए गए गोपनीय निरीक्षण में शिकायतकर्ता के सभी आरोप सही पाए गए।

न्यायालय ने मौजा झिंझरी स्थित खसरा नंबर 292 के 5 मामलों की सुनवाई की, जिनमें से 4 में बड़ी गड़बड़ी मिली। सुनील कुमार सहजवानी और जसवंत कुमार मोहनानी की जमीनों को बेचते समय एनएच-7 की स्थिति छुपाई गई।

नानकराम भोजवानी के मामले में मुख्य मार्ग के साथ-साथ मौके पर मौजूद 3500 वर्ग फीट के टिनशेड की जानकारी भी छिपाई गई थी। अनिल टहलरमानी की जमीन को भी अंदर दर्शाकर टैक्स चोरी की गई।

अदालत ने आदेश दिया है कि केवल मूल राशि की वसूली नहीं होगी। जमीन दस्तावेज निष्पादन की तारीख (वर्ष 2018) से पूरी बकाया राशि पर 1 प्रतिशत प्रति माह की दर से पेनल्टी और 1 प्रतिशत मासिक ब्याज भी देना होगा। एक अन्य विक्रेता विजय कुमार टहलरमानी का मामला सही पाया गया, जिस पर कोई कर नहीं लगाया गया है।

कोडरमा और जामताड़ा में झमाझम बारिश

झारखंड के 16 जिलों में तेज हवा के साथ भारी बारिश का अलर्ट, वज्रपात की भी चेतावनी

रांची, 1 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी रांची समेत झारखंड के अधिकांश जिलों में आज मानसून पूरी तरह सक्रिय रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार राज्य के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ जगहों पर तेज बारिश होने की संभावना है। रांची, खूंटी, सिमडेगा, गुमला, लोहरदगा सहित करीब 16 जिलों में आज अच्छी बारिश के आसार हैं। वहीं, बुधवार को कोडरमा, गिरिडीह और जामताड़ा में तेज बारिश दर्ज की गई। इसकी वजह से कई क्षेत्रों में जलजमाव की समस्या बन गई। वहीं, जमशेदपुर, बोकारो, धनबाद, देवघर, पाकुड़ और साहिबगंज में मेघगर्जन के साथ 30 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। अचानक मौसम बदलने और तेज बारिश की चेतावनी को देखते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

उज्जैन समेत 7 जिलों में बारिश, सीहोर में बही बाइक

नदी-नाले उफान पर, घरों में घुसा पानी एमपी के 7 संभागों तक पहुंचा मानसून

भोपाल, 1 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में मानसून एक्टिव है। बुधवार को प्रदेश के उज्जैन, बालाघाट, कटनी, सीहोर, उमरिया, धार और मंडला समेत 7 जिलों में झमाझम बारिश हुई। लगातार हो रही बारिश से कई जगह नदी-नाले उफान पर आ गए, जबकि सड़कों पर पानी भर गया। कई इलाकों में बारिश का पानी घरों तक पहुंच गया।

मौसम विभाग के अनुसार, मानसून भोपाल और सागर संभाग को पूरी तरह कवर करते हुए आगे बढ़ चुका है। अब केवल उज्जैन, ग्वालियर और चंबल संभाग में मानसून की दस्तक बाकी है। विभाग का अनुमान है कि अगले एक से दो दिनों में मानसून पूरे मध्य प्रदेश को कवर कर लेगा।

इधर, गुरुवार के लिए मौसम विभाग ने बालाघाट और डिंडौरी में अति भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। वहीं देवास, हरदा, बैतूल, पांढुर्णा और छिंदवाड़ा में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। प्रशासन ने लोगों से नदी-

नालों और जलभराव वाले इलाकों से दूर रहने की अपील की है।

इससे पहले मंगलवार को हुई मूसलाधार बारिश ने सीहोर जिले के आष्टा में हालात बिगाड़ दिए थे। सड़कों पर पानी नदी की तरह बहने लगा। तेज बहाव में सड़क किनारे खड़ी बाइक तक बह गईं। घटना का वीडियो भी सामने आया है।

वहीं, अगर जून महीने की बात करें तो इस बार लगभग महीनेभर प्रदेश में आंधी और बारिश का सिलसिला जारी रहा। जून में कुल 88.2 मिमी (करीब 3.5 इंच) बारिश रिकॉर्ड की गई। हालांकि, यह सामान्य औसत 131.1 मिमी (करीब 5.1 इंच) से 33 प्रतिशत कम रही।

मौसम वैज्ञानिक डॉ. धर्मेंद्र अगासे ने 1 से 7 जुलाई तक बालाघाट जिले में भारी से अति भारी वर्षा का अलर्ट जारी किया है। साथ ही आकाशीय बिजली गिरने, आंधी-तूफान और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना जताई है।

शादी की जिद पर प्रेमी के घर पहुंची युवती

युवक शादी का भरोसा देकर फरार, इंस्टाग्राम पर हुई थी दोस्ती

गाजीपुर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। गाजीपुर में बिरनो थाना क्षेत्र के तिलेसड़ा गांव में प्रेम प्रसंग का एक मामला इस समय चर्चा का विषय बना हुआ है। एक युवती अपने कथित प्रेमी के घर पहुंच गई। वहां वह प्रेमी से शादी करने की जिद पर अड़ी थी। युवक उससे शादी का भरोसा तो दिया लेकिन उसे छोड़कर फरार हो गया। बताया जा रहा है कि कुछ साल पहले इंस्टाग्राम और फेसबुक के माध्यम दोनों जान पहचान हुई थी। इसके बाद दोनों के बीच बातचीत का सिलसिला शुरू हुआ। इसके बाद युवक का युवती के घर आना जाना भी होने लगा था।

कासिमाबाद थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली युवती का आरोप है कि तिलेसड़ा निवासीऋतिक राजभर से उसकी पहचान सोशल मीडिया के माध्यम से हुई थी। दोनों इंस्टाग्राम और फेसबुक के माध्यम से एक दूसरे से परिचित हुए। उसके बाद दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई। युवक का उसे घर आना-जाना भी होता था।

युवक लगातार उससे शादी करने का वादा करता रहा। युवक ने शादी करने के लिए उसे मऊ स्थित बनदेवी मंदिर भी बुलाया था। युवती कोर्ट मैरिज करने की बात की तो युवक उसे छोड़कर फरार हो गया। इसके बाद युवती युवक के घर पहुंच गई।

वहां शादी करने की मांग पर करती रही। घटना की जानकारी होते हुए गांव के लोगों और आसपास के भीड़ इकट्ठी हो गई। युवती के पहुंचने की सूचना मिलने से पहले युवक के घरवाले ताला लगाकर कहीं चले गए। अब इस पूरे घटनाक्रम पर लोगों की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं आ रही हैं।

इस संबंध में स्थानीय पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

बसपा के वनवास के 14 साल पूरे! मायावती के सामने अब 2 बड़ी चुनौती

यूपी चुनाव 2027 के लिए पूरी रणनीति

मेरठ, 1 जुलाई (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के सत्ता से वनवास को 2026 में 14 साल पूरे हो गए हैं। 2012 से बसपा सत्ता से बाहर है। ऐसे में बसपा सुप्रीमो की चाह है कि किसी तरह सत्ता का सूखा और सियासी वनवास का खात्मा हो जाए। इसके लिए वह लगातार संगठन में नए-नए प्रयोग कर रही हैं। साथ ही 2027 के चुनाव के लिए अभी से अपने कैंडिडेट घोषित करने की रणनीति तेज कर दी है। कैंडिडेट घोषित कर बसपा संदेश दे रही है कि वह चुनाव के मुख्य मुकाबले में है। यह दीगर बात है कि 2012 के बाद से बसपा आंकड़ों के लिहाज से लगातार कमजोर हो रही है। चार बार यूपी में सरकार बनाने वाली बसपा के पास यूपी में एक विधायक मात्र है। वेस्ट यूपी से तो किसी भी सदन में नुमाइंदी ही नहीं है।

दरअसल, बसपा पहली बार 1995, दूसरी बार 1997, तीसरी

बसपा सुप्रीमो मायावती

बार वर्ष 2002 में भाजपा गठबंधन के साथ प्रदेश में सरकार चला चुकी है। चौथी बार 2007 से 2012 तक पूर्ण बहुमत के साथ पांच साल तक सत्ता में रही। उसके बाद बसपा सत्ता को तरस गई। हालांकि, राजनीतिक जानकार मानते हैं कि पार्टी को पूरी तरह कमजोर मान लेना जल्दबाजी होगी। मायावती ने संगठन को पुनर्गठित करते हुए कई स्तरों पर बदलाव किए हैं। बूथ स्तर पर संगठन को लगाया है। बसपा का मुख्य फोकस अब अपने पारंपरिक जाटव वोट बैंक को मजबूत करने के साथ साथ गैर जाटव दलित वर्गों तक दोबारा पहुंच बनाने की कोशिश है। साथ ही 2007 की मुस्लिमों और ब्राह्मणों को जोड़ने का है।

बिजनौर जिले के नगीना से सांसद और आजाद समाज पार्टी के प्रमुख चंद्रशेखर आजाद दलित राजनीति में अपनी अलग और मजबूत पहचान स्थापित करने की कोशिश में जुटे हुए हैं। वह लगातार युवा दलित मतदाताओं के बीच अपनी पैठ बढ़ाने और संगठन को जमीनी स्तर पर विस्तार देने पर फोकस कर रहे हैं। राजनीतिक चुनौतियों के बीच भी चंद्रशेखर अपनी सियासी जमीन मजबूत करने की रणनीति पर आगे बढ़ रहे हैं और खुद को दलित राजनीति के एक वैकल्पिक नेतृत्व के रूप में स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं। मायावती और बसपा के दूसरे नेता जहां अपना दलित समाज से जुड़े मुद्दे पर भी सोशल मीडिया पर विरोध जताकर इतिश्री कर लेते है, तो वहीं चंद्रशेखर मौके पर जाकर संघर्ष करते दिखते हैं। उनका जुझारूपन दलितों खासकर युवाओं में पसंद किया जाता है, जो कमजोर बसपा के लिए चुनौती मना जा रहा है।

उत्तर प्रदेश में अनुसूचित जातियों की आबादी लगभग 21 प्रतिशत है। 150 से अधिक विधानसभा सीटों पर चुनावी परिणामों को सीधे प्रभावित करता है। 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी की सीटें 62 से घटकर 33 रह गईं, जबकि सपा 37 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। कांग्रेस ने भी 6 सीटें जीतकर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। 2024 में दलितो में बिखराव साफ दिखा था। दलितों ने बसपा से छिटकर सपा-कांग्रेस गठबंधन और भाजपा के पक्ष में वोट किया था। 2024 के परिणामों ने साफ कर दिया था कि दलित मतदाता किसी भी चुनावी समीकरण को बदलने की क्षमता रखते हैं। 1984 में बसपा की स्थापना हुई। 1993 में बसपा ने यूपी में 164 में से 67 प्रत्याशी जीते। मुलायम सिंह यादव और कांशीराम ने मिलकर सरकार बनाई। मुलायम सिंह यादव की सरकार गिरने पर 3 जून 1995 को मायावती यूपी की मुख्यमंत्री बनीं। 18 अक्टूबर 1995 तक 137 दिनों तक सीएम रहीं। 1996 में बसपा ने 296 सीटों पर प्रत्याशी उतारे, जिसमें से केवल 67 सीटों पर ही उम्मीदवार जीते। वोट प्रतिशत 19.64 रहा। 2002 में 98 विधायक जीते। वोट प्रतिशत 23.06 रहा। 2007 में 206 विधायक जीते और 30.43 फीसदी वोट मिले। पांच साल सरकार चली।

2012 में बसपा को 403 सीटों में से महज 80 विधानसभा सीटों पर जीत मिली। 2017 में सिर्फ 19 विधायक जीते। 2022 के विधानसभा चुनाव में सिर्फ एक विधायक जीता। वोट प्रतिशत 12.8% रह गया।

झींकपानी एसीसी सीमेंट प्लांट बंद करने का विरोध

18 किमी पैदल मार्च कर चाईबासा पहुंचे लोग, प्लांट बंद होने से हजारों परिवारों पर संकट

चाईबासा, 1 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के झींकपानी स्थित एसीसी सीमेंट वर्क्स को बंद किए जाने की आशंका के बीच बुधवार को बड़ा जनाक्रोश देखने को मिला। हजारों की संख्या में ग्रामीण, मजदूर और स्थानीय लोग सड़क पर उतर आए। करीब 18 किलोमीटर पैदल मार्च कर जिला मुख्यालय चाईबासा पहुंचे।

एसीसी बचाव संघर्ष समिति के बैनर तले आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में लोगों ने जमकर नारेबाजी की। नारों से पूरा शहर गूंजता रहा।

प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन उपायुक्त को सौंपा। संघर्ष समिति का कहना है कि करीब 80 वर्ष पुराना यह सीमेंट प्लांट केवल एक औद्योगिक इकाई नहीं, बल्कि पूरे इलाके की आर्थिक रीढ़ है।

कौन हैं बलिया के डीएम मंगला प्रसाद सिंह?

औचक निरीक्षण में 14 कर्मचारियों का वेतन काटने के दिए आदेश

बलिया, 1 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह एक बार फिर अपने सख्त प्रशासनिक रवैये को लेकर चर्चा में हैं। बुधवार को उन्होंने नगर पालिका परिषद कार्यालय का औचक निरीक्षण किया, जहां साफ-सफाई, रिकॉर्ड के रखरखाव और कर्मचारियों की उपस्थिति में गंभीर लापरवाही सामने आई। निरीक्षण के दौरान डीएम ने 14 कर्मचारियों को अनुपस्थित पाए जाने पर उनका एक दिन का वेतन काटने के आदेश दिए। इसके साथ ही अधिकारियों को व्यवस्था में तत्काल सुधार लाने की सख्त चेतावनी भी दी।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कर अनुभाग का निरीक्षण किया। नगर पालिका की संपत्तियों का रजिस्टर जर्जर हालत में मिलने पर उन्होंने संबंधित बड़े

बाबू को कड़ी फटकार लगाई और दो दिन के भीतर नगर पालिका की संपत्तियों की अद्यतन सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया की भी जानकारी ली।

कार्यालय में बायोमेट्रिक मशीन खराब मिलने पर डीएम ने संबंधित अधिकारी को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने एक सप्ताह के भीतर नई बायोमेट्रिक मशीन लगाने का आदेश देते हुए कहा कि सभी अधिकारी और कर्मचारी समय पर बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज करें और कार्यालय से निकलते समय भी उपस्थिति दर्ज करना सुनिश्चित करें।

उपस्थिति रजिस्टर की जांच में 14 कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। इस पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताते हुए सभी अनुपस्थित कर्मचारियों का एक दिन का वेतन काटने का आदेश दिया। उन्होंने कर्मचारियों को कार्यालय की साफ-सफाई, अभिलेखों के सुव्यवस्थित रखरखाव और समयबद्ध तरीके से कार्य करने के निर्देश दिए।

डीएम ने चेतावनी दी कि भविष्य के निरीक्षण में यदि कार्यालय में गंदगी मिली तो संबंधित कर्मचारियों का वेतन काटकर उसी राशि से सफाई कराई जाएगी। शहर में जगह-जगह कूड़ा जमा होने पर भी उन्होंने नाराजगी जताई और नगर पालिका अधिकारियों को तत्काल सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि यदि व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो शासन को कार्रवाई की संस्तुति भेजी जाएगी। मंगला प्रसाद सिंह उत्तर प्रदेश कैडर के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी हैं और वर्तमान में बलिया के जिलाधिकारी के रूप में कार्यरत हैं।

9 माह की मासूम को खेलते समय जहरीले सांप ने काटा, चली गई जान

परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

सोनभद्र, 1 जुलाई (एजेंसियां)। बभनी थाना क्षेत्र के संवरा गांव में बुधवार को सर्पदंश से नौ माह की मासूम की मौत हो गई। घर में चारपाई पर खेल रही बच्ची का हाथ दीवार के पास बने छेद तक पहुंच गया, जहां छिपे जहरीले कोबरा ने उसे डंस लिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। जानकारी के मुताबिक, संवरा गांव निवासी सोनू कुमार की नौ माह की पुत्री राखी घर में खेल रही थी। इसी दौरान उसका बायां हाथ चारपाई के नीचे चला गया। वहां दीवार के छेद में छिपे कोबरा ने उसके हाथ में डंस लिया। बच्ची के रोने पर परिजन दौड़कर पहुंचे। हाथ से खून निकलता देख उनकी नजर दीवार के छेद में बैठे सांप पर पड़ी तो सर्पदंश का पता चला।

हाईकोर्ट बोला- लिव-इन में रहकर शादी न करना रेप नहीं

सहमति भी देखनी होगी, महिलाएं आत्मनिर्भर फैसले खुद ले सकती हैं, महिला की अपील खारिज

बिलासपुर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। 'यदि दो बालिग लंबे समय तक आपसी सहमति से लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे हों, तो बाद में शादी नहीं होने मात्र से उसे रेप का मामला नहीं माना जा सकता।'

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने शादी का भरोसा देकर बनाए गए शारीरिक संबंध के एक मामले में यह टिप्पणी करते हुए फैसला सुनाया है। कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की तरफ से आरोपी को बरी किए जाने के फैसले को सही ठहराते हुए पीड़िता की अपील शुरुआती सुनवाई (एडमिशन स्टेज) में ही खारिज कर दिया।

हाईकोर्ट ने कहा कि रिकॉर्ड से स्पष्ट है कि दोनों के बीच लंबे समय तक सहमति से संबंध रहे और वे साथ भी रहे। ऐसे मामलों में केवल शादी से इनकार होने के आधार पर रेप का अपराध नहीं बनता। दरअसल, 40 साल की महिला ने 2019 में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) रायपुर में एमबीए में एडमिशन लिया था। इसी दौरान उसकी पहचान सहपाठी युवक से हुई। पढ़ाई के दौरान दोनों के बीच बातचीत बढ़ी।

महिला का आरोप था कि, 5 जुलाई 2019 को युवक ने ग्रुप स्टडी का बहाना बनाकर उसे अपने घर बुलाया, लेकिन वहां कोई दूसरा छात्र मौजूद नहीं था। उसने शादी का भरोसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद दोनों लंबे समय तक रिलेशनशिप में रहे।

महिला का कहना था कि, जब भी वह शादी की बात करती, वो टाल देता था। अगस्त 2021 में आरोपी ने फोन पर बताया कि महिला के तलाकशुदा होने और ईसाई समुदाय से होने के कारण उसके माता-पिता इस शादी के लिए तैयार नहीं हैं। इसके बावजूद वह शादी का भरोसा देता रहा। बाद में महिला ने पहले महिला आयोग और फिर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ चालान पेश किया। ट्रायल कोर्ट ने पाया कि दोनों बालिग थे और लंबे समय तक आपसी सहमति से संबंध में रहे। इसलिए आरोपी को बरी कर दिया। इस फैसले को महिला ने हाईकोर्ट में चुनौती दी। जस्टिस संजय एस अग्रवाल और जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास की डिवीजन बेंच ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि, वर्तमान के समय में कई महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हैं और अपने जीवन से जुड़े फैसले खुद लेने में सक्षम हैं।

भरत एनकाउंटर-हत्या के आरोपी एसडीपीओ राजेश शर्मा को नई जिम्मेदारी

मद्य निषेध का डीएसपी बनाया, 12 आईपीएस को नई जिम्मेदारी-53 डीएसपी का भी तबादला

राजेश कुमार शर्मा

भरत तिवारी

पटना, 1 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में 12 आईपीएस अफसरों को नई जिम्मेदारी मिली है। 53 डीएसपी का भी ट्रांसफर हुआ है। भरत तिवारी एनकाउंटर में नामजद तत्कालीन जगदीशपुर एसडीपीओ राजेश कुमार शर्मा को लाइन हाजिर के बाद उन्हें पुलिस उपाधीक्षक मद्यनिषेध एवं राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो,पटना में ट्रांसफर किया गया है।

भरत की मां के बयान के आधार पर पुलिस ने एसएचओ राजेश मालाकार, एसडीपीओ राजेश समेत कई पुलिस वालों पर हत्या का केस दर्ज किया था। परिवार लगातार दोषी पुलिस वालों की गिरफ्तारी की मांग कर रहा है।

12 आईपीएस अफसरों को मिली नई जिम्मेदारी

प्रीता वर्मा (आईपीएस, 1991 बैच) महानिदेशक-सह-अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम से स्थानांतरित कर महानिदेशक-सह-महासमादेष्टा, गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवाएं, बिहार बनाया गया है।

निर्मल कुमार आजाद (आईपीएस, 1994 बैच) पुलिस महानिदेशक (प्रशिक्षण) के पद से स्थानांतरित कर अतिरिक्त प्रभार के रूप में पुलिस महानिदेशक, मद्यनिषेध एवं राज्य उत्पाद नियंत्रण ब्यूरो की जिम्मेदारी दी गई है।

पंकज कुमार दराद (आईपीएस, 1995 बैच) अपर पुलिस महानिदेशक, आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) और अतिरिक्त प्रभार विशेष निगरानी इकाई से हटाकर अपर पुलिस महानिदेशक-सह-अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम बनाया गया है।

अपर पुलिस महानिदेशक, विधि-व्यवस्था एवं अतिरिक्त प्रभार यातायात से स्थानांतरित कर अपर पुलिस महानिदेशक, यातायात बनाया गया।

बीसीसीएल ने 16 अवैध आवास गिराए

भूधंसान के बाद सुरक्षा के मद्देनजर की बड़ी कार्रवाई, क्षतिग्रस्त आवासों को हटाया गया

धनबाद, 1 जुलाई (एजेंसियां)। धनबाद में बीसीसीएल प्रबंधन ने टंडाबाड़ी बस्ती में सुरक्षा के मद्देनजर बड़ी कार्रवाई की है। बीसीसीएल एरिया-3 के सोनारडीह ओपी क्षेत्र अंतर्गत टंडाबाड़ी बस्ती में चिन्हित 16 अवैध और खतरनाक आवासों को ध्वस्त कर दिया गया। इस दौरान सोनारडीह ओपी पुलिस और सीआईएसएफ के जवान मौजूद रहे। यह कार्रवाई 31 मार्च को टंडाबाड़ी में हुई भयावह भूधंसान की घटना के बाद की गई है। उस हादसे में कई घर जमीन में समा गए थे, जिसमें तीन लोगों की मौत हुई थी और कई लोग घायल हुए थे। बस्ती को खाली करा दिया गया था और प्रभावित परिवारों को बीसीसीएल द्वारा बेलगड़िया में पुनर्वासित किया गया था।

विधायक अरूप चटर्जी का सांसद ढुल्लू महतो पर पलटवार

कहा- प्रिंस खान से सांसद के संबंध, व्हाट्सएप और अन्य संचार माध्यमों की जांच हो

धनबाद, 1 जुलाई (एजेंसियां)। धनबाद स्थित निरसा विधायक अरूप चटर्जी ने बुधवार को धनबाद परिसदन में एक प्रेस वार्ता की। यह प्रेस वार्ता सांसद ढुलू महतो द्वारा हाल ही में लगाए गए आरोपों और व्यक्तिगत टिप्पणियों के जवाब में थी। विधायक चटर्जी ने इस दौरान सांसद पर कई गंभीर आरोप लगाए और उनके बयानों की कड़ी निंदा की।

अरूप चटर्जी ने आरोप लगाया कि सांसद ढुलू महतो के गैंगस्टर प्रिंस खान से कथित संबंध हैं। उन्होंने मांग की कि सांसद के व्हाट्सएप और अन्य संचार माध्यमों की निष्पक्ष जांच कराई जाए, जिससे सच्चाई सामने आ सके।

अरूप चटर्जी ने जिले में कोयला चोरी, अवैध खनन और अन्य मामलों की जांच राष्ट्रीय एजेंसियों से कराने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि यदि ऐसी

जांच होती है तो उसमें उनका नाम भी शामिल किया जाए, ताकि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच हो सके।

विधायक ने सांसद के बयानों की आलोचना करते हुए कहा कि पहले संसद में कॉमरेड ए.के. राय जैसे सांसद होते थे, जो तथ्यों और शालीन भाषा में अपनी बात रखते थे। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सांसद सार्वजनिक मंचों पर व्यक्तिगत टिप्पणियां कर राजनीतिक मर्यादा और संसदीय गरिमा को ठेस पहुंचा रहे हैं।

अरूप चटर्जी ने कहा कि देश के कई सम्मानित नेता, जिनमें डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, सरदार वल्लभभाई पटेल, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला शामिल हैं, उनके भी सिर पर बाल नहीं हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की टिप्पणी कई सम्मानित व्यक्तियों का भी अपमान है। सांसद के उस बयान पर भी उन्होंने आपत्ति जताई, जिसमें कहा गया था कि जिसका बेटा नहीं है, वह परिवार का दर्द क्या समझेगा। अरूप चटर्जी ने कहा कि उनकी दो बेटियां हैं और उन्हें उन पर गर्व है। उन्होंने कहा कि बेटा और बेटी में कोई अंतर नहीं होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि कोई बेटा गलत रास्ते पर चलकर कोयला चोरी जैसे कार्यों में शामिल हो, तो उससे बेहतर बेटियां हैं, जो परिवार और समाज का नाम रोशन करती हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के बयान बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान की भावना के भी विपरीत हैं। विधायक ने सांसद से लोकसभा में धनबाद में कथित कोयला चोरी और अवैध खनन का मुद्दा उठाने तथा निष्पक्ष जांच की मांग करने की अपील करते हुए कहा कि सच्चाई जांच के बाद स्वयं सामने आ जाएगी।

ट्रेड डील से पहले भारत की बड़ी जीत

अमेरिका ने हटाई 4 भारतीय कंपनियों पर लगी पाबंदी, जानें क्या थे आरोप

नई दिल्ली,1 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर जल्दी ही सहमति बन सकती है। बताया जा रहा है कि यह फाइनल स्टेज में है। इससे पहले अमेरिका की ओर से भारतीय उद्योग जगत के लिए एक बड़ी और राहत भरी खबर आई है। अमेरिका ने अपनी उस पाबंदी सूची से चार भारतीय कंपनियों के नाम हटा दिए हैं, जिन पर रूस के सैन्य-औद्योगिक क्षेत्र को उन्नत तकनीक और उपकरण सप्लाई करने के आरोप लगे थे।

अमेरिकी वित्त विभाग ने मंगलवार को इस फैसले की घोषणा की। इन कंपनियों को अमेरिकी विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय की विशेष रूप से नामित नागरिकों और अवरुद्ध व्यक्तियों की सूची से पूरी तरह बाहर कर दिया गया है।

कौन सी हैं ये 4 भारतीय कंपनियां?

प्रतिबंधों की सूची से हटाए गए नामों में दो कंपनियां हैदराबाद की, एक अहमदाबाद की और एक नई दिल्ली की है। इन चारों के नाम इस प्रकार हैं:आरआरजी इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड (हैदराबाद) लोकेश मशीन्स लिमिटेड (हैदराबाद)

गैलेक्सी बियरिंग्स लिमिटेड (अहमदाबाद)

शौर्य एयरोनॉटिक्स प्राइवेट लिमिटेड (नई दिल्ली)

साल 2024 में अमेरिका ने रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों को दरकिनार करने के आरोप में इन कंपनियों पर पाबंदियां लगाई थीं। अमेरिकी प्रशासन का दावा था कि ये कंपनियां रूस को दोहरे उपयोग वाले सामान और तकनीक भेज रही थीं, जिनका इस्तेमाल नागरिक और सैन्य दोनों उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है।

गैलेक्सी बियरिंग्स लिमिटेडः अक्टूबर 2024 में इस कंपनी पर आरोप लगा था कि उसने रूसी संस्थाओं को रोलर बियरिंग्स और रोलर असेंबली जैसे दर्जनों संवेदनशील सामान निर्यात किए थे। शौर्य एयरोनॉटिक्स प्राइवेट लिमिटेडः इस कंपनी पर रूस को रडार उपकरण, रेडियो नेविगेशन सहायता उपकरण, रेडियो रिमोट कंट्रोल सिस्टम और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भेजने का आरोप था।

आरआरजी इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजीजः अमेरिका ने आरोप लगाया था कि इस कंपनी ने ब्लैकलिस्टेड रूसी फर्म आर्टेक्स लिमिटेड को माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक की 100 से अधिक खेप भेजी थीं।

लोकेश मशीन्स लिमिटेडः इस कंपनी पर विभिन्न रूसी मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों को दर्जनों मशीन टूल्स निर्यात करने का आरोप लगाया गया था।

अमेरिकी सरकार ने फिलहाल इन कंपनियों को सूची से हटाने की कोई आधिकारिक वजह स्पष्ट नहीं की है। हालांकि, माना जा रहा है कि भारत सरकार द्वारा लगातार अमेरिकी प्रशासन के साथ किए गए कूटनीतिक संवाद और भारतीय कंपनियों द्वारा निर्यात नियमों के कड़ाई से पालन के आश्वासनों के बाद यह कदम उठाया गया है।अमेरिकी प्रतिबंधों की सूची में होने के कारण इन कंपनियों के वैश्विक व्यापार, बैंक लेनदेन और अंतरराष्ट्रीय शिपिंग पर पूरी तरह रोक लग गई थी। ऐसा इसलिए क्योंकि वैश्विक वित्तीय प्रणालियां काफी हद तक अमेरिकी डॉलर और वहां के नियमों से जुड़ी हैं। अब पाबंदियां हटने के बाद ये कंपनियां अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सामान्य रूप से अपना बिजनेस दोबारा शुरू कर सकेंगी।

भारत में प्रॉपटी डील करके डोनाल्ड ट्रंप ने अकूत कमाई की, सामने आई डिटेल

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी सालाना संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक किया है. राष्ट्रपति ट्रंप के मुताबिक, उन्होंने प्रॉपर्टी डील और लाइसेंसिंग के जरिए भारत और वियतनाम समेत कई देशों से 2.6 करोड़ डॉलर (26 मिलियन डॉलर) की कमाई की है. वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति ने बताया कि क्रिप्टो फर्म के जरिए उन्होंने साल 2025 में 1.2 अरब डॉलर (1.2 बिलियन डॉलर) यानी 11 हजार करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की.

ब्लूमबर्ग के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति ने 2025 में कतर, भारत, वियतनाम, ओमान और दुबई में प्रॉपर्टी से जुड़े कई समझौते किए. इन्हीं समझौतों के जरिए उन्हें 2.6 करोड़ डॉलर (26 मिलियन डॉलर) की आय हुई. प्रॉपर्टी डील से सबसे ज्यादा कमाई दुबई में हुई, जबकि भारत में भी ट्रंप ने रियल एस्टेट कारोबार के जरिए अच्छी-खासी आय अर्जित की.न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक 2025 में ट्रंप ने भारत में प्रॉपटी डील के जरिए 8.5 मिलियन डॉलर (81 करोड़ रुपए) की कमाई की. यह कमाई गुरुग्राम, दिल्ली जैसे शहरों में ट्रंप टॉवर के लाइसेंस फीस के तौर पर की गई. वियतनाम में एक प्रोजेक्ट से ट्रंप ने 5 मिलियन डॉलर की कमाई की. Crew रिसर्च के मुताबिक इससे पहले 2024 में ट्रंप ने साल 2024 में ट्रंप ने मुंबई में एक परियोजना के लाइसेंस बेचकर 10 मिलियन डॉलर की कमाई की थी.

भारत में ट्रंप ब्रांड की आठ परियोजनाएं हैं, जो या तो चालू हैं या योजनाबद्ध हैं. इनमें 2 के बारे में जानकारी दी गई है. वहीं 6 परियोजनाएं के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है.इसी तरह पुणे में ट्रंप टॉवर के प्रोजेक्ट से 289 मिलियन डॉलर की कमाई होने की उम्मीद है. वहीं दुबई में प्रॉपटी डील करके ट्रंप ने 13 मिलियन डॉलर की कमाई की है. दुबई में ट्रंप 80 टॉवर बनवा रहे हैं.दुनिया के 20 देशों में ट्रंप का रियल स्टेट कारोबार फैला है.

रियल स्टेट कारोबार से ट्रंप ने 3 अरब डॉलर की संपत्ति अर्जित की है.रियल स्टेट सौदे के अलावा डोनाल्ड ट्रंप ने क्रिप्टो फार्म, फीफा वर्ल्ड कप के टिकट बेचकर और गोल्फ क्लब बेचकर अपनी संपत्ति जुटाई है. ट्रंप का पूरा परिवार बिजनेस में शामिल है. ट्रंप के दामाद जहां रियल स्टेट बिजनेस में शामिल हैं. वहीं उनका बेटा क्रिप्टो फार्म बिजनेस में एक्टिव है.फोर्ब्स पत्रिका के मुताबिक डोनाल्ड ट्रंप की कुल संपत्ति 6.5 अरब डॉलर है. इनमें उनके परिवार की संपत्ति को नहीं जोड़ा गया है.

भारत के चीनी एक्सपोर्ट रोकने से कई देशों में फजीहत

चीनी की कमी और कीमत बढ़ने की चिंता

नई दिल्ली,1 जुलाई (एजेंसियां)। अलनीनो का असर भारत पर बुरी तरह से दिखने लगा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक देश में खरीफ फसलों की बुवाई में भारी गिरावट भी आई है। इन आंकड़ों से सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के कई देशों में इसका असर देखने को मिल रहा है। अलनीनो और कमजोर मानसून के पूर्वानुमान के कारण भारत ने चीनी के निर्यात पर रोक लगा दी, जिसके बाद अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में चीनी की आपूर्ति और कीमत को लेकर अलग-अलग अनुमान लगाए जाने लगे हैं।

80 लाख टन प्रोडक्शन घटने का अनुमान

अज़रन्यूज़ की रिपोर्ट के अनुसार, मानसून में कम बारिश होने से भारत के सालाना चीनी प्रोडक्शन में 30 लाख से 80 लाख टन की कमी आ सकती है। रिपोट्र्स के मुताबिक यदि भारत चीनी निर्यात पर प्रतिबंध जारी रखता है या उन्हें और सख्त करता है तो अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में चीनी कीमतों पर और दबाव पड़ सकता है। इसके अलावा प्रमुख चीनी एक्सपोर्टर देश ब्राजील की प्रोसेसिंग से जुड़ी समस्याओं के चलते तेजी से आपूर्ति करना एक बड़ी चुनौती है।

कितनी बढ़ेगी चीनी की कीमत?

रिपोर्ट में मार्केट एक्सपट्र्स का हवाला देते हुए बताया गया कि भारत ने चीनी निर्यात पर प्रतिबंध को बढ़ा दिया है। अगर देश चीनी निर्यात को पूरी तरह से रोक देता है, तो अंतरराष्ट्रीय कीमतें 750 से 800 डॉलर प्रति टन तक बढ़ सकती हैं। आपूर्ति में कमी की चिंताओं के कारण जून की शुरुआत से ही लंदन के बाजार में सफेद चीनी के वायदा भाव 660 डॉलर प्रति टन से ऊपर पहुंच गए हैं।

चीनी निर्यात में भारत की धाक

चावल के बाद गन्ना भारत की दूसरी सबसे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण कृषि फसल है। भारत दुनिया के अग्रणी चीनी उत्पादकों और निर्यातकों में से एक है। विश्लेषकों का मानना है कि भारतीय निर्यात में लंबे समय तक रुकावट से अफ्रीका और दक्षिण एशिया के चीनी इंपोर्ट करने वाले देश प्रभावित होंगे, जिससे खुदरा चीनी की कीमतें बढ़ सकती हैं। उन्होंने ये भी अनुमान लगाया कि प्रभावित बाजारों में कुल खाद्य लागत में 10-15% की वृद्धि हो सकती है। इससे पहले भी अलग-अलग विशेषज्ञों ने अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में चीनी की आपूर्ति और बढ़ती कीमत का अनुमान लगाया था।

सरकारी खजाने में बंपर उछाल, जून में जीएसटी कलेक्शन 1.94 लाख करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। भारत की अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर एक बेहद सकारात्मक खबर सामने आई है. जून 2026 में देश का ग्रॉस गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स कलेक्शन 13.9 फीसदी की जोरदार उछाल के साथ 1.94 लाख करोड़ रुपये (1,94,812 करोड़) के पार पहुंच गया है. वित्त मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल इसी महीने में यह आंकड़ा 1.71 लाख करोड़ रुपये था. एक आम इंसान के नजरिए से देखें तो टैक्स कलेक्शन में इस तरह की लगातार बढ़ोतरी यह साफ इशारा करती है कि बाजारों में मांग बनी हुई है, आर्थिक गतिविधियां तेज हैं. जब बाजार में सामान बिकता है, कारोबार बढ़ता है, तभी सरकार के खजाने में टैक्स का पैसा बढ़ता है. टैक्स का यह बढ़ता पैसा देश के इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी विकास योजनाओं को गति देने का काम करता है. सिर्फ ग्रॉस रेवेन्यू ही नहीं, बल्कि रिफंड चुकाने के बाद की नेट कमाई (शुद्ध राजस्व) भी शानदार रही है. नेट आधार पर देखें तो सरकार के खाते में 1,62,377 करोड़ रुपये आए हैं, जो पिछले साल के मुकाबले 11.2 प्रतिशत ज्यादा है. इस महीने सरकार ने रिफंड के तौर पर भी बड़ी रकम लौटाई है. कुल

32,436 करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया है. यह आंकड़ा पिछले साल के 25,121 करोड़ रुपये की तुलना में 29.1 फीसदी अधिक है. अब अगर टैक्स के अलग-अलग हिस्सों पर नजर डालें तो सेंट्रल जीएसटी 37,376 करोड़ रुपये रहा, जिसमें 8 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई. वहीं, स्टेट जीएसटी 4 फीसदी बढ़कर 45,116 करोड़ रुपये हो गया. घरेलू लेनदेन से होने वाला इंटीग्रेटेड जीएसटी भी 7 प्रतिशत की बढ़त के साथ 52,282 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है.इस पूरे महीने के टैक्स कलेक्शन की सबसे बड़ी खासियत विदेशों से आने वाले सामानों पर लगने वाला टैक्स रहा. आयात पर लगने वाले आईजीएसटी में 34.6 फीसदी का जबरदस्त उछाल देखा गया. इसके जरिए खजाने में सीधे 60,038 करोड़ रुपये जमा हुए. इस भारी भरकम वृद्धि ने कुल जीएसटी कलेक्शन को एक बड़ा सहारा दिया.

फ्लाइट में केवल 7 किलो बैग लेकर उड़िए

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने उन यात्रियों के लिए नया और किफायती किराया विकल्प लॉन्च किया है, जो सिर्फ केबिन बैग के साथ यात्रा करते हैं. एयरलाइन ने 'इंडिगो लाइट' नाम से नया इकोनॉमी किराया पेश किया है. इसकी बुकिंग 1 जुलाई से शुरू हो गई है, जबकि इस किराए पर यात्रा 15 जुलाई या उसके बाद की उड़ानों के लिए की जा सकेगी. यह सुविधा केवल इंडिगो की वेबसाइट और मोबाइल ऐप जैसे डायरेक्ट बुकिंग प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होगी.

क्या-क्या मिलेगा लाइट किराए में?

इंडिगो लाइट किराया घरेलू और अंतरराष्ट्रीय सभी नॉन-स्टॉप उड़ानों पर लागू होगा. इस टिकट में यात्रियों को 7 किलोग्राम तक का केबिन बैग ले जाने की अनुमति मिलेगी. इसके साथ ही बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के ऑटो-असाइन सीट भी दी जाएगी. हालांकि, अगर कोई यात्री चेक-इन बैगेज, अपनी पसंद की सीट, भोजन या प्रायोरिटी बोर्डिंग जैसी अतिरिक्त सुविधाएं चाहता है, तो उसे इनके लिए अलग से भुगतान करना होगा.

ब्लूचिप लॉयल्टी प्रोग्राम का भी मिलेगा फायदा

एयरलाइन ने साफ किया है कि लाइट किराया लेने वाले यात्रियों को भी उसके ब्लूचिप लॉयल्टी प्रोग्राम का लाभ मिलता रहेगा. यानी यात्री इस टिकट पर भी लॉयल्टी पॉइंट्स कमा सकेंगे और भविष्य में उन्हें रिडीम भी कर पाएंगे.

बढ़ती लागत के बीच नया दांव

हाल के महीनों में भारतीय एयरलाइंस पर परिचालन लागत का दबाव बढ़ा है. ईरान से जुड़े भू-राजनीतिक तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई है, जिससे एविएशन टरबाइन फ्यूल महंगा हुआ है. एटीएफ एयरलाइंस के कुल परिचालन खर्च का सबसे बड़ा हिस्सा होता है. इसके अलावा कुछ अंतरराष्ट्रीय हवाई मार्गों पर प्रतिबंध और लंबी उड़ानें भी एयरलाइंस की लागत बढ़ा रही हैं. ऐसे समय में कम कीमत वाला यह नया किराया ग्राहकों को आकर्षित करने की रणनीति माना जा रहा है.

एयर इंडिया भी ला चुकी है ऐसा प्लान

गौरतलब है कि पिछले महीने एयर इंडिया ने भी बजट यात्रियों के लिए बेसिक इकोनॉमी किराया शुरू किया था, जिसमें मुफ्त भोजन शामिल नहीं है. ऐसे में माना जा रहा है कि भारतीय विमानन बाजार में अब कम कीमत वाले किराए को लेकर प्रतिस्पर्धा और तेज हो सकती है.

चांदी 4,070 घटकर 2.21 लाख किलो पर आई

ऑलटाइम हाई से 1.65 लाख गिर चुकी, 10 ग्राम सोना आज 1,852 गिरकर 1.40 लाख का हुआ

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 1 जुलाई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 1 किलो चांदी आज चांदी 4,070 रुपए घटकर 2.21 लाख रुपए पर आ गई है। वहीं 10 ग्राम 24 कैरेट सोना आज 1,852 रुपए गिरकर 1.40 लाख रुपए आ गया है।

चांदी इस साल 1.65 लाख रुपए गिरी

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 36 हजार

रुपए सस्ता हो चुका है। वहीं, चांदी के कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए तक पहुंच गई थी। यह चांदी के अब तक की सबसे ज्यादा दाम थे। तब से अब तक 153 दिन में चांदी 1.65 लाख रुपए सस्ती हो गई है।

बिजली की बढ़ती मांग के बावजूद कोल इंडिया के कोयला उत्पादन में गिरावट, अप्रैल-जून में 7.5% की आई कमी

नई दिल्ली,1 जुलाई (एजेंसियां)। पब्लिक सेक्टर की कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में कोयला उत्पादन 7.5 प्रतिशत घटकर 16.96 करोड़ टन रह गया। यह गिरावट ऐसे समय में आई है जब बिजली क्षेत्र से मांग मजबूत बनी हुई है और गर्मियों में खपत रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। कोल इंडिया की देश के कुल कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है। इसने पिछले वित्त वर्ष की अप्रैल-जून अवधि में 18.33 करोड़ टन कोयले का उत्पादन किया था। कोल इंडिया का जून महीने का उत्पादन भी सालाना आधार पर 0.6 प्रतिशत घटकर 5.74 करोड़ टन रहा, जबकि पिछले वर्ष जून में यह 5.78 करोड़ टन था। कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनियों भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) और महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) के उत्पादन में जून में गिरावट आई। वहीं साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल), ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल), सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) और वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल) का उत्पादन बढ़ा। कंपनी की कोयला आपूर्ति (ऑफटेक) यानी ग्राहकों को बिक्री जून में 7.5 प्रतिशत बढ़कर 6.58 करोड़ टन रही, जो पिछले वर्ष समान महीने में यह 6.12 करोड़ टन थी। अप्रैल-जून अवधि में कोयला आपूर्ति 3.5 प्रतिशत बढ़कर 19.77 करोड़ टन हो गई। केंद्रीय बिजली मंत्री मनोज लाल ने पहले कहा था कि भारत ने मई, 2026 में 271 गीगावाट की अब तक की सबसे अधिक बिजली मांग को सफलतापूर्वक पूरा किया है।

अगले वर्ष के लिए 300 गीगावाट क्षमता की तैयारी की जा रही है क्योंकि मांग में और 30 गीगावाट की वृद्धि की संभावना है। वित्त वर्ष 2025-26 में कोल इंडिया का कुल उत्पादन 1.7 प्रतिशत घटकर 76.81 करोड़ टन रहा, जबकि 2024-25 में यह 78.11 करोड़ टन था। कोल इंडिया देश के बिजली क्षेत्र को ईंधन आपूर्ति करने वाली प्रमुख कंपनी है और ताप बिजली संयंत्रों के लिए आवश्यक कोयले का बड़ा हिस्सा उपलब्ध कराती है। देश की ऊर्जा सुरक्षा में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत का लगभग 70 प्रतिशत बिजली उत्पादन अब भी कोयले पर निर्भर है।

गिरावट के बाद शेयर बाजार में जोरदार उछाल

सेंसेक्स 444 अंक चढ़ा, निफ्टी में भी उछाल

मुंबई,1 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में दो दिन की लगातार गिरावट के बाद बुधवार को जोरदार वापसी हुई। वैश्विक इक्विटी में सकारात्मक रुझान और कच्चे तेल की कीमतों में कमी से बाजार को सहारा मिला। प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी दोनों बढ़त के साथ बंद हुए। निवेशकों में उत्साह का माहौल देखा गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 443.97 अंक या 0.58 फीसदी बढ़कर 76,922.64 पर बंद हुआ। दिन के कारोबार के दौरान यह 631.41 अंक या 0.82 फीसदी उछलकर 77,110.08 के उच्च स्तर पर पहुंच गया था। इसी तरह, एनएसई का 50 शेयरों वाला निफ्टी 140.10 अंक या 0.59 फीसदी की तेजी के साथ 24,005.85 पर समाप्त हुआ। सेंसेक्स में ईटरनल, एशियन पेंट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, अदाणी पोर्ट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर प्रमुख लाभ में रहे। इसके विपरीत, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाटा स्टील और इंफोसिस के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 1.07 फीसदी गिरकर 72.17 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। कच्चे तेल की कीमतों में यह गिरावट भी बाजार के लिए सकारात्मक रही। वैश्विक इक्विटी में सकारात्मक रुझान और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट बाजार की तेजी के मुख्य कारण रहे। अमेरिकी बाजार मंगलवार को सकारात्मक क्षेत्र में बंद हुए थे। एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 225 सूचकांक और शंघाई का SSE कंपोजिट सूचकांक भी बढ़त के साथ बंद हुए। हालांकि, दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुआ। हांगकांग में बाजार बंद थे और यूरोप के बाजार ज्यादातर गिरावट में कारोबार कर रहे थे। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने बताया कि घरेलू बाजार एच2सीवाई26 में आशावादी रुख के साथ खुले हैं। उन्होंने कहा कि कई बाधाएं कम होने लगी हैं। अमेरिका-भारत व्यापार समझौता, मध्य पूर्व में तनाव में कमी और अनुकूल तेल कीमतें सकारात्मक भावना के प्रमुख चालक बन रहे हैं। यह निवेशकों के लिए एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को 2,556.75 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। हालांकि, विदेशी निवेशकों की बिकवाली के बावजूद बुधवार को बाजार में उछाल देखा गया। मंगलवार को सेंसेक्स 249.70 अंक या 0.33 फीसदी गिरकर 76,478.67 पर बंद हुआ था।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन	मे	मिथुन--	04-40 बजे
चंद्र	मकर	मे	कर्क----	06-52 बजे
मंगल	वृष	मे	सिंह----	09-24 बजे
बुध	कर्क	मे	कन्या--	11-10 बजे
गुरु	कर्क	मे	तुला-----	13-16 बजे
शुक्र	कर्क	मे	वृश्चिक--	15-26 बजे
शनि	मीन	मे	धनु----	17-40 बजे
राहु	कुंभ	मे	मकर--	19-45 बजे
केतु	सिंह	मे	कुंभ---	21-36 बजे
			मीन---	23-14 बजे
			मेष----	00-50 बजे
			वृष-----	02-40 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**

शक संवत् -**1948,** सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म

महावीर निर्वाण संवत् -**2551** , राजा गुरु, मन्त्री भौम

कलियुग अवधि - **432000**

भोग्य कलि वर्ष. - **426873**

कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,

कल्पारंभ संवत् - **1972949127**

सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**

सूर्योदय **05-49**

सूर्यास्त. **18 -50**

दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले

मास - आषाढ़ गुरुवार **02 July 2026**

तिथि - कृष्ण पक्ष द्वितीया **09-38** तक उपरान्त तृतीया

नक्षत्र - उत्तराषाढ़ा **09-27** तक उप श्रवण

योग. - वैधृति **16-39** तक उप विष्कुंभ

करण - गर **09-38** तक उप वणिज

विशेष:

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 13-59 से 15-37 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph 9247132654

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
शुभ 05-49 - 07-25 शुभ	अमृत 18-50 - 20-15 शुभ
रोग 07-25 - 09-04 अशुभ	चंचल 20-15 - 21-37 शुभ
उत्पात09-04 - 10-42 अशुभ	रोग 20-37 - 22-59 अशुभ
चंचल 10-42 - 12-20 शुभ	काल 22-59 - 00-20 अशुभ
लाभ 12-20 - 13-59 शुभ	लाभ 00-20 - 01-42 शुभ
अमृत 13-59 - 15-37 शुभ	उत्पात01-42 - 03-04 अशुभ
काल 15-37 - 17-15 अशुभ	शुभ. 03-04 - 04-26 शुभ
शुभ 17-15 - 18-50 शुभ	अमृत 04-26 - 05-49 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,): आपसे सामजिक संपर्कों पर और ध्यान देने की अपेक्षा है । आपके आकर्षक व्यक्तित्व का सबपर प्रभाव पड़ेगा । इसके अलावे आपको उन लोगो पर भी ध्यान दें जो आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा को नुक्सान पहुंचा रहे हैं । अपनी व्यस्त कार्यशैली के बावजूद सेहत का ध्यान रखें ।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो): दिन की शुरुआत उलझन से होगी । आज कोई आध्यात्मिक प्रवृति वाला व्यक्ति आपके बचाव में आयेगा,आपका मार्गदर्शन करेगा । आप उसकी नेक सलाह मान सकते हैं । आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं । दोपहर बाद दिन अच्छा गुजरेगा,दोस्तों के साथ समय बीतेगा ।

मिथुन (का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,): आप आज ऐसे लोगों से मिलेंगे जो आपकी कमियों के बारे में जानते तो हैं लेकिन उन्हें स्वीकार करना नही चाहते जैसे कि उनमें खुद में कोई कमियां नही हैं । ऐसे लोगों से दूरी बनाये रखें । उन अच्छे लोगों पर अपना ध्यान केन्द्रित करें जो आपको पिछले कुछ वर्षों में मिले हैं और उनसे दुबारा संपर्क साधने की कोशिश करें ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,): आप हंसी-मजाक के मूड में हैं । अपनी इस विशेषता को बनाएं रखें जो आपको मुश्किल समय में भी चिंतामुक्त रखती है । आप अपनी सक्रिय प्रवृति के कारण एक बिजनेस डील हासिल करने में कामयाब होंगे । कोई आपसे प्रोत्साहन चाहता है.उसके मेंटर बन जाएँ ।अपने करीबियों के साथ अच्छा वक़्त गुजरेगा । मछली खाते हुए सावधान रहें ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,): आप अपने आप को विभिन्न दिशाओं में आकर्षित अनुभव कर रहे हैं और समझ नही पा रहे कि क्या किया जाना चाहिए ? यह परेशानी आज और ज्यादा बढ़ेगी और आपके लिए फैसला लेना और भी मुश्किल हो जाएगा । आपको सावधानी से काम लेना होगा क्योंकि आपके फैसले लेने की क्षमता भावनाओ और दुसरे कारणों से प्रभावित हो सकती है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आप आज होने वाली घटनाओं के कारण और कई तरह की उलटी -सीधी सूचनाओं के कारण खुद को उलझन में फंसा हुआ अनुभव करेंगे । इस समय आपका सही मार्गदर्शन आपके मन की आवाज ही कर सकती है । जैसा आपका मन कहता है ,वैसा ही करें । इससे आपको काफी कुछ सीखने को भी मिलेगा और आप उस दिशा में आगे बढ़ पायेंगे।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,): स्थितियां और घटनाएं इस प्रकार बदलेंगे कि आपको पहले से सोच समझकर लिया गया एक फैसला बदलना पड़ सकता है । आपको जीवन में आने वाली चीजों के प्रति अधिक जिम्मेदार रवैया अपनाना होगा । आप अपने पहले तय किये गया कार्यक्रम के अनुसार नही चल पायेंगे क्योंकि आपको कुछ अप्रत्याशित घटनाओं के कारण अपना कार्यक्रम बदलना पड़ सकता है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,): आप आज आत्मविश्वास से भरे हैं और यह बात आपकी भाव –भंगिमा और नजरिये से साफ़ झलक रही है । आज हर कहीं आप लोगों के आकर्षण का केंद्र बने रहेंगे और अपनी छाप छोड़ेंगे । महत्वपूर्ण बिज़नेस बैठकों में आपके मुताबिक़ निर्णय होंगे । अगर स्थितियां आपके पक्ष में नही भी दिख रही तब भी आप उन्हें अपने पक्ष में कर लेंगे और अपनी बात मनवाने में कामयाब रहेंगे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे): आज आप खुद को अधिक समर्पित अनुभव करेंगे और सारा लंबित काम निपटा लेंगे । ये सारा काम ख़त्म करके आपको एक तरह की संतुष्टि मिलेगी जिसे आपके अन्य करीबी भी नोट करेंगे । इसका नतीजा यह होगा की आपको घर और कार्यस्थल ,दोनों ही जगह अधिक सराहना मिलेगी ।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी): छोटी छोटी परेशानियां और असहमतियां दिन भर सामने आती रहेंगी । आपको इन छोटी छोटी बातों की उपेक्षा कर देनी है,नही तो आप अपनी मानसिक शांति को नष्ट कर लेंगे । अपनी समस्याएँ किसी के साथ बांटने की कोशिश करें,आपको अच्छा अनुभव होगा । एकांत की गतिविधियाँ आज बहुत अच्छी रहेंगी ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा): भाग्य आपकी वित्तीय स्थिति पर मुस्कुरा रहा है और अधिक कमाई के कारण आप के खर्चे भी बढ़ गए हैं। अब समय आ गया है की आप अपने खर्च पर नियंत्रण रखें । अब फिजूलखर्ची से बचना होगा ।आपके परिजन या किसी करीबी के साथ ऐसा कुछ होगा कि आपके भीतर भी उससे अशांति आएगी ।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची): जब भी कोई फैसला लेना होता है,आप दिल और दिमाग के बीच उलझ जाते हैं । यही उलझान है,अपने मन की आवाज सुनें ,इससे आप सही फैसले ले पायेंगे । आपके परिजनों और करीबियों को आपके साथ की जरुरत है |उनके साथ अच्छा समय बिताएं । यात्रा की योजना बनाने के लिए अच्छा समय है।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

'हम आलू से सोना तो नहीं बना सकते, लेकिन मेरा अन्नदाता मिट्टी से सोना पैदा करके दिखाएगा
यमुना जल समझौते पर सीएम भजनलाल का राहुल गांधी पर तीखा तंज

जयपुर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में ऐतिहासिक 'यमुना जल समझौते' के बाद सूबे की सियासत का पारा चढ़ गया है। दिल्ली से समझौता करके जयपुर लौटे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का एयरपोर्ट से लेकर भाजपा मुख्यालय तक ऐसा भव्य स्वागत हुआ, जिसकी गूंज अब सियासी गलियारों में सुनाई दे रही है। लेकिन इस पूरे जश्न के बीच मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के एक पुराने चर्चित बयान पर सीधे उनका नाम लिए ऐसा करारा तंज कसा, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

जयपुर में कार्यकर्ताओं और जनता के अपार जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा- हम आलू से सोना तो नहीं बना सकते, लेकिन जब शेखावाटी की प्यासी धरती को यमुना का पानी मिलेगा, तो मेरा अन्नदाता मिट्टी से सोना पैदा करके दिखाएगा।

सीएम भजनलाल और राहुल गांधी

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि उनकी सरकार की प्राथमिकता राजनीति करना नहीं, बल्कि हर खेत तक पानी पहुंचाना और हर किसान के चेहरे पर मुस्कान लाना है। उन्होंने राहुल गांधी के उस पुराने बहुचर्चित 'आलू से सोना' वाले बयान की तरफ इशारा करते हुए विपक्ष को आड़े हाथों लिया और साफ कर दिया कि भाजपा बातों में नहीं, बल्कि जमीन पर काम करने में विश्वास रखती है।

यमुना जल समझौते पर मुहर लगने के बाद जब सीएम भजनलाल शर्मा जयपुर पहुंचे, तो नजारा देखने लायक था।

जयपुर एयरपोर्ट, रामबाग सर्किल और सिविल लाइंस पर हजारों की संख्या में देवतुल्य कार्यकर्ताओं और आम जनता ने फूल-मालाओं और ढोल-नगाड़ों के साथ मुख्यमंत्री का पलक-पावड़े बिछाकर स्वागत किया।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में हुए इस ऐतिहासिक स्वागत समारोह में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, प्रदेश महामंत्री (संगठन) अजेय कुमार और पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ सहित पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और ऊर्जावान कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने इस स्वागत को अपना नहीं, बल्कि हर उस जमीनी कार्यकर्ता का सम्मान बताया जिसने इस दिन के लिए संघर्ष किया है। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि मां यमुना का जीवनदायिनी जल राजस्थान, विशेषकर पानी की किल्लत से जूझ रहे शेखावाटी क्षेत्र के लिए विकास की एक नई इबारत लिखेगा। यह समझौता प्रदेश के लाखों परिवारों के जीवन में खुशहाली का नया अध्याय जोड़ेगा और 'विकसित राजस्थान' की नींव को और मजबूत करेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में हुए इस समझौते को भजनलाल सरकार अपनी बहुत बड़ी रणनीतिक और राजनीतिक जीत मान रही है। वहीं सीएम भजनलाल के इस 'मिट्टी से सोना' वाले बयान ने यह साफ कर दिया है कि आने वाले दिनों में राजस्थान की राजनीति में पानी और किसान के मुद्दे पर भाजपा पूरी तरह फ्रंटफुट पर खेलने वाली है।

किसी ने पत्नी तो किसी ने पति को खोया, आग की लपटों के बीच मची चीख पुकार, 8 लोगों की मौत

दौसा, 1 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के दौसा जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर मंगलवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे के बाद बस में लगी आग में आठ लोग जिंदा जल गए। हादसे में 25 यात्री भी घायल हुए, जिनका दौसा के जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। हादसा जिले के कोलवा थाना क्षेत्र में रात करीब 2.30 बजे हुआ है। हादसा इतना भयावह था कि बस पूरी तरह जल गई और शव राख में तब्दील हो गए। शवों को पोटली में बांधकर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। मृतकों की पहचान के लिए डीएन टेस्ट कराया जाएगा। इसके बाद शव परिजनों को सौंपे जाएंगे। हादसे के बाद अस्पताल और घटनास्थल पर जो दृश्य थे, उन्होंने हर किसी की आंखें नम कर दीं।

दौसा में हुए भीषण बस अग्निकांड में किसी ने पत्नी को खो दिया तो किसी अपने पति को खो दिया। आग की लपटों के बीच मची चीख पुकार के बाद 8 लोगों की मौत का मंजर देख लोगों की भी रूह कांप उठी। स्थानीय लोगों ने बताया कि कई शव सीट से चिपके ही रह गए तो कई शव सीट में नीचे बिखरे पड़े थे, जो कंकाल बन चुके थे। लोगों ने बताया कि ऐसा मंजर पहले कभी भी नहीं देखा। लोगों ने फायर ब्रिगेड के देरी से पहुंचने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि अगर समय पर दमकल की गाड़ियां पहुंच जाती तो शायद इतने लोग नहीं मरते।

भीषण सड़क हादसा

इधर, घायलों की चीख पुकार से दौसा का जिला अस्पताल भी गूंज उठा। घायल होने के बाद भी कोई अपने पति तो कोई अपनी पत्नी के बारे में जानने कोशिश करते दिखे। जिला अस्पताल में भर्ती इंदौर की रहने वाली दिव्या बार-बार यही गुहार लगा रही है कि कोई मेरे पति को ढूंढकर ला दो। महिला ने बताया कि वह रात को वह अपने पति और दो बच्चों के साथ बस में सो रही थी। तभी तेज धमका हुआ और नींद खुल गई। देखा तो पति सीट पर नहीं था और बेटी के सिर से खून बह रहा था। बस में उठती आग की लटपे देखकर अपने दोनों बच्चों के साथ नीचे उतर आई। लेकिन, पति दीपक कहीं भी नहीं मिले। महिला अब पुलिस और प्रशासन से गुहार लगा रही है कि उसके पति को ढूंढकर ला दो।

हादसे में पत्नी प्रियंका को खो चुके जितेंद्र पांडेय का रो-रोकर बुरा हाल है। उन्होंने बताया कि उनकी सीट ड्राइवर के पीछे थी। टक्कर के बाद प्रियंका सीट के नीचे फंस गई। मैंने उसका हाथ पकड़कर बहुत खींचा, लेकिन पैर फंस गए थे। फिर खिड़की की तरफ से निकालने की कोशिश की। लेकिन, बस में आग लग गई। मेरी पत्नी मेरी ही आंखों के सामने जिंदा जल गई। मैंने लोगों से मदद की गुहार लगाई, लेकिन कोई कुछ नहीं कर सका। यह कहते-कहते जितेंद्र फूट-फूटकर रोने लगा।

बस में आग लगते ही अफरा-तफरी मच गई। खून से लथपथ लोग खुद को आग से बचाने के लिए बस से नीचे उतरने लगे। कई लोगों ने तो खिड़की से कूदकर जान बचाई। बस में सवार अन्य यात्रियों ने बताया कि हादसे के वक्त सभी यात्री गहरी नींद में थे। अचानक जोरदार धमाका हुआ और चारों तरफ शोर मच गया। लोग चिल्ला रहे थे कि बस में आग लग गई, जल्दी भागो। इसी दौरान कुछ लोग बस में फंसे ही रह गए और जिंदा जल गए।

'राजस्थान में नमूनों की सरकार चल रही है', महिलाओं की मौत पर बीकानेर में जूली-डोटासरा का तीखा हमला, पूछा- जिम्मेदार कौन?

बीकानेर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान की भाजपा सरकार के खिलाफ मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने बीकानेर में एक विशाल जनसभा और कलक्ट्रेट घेराव के जरिए अपनी ताकत दिखाई। पीबीएम अस्पताल की बदहाल व्यवस्थाओं, प्रसूताओं की मौत और सीमावर्ती क्षेत्रों में धार्मिक स्थलों को हटाने के सरकारी आदेश के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बीकानेर के कर्मचारी मैदान में हुंकार भरी। इस दौरान कांग्रेस के दिग्गज नेताओं ने प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था, कानून-व्यवस्था, बेरोजगारी और प्रशासनिक कार्यप्रणाली को लेकर राज्य सरकार को घेरा।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य सरकार पर कड़ा राजनीतिक हमला बोला। उन्होंने कहा, प्रदेश में जनता की चुनी हुई सरकार नहीं, बल्कि नमूनों की सरकार और अव्यवस्थाओं का सर्कस चल रहा है। जूली ने सरकार की विफलताओं को रेखांकित करते हुए निम्नलिखित प्रमुख बिंदु उठाए।

टीकाराम जूली और गोविंद सिंह डोटासरा

पीबीएम अस्पताल में प्रसूताओं की मौतों और एंबुलेंस सेवाओं की बदहाली का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पताल खुद वेंटिलेटर पर हैं, जिससे आमजन वहां जाने से डरने लगा है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था पूरी तरह अपराधियों के हवाले हो चुकी है। शिक्षा के मंदिर संसाधनों के अभाव से जूझ रहे हैं और स्कूलों की सुरक्षा भगवान भरोसे है। बॉर्डर एरिया में धार्मिक स्थलों को हटाने संबंधी आदेश पर सवाल उठाते हुए जूली ने कहा कि इससे क्षेत्र का सामाजिक सौहार्द बिगड़ सकता है। इसके साथ ही उन्होंने यमुना जल परियोजना को लेकर सरकार के दावों को महज कागजी और इवेंट मैनेजमेंट करार दिया।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने सरकार के साथ-साथ प्रशासनिक अधिकारियों को भी आड़े हाथों लिया। पीबीएम अस्पताल में कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं के साथ हुई कथित बदसलूकी पर नाराजगी जताते हुए डोटासरा ने अधिकारियों को चेतावनी भरे लहजे में नसीहत दी कि वे सत्ता के दबाव में न आएं, निष्पक्ष रहकर कार्य करें और जनता के प्रति अपनी जवाबदेही समझें।

सरकार को घेरते हुए डोटासरा ने कहा कि आज राज्य का किसान, युवा और बेरोजगार सभी वर्ग परेशान हैं। सड़क, बिजली, पानी, खाद और यूरिया जैसी मूलभूत समस्याओं का कोई समाधान नहीं हो रहा है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं से एकजुट होने का आह्वान करते हुए कहा कि सभी आपसी मतभेद भुलाकर संगठन को मजबूत करें ताकि जनता की लड़ाई को और धार दी जा सके।

टीकाराम जूली ने पोस्ट किया, राजस्थान में जनता की पीड़ा, मरीजों की मौत और धार्मिक आस्थाओं पर चोट जैसे गंभीर मुद्दों पर सरकार के पास न कोई जवाब है और न समाधान। बिजली, पानी, सड़क, स्वास्थ्य और शिक्षा के हर मोर्चे पर विफल यह सरकार केवल विज्ञापनों और झूठे दावों में व्यस्त है। कांग्रेस पार्टी आमजन के अधिकारों के लिए सड़क से सदन तक संघर्ष जारी रखेगी।

जनसभा के समापन के बाद डोटासरा और जूली के नेतृत्व में हजारों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कलक्ट्रेट की तरफ कूच किया और वहां जोरदार प्रदर्शन कर घेराव किया। प्रदर्शनकारियों ने पीबीएम अस्पताल की व्यवस्थाओं में तुरंत सुधार करने और बॉर्डर एरिया के धार्मिक स्थलों को तोड़ने के आदेश को तत्काल वापस लेने की मांग उठाई।

पिता से कहा सुबह लौट रही हूं, लेकिन आई मौत की मनहूस खबर; इंदौर की भूमि की हो गई मौत

इंदौर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के दौसा जिले में हुए भीषण बस हादसे में इंदौर की 20 वर्षीय भूमि भौर की दर्दनाक मौत हो गई। भूमि अपनी दो सहेलियों दिशा और लिसा के साथ छह दिन पहले मसूरी घूमने गई थी। वहां से तीनों इंदौर लौट रही थीं।

सहेलियों ने पहले ऋषिकेश से ट्रेन से इंदौर आने के लिए टिकट बुक कराए थे, लेकिन समय पर स्टेशन नहीं पहुंच पाने के कारण उनकी ट्रेन छूट गई। इसके बाद तीनों ने हंस ट्रैवल्स की बस से इंदौर लौटने का फैसला किया।

रवाना होने से पहले भूमि ने अपने पिता से फोन पर बात की थी। उसने बताया था कि वह बस में बैठ चुकी है और बुधवार सुबह घर पहुंच जाएगी। परिवार उसके सुरक्षित लौटने का इंतजार कर रहा था, लेकिन सुबह उसकी मौत की खबर ने पूरे परिवार को सदमे में डाल दिया।

भूमि परिवार की सबसे बड़ी संतान थी। उसके परिवार में माता-पिता के अलावा एक छोटी बहन और एक छोटा भाई हैं। वह इंदौर के एक निजी कॉलेज में पढ़ाई कर रही थी। करीब एक माह पहले उसने अपनी सहेलियों के साथ मसूरी घूमने का कार्यक्रम बनाया था।

भूमि की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। दादा का रो-रोकर बुरा हाल है। पड़ोसियों ने बताया कि भूमि बेहद हंसमुख और मिलनसार स्वभाव की थी तथा हमेशा दूसरों की मदद के लिए तैयार रहती थी। हादसे में भूमि की दोनों सहेलियां दिशा और लिसा घायल हुई हैं। उनका इलाज दौसा जिला अस्पताल में चल रहा है। उनके परिजन भी दौसा के लिए रवाना हो गए हैं। इसी हादसे में पत्रकार चंदू गुप्ता घायल हुए हैं, जबकि उनकी पत्नी निर्मला गुप्ता की मौत हो गई।

कैश लाने वाले कर्मचारियों ने ही किया 1 करोड़ का महाघोटाला! 17 एटीएम से 83 लाख गायब

झुंझुनूं, 1 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के झुंझुनूं जिले से बैंकिंग व्यवस्था को हिलाकर रख देने वाला एक बड़ा एटीएम कैश घोटाला सामने आया है। हैरान कर देने मामले में कंपनी अधिकारियों की ओर से आशंका जताई जा रही है कि पूरे मामले में गबन की रकम 1 करोड़ रुपये से भी अधिक हो सकती है।

दरअसल, जिले के झुंझुनूं, पिलानी और चिड़ावा क्षेत्र के विभिन्न बैंकों के एटीएम में नकदी भरने का काम करने वाली सीएमएस कंपनी के दो कर्मचारी अचानक कैश वैन और एटीएम की चाबियां छोड़कर अचानक ड्यूटी से नदारद हो गए। जब कंपनी को शक हुआ और एटीएम का ऑडिट कराया गया तो शुरुआती जांच में ही 17 एटीएम मशीनों से 83 लाख रुपये से अधिक की नकदी गायब मिली। अब आशंका जताई जा रही है कि पूरे मामले में गबन की रकम 1 करोड़ रुपये से भी अधिक हो सकती है। यह खुलासा सामने आते ही बैंकिंग और कैश मैनेजमेंट सिस्टम में हड़कंप मच गया है। कंपनी और पुलिस दोनों मामले को गंभीर वित्तीय घोटाले के रूप में देख रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सीएमएस कंपनी झुंझुनूं, पिलानी और चिड़ावा क्षेत्र के विभिन्न बैंकों के एटीएम में कैश भरने का कार्य करती है। कंपनी के सीकर शाखा प्रबंधक गौरव सिंह सोलंकी के मुताबिक, कर्मचारी सुमेर सिंह और संदीप सिंह पिछले करीब एक वर्ष से इस जिम्मेदारी को संभाल रहे थे। शनिवार को दोनों कर्मचारी अचानक लापता हो गए। सबसे हैरान करने वाली बात यह रही कि दोनों कैश वैन में एटीएम की सभी चाबियां छोड़कर गायब हो गए। इसके बाद कंपनी को गड़बड़ी की आशंका हुई और तत्काल सभी एटीएम का ऑडिट शुरू कराया गया।

देर रात तक 17 एटीएम मशीनों की जांच पूरी हुई, जिसमें 83 लाख रुपये से अधिक की नकदी कम मिली। शुरुआती जांच में ही पिलानी क्षेत्र की एक साइट पर लगी दो एटीएम मशीनों से करीब 38 लाख रुपये का कैश कम पाया गया। चूंकि दोनों कर्मचारियों के जिम्मे कुल 28 एटीएम मशीनें थीं, इसलिए शेष एटीएम की जांच पूरी होने के बाद गबन की रकम एक करोड़ रुपये से काफी अधिक पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। कंपनी अधिकारियों का मानना है कि यह कोई एक-दो दिन की गड़बड़ी नहीं, बल्कि लंबे समय से सुनियोजित तरीके से कैश में हेराफेरी की जा रही थी। प्रारंभिक जांच में जिस तरह अलग-अलग एटीएम से नकदी कम मिली है, उससे करोड़ों रुपये के सुनियोजित गबन की आशंका और गहरा गई है।

उंगली में लगी मामूली चोट का इलाज कराने पहुंचा शख्स
डॉक्टर ने लगाया इंजेक्शन, मरीज की मौत

जोधपुर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। जोधपुर के एक निजी अस्पताल में चिकित्सा लापरवाही का एक झकझोर देने वाला मामला सामने आया है, जिसने पूरे चिकित्सा महकमे की संवेदनशीलता और जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। फलोदी जिले के कलाऊ (कलावा) गांव निवासी संतोष पुरी की अस्पताल में इलाज के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। कृषि कार्य के दौरान उंगली में लगी मामूली चोट का इलाज कराने आए स्वस्थ व्यक्ति की अचानक मौत ने अस्पताल प्रशासन को पूरी तरह कटघरे में खड़ा कर दिया है। बता दें कि मृतक संतोष पुरी फलोदी में खेती-किसानी करते थे। खेत में काम करते समय उनकी उंगली में चोट लग गई थी, जिसके बेहतर इलाज के लिए वे जोधपुर के हॉस्पिटल आए थे। संतोष पुरी की शारीरिक स्थिति का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वे फलोदी से जोधपुर तक का लगभग 120 किलोमीटर का सफर खुद अपनी मर्जी से तय करके आए थे।

मृतक के भतीजे राहुल ने बताया, बड़े पापा पूरी तरह स्वस्थ थे। उन्होंने खुद लगभग 50 किलोमीटर तक बिना किसी परेशानी के मोटरसाइकिल चलाई। हम उन्हें बाइक पर बैठाकर सामान्य स्थिति में अस्पताल लेकर आए थे। अस्पताल पहुंचने के बाद संतोष पुरी खुद चलकर काउंटर पर गए, रजिस्ट्रेशन कराया और डॉक्टरों से परामर्श लिया। उन्होंने खुद खड़े रहकर बिना किसी सहारे के एक्स-रे करवाया और ब्लड टेस्ट के लिए सैंपल दिए। शुरुआती जांच और एक्स-रे रिपोर्ट देखने के बाद डॉक्टरों ने परिजनों को आश्वस्त किया कि घबराने की कोई बात नहीं है। यह एक बेहद 'नॉर्मल' केस है और उंगली को ठीक करने के लिए एक छोटा सा ऑपरेशन करना पड़ेगा, जिसका अनुमानित खर्च करीब 10,000 से 12,000 रुपए बताया गया।

भूत-प्रेत के शक ने ली 4 जानें! किसान ने पत्नी और बच्चों की हत्या कर खुद लगाई फांसी, गांव में शोक की लहर

मृतक किसान की पत्नी और उसके दो बच्चे

पाली, 1 जुलाई (एजेंसियां)।

मानसिक बीमारी के इलाज के बजाय अंधविश्वास और तांत्रिक के चक्कर में पड़ने का एक बेहद खौफनाक और दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। रोहट थाना क्षेत्र के बीठू गांव के एक कृषक ने तांत्रिक 'भोपे' के बहकावे में आकर अपनी ही पत्नी, 13 वर्षीय बेटी और 11 वर्षीय बेटे की गला दबाकर बेरहमी से हत्या कर दी। इसके बाद खुद भी फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। इस आत्मघाती कदम से हंसता-खेलता पूरा परिवार एक ही झटके में पूरी तरह खत्म हो गया। यह रूह कंपा देने वाली वारदात फलोदी जिले के देचू पुलिस थाना क्षेत्र में घटित हुई। देचू उपखंड कार्यालय से करीब तीन किलोमीटर दूर सरहद फतेहगढ़ स्थित एक कृषि फार्म पर जब एक ही परिवार के चार सदस्यों के शव मिले, तो पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही देचू थानाधिकारी विक्रमसिंह चारण पुलिस जाब्ते के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे।

मिली जानकारी के अनुसार, देचू निवासी खीवराज पुत्र रामचंद्र महाजन का कृषि फार्म फतेहगढ़ सरहद में स्थित है। इस फार्म पर पिछले छह साल से रोहट थाना क्षेत्र के बीठू गांव का निवासी गेनाराम (पुत्र जोधाराम पटेल) सपरिवार रहकर खेती-बाड़ी का काम करता था। खेत पर उसके साथ उसकी पत्नी पुष्पा, एक बेटा और एक बेटी रहते थे। बताया जा रहा है कि गेनाराम की पत्नी पुष्पा पिछले कुछ समय से मानसिक रूप से अस्वस्थ चल रही थी। पत्नी की दिमागी हालत ठीक न होने के कारण गेनाराम भी मानसिक रूप से काफी परेशान और तनाव में रहने लगा था। अज्ञानता और अंधविश्वास के चलते गेनाराम ने अपनी पत्नी का किसी योग्य डॉक्टर से इलाज करवाने के बजाय इसे 'भूत-प्रेत का साया' मान लिया। वारदात से महज एक दिन पहले वह अपनी पत्नी को झाड़-फूंक करवाने के लिए बीठू मोरिया स्थित एक तांत्रिक के पास लेकर गया था। वहां से सोमवार रात करीब 10 बजे ही पूरा परिवार फतेहगढ़ (देचू) स्थित अपने कृषि फार्म पर वापस लौटा था। गौरतलब है कि गेनाराम का बड़ा भाई चैनाराम, शिवाराम और उसका साला भी आसपास के अन्य कृषि फार्मों पर ही खेती का काम करते हैं।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में प्रशासन का एक्शन
बिना अनुमति के संचालित हो रही 3 होटलों पर चलाया बुलडोजर

श्रीगंगानगर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। श्रीगंगानगर में बालिका से दुष्कर्म के मामले में पुलिस और जिला प्रशासन ने शहर के 3 होटलों पर बुलडोजर चला दिया। इन तीन होटलों में 13 साल की बालिका के साथ होटल मैनेजरों ने दुष्कर्म कराया था। पुलिस ने चहल चौक के पास होटल सफायर, हाउसिंग बोर्ड चौराहे पर स्थित होटल जॉय इन और बीरबल चौक पर होटल ड्रीम जिसे खुंगर होटल भी कहते है, इन तीनों होटलों पर बुधवार तड़के करीब साढ़े तीन बजे से साढ़े चार बजे तक कार्रवाई की। करीब 1 घंटे में जेसीबी मशीन और हाइड्रोलिक मशीनों की मदद से इन्हें ध्वस्त कर दिया। तीनों होटल प्रशासन की बिना अनुमति से संचालित हो रहे थे। इन होटलों पर कब्जे की कार्रवाई में एडिशनल एसपी दीपक कुमार शर्मा, सीओ सिटी विष्णु खत्री, एसडीएम नयन गौतम, कोतवाली सीआई पृथ्वीपाल सिंह के अलावा करीब साठ से अधिक पुलिस कार्मिकों का जाब्ता तैनात रहा। वहीं नगर परिषद और यूआइटी के अभियंताओं की टीम भी मौजूद रही। 13 साल की बालिका ग्रामीण क्षेत्र से 18 जून को घर से लापता हो गई थी। पुलिस के पास सूचना मिलने के बाद ये बालिका 22 जून को हाउसिंग बोर्ड चौराहे पर होटल में बुरी हालत में मिली।

लिव-इन रिलेशनशिप पर पंचायत का तुगलकी फरमान
युवक-युवती पर 21 लाख का जुर्माना; परिवारों का सामाजिक बहिष्कार

जालोर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के जालोर जिले में पंचायत के एक तुगलकी फरमान ने विवाद खड़ा कर दिया है। सायला क्षेत्र में लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे युवक-युवती को लेकर समाज के पंचों ने दोनों परिवारों पर 21 लाख रुपये का जुर्माना लगा दिया। साथ ही परिवारों का सामाजिक बहिष्कार करते हुए हुक्का-पानी बंद कर दिया गया और धार्मिक स्थलों व सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल होने पर भी रोक लगा दी गई। पीड़ित परिवार ने एसपी कार्यालय पहुंचकर कार्रवाई की मांग की है।

पीड़ित परिवार के अनुसार, युवती का पहले बाल विवाह हुआ था। बालिग होने के बाद वर्ष 2024 में उसका तलाक हो गया और वह अलग रहने लगी। इसके बाद 1 नवंबर 2025 से वह अपनी इच्छा से समाज के ही 22 वर्षीय युवक के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रहने लगी। परिवार का आरोप है कि इस संबंध से नाराज समाज के पंचों ने फरवरी 2026 में धर्मस्थल पर आयोजित सभा में उन्हें बुलाकर दोनों को अलग करने और युवती को उसके माता-पिता के घर भेजने का दबाव बनाया। इसके लिए दो महीने का समय दिया गया।

निर्धारित समय बीतने के बाद 20 अप्रैल 2026 को एक पंच के घर दोबारा पंचायत बुलाई गई, जिसमें करीब 61 लोग मौजूद थे। पीड़ितों का आरोप है कि बैठक में 11 नामजद पंचों ने दोनों परिवारों पर 21 लाख रुपये का जुर्माना लगाया और सामाजिक बहिष्कार का फैसला सुनाया।

परिवार का कहना है कि इसके बाद समाज के लोगों ने उनसे बातचीत बंद कर दी, हुक्का-पानी बंद कर दिया गया तथा धार्मिक स्थलों और सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल होने पर रोक लगा दी गई। इतना ही नहीं, 6 जून को रिश्तेदारी में हुई मृत्यु के बाद आयोजित 12वें कार्यक्रम में भी उन्हें शामिल नहीं होने दिया गया।

पीड़ित परिवार ने 1 जून को सायला थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप है कि कार्रवाई नहीं होने पर 29 जून को उन्होंने जालोर एसपी कार्यालय पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई। शिकायत में लतीफ खां, नैने खां, मटार खां, जुसे खां सहित 11 लोगों को नामजद किया गया है। जालोर एसपी ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

शादीशुदा महिला संग भाग रहे प्रेमी के मर्डर का खुला राज
जेठ और उसके बेटों ने पीट-पीटकर की थी हत्या

बाड़मेर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के बाड़मेर जिले में 6 बच्चों की मां के साथ भाग रहे युवक की पीट-पीटकर हत्या मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। ग्रामीण थाना पुलिस ने दरूड़ा गांव में सांवलोर निवासी युवक की हत्या मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने प्रेम प्रसंग के चलते युवक के साथ मारपीट कर उसकी हत्या करना स्वीकार किया है। मामले में पुलिस आरोपियों से गहन पूछताछ कर घटना के अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है। पुलिस अधीक्षक चूनाराम जाट ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के निर्देशन तथा वृत्ताधिकारी बाड़मेर के सुपरविजन में बाड़मेर ग्रामीण थानाधिकारी विक्रम चारण के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हत्या के मामले का खुलासा किया। पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों, स्थानीय सूचनाओं एवं पूछताछ के आधार पर विवाहिता के 2 जेठ और उनके बेटों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। पुलिस के अनुसार उत्तमा भील की ढाणी, सांवलोर निवासी तुलछाराम पुत्र मुकनाराम भील ने 26 जून को बाड़मेर ग्रामीण थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

भारत के युवा राष्ट्र की सबसे बड़ी संपत्ति : द्रौपदी मुर्मू

राष्ट्रपति ने स्नातकों से आजीवन सीखने का आग्रह किया

अनंतपुरम, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को अनंतपुरम में आंध्र प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के पहले दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए छात्रों से नए विचारों को तलाशने और लगातार नया ज्ञान प्राप्त करने का साहस विकसित करने का आह्वान किया। विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को इसके सफर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताते हुए राष्ट्रपति ने सतत विकास लक्ष्यों, विशेष रूप से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति समर्पित, भविष्य के लिए तैयार उत्कृष्टता केंद्र बनने की संस्था की परिकल्पना की सराहना की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विश्वविद्यालय विकसित भारत 2047 की परिकल्पना को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। स्नातक छात्रों को बधाई देते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि उनकी सफलता न केवल उनकी कड़ी मेहनत को दर्शाती है, बल्कि उनके माता-पिता के बलिदान, शिक्षकों के मार्गदर्शन और समाज के सहयोग का भी परिणाम है। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे अपनी शिक्षा का उपयोग रोजगार सृजन, नवाचार को बढ़ावा देने, जनसेवा करने और वंचितों के उत्थान के लिए करें। तकनीकी बदलाव की तीव्र गति को रेखांकित करते हुए राष्ट्रपति ने इस बात पर बल दिया कि शिक्षा डिग्री प्राप्त करने के साथ समाप्त नहीं होनी चाहिए। उन्होंने छात्रों को अनुकूलनशील बने रहने, उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाने और जीवन भर नए विचारों को आगे बढ़ाने का आत्मविश्वास विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने ईमानदारी, करुणा, सहानुभूति और प्रकृति के प्रति सम्मान जैसे नैतिक मूल्यों के महत्व को भी रेखांकित किया और इन्हें समग्र विकास और जिम्मेदार नागरिकता की नींव बताया। भारत के युवाओं को राष्ट्र की सबसे बड़ी संपत्ति बताते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि उनकी रचनात्मकता, लचीलापन और प्रतिबद्धता चुनौतियों को अवसरों में बदलने और 2047 तक एक विकसित भारत के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने स्नातकों से आग्रह किया कि वे अपने द्वारा चुने गए किसी भी मार्ग में समर्पण और ईमानदारी के साथ उत्कृष्टता प्राप्त करने का प्रयास करें।

जामबाग़ डिवीज़न के पूर्व कॉर्पोरेटर राकेश जायसवाल ने मलाकुंटा इलाके में 'डोर-टू-डोर' (घर-घर जाकर) एसआईआर प्रोग्राम किया। इस प्रोग्राम में श्रीमती अरुणा (बीएलओ-1) और एसटी मोर्चा के नेता जगपति नाइक भी शामिल हुए।

अग्रसेन कोऑपरेटिव वीक के दौरान मेडिकल हेल्थ कैंप आयोजित

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रसेन कोऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड ने हेड ऑफिस, सिद्दीअंबर बाज़ार में लम्बाच इंश्योरेंस ब्रोकर्स के सहयोग से बुधवार को मेडिकल हेल्थ कैंप आयोजित किया। यह कार्यक्रम पूरे भारत में 29 जून से 6 जुलाई तक मनाए जा रहे है। यहा कार्यक्रम कोऑपरेटिव वीक सेलिब्रेशन 2026 के मौके पर आयोजित किया गया।

अग्रसेन बैंक के चेयरमैन प्रमोद कुमार केडिया और सीनियर वाइस चेयरमैन सीए नवीन कुमार अग्रवाल ने सीनियर डॉक्टरों, सपोर्ट स्टाफ़ और बैंक के स्टाफ़ सदस्यों के साथ दीपक जलाकर हेल्थ कैंप का उद्घाटन किया।

हेल्थ कैंप के दौरान केयर हॉस्पिटल से डॉ. श्वेता और उनकी टीम, एआईजी हॉस्पिटल से डॉ. तालिब और उनकी टीम,स्मार्ट विज़न से अमित और उनकी टीम, और क्लोव डेंटल से डॉ. शरण्या और उनकी टीम ने अपनी सेवाएँ दीं। लम्बाच इंश्योरेंस ब्रोकर्स के जी पी नायडू और हरि ने हेल्थ कैंप के संचालन की देखरेख की।

इस मौके पर बोलते हुए चेयरमैन ने डॉक्टरों की टीम की तारीफ़ की कि उन्होंने बैंक के अक्सर व्यस्त रहने वाले स्टाफ़ सदस्यों को उनके कार्यस्थल पर ही आँखों की जाँच, डेंटल सेवाएँ, ईसीजी, 2डी इको आदि जैसी बेहतरीन सेवाएँ दीं। उन्होंने बताया कि स्टाफ़ सदस्यों की सेहत का ध्यान रखने और उन्हें सहयोग देने के लिए अग्रसेन बैंक हर साल ऐसे हेल्थ कैंप आयोजित करता है और बैंक के हर कर्मचारी को उचित हेल्थ इंश्योरेंस कवर भी दिया जाता है।

सीईओ सी वी राव ने सभी डॉक्टरों और उनकी टीमों का स्वागत करके कार्यक्रम की शुरुआत की और चेयरमैन व सीनियर वाइस चेयरमैन से उनका परिचय कराया।

अन्य डायरेक्टरों ने भी हेल्थ कैंप में हिस्सा लिया। डीजीएम आनंद अग्रवाल और हेड ऑफिस व अन्य सभी ब्रांचों के स्टाफ़ ने हेल्थ कैंप में भाग लिया और विभिन्न जाँचें करवाईं।

जे. राघवेंद्र रेड्डी ने गोलकोंडा जोन के डीसीपी का पदभार संभाला

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जे. राघवेंद्र रेड्डी ने बुधवार को हैदराबाद के गोलकोंडा जोन के नए पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) के रूप में आधिकारिक रूप से पदभार ग्रहण कर लिया। इस नियुक्ति से पूर्व वे तेलंगाना ग्रेहाउंड्स में ग्रुप कमांडर के पद पर कार्यरत थे। पुलिस विभाग में उनके लंबे अनुभव और सेवाओं को देखते हुए उन्हें गोलकोंडा जोन की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

डॉक्टरों की निस्वार्थ सेवा और समर्पण प्रेरणादायक : वेकन्ना

टीजीएसआरटीसी अस्पताल में 'डॉक्टर्स डे' मना

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। टीजीएसआरटीसी तारनाका अस्पताल में राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस का आयोजन पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ किया गया। इस अवसर पर समाज के स्वास्थ्य की रक्षा में निरंतर योगदान देने वाले चिकित्सकों के सेवाभाव और समर्पण की सराहना की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ टीजीएसआरटीसी के कार्यकारी निदेशक (ऑपरेशन्स, इंजीनियरिंग एवं मेडिकल) सीएच. वेकन्ना ने मुख्य अतिथि के रूप में किया।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि चिकित्सा पेशा अत्यंत सम्माननीय और पवित्र है। डॉक्टरों की निस्वार्थ सेवा और समर्पण समाज के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि जिस तरह डॉक्टर मानव जीवन की रक्षा करते हैं, उसी तरह पेड़-पौधे और प्रकृति प्राकृतिक चिकित्सक के रूप में पर्यावरण और जीवन को सुरक्षित रखते हैं। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि अस्पताल परिसर में प्रत्येक डॉक्टर ने अपने नाम पर एक पौधा लगाया, जिससे यह संदेश दिया गया कि वे केवल मानव स्वास्थ्य ही नहीं बल्कि प्रकृति के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। इस पहल को उपस्थित अधिकारियों, मरीजों और उनके परिजनों ने सराहा। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं अधीक्षक डॉ. शैलजा मूर्ति, चिकित्सा प्रशासक डॉ. पी. श्रीनिवास सहित कई वरिष्ठ चिकित्सक, अधिकारी और बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे।

एनएमडीसी सर्वाधिक मात्रा दर्ज की, 60 एमटी लक्ष्य के लिए गति बनाई

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एनएमडीसी ने स्थापना के बाद से अपनी पहली तिमाही का अबतक का सर्वोच्च उत्पादन और बिक्री दर्ज करके वित्त वर्ष 27 की शुरुआत की है, जिससे भारत की इस्पात मूल्य-शृंखला की रीढ़ के रूप में इसकी स्थिति मजबूत हुई है । कंपनी ने वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही के दौरान 15.10 एमटी लौह अयस्क का उत्पादन किया, जो वर्ष-दर-वर्ष 26% की वृद्धि दर्शाता है, जबकि बिक्री 11.75 एमटी हुई, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 2% की वृद्धि दर्शाती है । यह रिकॉर्ड तिमाही प्रदर्शन निरंतर घरेलू मांग, छत्तीसगढ़ और कर्नाटक में अपने खनन परिसरों में परिचालन उत्कृष्टता और उत्पादन क्षमता बढ़ाने पर कंपनी के निरंतर ध्यान को दर्शाता है ।

तिमाही को और अधिक गतिशील बनाते हुए एनएमडीसी ने 5.15 एमटी के उत्पादन और 3.98 एमटी की बिक्री के साथ जून माह में अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन दर्ज किया, जो वर्ष-दर-वर्ष क्रमशः 44% और 11% की प्रभावशाली वृद्धि को दर्शाता है ।

इस प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए अमिताभ मुखर्जी, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक ने कहा बुनियादी ढांचे और विनिर्माण क्षेत्र में भारत का निरंतर निवेश लौह अयस्क की मांग को मजबूत करता है, और एनएमडीसी इस आवश्यकता को पैमाने, दक्षता और जिम्मेदारी के साथ पूरा कर रहा है ।

एनएमडीसी अपने खनन कार्यों के चरणबद्ध संवर्धन, रणनीतिक खदान विकास और आधुनिक निकासी बुनियादी ढांचे में निवेश के माध्यम से अपनी क्षमता-विस्तार रोडमैप में तेजी ला रहा है

बेगम बाजार स्थित मारवाडी हिंदी विद्यालय के प्रिंसिपल जगदीश चंद्र नोकवाल को उनके रिटायरमेंट पर विद्यालय परिवार द्वारा सम्मानित किया गया।

दिल्ली में लाल दरवाजा बोनालू उत्सव का निमंत्रण

टीपीसीसी अध्यक्ष ने किया स्वीकार

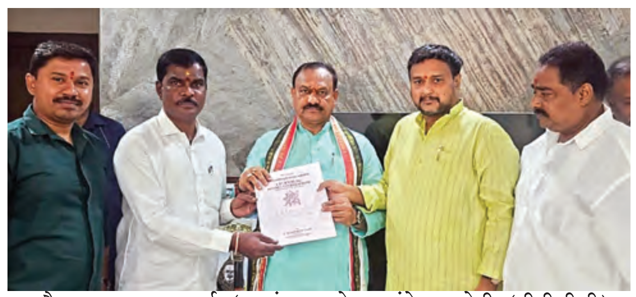

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की सांस्कृतिक परंपराओं और धार्मिक आस्था का प्रतीक लाल दरवाजा बोनालू उत्सव इस माह की 20 तारीख से दिल्ली में तीन दिवसीय कार्यक्रम के रूप में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) अध्यक्ष एवं एमएलसी महेश कुमार गौड़ को आयोजन समिति की ओर से औपचारिक रूप से आमंत्रित किया गया। लाल दरवाजा सिम्हवाहिनी श्री महाकाली मंदिर समिति के अध्यक्ष जी. अरविंद कुमार गौड़ ने बुधवार को नर्सिंग स्थित उनके आवास पर महेश कुमार गौड़ से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया और निमंत्रण पत्र सौंपा। इस मौके पर महेश कुमार गौड़ ने आयोजन समिति को आश्वस्त किया कि वे दिल्ली में आयोजित होने वाले बोनाल उत्सव में अवश्य शामिल होंगे। उन्होंने तेलंगाना की सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करने के इस प्रयास की सराहना भी की। कार्यक्रम के दौरान पूर्व अध्यक्ष के. वेंकटेश, ए. बद्रीनाथ गौड़, समिति सदस्य ए. भरत कुमार तथा कांग्रेस नेता डी.एल. नरसिंह गौड़ सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

एसबीआई ने ग्रेटर हैदराबाद में मनाया 71वां बैंक दिवस

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया (एसबीआई) ने ग्रेटर हैदराबाद में बड़े पैमाने पर कम्युनिटी डोनेशन और सम्मान समारोह के साथ अपना 71वां बैंक दिवस मनाया।

हैदराबाद सर्कल द्वारा आयोजित कार्यक्रम के प्रातःकालीन सत्र में सर्कल मैनेजमेंट कमेटी (सीएमसी), सम्मानित अतिथिगण और कर्मचारीगण शामिल हुए।

स्वागत समारोह का नेतृत्व हैदराबाद सर्कल के चीफ़ जनरल मैनेजर (सीजीएम) नीलेश द्विवेदी ने किया। उनके साथ जनरल मैनेजर सतीश कुमार (नेटवर्क II), रणविजय प्रताप (नेटवर्क I) और आर. गणेश (सीसीजीआरओ) भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सस्टेनेबिलिटी (पर्यावरण-अनुकूलता) को बढ़ावा देने के लिए, डीजीएम सीडीओ सुरजीत त्रिपाठी ने इको-फ्रेंडली पौधों के गुलदस्ते भेंट किए। तत्पश्चात् सभी ने मिलकर 71वें बैंक दिवस की शपथ ली।

इस दौरान एसबीआई के प्रमुख अधिकारियों ने 71वें बैंक दिवस मनाने के उपलक्ष्य में भरोसे, फाइनेंशियल इन्क्लूजन (वित्तीय समावेशन) और राष्ट्र-निर्माण की अपनी सात दशकों की विरासत को दोहराया। जिसमें कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) को बढ़ावा देना भी शामिल था।

हैदराबाद सर्कल ने स्थानीय शिक्षण और कल्याणकारी संस्थाओं को 3 यूटिलिटी वाहन डोनेट किए, ताकि समुदाय में आवाजाही और सुरक्षा को बेहतर बनाया जा सके। साथ ही साधना इंस्टीट्यूट फ़ॉर स्पेशल चिल्ड्रन (सिकंदराबाद) के छात्रों के लिए सुरक्षित और सुलभ परिवहन सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष मिनीवैन दिया गया, जिसे मधुसूदन रेड्डी ने प्राप्त किया।

इसके साथ दुर्गाबाई देशमुख कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग को भविष्य के हेल्थकेयर प्रोफ़ेशनल्स और फ़ैकल्टी के रोज़ाना आने-जाने में मदद के लिए 52-सीटर बस की प्राप्ति हुई। इस बस की चाबियों को चेयरपर्सन डॉ. जीएलके दुर्गा और प्रिंसिपल मिस शाव्या स्पंदना ने

प्राप्त कीं। राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस पर एसबीआई परिवार को स्वास्थ्य और वेलनेस के क्षेत्र में लगातार सहयोग देने के लिए सीएमसी ने 11 समर्पित बैंक मेडिकल ऑफ़िसर्स, स्पेशलिस्ट और हेल्थकेयर सलाहकारों को सम्मानित किया तथा चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (सीए) दिवस के संबंध में बैंक के साथ लंबे समय से जुड़े रहने, वित्तीय मार्गदर्शन देने और बहुमूल्य योगदान के लिए सीजीएम नीलेश द्विवेदी ने जाने-माने ऑडिटर सीएसआर मूर्ति और डी. विजय कुमार को सम्मानित किया।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति-04 की बैठक संपन्न

राजभाषा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति-04, हैदराबाद की बैठक दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्यालय रेल निलयम में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक एवं नराकास अध्यक्ष संजय कुमार श्रीवास्तव ने की। बैठक में समिति के उपाध्यक्ष, मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक राजेश पी. खाडे सहित समिति के सदस्य कार्यालयों के प्रमुख एवं प्रतिनिधि तथा हिंदी शिक्षण योजना के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। वहीं उप निदेशक (कार्यान्वयन), बेंगलूरु निर्मल कुमार दुबे तथा कुछ अन्य कार्यालयों के प्रमुखों एवं प्रतिनिधियों ने ऑनलाइन माध्यम से सहभागिता की। बैठक के दौरान महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि समिति की बैठकों का नियमित रूप से आयोजन होना सराहनीय है। उन्होंने केंद्र सरकार की राजभाषा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन तथा समिति की गतिविधियों के सुचारू संचालन में सभी से सहयोग का आह्वान किया। बैठक के प्रारंभ में उपाध्यक्ष एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी राजेश पी. खाडे ने अध्यक्ष एवं सभी सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि समिति के तत्वावधान में राजभाषा से संबंधित विभिन्न कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जा रहे हैं। इस अवसर पर उप महाप्रबंधक (राजभाषा) एम. के. नागराजु ने पिछली तिमाही की राजभाषा प्रगति रिपोर्ट की विभिन्न मदों पर विस्तार से चर्चा की तथा इस अवधि में किए गए विशेष कार्यों की जानकारी प्रस्तुत की।

दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्य वाणिज्य प्रबंधक डॉ. बी. एस. क्रिस्टोफर सेवानिवृत्त

35 वर्षों की उत्कृष्ट सेवा के बाद पी. अमरेंद्र को भावभीनी विदाई

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे में मुख्य वाणिज्य प्रबंधक (यात्री सेवाएं एवं यात्री विपणन) के पद पर कार्यरत डॉ. बी. एस. क्रिस्टोफर, भारतीय रेल यातायात सेवा (आईआरटीएस) 30 जून को सेवा से सेवानिवृत्त हो गए। डॉ. बी. एस. क्रिस्टोफर का जन्म 5 जुलाई 1967 को आंध्र प्रदेश के कर्नूल जिले के आदोनी में हुआ था।

उन्होंने वर्ष 1996 की परीक्षा के माध्यम से भारतीय रेल यातायात सेवा में चयनित हुए और दक्षिण रेलवे के पालघाट मंडल में सहायक परिचालन प्रबंधक के रूप में अपनी रेलवे सेवा शुरू की। वर्ष 1999 में उन्होंने दक्षिण मध्य रेलवे में कार्यभार संभाला और नांदेड़ मंडल को छोड़कर दक्षिण मध्य रेलवे के सभी मंडलों में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर सेवाएं दीं। उन्होंने सहायक परिचालन प्रबंधक, मंडल परिचालन प्रबंधक, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक तथा वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक जैसे दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। इसके अलावा वे दक्षिण पश्चिम रेलवे में मुख्य यात्री यातायात प्रबंधक के पद पर भी कार्यरत रहे।

सेवानिवृत्ति से पूर्व वे दक्षिण मध्य रेलवे में मुख्य वाणिज्य प्रबंधक (यात्री सेवाएं एवं यात्री विपणन) के पद पर कार्य कर रहे थे। अपने उत्कृष्ट कार्यों के लिए डॉ. क्रिस्टोफर को वर्ष 2008 में रेलवे बोर्ड पुरस्कार तथा वर्ष 2016 में रेलवे शिविर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। दक्षिण मध्य रेलवे के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनके लंबे, सफल और समर्पित सेवाकाल की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ, सुखद और सम्मानजनक सेवानिवृत्त जीवन की कामना की। इसी क्रम में दक्षिण मध्य रेलवे के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने 30 जून को वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (ड्राइंग) पी. अमरेंद्र को रेलवे में 35 वर्षों से अधिक की समर्पित सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने के अवसर पर सम्मानित किया और भावभीनी विदाई दी। इंजीनियरिंग विभाग में अपने लंबे और उल्लेखनीय सेवाकाल के दौरान पी. अमरेंद्र ने अपनी सूक्ष्म कार्यशैली, प्रतिबद्धता और पेशेवर उत्कृष्टता के लिए अनेक पुरस्कार प्राप्त किए। संगठन के प्रति उनके उत्कृष्ट योगदान को देखते हुए उन्हें प्रतिष्ठित महाप्रबंधक पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। सहकर्मियों ने अमरेंद्र को ईमानदार, समर्पित और अत्यंत कर्तव्यनिष्ठ कर्मचारी बताते हुए कहा कि उन्होंने अपने जिम्मे सौंपे गए प्रत्येक कार्य और परियोजना को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ पूरा किया। दक्षिण मध्य रेलवे के अधिकारियों ने उनके योगदान की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ, सुखमय और शांतिपूर्ण सेवानिवृत्त जीवन की कामना की तथा रेलवे के विकास में उनकी अमूल्य सेवाओं को हमेशा याद रखने की बात कही।

नाबालिग से यौन उत्पीड़न के दोषी को तीन साल की सजा

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राजेंद्रनगर स्थित विशेष पॉक्सो अदालत ने नाबालिग बालक से यौन उत्पीड़न के मामले में एक व्यक्ति को दोषी करार देते हुए तीन वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर जुर्माना लगाने के साथ पीड़ित को मुआवजा देने का भी आदेश दिया है। पुलिस के अनुसार, राजेंद्रनगर के बंदलागुडा क्षेत्र में चूड़ियों की दुकान चलाने वाले 56 वर्षीय पल्लाती वेणुगोपाल पर आरोप था कि उसने 1 मार्च, 2022 को दुकान पर सामान खरीदने आए 11 वर्षीय बालक के साथ यौन उत्पीड़न किया था।

घटना के बाद बालक ने अपने माता-पिता को पूरी जानकारी दी। इसके बाद परिजनों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच पूरी करने के बाद अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया। साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए तीन वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। साथ ही उस पर एक हजार रुपये का जुर्माना लगाया तथा पीड़ित बालक को 50 हजार रुपये का मुआवजा देने का निर्देश भी दिया।

यूरिया ऐप ने 6,000 बोरी उर्वरक घोटाले को उजागर करने में मदद की: मंत्री तुम्मला

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने कहा कि राज्य के उर्वरक (यूरिया) ऐप ने उर्वरक वितरण में बड़ी अनियमितताओं को उजागर करने में मदद की है, जिसके परिणामस्वरूप सिद्दिपेट जिले में 6,000 यूरिया बैग के गायब होने के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। मंत्री जी ने बताया कि दो थोक विक्रेताओं और एक खुदरा विक्रेता के लाइसेंस रद्द कर दिए गए हैं, आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं, गिरफ्तारियां की गई हैं और एक लापरवाह अधिकारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू की गई है। उन्होंने आगे कहा कि कामारेड्डी जिले में भी इसी तरह की अनियमितताएं पाई गईं, जिन पर कड़ी कार्रवाई की गई है। पारदर्शिता सुनिश्चित करने में ऐप की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए राव ने कहा कि डिजिटल ट्रैकिंग से फर्जी बिलिंग, अवैध भंडारण और सब्सिडी वाले उर्वरक के दुरुपयोग पर अंकुश लगा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

117 हस्तियों ने ...

क्रिकेट और अन्य खेलों की द्विपक्षीय सीरीज शुरू हो

अभी की स्थिति: भारत और पाकिस्तान के बीच आखिरी द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज 2012-13 में खेली गई थी। इसके बाद दोनों टीमें सिर्फ आईसीसी और एशिया कप जैसे टूर्नामेंट में मिली हैं। दूसरे खेलों में भी यही स्थिति है।

दोनों देशों के बीच हवाई सेवा शुरू हो

अभी की स्थिति: 24 अप्रैल 2025 के बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे के विमानों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया। तब से सीधी उड़ानें बंद हैं।

वीजा प्रक्रिया आसान हो

अभी की स्थिति: 24 अप्रैल 2025 के बाद अधिकांश वीजा सेवाएं निलंबित कर दी गईं और कई नागरिकों को वापस लौटना पड़ा।

हाई कमिश्नर दोबारा नियुक्त हों

अभी की स्थिति: अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 हटने के बाद पाकिस्तान ने अपना हाई कमिश्नर वापस बुला लिया। भारत ने भी अपना हाई कमिश्नर वापस बुला लिया था। तब से दोनों देशों में पूर्णकालिक हाई कमिश्नर नहीं हैं।

बस सेवा, करतारपुर कॉरिडोर और अटारी-वाघा बॉर्डर फिर खोला जाए

अभी की स्थिति: समझौता एक्सप्रेस और थार एक्सप्रेस अगस्त 2019 से बंद हैं। दिल्ली-लाहौर बस सेवा भी बंद है। अटारी-वाघा बॉर्डर से सामान्य नागरिक आवाजाही अप्रैल 2025 से प्रभावित है। करतारपुर कॉरिडोर, जो 9 नवंबर 2019 को खुला था, हालिया तनाव के कारण कई बार प्रभावित रहा है।

कारोबार फिर शुरू हो

अभी की स्थिति: 9 अगस्त 2019 को पाकिस्तान ने भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार निलंबित कर दिया। तब से भारत ने पाकिस्तान से इंपोर्ट (सामान खरीदना) ना के बराबर कर दिया।

जम्मू-कश्मीर भाजपा के नेता रविंदर रैना ने भारत-पाकिस्तान वार्ता की मांग को लेकर लिखे गए लेटर पर प्रतिक्रिया दिया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार को किसी लेटर की जरूरत नहीं है। भारत हमेशा अपने पड़ोसी देशों के साथ अच्छे संबंध चाहता है, लेकिन आतंकवाद और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते।

रैना ने कहा, 'पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी बस से लाहौर गए थे, लेकिन उसके बाद कारगिल में घुसपैठ हुई और फिर संसद पर आतंकी हमला हुआ।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

अभिषेक शर्मा से छिना नंबर 1 का 'ताज'

आईसीसी टी20 रैंकिंग में ईशान किशन टॉप पर पहुंचा

खेल डेस्क, 1 जुलाई (एजेंसियां)। टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को आईसीसी की रैंकिंग में बड़ा नुकसान हुआ है. वो अब नंबर 1 टी20 बल्लेबाज नहीं रहे हैं. आईसीसी की तरफ से जारी की गई ताजा रैंकिंग में ईशान किशन को जबरदस्त फायदा हुआ है जिसके तहत अब वो नए नंबर 1 टी 20 बल्लेबाज बन चुके हैं. अभिषेक को पीछे छोड़ते हुए ईशान ने ये मुकाम हासिल किया है. टी20 विश्व कप 2026 से ठीक पहले टीम इंडिया में एंट्री लेकर उन्होंने धमाकेदार अंदाज में बल्लेबाजी की है. विश्व कप में वो टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे नंबर के बल्लेबाज थे.

आईसीसी की रैंकिंग में ईशान किशन अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर नंबर 1 बन गए हैं. अब उनके पास 876 रेटिंग हैं जो कि अभिषेक से 7 ज्यादा है. ईशान किशन टीम इंडिया के लिए टी20 विश्व कप 2026 में लगभग 200 के स्ट्राइक रेट से 317 रन बनाने वाले बल्लेबाज थे. विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव और अभिषेक शर्मा के बाद नंबर 1 टी20 बल्लेबाज बनने वाले वो चौथे क्रिकेटर बन गए हैं. अभिषेक लगभग बीते एक साल से नंबर 1 की कुर्सी पर काबिज थे, जिसमें अब बदलाव हो चुका है.

आईसीसी की तरफ से जारी की गई ताजा रैंकिंग में टॉप 10 में 4 भारतीय बल्लेबाज शामिल हैं. नंबर 1 पर ईशान किशन हैं तो वहीं नंबर 2 पर अब अभिषेक शर्मा हैं. इसके बाद लिस्ट में 8वें नंबर पर सूर्यकुमार यादव का नाम है. उन्हें एक पायदान का नुकसान हुआ है. पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान नंबर 3 पर हैं. स्टार युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा पहले ही तरह इस बार भी छठे नंबर पर काबिज हैं. उनके नाम 747 रेटिंग है.

हार्दिक पंड्या को नहीं खरीदना चाहती 2 टीमें

सीएसके-केकेआर के बीच 'लड़ाई'

मुंबई, 1 जुलाई (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 के बाद हार्दिक पंड्या का मुंबई इंडियंस से पत्ता साफ हो रहा है और दिलचस्प बात ये है कि उन्हें खरीदने के लिए चेन्नई सुपरकिंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच होड़ मची हुई है. ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक मुंबई इंडियंस मैनेजमेंट इन तीनों टीमों से बातचीत कर रही है. पहले इस रेस में केकेआर और राजस्थान रॉयल्स की टीमें थीं. केकेआर को नए कप्तान की तलाश है वहीं राजस्थान रॉयल्स भी इस खिलाड़ी को ये भूमिका दे सकती है लेकिन अब चेन्नई सुपरकिंग्स ने हार्दिक पंड्या के ट्रेड में लेट एंट्री मारी है.

सवाल ये है कि चेन्नई सुपरकिंग्स को हार्दिक पंड्या को अपनी टीम में शामिल करने से आखिर क्या फायदा होगा? बताया जा रहा है कि चेन्नई सुपरकिंग्स हार्दिक पंड्या को कप्तान बनाएगी या नहीं ये तो साफ नहीं है लेकिन इस टीम को उनके जैसे ऑलराउंडर की सख्त जरूरत है. पंड्या तेज गेंदबाजी के साथ-साथ कमाल बल्लेबाज भी हैं. वो नंबर 4 से नंबर 7 तक बैटिंग कर सकते हैं. धोनी के जाने के बाद चेन्नई सुपरकिंग्स को पंड्या जैसी छवि के खिलाड़ी की जरूरत होगी जो पूरे इंडिया में पॉपुलर हैं. खैर टीम के पास संजू सैमसन भी हैं लेकिन पंड्या का औरा कुछ अलग है.

हार्दिक पंड्या को खरीदने में सिर्फ दो टीमों की दिलचस्पी नहीं है. ये टीम सनराइजर्स हैदराबाद और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु है. बाकी सभी टीमें हार्दिक पंड्या को कहीं ना कहीं अपनी टीम में चाहती हैं. बता दें हार्दिक पंड्या पिछले तीन सालों से मुंबई इंडियंस के कप्तान थे. उनकी कप्तानी में टीम का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा नतीजा ये हुआ कि अब उन्हें टीम से ही रिलीज किया जा रहा है. हार्दिक पंड्या गुजरात टाइटंस को एक बार आईपीएल जिता चुके हैं और दूसरी बार उनकी ही कप्तानी में ये टीम फाइनल में पहुंची थी.

हार्दिक पंड्या ने आईपीएल में 162 मैचों में 2955 रन बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 150 के करीब है. ये खिलाड़ी 82 विकेट भी चटका चुका है. आईपीएल 2026 में पंड्या का बल्ला नहीं चला था. वो 22.8 की औसत से 206 रन ही बना सके थे. साथ ही वो 10 मैचों में सिर्फ 4 ही विकेट झटक पाए.

महिला टी20 वर्ल्ड कप: ऑस्ट्रेलिया-विंडीज सेमीफाइनल के बाद

टॉप-5 बैटर-बॉलर; स्मृति मंधाना नंबर 3, श्री चरणी टॉप पर

मुंबई, 1 जुलाई (एजेंसियां)। महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 के पहले सेमीफाइनल के बाद टॉप-5 बल्लेबाजों की लिस्ट में मंधाना इतने रन के साथ तीसरे नंबर पर हैं जबकि भारतीय स्पिनर श्रीचरणी सबसे ज्यादा विकेट लेकर पहले स्थान पर मौजूद हैं।

महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 का पहला सेमीफाइनल मुकाबला ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच खेला गया। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया की टीम को 8 विकेट से जीत मिली और इस टीम ने फाइनल में जगह बना ली। अब इस टूर्नामेंट का दूसरा सेमीफाइनल मैच इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका के बीच 2 जुलाई को खेला जाएगा। इस मैच में जिस टीम को जीत मिलेगी वो फाइनल में पहुंचेगी और उसका सामना ऑस्ट्रेलिया के साथ 5 जुलाई को होगा।

महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 के पहले सेमीफाइनल मुकाबले के बाद बात अगर टॉप-5 बल्लेबाजों की की जाए तो इसमें भारत की ओपनर स्मृति मंधाना अभी भी तीसरे नंबर पर बनी हुई हैं। भारत इस टूर्नामेंट में लीग स्टेज से आगे नहीं बढ़ पाया था। वहीं रन बनाने के मामले में पहले नंबर पर डैनी वायट-हॉज हैं। वहीं टॉप-5 गेंदबाजों की बात करें तो इस लिस्ट में भारतीय स्पिनर श्रीचरणी फिलहाल टॉप पर बनी हुई हैं जबकि पाकिस्तानी गेंदबाज फातिमा सना दूसरे नंबर पर हैं।

गलती टीम इंडिया की नहीं मैदान की है? श्रेयस अय्यर का माथा घुमाने वाला बयान

खेल डेस्क, 1 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने ऐसी बात कह दी है जो फैंस को हजम नहीं हो रही है. श्रेयस अय्यर ने मीडिया से बातचीत में आयरलैंड से मिली हार पर अपनी बात सामने रखी. कप्तान अय्यर ने कहा कि आयरलैंड से मिली हार शर्मनाक नहीं थी लेकिन उससे काफी निराशा हुई और उन्होंने ये माना कि आयरिश टीम ने टीम इंडिया से बेहतर खेल दिखाया. हालांकि श्रेयस अय्यर ने इस दौरान बेलफास्ट के मैदान को भी कहीं ना कहीं हार की वजह बता दिया. अय्यर ने कहा कि बेलफास्ट का मैदान स्टेडियम जैसा नहीं था इसलिए वहां टीम इंडिया को परेशानी हुई.

श्रेयस अय्यर ने दावा किया कि बेलफास्ट के सिविल सर्विस क्रिकेट क्लब का मैदान दूसरे क्रिकेट मैदानों की तुलना में काफी अलग था. जिसकी वजह से फील्डिंग सेट करने में काफी दिक्कत हुई. वहीं दूसरी ओर भारत के मैदान चारों तरफ से एक जैसे हैं और इसलिए वहां फील्ड सेट करना आसान होता है. श्रेयस अय्यर बोले, 'बेलफास्ट का मैदान बिल्कुल भी स्टेडियम जैसा नहीं था. आउटफील्ड धीमी थी और समतल भी नहीं थी.

साथ ही मैदान का आकार स्क्वायर था इसलिए सिंगल और डबल रन रोकना मुश्किल था. एक कप्तान के तौर पर मेरे लिए फील्डिंग सेट करना थोड़ा अटपटा सा लगता था, क्योंकि हमें इसकी आदत नहीं है.' अय्यर ने कहा, 'हम आईपीएल में खेल रहे थे, सभी मैदान हर दिशा से बिल्कुल समतल थे. इसलिए आयरिश मैदान थोड़ा चुनौतीपूर्ण था.'

श्रेयस अय्यर ने मैदान में कई खामियां गिना दी लेकिन सवाल ये है कि टीम इंडिया तो बैटिंग की वजह से हारी थी. दोनों टी20 मैचों में टीम इंडिया की गेंदबाजी ठीक-ठाक थी लेकिन बैटिंग के मोर्चे पर तो सभी बल्लेबाज फेल रहे. खुद श्रेयस अय्यर भी दोनों मैचों में फ्लॉप साबित हुए. गजब की बात ये है कि टीम इंडिया के खिलाड़ियों को टी20 क्रिकेट खेलने का काफी अनुभव है. उन्हें मैदान के बारे में पता था तो उन्होंने क्यों शॉट सेलेक्शन उसी के मुताबिक नहीं रखा? श्रेयस अय्यर, संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, खुद श्रेयस अय्यर बेहद खराब शॉट्स खेलकर आउट हुए. दरअसल यहां दिक्कत मैदान से ज्यादा टीम इंडिया के खिलाड़ियों की बुरी आदत थी.

टीम इंडिया के खिलाड़ी आईपीएल में पाटा पिचों पर ढेरों रन बनाकर आए थे. उन्होंने आयरलैंड की पिच पर भी वही करने की कोशिश की और उसका नतीजा हार में निकला. अब उम्मीद है कि टीम इंडिया इंग्लैंड के मैदानों को समझ लेंगे और साथ ही बैटिंग-बॉलिंग में भी अच्छा प्रदर्शन करेंगे क्योंकि अगर ऐसा नहीं हुआ तो इंग्लैंड से भी टी20 सीरीज हार आप पक्की ही समझिए.

फुटबॉल वर्ल्डकप में एमबाप्पे के डबल गोल से जीता फ्रांस

नॉर्वे पहली बार प्री-क्वार्टर फाइनल में, मैक्सिको 40 साल बाद नॉकआउट मैच जीता

न्यूयॉर्क, 1 जुलाई (एजेंसियां)। पिछली बार की फाइनलिस्ट फ्रांस ने स्वीडन को 3-0 से हराकर फुटबॉल वर्ल्ड कप के राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली। साथ ही सह-मेजबान मैक्सिको ने इक्वाडोर को 2-0 से हराकर 40 साल बाद नॉकआउट राउंड का मैच जीता है। इससे पहले आखिरी मैच में नॉर्वे ने आइवरी कोस्ट को 2-1 से हराया। उसने पहली बार प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी स्टेडियम में फ्रांस के लिए किलियन एमबाप्पे ने दो और ब्रैडली बारकोला ने एक गोल किया। डलास स्टेडियम में नॉर्वे के लिए एंटोनियो नुसा और एरलिंग हालैंड ने गोल किए। आइवरी कोस्ट से अमाद डियालो ने एकमात्र गोल किया। मैक्सिको सिटी स्टेडियम में मैक्सिको के जूलियन क्विन्योनेस ने 22वें और राउल जिमेनेज ने 31वें मिनट में गोल किए। इंजरी टाइम के 5वें मिनट में पिएरो हिनकापिए को रेड कार्ड मिला। अब फ्रांस का सामना पैराग्वे से 5 जुलाई को होगा। जबकि, 6 जुलाई को नॉर्वे का मुकाबला पांच बार की चैंपियन ब्राजील से होगा। मैक्सिको 6 जुलाई को इंग्लैंड और कांगो डीआर के विजेता से खेलेगी।

एमबाप्पे ने 45वें और 74वें मिनट में गोल किए। उन्होंने इस वर्ल्ड कप में तीसरी बार डबल गोल किए हैं। टूर्नामेंट में उनके छह गोल हो गए हैं। उन्होंने इस एडिशन के टॉप गोल स्कोरर की लिस्ट में अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी की बराबरी कर ली है।

एमबाप्पे वर्ल्ड कप के नॉकआउट मुकाबलों में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उनके 10 गोल हो गए हैं। उन्होंने ब्राजील के दिग्गज लियोनिडास और रोनाल्डो के आठ-आठ गोल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। एमबाप्पे ने वर्ल्ड कप करियर में 18वां गोल किया है। वे मेसी (19 गोल) के वर्ल्ड रिकॉर्ड से सिर्फ एक गोल पीछे हैं।

फ्रांस ने पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा। टीम ने स्वीडन पर 25-7 से शॉट लगाए, जिनमें पहले हाफ में 15-3 की बढ़त रही। पहले एमबाप्पे और फिर माइकल ओलिसे की साइकिल किक पोस्ट से टकराई। इसके बाद एमबाप्पे ने ओलिसे के प्रयास पर मिले मौके को गोल में बदला। 53वें मिनट में गुस्ताफ लागरबिएल्के से गेंद छिनने के बाद ऑरेलियन चुआमेनी ने ओलिसे को पास दिया। ओलिसे ने शानदार मूव बनाते हुए बारकोला को गेंद दी और उन्होंने गोल कर बढ़त 2-0 कर दी। तीसरा गोल भी ओलिसे और बारकोला की मदद से एमबाप्पे ने किया। फ्रांस के कोच दिदिए देशां अपनी मां के अंतिम संस्कार के बाद टीम से जुड़े। मैच के अंत में जब एमबाप्पे को बदला गया तो देशां ने झुककर उनका अभिवादन किया। फ्रांस अब तक टूर्नामेंट में 13 गोल कर चुका है और सिर्फ दो गोल खाए हैं। माइकल ओलिसे पांच गोल में असिस्ट दे चुके हैं। नॉर्वे ने वर्ल्ड कप इतिहास में पहली बार नॉकआउट मुकाबला जीता। एरलिंग हालैंड ने निर्णायक गोल 86वें मिनट में किया। पैट्रिक बर्ग ने पेनाल्टी एरिया में तीन डिफेंडरों को अपनी ओर खींचने के बाद हालैंड को पास दिया और उन्होंने इस टूर्नामेंट में 5वां गोल दाग दिया।

नॉर्वे के लिए पहला गोल 39वें मिनट में एंटोनियो नुसा ने किया। उन्होंने पेनाल्टी एरिया के बाएं हिस्से से शानदार कर्लिंग शॉट लगाकर गेंद जाल में पहुंचाई। यह उनका पहला वर्ल्ड कप गोल और नॉर्वे के लिए 28 मैचों में 9वां इंटरनेशनल गोल था। आइवरी कोस्ट ने 74वें मिनट में बराबरी की। निकोलस पेपे के साथ वन-टू खेलने के बाद अमाद डियालो ने बाएं पैर से शानदार शॉट लगाकर स्कोर 1-1 कर दिया। इससे पहले डियालो ने दूसरे हाफ में टॉरब्योर्न हेगेन के शॉट को भी डिफ्लेक्ट कर अपनी टीम को बचाया था। हालैंड के गोल के बाद आइवरी कोस्ट ने बराबरी की पूरी कोशिश की। स्टॉपेज टाइम के छठे मिनट में डियालो की सीधी फ्री-किक पर गोलकीपर ऑरजान नीलांड ने शानदार बचाव किया। यह मैच में उनका चौथा और सबसे अहम सेव रहा। 1986 में अपने घर में खेले गए वर्ल्ड कप में बुल्गारिया को हराने के बाद यह पहली बार है, जब मैक्सिको ने नॉकआउट चरण का कोई मुकाबला जीता है।

'हीरो बनने की कोशिश की, अपने लिए खेले'

तिलक वर्मा पर भड़के पूर्व भारतीय ओपनर श्रीकांत

तिलक वर्मा

मुंबई, 1 जुलाई (एजेंसियां)। टीम इंडिया के पूर्व ओपनर श्रीकांत ने तिलक वर्मा की बैटिंग की जमकर आलोचना की और उन्होंने कहा कि आयरलैंड के खिलाफ वो हीरो बनने की कोशिश कर रहे थे। भारत को उनकी पारी की वजह से हार मिली।

भारत के पूर्व कप्तान, ओपनर और सेलेक्टर कृष्णमाचारी श्रीकांत ने बेलफास्ट में आयरलैंड के खिलाफ हालिया टी20 सीरीज में तिलक वर्मा की मतलबी बल्लेबाजी की आलोचना की। श्रीकांत ने तिलक पर हीरो बनने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह बाएं हाथ का बल्लेबाज सीरीज में सिर्फ अपने लिए खेल रहा था।

तिलक का स्पिन के खिलाफ खेल भारत के लिए बड़ी चिंता का विषय रहा है। 2024 से आईपीएल में धीमे गेंदबाजों के खिलाफ उनका प्रदर्शन तेजी से गिरा है। इस भूमिका के लिए उन पर भारत का भरोसा कम होने का पता 2026 टी20 वर्ल्ड कप के दौरान चला जब उन्हें मिडिल-ऑर्डर से हटाकर असल में एक फिनिशर के तौर पर खिलाया गया।

श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि भारत ने बीच के ओवरों में आयरलैंड के खिलाफ दूसरे मैच में जिस तरह से खेला वैसा नहीं खेलना चाहिए था खासकर तिलक वर्मा, शिवम दुबे और अक्षर पटेल ने, उन सभी का स्ट्राइक रेट खराब था। आपको बीच के ओवरों में थोड़ा संभलकर खेलना चाहिए और फिर आक्रामक होना चाहिए। अगर आप बीच के ओवरों में नाकाम रहे तो आपकी हार तय है।

दूसरे टी20 मैच में जब भारत 155 रन का पीछा कर रहा था तब तिलक 19/3 के स्कोर पर बल्लेबाजी करने आए। हालांकि विकेट तेजी से गिरने लगे इसलिए वे संभलकर खेलने लगे और टीम को एक रन की करीबी हार से बचाने के लिए समय रहते तेजी से रन नहीं बना पाए। श्रीकांत ने कहा कि तिलक वर्मा बस एक-दो रन लेकर अपने लिए खेल रहे थे। उन्होंने मैच को आखिर तक ले जाकर हीरो बनने की कोशिश की। उन्होंने सोचा कि आखिर में मैच जिताकर अपनी जर्सी ऊपर उठाकर जश्न मनाएंगे। ऐसे टारगेट को एक ओवर पहले ही हासिल कर लेना चाहिए न कि आखिर तक खींचना चाहिए था।

संन्यास से लौटीं सेरेना विंबलडन के पहले राउंड में हारीं

24 साल छोटी ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने हराया, इगा स्वियातेक अगले राउंड में

माया जॉइंट

लंदन, 1 जुलाई (एजेंसियां)। रिटायरमेंट से वापसी कर रही सेरेना विलियम्स को विंबलडन के पहले ही राउंड में हार गई हैं। 44 साल की सेरेना को उनसे 24 साल छोटी ऑस्ट्रेलिया की माया जॉइंट ने 6-3, 6-7, 6-3 से हराया। 23 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सेरेना अब लेडीज डबल्स कैटेगरी में अपनी बड़ी बहन वीनस विलियम्स के साथ चुनौती पेश करेंगी।

सेरेना ने करीब चार साल (1,462 दिन) बाद इस चैंपियनशिप से वापसी की।

उन्हें लेडीज सिंगल्स और डबल्स कैटेगरी में वाइल्ड कार्ड एंट्री दी गई। 2022 में मां बनने के बाद उन्होंने इंटरनेशनल करियर से रिटायरमेंट ले लिया था। सेरेना विलियम्स थोड़ी थकी और लय से बाहर नजर आईं। पहले सेट में ऑस्ट्रेलिया की माया जॉइंट ने उनकी कमजोरियों का फायदा उठाया और यह सेट आसानी से 6-3 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में सेरेना ने शानदार वापसी की। दो बार ब्रेक पॉइंट पर पिछड़ने के बाद उन्होंने खेल को टाइ-ब्रेकर तक खींचा और दूसरा सेट 7-6 से जीत लिया। हालांकि, तीसरे सेट में शारीरिक थकान उन पर हावी हो गई और माया ने आखिरी सेट 6-3 से जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।

सेरेना ने बयान में कहा- 'विंबलडन में वापस आना वास्तव में बहुत अच्छा था। मुझे यहां आने की उम्मीद नहीं थी। माहौल अद्भुत था और मैंने इस पल का पूरा आनंद लिया।'

बुल्गारिया के 35 साल के खिलाड़ी ग्रिगोर दिमित्रोव ऑस्ट्रेलिया के डेन स्वीनी को सीधे सेटों में 7-6, 6-3, 7-5 से हरा दिया। दिमित्रोव पिछले साल इसी कोर्ट पर यानिक सिनर के खिलाफ 2 सेट की बढ़त लेने के बाद पेक्टोरल इंजरी (सीने की मांसपेशी में चोट) के कारण मैच से हट गए थे। वे रोते हुए कोर्ट से बाहर गए थे। महिला सिंगल्स की मौजूदा चैंपियन पोलैंड की इगा स्वियातेक को भी अपने पहले दौर के मुकाबले में काफी पसीना बहाना पड़ा। तीसरी वरीयता प्राप्त स्वियातेक ने अमेरिका की टेलर टाउनसेंड को 6-1, 2-6, 6-3 से हराया।

पहला सेट 6-1 से आसानी से जीतने के बाद दूसरा सेट हार गईं। तीसरे सेट के पहले गेम में उन्होंने तीन डबल फॉल्ट करने के बावजूद चार ब्रेक पॉइंट बचाए और अंततः दो घंटे से अधिक चले मैच को जीत लिया। जीत के बाद स्वियातेक इतनी भावुक हो गईं कि कोर्ट पर ही तौलिए से मुंह छिपाकर रोने लगीं।

मेजबान ब्रिटेन के लिए टूर्नामेंट का दूसरा दिन बेहद निराशाजनक रहा। विंबलडन के इतिहास में 38 साल बाद ऐसा हुआ है। जब पहले ही दौर में ब्रिटेन के 15 खिलाड़ी हारकर बाहर हो गए हैं। इससे पहले 1988 में 16 ब्रिटिश खिलाड़ी पहले दौर में हारे थे।

विंडीज टूर के लिए न्यूजीलैंड की वनडे टीम घोषित

मैट फिशर को पहली बार मौका

वेलिंगटन, 1 जुलाई (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने 11 जुलाई से वेस्टइंडीज में होने वाली 5 मैचों की वनडे सीरीज के लिए टीम का ऐलान कर दिया है। 26 साल के तेज गेंदबाज मैट फिशर को पहली बार जगह मिली है। जैकब डफी टी20 वर्ल्ड कप फाइनल के बाद वापसी कर रहे हैं।

मिशेल सैंटनर एक बार फिर व्हाइट-बॉल टीम की कप्तानी करेंगे। स्पिन विभाग में उनके साथ माइकल ब्रेसवेल, जेडन लेनॉक्स और डीन फॉक्सक्रॉफ्ट होंगे। टॉम लैथम विकेटकीपर की भूमिका निभाएंगे। पेस अटैक में जैकब डफी, मैट फिशर, क्रिस्टियन क्लार्क, बेन सियर्स और नाथन स्मिथ के नाम हैं।

काइल जैमीसन, मैट हेनरी और विल ओरूर्के को आराम दिया गया है। ब्लेयर टिकनर टखने की सर्जरी के कारण उपलब्ध नहीं हैं। डेवोन कॉनवे इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के दौरान अपने दूसरे बच्चे के जन्म के बाद परिवार के साथ समय बिताने के लिए इस दौरे पर नहीं जाएंगे।

टीमः मिशेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, क्रिस्टियन क्लार्क, जैकब डफी, मैट फिशर, डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, मिच हे, निक केली, टॉम लैथम, जेडन लेनॉक्स, डैरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, बेन सियर्स, नाथन स्मिथ और विल यंग।

विश्वकप से बाहर होते ही दो दिग्गजों ने कोच पद से दिया इस्तीफा? मोरक्को-स्पेन बने विदाई का कारण

बिएल्सा और कोमैन

न्यूयॉर्क, 1 जुलाई (एजेंसियां)। फीफा विश्व कप 2026 में खराब प्रदर्शन का असर अब टीमों के कोचिंग स्टाफ पर भी दिखाई देने लगा है। राउंड ऑफ-32 में मोरक्को से हारकर बाहर होने के बाद नीदरलैंड्स के मुख्य कोच रोनाल्ड कोमैन ने इस्तीफा दे दिया, जबकि ग्रुप चरण से बाहर हुई उरुग्वे टीम के मुख्य कोच मार्सेलो बिएल्सा ने भी पद छोड़ने का एलान कर दिया। दोनों दिग्गज कोचों ने अपनी-अपनी टीमों की विफलता की जिम्मेदारी खुद स्वीकार की।

रोनाल्ड कोमैन पहली बार 2018 से 2020 तक नीदरलैंड्स के कोच रहे। कतर विश्व कप 2022 के बाद उन्होंने 2023 में दोबारा टीम की कमान संभाली। उनके नेतृत्व में टीम ने यूरो 2021, यूरो 2024 और विश्व कप 2026 के लिए क्वालिफाई किया। यूरो 2024 में टीम सेमीफाइनल तक पहुंची थी, जबकि पहले कार्यकाल में उन्होंने 2019 यूईएफए नेशंस लीग के फाइनल में भी जगह बनाई थी। उन्होंने कुल 64 आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय मैचों में टीम की कोचिंग की। इस्तीफे की घोषणा करते हुए कोमैन ने कहा, 'मैंने डच राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच के रूप में अपना कार्यकाल समाप्त करने का फैसला किया है। हम सभी ने विश्व कप में इतिहास रचने का सपना देखा था, लेकिन हम ऐसा नहीं कर सके। इससे ज्यादा निराश कोई नहीं है जितना मैं हूं।

राष्ट्रीय टीम के कोच के रूप में यह जिम्मेदारी हमेशा मेरी थी और आगे भी रहेगी। पिछले कुछ वर्षों ने मुझे यह भी एहसास कराया है कि फुटबॉल से बढ़कर भी बहुत कुछ है। फुटबॉल मेरी जिंदगी रही है, लेकिन स्वास्थ्य सबसे अनमोल है।'

उन्होंने आगे कहा, 'कोचिंग स्टाफ और खिलाड़ियों के साथ इतने लंबे समय तक काम करने के बाद यह फैसला आसान नहीं था। विश्व कप का सफर इतनी जल्दी खत्म होना बेहद निराशाजनक है, लेकिन जब मैं पीछे मुड़कर देखूंगा तो मुझे हमारी शानदार साझेदारी और खूबसूरत पल ही याद आएंगे। अब मुझे लगता है कि पत्नी, बच्चों और अपने पोते-पोतियों के साथ ज्यादा समय बिताने का यही सही और सबसे स्वाभाविक समय है।' नीदरलैंड्स फुटबॉल संघ के तकनीकी निदेशक नाइजेल डी जोंग ने कहा, 'रोनाल्ड ने पिछले कुछ वर्षों में पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ काम किया और डच राष्ट्रीय टीम के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। केएनवीबी की ओर से मैं उनका दिल से धन्यवाद करता हूं।' दूसरी ओर, दो बार की विश्व चैंपियन उरुग्वे ग्रुप-एच में स्पेन से हार और केप वर्डे तथा सऊदी अरब के खिलाफ ड्रॉ के बाद तीसरे स्थान पर रही और नॉकआउट में जगह नहीं बना सकी। इसके बाद मुख्य कोच मार्सेलो बिएल्सा ने पद छोड़ने की घोषणा कर दी।

महिला सशक्तिकरण ही विकास की मजबूत नींव : शिव प्रताप शुक्ल

राज्यपाल ने किया एपीएमएएस के राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि महिला सशक्तिकरण ही देश के समग्र विकास की मजबूत नींव है। महिलाओं, किसानों और ग्रामीण समुदायों को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाकर ही समावेशी विकास का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

बुधवार को हैदराबाद स्थित डॉ. एम.सी.आर. मानव संसाधन विकास संस्थान में आयोजित एपीएमएएस के रजत जयंती समारोह तथा समावेशी विकास के लिए समुदाय आधारित मार्ग विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए राज्यपाल ने यह बात कही। अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा कि एपीएमएएस की 25 वर्षों की यात्रा केवल एक संस्था की सफलता की कहानी नहीं, बल्कि विश्वास, सेवा भावना, नवाचार और सामाजिक परिवर्तन का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि संस्था ने महिलाओं, किसानों और ग्रामीण समाज को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए देशभर में एक आदर्श स्थापित किया है। राज्यपाल ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों का आंदोलन आज दुनिया के सबसे बड़े सामाजिक विकास आंदोलनों में से एक बन चुका है। 31 मार्च 2025 तक देशभर में 17 करोड़ से अधिक ग्रामीण परिवार स्वयं सहायता समूहों से जुड़े हैं, जबकि 1.43 करोड़ समूह बैंकिंग प्रणाली से जुड़कर 3.04 लाख करोड़ रुपये से अधिक के ऋण का उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह केवल वित्तीय समावेशन का उदाहरण नहीं, बल्कि महिला नेतृत्व, ग्रामीण उद्यमिता और सामाजिक परिवर्तन की सशक्त मिसाल है।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना में महिला स्वयं सहायता समूहों को मजबूत बनाने में एपीएमएएस ने उल्लेखनीय योगदान दिया है। संस्था अब तक 6 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों, 23 हजार महासंघों और 67 लाख महिला सदस्यों को सशक्त बनाने की दिशा में कार्य कर चुकी है। राज्यपाल ने बताया कि समुदाय आधारित वित्तीय संस्था स्त्रीनिधि की स्थापना में भी एपीएमएएस की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। 31 मार्च 2026 तक स्त्रीनिधि ने 32 लाख सदस्यों को 25 हजार करोड़ रुपये से अधिक का ऋण उपलब्ध कराया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में एपीएमएएस 86 किसान उत्पादक संगठनों को सुदृढ़ बनाने का कार्य कर रही है, जिससे लगभग 40 हजार छोटे और सीमांत किसानों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आ रहा है। राज्यपाल ने कहा कि 'तेलंगाना राइजिंग-2047' के तहत 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार और समाज को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने प्राकृतिक खेती, जल संरक्षण, मूल्य संवर्धित उत्पादों, जलवायु अनुकूल तकनीकों तथा किसान उत्पादक संगठनों के सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई।

उन्होंने आह्वान किया कि विकास का लाभ महिलाओं, छोटे किसानों, आदिवासियों, ग्रामीण युवाओं और समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार, स्वयंसेवी संस्थाएं, वित्तीय संस्थान और समाज मिलकर कार्य करें तो विकसित भारत का सपना अवश्य साकार होगा।

उस्मानिया अस्पताल में पहली बार पांच अंगों का सफल प्रत्यारोपण

36 घंटे चली जटिल सर्जरी, सरकारी अस्पताल में रचा गया नया कीर्तिमान

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सरकारी अस्पतालों में पहली बार उस्मानिया जनरल अस्पताल (ओजीएच) के चिकित्सकों ने एक मरीज का एक साथ पांच अंगों का सफल प्रत्यारोपण कर चिकित्सा क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह जटिल सर्जरी सिरसिला के 30 वर्षीय एक इंजीनियर पर की गई। अस्पताल के गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग के प्रमुख एवं मुख्य प्रत्यारोपण सर्जन डॉ. सी. मधुसूदन के नेतृत्व में चिकित्सकों की टीम ने मरीज के पेट, ग्रहणी, अग्न्याशय, छोटी आंत तथा दाहिनी बड़ी आंत (राइट कोलन) का एक साथ प्रत्यारोपण किया। विभिन्न विशेषज्ञताओं के डॉक्टरों की टीम द्वारा की गई यह अत्यंत जटिल सर्जरी करीब 36 घंटे तक चली।

चिकित्सकों के अनुसार, सरकारी अस्पताल में इस प्रकार का बहु-अंग प्रत्यारोपण पहली बार सफलतापूर्वक किया गया है। उन्होंने बताया कि अत्यधिक जोखिम और जटिलता के कारण इस तरह की सर्जरी निजी अस्पतालों में भी बहुत कम की जाती है। मरीज का उपचार और प्रत्यारोपण आरोग्यश्री स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत निःशुल्क किया गया।

प्रकृति के साथ ही स्थायी विकास : पवन कल्याण

18 नगर वन और ईको पार्क जनता को समर्पित

मंगलगिरि, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री तथा वन एवं पर्यावरण मंत्री पवन कल्याण ने कहा कि जो देश प्रकृति के साथ मिलकर आगे बढ़ता है, वही लंबे समय तक टिकाऊ विकास हासिल कर सकता है। उन्होंने कहा कि प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर किया गया विकास ही वास्तविक और स्थायी विकास है। उन्होंने यह भी कहा कि हमारी विरासत केवल इमारतों और स्मारकों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि संरक्षित प्रकृति भी हमारी पहचान का हिस्सा बननी चाहिए। उपमुख्यमंत्री ने बुधवार को मंगलगिरि स्थित कैंप कार्यालय से राज्य में नव विकसित 18 नगर वन, ईको पार्क तथा सामुदायिक आधारित ईको-पर्यटन परियोजनाओं का वर्चुअल शुभारंभ कर उन्हें जनता को समर्पित किया। इस अवसर पर राज्य के मंत्री आनम रामनारायण रेड्डी, अनगानी सत्यप्रसाद तथा सविता भी वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुए। अपने संबोधन में पवन कल्याण ने कहा कि तेजी से फैलते शहरों और कस्बों के बीच ये नगर वन 'ग्रीन लंग्स' के रूप में कार्य करेंगे तथा पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार की 'नगर वन योजना' और स्थानीय निधियों के सहयोग से 36 करोड़ रुपये की लागत से यह महत्वाकांक्षी परियोजना विकसित की गई है। प्रत्येक नगर वन लगभग 50 हेक्टेयर क्षेत्र में दो करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि कोड्डूरु, कैलासगिरि और मदनपल्ले में विशेष रूप से लाल चंदन संरक्षण पार्क स्थापित किए गए हैं। साथ ही जैव विविधता संरक्षण और भारतीय परंपराओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नक्षत्र वन और राशि वन भी विकसित किए गए हैं। इन पार्कों में पक्षी आवास, नौकायन, कयाकिंग, ट्रैकिंग पथवे, योग केंद्र और खुले व्यायामशाला जैसी अनेक आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे नागरिकों को मनोरंजन और स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं एक ही स्थान पर मिल सकें। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कंक्रीट के जंगल में बदलते आधुनिक शहरों में ये नगर वन लोगों को प्रकृति की शांति और हरियाली का अनुभव कराएंगे। उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं केवल वर्तमान पीढ़ी के लिए नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए हरित विरासत के रूप में विकसित की गई हैं। उन्होंने नागरिकों से इन वनों की सुरक्षा करने तथा स्वच्छ और हरित आंध्र प्रदेश के निर्माण में भागीदार बनने का आह्वान किया। इस अवसर पर देवादाय विभाग के मंत्री आनम रामनारायण रेड्डी ने कहा कि उन्होंने नेल्लोर ग्रामीण क्षेत्र में विकसित नगर वन का स्वयं निरीक्षण किया है। वहां की हरियाली, शांत वातावरण और आधुनिक सुविधाएं परिवार के साथ समय बिताने के लिए अत्यंत उपयुक्त हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि नगर वन के निकट स्थित पहाड़ी और वहां स्थित श्री लक्ष्मी नरसिंहस्वामी मंदिर को पार्क से जोड़कर ट्रैकिंग पथवे के रूप में विकसित किया जाए, जिससे नागरिकों को आध्यात्मिक और साहसिक पर्यटन का नया अनुभव प्राप्त हो सके। कार्यक्रम में विधायक कोटला जयसूर्य प्रकाश रेड्डी, गौतु शिरीषा, डॉ. बी.वी. जयनागेश्वर रेड्डी, डॉ. पार्थसारथी, मोहम्मद शाहजहां बाशा, वन एवं पर्यावरण विभाग के प्रमुख सचिव कांतिलाल दांडे, प्रधान मुख्य वन संरक्षक पी.वी. चलपति राव, वन विभाग के सलाहकार मल्लिकार्जुन राव, मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एन. नागेश्वर राव, सूचना प्रौद्योगिकी सलाहकार पी. नागेश्वर राव, वन संरक्षक ए. शीनिवासुलु सहित अनेक जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

नाले से मिला मानव कंकाल, जांच में जुटी पुलिस

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के अलवाल क्षेत्र स्थित माचाबोल्लाराम में मोटकुलकुंटा झील के समीप एक नाले से बुधवार को मानव कंकाल बरामद होने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस ने कंकाल को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, नाले की सफाई के दौरान हाइड्रा के कर्मियों को कंकाल दिखाई दिया। प्रारंभिक तौर पर अवशेष किसी पुरुष के होने की आशंका जताई जा रही है। शव पूरी तरह सड़-गल चुका था और मौके पर केवल कंकाल ही मिला। सूचना मिलने पर अलवाल पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। बरामद कंकाल को पोस्टमार्टम के लिए गांधी अस्पताल के शवगृह भेज दिया गया है। पुलिस मृतक की पहचान स्थापित करने और उसकी मौत के कारणों का पता लगाने के लिए विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है।

यादाद्री देवस्थानम बोर्ड नियुक्तियों पर कांग्रेस में बढ़ी तकरार

विधायक राजगोपाल रेड्डी बोले- मुझसे बिना सलाह लिए लिया गया फैसला

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। यदाद्रि भुवनगिरि जिले के प्रसिद्ध यादगिरिगुट्टा देवस्थानम ट्रस्ट बोर्ड में सदस्यों की नियुक्ति को लेकर तेलंगाना कांग्रेस में असंतोष खुलकर सामने आ गया है। मुनुगोडे से कांग्रेस विधायक कोमाटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की कार्यशैली और नियुक्ति प्रक्रिया पर नाराजगी जताते हुए इसे एकतरफा निर्णय बताया है। राजगोपाल रेड्डी ने कहा कि मुनुगोडे विधानसभा क्षेत्र यादाद्रि जिले में आता है, लेकिन उन्हें ट्रस्ट बोर्ड के गठन की कोई जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि यदि उनसे सलाह ली जाती तो वह अपने क्षेत्र से कम से कम एक प्रतिनिधि को बोर्ड में शामिल कराने का प्रयास करते। उनके अनुसार इस प्रकार का व्यवहार पार्टी के भीतर असंतोष बढ़ाने वाला है। उन्होंने कहा कि वह ट्रस्ट बोर्ड के अध्यक्ष की नियुक्ति पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहते, लेकिन सदस्यों के चयन में स्थानीय जनप्रतिनिधियों से राय लेना आवश्यक था। उन्होंने आरोप लगाया कि नियुक्ति प्रक्रिया में वरिष्ठ नेताओं और जनप्रतिनिधियों के प्रति अपेक्षित शिष्टाचार का भी पालन नहीं किया गया। कांग्रेस विधायक ने कहा कि वह मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नियमित संपर्क में रहते हैं और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से भी मुलाकात कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि वह पार्टी की सभी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाते हैं और ऐसे मामलों में उन्हें अपनी बात रखने का अवसर मिलना चाहिए था।

कॉलेज बस की टक्कर से महिला की मौत

काम पर जाते समय हादसा, बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कुकाटपल्ली क्षेत्र में बुधवार सुबह एक निजी कॉलेज की बस की चपेट में आने से दोपहिया वाहन सवार 50 वर्षीय महिला की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, मृतका की पहचान मूसापेट निवासी लक्ष्मी के रूप में हुई है, जो अमीनपुर स्थित एक होटल में कार्यरत थीं। बुधवार सुबह वह अपनी मोटरसाइकिल से काम पर जा रही थीं। इसी दौरान कुकाटपल्ली पुलिस थाने के सामने एमएलआर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमएलआरआईआईटी) की एक कॉलेज बस ने कथित रूप से उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी।

टक्कर लगने से लक्ष्मी सड़क पर गिर गईं और बस उनके ऊपर से गुजर गई, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर कुकाटपल्ली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में दुर्घटना के सटीक कारणों का अभी पता नहीं चल सका है।

आरटीसी बस की टक्कर से इंटर छात्र की मौत

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के उपनगरीय क्षेत्र चेवेल्ला में बुधवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में इंटरमीडिएट के एक छात्र की आरटीसी बस की चपेट में आने से मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान सात्विक रेड्डी के रूप में हुई है। वह शबाद क्रॉसरोड्स पर सड़क किनारे अपने कॉलेज की बस का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान वहां से गुजर रही एक आरटीसी बस ने कथित रूप से उसे टक्कर मार दी। हादसे में सात्विक रेड्डी गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही चेवेल्ला पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है तथा दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

बंद मकान से 21 लाख रुपये नकद और 20 तोला सोना चोरी

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हबीबनगर क्षेत्र में चोरों ने बंद पड़े एक मकान को निशाना बनाते हुए करीब 21 लाख रुपये नकद, 20 तोला सोने के आभूषण और अन्य कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया। घटना के समय मकान मालिक परिवार सहित उमराह तीर्थयात्रा पर गया हुआ था। पुलिस के अनुसार, मकान मालिक करीब एक सप्ताह पहले उमराह के लिए रवाना हुआ था और घर में ताला लगा हुआ था। मंगलवार रात उसके रिश्तेदार रहमान मोहिउद्दीन ने घर के मुख्य दरवाजे का ताला टूटा देखा, जिसके बाद उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही हबीबनगर पुलिस मौके पर पहुंची और घर का निरीक्षण किया। पुलिस ने अलमारियों और दरवाजों से फिंगरप्रिंट तथा अन्य साक्ष्य एकत्र किए। रहमान ने पुलिस को बताया कि उसके भाई के अनुसार घर से लगभग 21 लाख रुपये नकद, 20 तोला सोने के आभूषण और अन्य कीमती सामान चोरी हो गया है।

आरपीएफ सिकंदराबाद ने लौटाया 2.24 करोड़ रुपये से अधिक का खोया सामान

ऑपरेशन अमानत के तहत आरपीएफ का सराहनीय कदम

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। यात्रियों की सुरक्षा और सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय देते हुए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) सिकंदराबाद मंडल ने 'ऑपरेशन अमानत' के तहत जनवरी से जून 2026 के बीच खोए हुए यात्रियों के सामान की सफलतापूर्वक बरामदगी कर उसे उनके वास्तविक मालिकों को लौटाया।

इस अवधि में 658 मामलों का निपटारा करते हुए कुल 2 करोड़ 24 लाख 12 हजार 510 रुपये मूल्य की संपत्ति यात्रियों को वापस सौंपी गई। आरपीएफ सिकंदराबाद ने जनवरी 2024 से जून 2026 तक 'ऑपरेशन अमानत' के अंतर्गत कुल 2,747 मामलों का समाधान किया और यात्रियों के छूटे हुए सामान, महंगे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, आभूषण, नकदी तथा महत्वपूर्ण दस्तावेजों सहित 7 करोड़ 28 लाख 39 हजार 516 रुपये मूल्य की संपत्ति बरामद कर उसके वास्तविक मालिकों को लौटाया। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, यात्रियों द्वारा जल्दबाजी में ट्रेन या स्टेशन पर छूट जाने वाला सामान केवल आर्थिक मूल्य ही नहीं रखता, बल्कि उसमें जीवनभर की बचत, महत्वपूर्ण पहचान पत्र और भावनात्मक रूप से जुड़ी अमूल्य वस्तुएं भी शामिल होती हैं। ऐसे में आरपीएफ ने हजारों यात्रियों की चिंता और परेशानी को राहत और खुशी में बदलने का कार्य किया है। वर्ष 2025 में आरपीएफ सिकंदराबाद ने 1,111 मामलों का सफलतापूर्वक निपटारा करते हुए 2 करोड़ 53 लाख 39 हजार 664 रुपये मूल्य की संपत्ति वापस दिलाई थी। वहीं वर्ष 2024 में 978 मामलों में 2 करोड़ 50 लाख 86 हजार 989 रुपये मूल्य की संपत्ति बरामद की गई थी। ऑपरेशन अमानत की सफलता तीन स्तरीय व्यवस्था पर आधारित है। इसके तहत 700 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से प्लेटफार्मों और ट्रेनों की लगातार निगरानी की जाती है। आरक्षण अभिलेखों, यात्रा संबंधी आंकड़ों और पहचान दस्तावेजों की सहायता से सामान के वास्तविक मालिकों का तेजी से पता लगाया जाता है। साथ ही बरामद संपत्ति को सुरक्षित रखकर विस्तृत सत्यापन प्रक्रिया के बाद ही संबंधित व्यक्ति को सौंपा जाता है। सिकंदराबाद के वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त अलकुंटा नवीन कुमार ने कहा कि किसी के लिए भूला हुआ बैग सामान्य वस्तु हो सकता है, लेकिन उसके मालिक के लिए वह उसकी मेहनत की कमाई और सपनों का प्रतीक होता है। उन्होंने कहा कि आरपीएफ की टीम चौबीसों घंटे कार्य कर यात्रियों की चिंता को राहत में बदलने का प्रयास करती है।

आरपीएफ ने यात्रियों से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि यदि किसी का सामान खो जाए तो घबराने की आवश्यकता नहीं है। यात्री तत्काल रेलवे हेल्पलाइन 139 पर संपर्क करें, निकटतम आरपीएफ चौकी अथवा स्टेशन कर्मचारियों को सूचना दें तथा ट्रेन संख्या, कोच संख्या और खोई हुई वस्तु का पूरा विवरण उपलब्ध कराएं। आरपीएफ ने अपने आदर्श वाक्य 'सेवा ही संकल्प' को दोहराते हुए भरोसा दिलाया कि यात्रियों की वस्तुएं खोने के बाद भी उन्हें खोजकर लौटाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाते हैं।

चार भारतीय-अमेरिकियों को 'ग्रेट इमिग्रेंट्स, ग्रेट अमेरिकन्स 2026' सम्मान

निकेश अरोरा और महज़रीन बनाजी समेत 25 प्रवासी हुए चयनित

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मूल के चार प्रमुख अमेरिकी नागरिकों को वर्ष 2026 के लिए न्यूयॉर्क की प्रतिष्ठित कार्नेगी कॉर्पोरेशन की 'ग्रेट इमिग्रेंट्स, ग्रेट अमेरिकन्स' सूची में शामिल किया गया है। सम्मानित होने वालों में साइबर सुरक्षा कंपनी पालो ऑल्टो नेटवर्क्स के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) निकेश अरोरा, हार्वर्ड विश्वविद्यालय की सामाजिक मनोविज्ञान विशेषज्ञ प्रोफेसर महज़रीन बनाजी, हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के प्रोफेसर एवं विख्यात लिवर रोग विशेषज्ञ डॉ. संजीव चोपड़ा तथा वर्टेक्स फार्मास्युटिकल्स की अध्यक्ष एवं सीईओ रेशमा केवलरामानी शामिल हैं।

कार्नेगी कॉर्पोरेशन ऑफ न्यूयॉर्क ने वर्ष 2026 के लिए 21 देशों से अमेरिका की नागरिकता प्राप्त कर चुके 25 प्रवासी अमेरिकियों का चयन किया है। यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब अमेरिका अपनी स्वतंत्रता की 250वीं वर्षगांठ मनाने की तैयारी कर रहा है। चयनित हस्तियों को कॉर्पोरेशन के वार्षिक 'ग्रेट इमिग्रेंट्स, ग्रेट अमेरिकन्स' अभियान के तहत सम्मानित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य अमेरिका के विकास में आप्रवासियों के उल्लेखनीय योगदान को रेखांकित करना है।

उत्तर प्रदेश में जन्मे निकेश अरोरा वैश्विक साइबर सुरक्षा क्षेत्र की अग्रणी हस्तियों में गिने जाते हैं। वहीं हैदराबाद में जन्मी प्रोफेसर महज़रीन बनाजी सामाजिक मनोविज्ञान और अंतर्निहित पूर्वाग्रह (इम्प्लिसिट बायस) पर अपने शोध के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध हैं। नई दिल्ली में जन्मे डॉ. संजीव चोपड़ा हार्वर्ड मेडिकल स्कूल में अध्यापन के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिवर रोग विशेषज्ञ हैं, जबकि मुंबई में जन्मीं रेशमा केवलरामानी वैश्विक जैव-प्रौद्योगिकी कंपनी वर्टेक्स फार्मास्युटिकल्स का नेतृत्व कर रही हैं।

पिछले वर्ष इस सम्मान से भारतीय मूल की नागरिक अधिकार अधिवक्ता मंजूषा पी. कुलकर्णी और येल विश्वविद्यालय की खगोल वैज्ञानिक प्रियंवदा नटराजन को सम्मानित किया गया था। इससे पहले नोबेल पुरस्कार विजेता अभिजीत बनर्जी, जन स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. आशीष कुमार झा, अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ, नासा के वैज्ञानिक कमलेश लुल्ला, अमेरिका के पूर्व सर्जन जनरल डॉ. विवेक मूर्ति, एडोब के सीईओ शांतनु नारायण तथा अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई जैसी भारतीय मूल की कई प्रतिष्ठित हस्तियां भी इस सम्मान से नवाजी जा चुकी हैं।

चड्रोन तकनीक से टीबी मरीजों का खर्च 9,451 रुपये से घटकर 91 रुपये

एम्स बिबीनगर-आईसीएमआर अध्ययन में खर्च घटने का दावा

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एम्स बिबीनगर और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के शोधकर्ताओं ने यादाद्रि-भुवनगिरि जिले में किए गए एक अध्ययन में दावा किया है कि ड्रोन तकनीक के जरिए टीबी के नमूनों और दवाओं के परिवहन से मरीजों का खर्च और उपचार शुरू होने में लगने वाला समय दोनों में उल्लेखनीय कमी आई है। शोधकर्ताओं का कहना है कि यह मॉडल देश के अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में भी अपनाया जा सकता है। आईसीएमआर की 'आई-ड्रोन' पहल के तहत एक वर्ष तक चले अध्ययन के निष्कर्ष वर्ष 2026 में इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ट्यूबरकुलोसिस एंड लंग डिजीज (ओपन एंड डिजिटल हेल्थ) में प्रकाशित किए गए हैं। अध्ययन के अनुसार, ड्रोन आधारित प्रणाली लागू होने के बाद टीबी मरीजों का औसत जेब खर्च (आउट ऑफ पॉकेट एक्सपेंडिचर) 9,451 रुपये से घटकर मात्र 90.90 रुपये रह गया, जबकि जांच रिपोर्ट मिलने और उपचार शुरू होने का औसत समय 15 दिनों से घटकर केवल पांच दिन रह गया।

अध्ययन में 840 मरीजों को दो चरणों में शामिल किया गया। पहले चरण में 206 मरीजों के लिए पारंपरिक जमीनी परिवहन व्यवस्था का मूल्यांकन किया गया, जबकि दूसरे चरण में 634 मरीजों के लिए ड्रोन आधारित परिवहन प्रणाली का उपयोग किया गया। शोधकर्ताओं के अनुसार, पहले ग्रामीण क्षेत्रों से टीबी के संदिग्ध मरीजों के बलगम के नमूने खराब सड़कों के माध्यम से जिला टीबी केंद्रों तक पहुंचाए जाते थे, जिससे जांच में देरी और नमूनों के खराब होने की समस्या बनी रहती थी। मरीजों को रिपोर्ट प्राप्त करने और दवाएं लेने के लिए कई बार लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, जिससे यात्रा खर्च के साथ दैनिक मजदूरी का भी नुकसान होता था।

पुलिस मुठभेड़ में घायल चोर गिरफ्तार

तेलंगाना और आंध्र में कई चोरी के मामलों में था वांछित, भागने के प्रयास पर चली गोली

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में चोरी एवं डकैती के कई मामलों में वांछित एक संदिग्ध सीरियल चोर मंगलवार देर रात पुलिस मुठभेड़ में घायल हो गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, नालगोंडा केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीएस) की विशेष टीम को सूचना मिली थी कि आरोपी, जिसकी पहचान आंध्र प्रदेश निवासी भूषण श्रीकांत के रूप में हुई है, हैदराबाद में छिपा हुआ है। सूचना के आधार पर टीम ने आउटर रिंग रोड (ओआरआर) के एग्जिट नंबर-12 के पास बोंगुलुरु, आदिबतला क्षेत्र में घेराबंदी कर उसे रोक लिया।

बताया गया कि हिरासत में लिए जाने के दौरान आरोपी ने भागने का प्रयास किया। इस पर पुलिस ने उसे रोकने के लिए उसके पैरों पर गोली चलाई, जिससे वह घायल हो गया। इसके बाद उसे वनस्थलीपुरम स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, भूषण श्रीकांत तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में चोरी के दस से अधिक मामलों में वांछित है। उस पर करीब चार वर्ष पहले आंध्र प्रदेश में एक पुलिस कांस्टेबल की हत्या में भी संलिप्त होने का संदेह है। पुलिस ने बताया कि पूरे अभियान और आरोपी के खिलाफ दर्ज मामलों को लेकर बुधवार को विस्तृत आधिकारिक बयान जारी किया जाएगा।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.